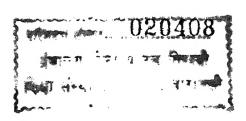


and the second s



च्या में स्था में क्या कि स्था में क्या में क्य



ا احت. المنابع

ज्या मुह्या		
2	इन्दर्ने नावस्था	****
3 4W V	यर त्रेट मही	****
n del. 30	तर खेडु नद में सं क्य महे म	49.44
३७ वसं 👓०	चरागुरी चो)साया चेराक्ष्यात्रक्ष्माया	* **
noden. ea	बर भेदु महामाना भेद हैं। भदे न	******
८० देख. ६८	बरामें 3 न वे न व न न न न न न न न न न न न न न न	9-71
ne da. Jan	यर मुद्ध माना यश्र प्रह्मा	****
20 gr 233	वर से वुने या निकान मन्त्र	***1
733 451° 240	वर से वु व वु व व व व व व व व व व व व व व व	'यम
१४० इस १४४	बर जुड़ नकेंद्रिया के मर महस्र मूर	
२००० वेस. ७२०	यर खेतु द्रनु या द्वेट वृत्ति ।	****
१७१ दशः ४३१	चर.पुष्टे.चढे.च। डे.४४५.ग्रेब.एब	
333 del. 321	तर सितु वढ निवास। वर्ष व र्तुमा	44464
४८८ वेश.४८८	यर.जुवे.च?.चेश्रेशता श्वेचश्च.चर्चूण.च	J.ga.rl
31.5 2d. 373	यर. जुनु वडु व डुम या दुनु दूर। स	रूट्स.य
उ र ३ देखे. ३०३	नर मिर्देशन्दार्ग बद्दार द्वार ग्री	173
-	क्ष्यायवद्	****
३०० वेश्व. ३२७		_
	द्र्यमः गुःइष्युत्रदः म्बाह्यं। ""	79 0 18
	•	

Section 2 and the Section 2 an	Hite Tal. Let 1922. <u>— An early and an early an early and an early and</u>	वेंद्र 'वडेंस' है हु 'सेन	ONLY TO SOURCE SHEET SELECTION AND AN ADMINISTRATIVE TO THE SHEET SHEET SELECTION AND ADMINISTRATIVE SHEET
ब्र्ना.	क्षेत्रा.	T .	বৰুশ্ব
ग्रीटक्ष.	₹£.		
39	クロ	चाब्रुश्चचा.	শাইঘ্য
32	33	व के हिं	क्ष्य प्रहेंद्
<i>3</i> 0	2	ন্ র্ন েহ্র	HACKE
3V	23	ନ୍ଦ୍ର ସବି	व्य. के.सी.इ.चबी
200	S	र् 'व'हरे'मा	5 শেৰী ন্ত্ৰ সা
≈ γ	33	Z'49C'	ş .9r.l
v e	3	ผมริจัรรู ฐัน	୯୬ .୬ୂଦା
ပ္	32	द्रवाक्ष.मा ⁵ व.माश्रुष्प.	ইনাধ্যনাধ্যমা
Go	२२	वडस.ब्रह्म	494.4124.441
<u></u>	24	9.4.43.	왕·文·호·다]
رحی	ש	ਭੇ ਨ ਾਕਾ	55° EV
v=	<i>ე</i> ၁	महिन्य.	파 영·취 장[
VL	23	৺৺৵.ঐ.জ.	e ই্ল-গ্রুমা
200	٨	बर्भर	र्ने अन्।
20L	2V	यक्टेब	यहन
238	٧	¥E.£4E.9.	26.342.3
234	<i>37</i>	34.L.	397FI
200	9 h	581798	5 N.9133

ब्ना.	শ্বীনা	र्देश:	বৰ্ত্ত্ৰ
des.	ġc.		comments
252	32	वर्षेत्रवट वहेंत	22.0.20E4
2°V	20	क्षेदः द्वाश	क्देन्द्रम्
२ ०८	33	ইনা নহাব ইবা	मूट हि. हैंग चरी व देश
2°0	٨	केक्षः य श्चेग्दईन	क्षकट ह्वीन वहनामा
323	クロ	अर द्वें श नहेंद्	लूट्र ने इस खेश यहूरी
220	22	क्षामदानु वि	क्षे.चर.वस.ब्रे.ह्व।
₹ ₩ ₹	æ	चे.रथन.मु.	प्रमानीसार्याः स्वासाद्याः वस्तः स्वासाद्याः वस्तः
2 ~ S	2 3	चेश्व.चेटश्व.	44.9.4EM
2Y°0	v	ন্ন'ম'র্ক্ক'	हासकेश
2Y3	20	₫.₫₹.gc.	553c1
346	32	लेस'य दे'म्बुटः	बुद्ध-दर्ध-नेबेट.।
320	\$	j.Ban.	हें किंद्र हिंधका
340	3 L	ĝ-re-j-	नुंद्रवु सट व
320	22	32 3. MC.	वर्णी से सर।
322	e	a.me.	AK WET
23 0	٧	67870781	12.18 <u>1</u> 2.

* A'A' \$ 64 4 4 4 4 4 4 5 1

- ७ ही.म. १००१ ब्रूर.चबेताब प्रिवृ. हें र ह्यूर पर हैं चरा
- द्वे म् १०३० सूर् सेचा उड्टर रेश में सर प्रचश सेवस
- शह.हुर.तर्र्य्याः वटा चर्नेयाः स्था। इ चर्नेट.र्टा, सु.स्ट.वृश्यरचेत्र चर्चेया स्था।
- न्। १६४४ हेनस वट वहेनस वदे से प्राप्त । स्वाप्त वट वस्त स्वाप्त । स्वाप्त वट वस्त स्वाप्त स्वाप्त विकास विकास व
- v गुःभेरेनिकेयभेनिवसमेनिमः हे वे ब्रायेन्या
- < दूरवर्षी:सद्वेश्वरम्बद्धाः॥
- ण स्यासर् सं संबद्धान्य स्था। स्यासर् सं संबद्धान्य ।
- e देवत्र,भे कुस्तप्रहरू के सब हो तथा भी लेख हिंद्या।
- ०० देवो.४ वेर वर्वेर केर का वर्षेट वर्ष अवस्य हैं दश्कर हैं । हेगी
- १२ हैं लें १०८१ लें दे सुपर्।
- ही. खू. ४७४० जू र.जे.श.वंश.ट्रेच.वेर.ज्यस.जय.ची.श.सि। ही. जू. ४७४७ जू.लंच. वंषूर.वंश.चेर.ज्यस.जय.चेट.। ३३ वे.श.र.चू. कुटु.चिश्च ज्यांजाची.चटा।
- नुमामदूर्याचेवटावेनसाक्ष्माक्ष्मामान्याच्याचार्याच्याचाराचेना.

- १ क्रैं तो १०४० तर्र सु स दश कु मार द सेवस पहेंद सा
- मिलिट.**स्ट्रे.मेश.सूर्ट.सूर्ट्ट.सूर्ट्ट.**मेशिट.य॥ इ चोश्चरतश्च.चैंच.स्ट्रु.संस्थ.येश.स्वस.शिट.स.श्च.में.सूर्ट.....
- चक्राचर् श्रुप्ता के स्वाप्त के स वक्षाचित्र के स्वाप्त के स्वाप्त के सम्बद्ध के स्वाप्त के स्वाप्
 - म्युःसदः न्युःस्यान्दः त्यं द्वसः यसः दे हिन्यम् म्युदः माद्याः यदः ।
 - ड द्वार स्व नुदा पर ना हैस है। सम्ब में स रे हिंद देना स म स्वार
 - υ द्वाव ख्व द्वाव द्वाव द्वाव क्षेत्र क्षेत्
 - ८ वर्षेत्रा है विकेष्त्राचार स्वास्त्र स्वास्त
 - e मुश्रापुष्ठायदे भ्रिद् के में प्रदान महेद के के में में माद्वार माहेदा

 - १० वित्रसम्बर्गः स्त्रेन प्रति स्त्रेन स्त्रेन स्त्रिम्स्या
 - 23 यद् वर्तिम न इव बेरास सुवे नहिए ये राह्र वह व हर हिला
 - १३ मेर् में अम सर्वे देव।।
 - ०० स.सर्वे है.चोटश.हेर्ट्र.चे.चेचस.सट.चुंस.खेचस.चा।
 - अत्सार्ग्ह् तुन् कृतसारे ज्यासार् हुन् या स्तार्थ स्तार्य स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्तार्थ स्त

क् में तर के क्य निश्च तर्ष अष्ट निरा

- वॅर्न्स्मनासे हिनास ६ हिना नाडिना
- यनसन्दर्भस्यसम्बद्धान्दर्भन्द्वान्तरम्
- ३ अ:सर कुंद्रसर खेंनासर तिर्देर स्नावस सते हैं हिंदा देंग यु
- नाबर ना। च क्रिका १००० व्यापत् केर पुरादे संप्राप्त करें
- प्रत्रिक्ष्यं अविद्राययश्रं द्वेष्या स्वायक केर्द्रिक्ष के द्वा के
- होत्त्रियः १३१५३ ही त्राना स्थान भने द्वेस पड के रक्षा सर्वे से सर्वे से सर्वे से
 - य श्रेन्ब्रॅन्यूनिया।
- १ सुभारत्र्यत्वी। १ सुभारत्र्यत्वी।
- हिंस् १००० हैं नेबंश देश के प्रत्या निकार के के हिंदी प्रति की का
- ३वर.मु.श्रीतम्।। २० मोश्रेपार्द्धेश्रहुद्द्राजानोष्ट्रश्रस्त्राच्चे मोविद्यम् सर्वे मोविद्या
- ७० विस्तान्त्रेत्द्वन्त्रम् विद्याः सुंदुदः नुः तदरः स्वविद्याः।
- ०२ जुन्नर शेर हेर्न ने न द सकेन र द हर पत्ना स जि श धर।।
- 83 N.B. Z. XEM. H. LAV. 21
- १० हैं त्यू. Vene जूर के सार्थ में वीर रे सुवस तथा है साही।

क्ता १३.ट्स.तूर् क्रिट्स.श्र.श्री सविष.क्ष.तर श्रीच.तप्र.तूर् क्यात. र्थातम् राष्ट्रीय स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप **भक्ष्यास्रीया।वनाने अञ्चराने तुर्**ता क्षेत्रा वर्ते र वर्ते श्रास्त्र न क्ष्या ही र यह **अवशाप्तेन वह्माब्रो**टाळे राजे ते स्थानिकाया नक्षाया हिन्दा के रहेते हो। सर दशार्चेर् कु महत्त्र द्वायाम्य स्वायः नार के त्युर खन्य विहास देवानिष्ठानिष्ठमान्द्रसमान्नुवायात्रमानुबाद्यासम्बित्तिमाके।सन् सराधेंशारे वसुपायुरावापृत्र हेन्यरा ने विविधार्यराह्या चॅर् कु नरेश सदे नश्यायम य कुर नध्या सिन केंग रेश ने नरे बुरा कु.मैम.थर.लूना रे.पर्केर.श्र.तपु.यहूर.हपर.चार्. त्र्र. विशाने विशासायने निमार्ट्र ब्रीटार टान्यटा यर मिटान्य वर्ने ড়৾ঀ৾৾৽য়৾ঀ৾৾৽য়ৼ৾৽য়য়ৢ৽য়৾ৢ৾৾ঀ৾৾৽য়৾ঀয়৾ৼ৽য়৾ৼ৽য়৾ৼ गु.ष्ट्रंगरी मी.चीर.तश्रेटह्य.हें.रश्राक्षावश्री रे जपु सि महा है जू ७००४ में या येथे र यते छ्रा केर देव। व्रिट्ट रय हा ०३० क्रिना त्राप्त व्यापिते हे भाने मार्थ



क्ष्रीट मुला

्रा । में ल. १७०० ल. में मु. धू. रंशर. तूर , रंशन , रंशर. तूर , वर. ल्रंट. कुं.चूरं.चेर.कुंचेश.ग्रे.स.चेरस.चडेट.श्रेचस.ट्स.टेट.। ट्रा.ग्रे.धु. भटः बसःचाटः कृषु अनसः वृशः सः नुः स्तुः नुः हो तः नुः सहरः सक्तः . . . ठमुंत्रः क्रीयः क्र्यंत्रः दरा। ठह्त्रः म्रीटः क्रीयः प्रचाः तः प्रचाः तः प्रचे गयः । विद्यारा क्रीयः क्रियाः विद्याः विद्या ल्ट.चतु.खचश.जुंश.बे.उंत्रं.क्येट.वेश.सूरी श्रेश.केट.चर्चा.सूर्या विकार् द्रेश लब नारा लहा का वैरा / पूर्र तर्री प्रेमी - वैर्मा का सबरा सर र्शन्तरास्त्रं स्ट वर्ष जीयाचि हमा ही पक्षे सेर है। पर्य स्थ वास्त्रेन केशन्ता वना वेन होन ही स्ति हता ने ने वि वि स्वना स्नना मी.च्रीट.वंबासीय.ता.श्राचीयामी.वंशातपु.क्र्यान्यं.कु.ची.चोर.वंशा र्चर रु. रु. च. या चहे ब. बहा चुटा च प्लेबा √ ट. क्रें . क्रें शास ब. मीं . मुया मन हिंदा मु नि तर निहुर पर्देश तथा हिर मु पर्देश में दिस हैर हैर क्षे चुेर्'य' वेग' फेर्र' स्वसं र्यथ ' द्विं ' चुै ' सर्वु र **मुे र** 'देई संस चें 'सेर् ''' राप्तु .ियर। म्रीयात्मवात्मीलवार्यात्मी रूप्यावारमा स्वरास्थाया स्वरास्या त्त्रं दे दे दे वी स्त्रं स्त्रा क्षेत्रं दे र क्षेत्रा दे र स्त्रं शकः लटां रेभरात्रारीना नीमानीसायहँगासारे हा हु तु रटा रेचटा भेषसा प्रहम् प्रम्म कर सेट देनास प्रमः सेत् पु प्रमित् पर्वमाया सेता यद् व.रेयट.चोश.पेह्नो.पक्नो.तपु.च्रॅश.भवेष.रेर.ट.क्ष्.पु.चोबेट.चीश.. ह्यें स्था से न गुमा दे तामशायेव सामुशाव ने त्यशासमा निर्देश मार्सिन

रा.हेर्.मुब.कैर.रे.ल्ट.मै.ट.क्रूब.चेबल.त्र्र.अहट.चेचेबा स्था मधुकादे द्वाद्या द्वाया देवा मेक्स या मध्य प्राप्त हो । प्रते मे महाया दे नसःसैना तपु रेपोठ राज स्रापितिर केर हो राज राज राज स्थानी स्थानी समुक् देर क दहना से हैंद समु से दुर हुए। देंक कुर मूंक समुक् देंके बट मी देंब कं ब समस्य है । लेगा यर दिन गार्स दे । ह्यु । दिना भी । देगें साम्बर द्याता पर्ते व राम्या रेव स्वर क्षा सर मा सी सी मि रहा है साम नावसा तर.च¥अ.चचुचश.वेश.स.मुरी∧्ट्रे. हुश.च्रं-वट.२.२ट. वटश.ईचोश. वैदात्त्रं, नोवंशाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्षिताक्ष्येत्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष् ङ्ग्रन 'बुदे 'दर 'बिद'क' प्रोर्च 'प्यंद' पर्चुना । देव 'पर्देवे 'दर दिस' दस 'र कें ' च्रि. शु. क्षु. शु. क्षु. से दश से रे. ह्रेय विवश विश ल्री रे. हेरे. कर मोर्था क्षा हैं में मूं बुचा मुंशा सहमा नहीं साम मुरी र्या परे क्रिया में ८चूँ .बेटश.चेंच.घ.पुंश.व.शिश.पेट.चूट्-फ्रै.चोरश.क्षेत.ह.चेंव्य.पुंश. म'न्लिन'नस'नेन'पनेते'सम्।सहना'नु'दर'म'स्यास्यासुस'मते हेंस'मी'स् यपु.येबायाचीबाराल्यं.कुटा लटाभ्राष्ट्र्रहीची.यहापायेथा.यदु.यपु.सर. चर्ने रे. तर्र रेव रेथ मी. जभ क्य मी. श्रेर का है ने ना नहें रेड्य ल्या र स्त्रमा जा तेया केया केया नेया नेया नेया नेया नेया है है ने पर्या है स म्बाह्य पर नावेनाय पर अयु प्रयास हार देर स तिस्य पर हें व परे ... शरश मेश मुश स्ना अर नश्चरश निरा र हू वे से रवस पर्रेर में मरमी क्रियरियर मेर्ड में अनु इस स्वर है स लग मेर मार्ट पर्द रहें " स्त्रेन्द्रियास्य देर बुन्स्य पर्ते हेस ५६न या विना खुर्ये र पर यहेश ८. ष्ट्र्य प्रत्यतः भ्रीय. कुरे अष्ट्र्य कर. चुरे भ्रीरे . चुरे . त्रेर . ह्र्या स. वस र्ट क्विय होत प्रवित स्प्री मार्डिन करी प्रवित हिंद होते प्राप्त हिंदा न्दा मी

स्विकः देशः क्रियान्ति स्वकः विद्यान्तरः स्विकः क्रियान्तरः स्विकः देशः क्रियान्तरः स्विकः विद्यान्तरः स्विकः विद्यान्तरः स्विकः स्वकः स्वविकः स्वविक

क्~~~क्~~~क् रेट.च्री श्र.४भ्र.सप्र.सी

द्वता क्षेत्रात्रकूर, दु. मी. सकू. वंश सक् क्ष्र, क्ष्रें स्वात्र में त्राह्म स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्र स्वात्य

ब्रिट नहीन देने हैं दिश में निमालक अस सर्वे न लिना अंद न देरे

भुट.पा.का.भुंश.भुं.इ.चुरा कीपा.भुं.कूश.इ.चार्थाता.चांच्यां.घांचर.ताट. चुर.बुटा इ.ट्रेर.क्षेज.झे.चोबस्र.तर.चोचोश इ.झॅट.ज.चुट.बेचोश्र. **५८। देवे.**ब्रॅन.रे.सिर.र्डा देवे.ड्रेन.संग.र्डा लट.ड्रेन.संस्थ.सं. ल्र्स् कुटा चेटकार् स्विरार्थ अधिरामाय विषया विषय हो स्व इ.र्वु.विट.ल.वीचा.स.रटा विश्वार्ह्स्य। बेर्याचा शु.पर्वेषु.र्याशार्ह्म्यः न्वैदावन्नवानुः व्यूदायां सदायां निष्या सान्त्रायां स्वायां स्वायां स्वायां स्वायां स्वायां स्वायां स्वायां स्व चे.८८। चुवे.कॅ.क्र्मेश.८८। चु.२मेश.ने.चा मेटा हुवे.८८। चेल्य. मात्र मात्रेन दिया सर्वे अन्य अन्य प्रिन हिन्दी हिन्दी स्वाप्त अहा है। ব্দানান্দ্রবাধার্যমধার্থ নান্ধ্রি নেষ্ট্রমান্ধ্রমধার দ্বন্ধার ব্রমধা क्रिटा प्रहेन सामा सेन्या सेन सामा सेन साम स्वाप्त साम स्वाप्त साम स्वाप्त साम स्वाप्त साम स्वाप्त साम स्वाप्त য়য়৽য়য়য়৽য়ঀৢ৽ঀৼ৽য়৽ঀৢয়৽ঀৢয়৽য়ৢ৽য়য়৽ঀৼ৽ৼৄৼ৽ৼ৽ঢ়ৄ৾ঀৼ৽ঢ়য়৽ঢ়ৢ৽৽ द्धा मुं भिं मुक्ष दर भेरिक क्षु न्न् निवास विना भेरिक हैर। देने रिकार से विन वटाक्च सदी पटा श्रेन दिसादि ने विन पदी विनास प्रेमा निर्मित याः देर-रुअन्स्यअप्यञ्जयिव प्रदेष्य हेर्स्ट्राय-याळेब्राय-अद्यमुअन्तुः क्रिं क्षेत्र विना सरामा निमायाना वदा सही पारेता हेते क्षरा ता र्नो रामा मक्रियायालीमार्थित। देवे मेदायायामद्गिष्ठाष्ट्रदार्भिताचेता दम्रि सुवा रे या यहेब हे अद यश कन् श स्ट्रास सहस मिटा देनि र यद स्पट स्वा नु नासेर बदस ग्री कु सेवस ५६। दे विदेश हिंस ग्री विदर्भ में દ્રા-દુનાચ-નાકુશ-મુખ્ય અવલ-નાકુશ-સુ-વનુત્ર-વ-સંનાચ-ઍન્ -ના-વેચા निर्मिद्रायाने निष्ठीयसायमें रामह्या विदायहेन क्याया हदा विवान् सामनी

श्चु'नाश्चर'बुग्रस'हेद'सर'वस'सुर'य'रेदे'दर'य' इ'केद'लेना'र्दराकर' य रेत्। मूर न्यूक्षेय गु के क्ष्रक रूत् परे द्याक सक्ष मुक्त पर या कंद सर् विना नर दर हिना भेरी हुना प्रहर है हैं वस पर सामय हैना ही अक्स मुद्द मुंगी मुंखिया समाया सा मरा हा कट लेश य रक्षामुक्षःच्ड्रक्षःचःद्वेत्रान्वसःचेत् । ४ वटःचत्रे क्षेःक्षं भः व व्यामुत्रे क्षेरः पश्चमः वितायर सेरा झे हैं नशास्त्रण्या हिरा मर्टा मन्दा में निर्णे चार्यानार्वेश.चीट.बुट.। क्रि.बूट.क्री.चचर.चवर्ट.इंड.सट.च्.कुर.बंचस. व.लट्रा चावव.मी.श्रूच.चुट्र.मी.पूट्र.भश.वह्रमश.मूर. बुरिक्टा रटनीक्टरिंग्से र पर हिंग रट विया बेर पत्र प्लिंस वस हैना इंब निर्म हमासा हवा साम कर हमा नु महे न मेना प्रमा में लिया प्रमित्तिम् देशका के रिया में प्रविधार्या है स्प्राप्त हैं रे हैं। ही मुं गरा रश्रं स्वाय स्मिने ने दर्ग मुन हा स्मिय मुं हूं देश स्मित्र म व्रास्त्राहे के हिट होता से सट मी मिन करा है में ने मिन करा सिन मीक्र मुं सि.मीश्रायमाश्रावित्रमा म्यूप्त झेश्राली मूट सुर्वासा सै.स. पा.श्च.र्ट्रत्यत.म्.पक्टमा लया.येचा.सैचा.सैचा.पवेच.ही ट्रे.वटा.मूम्. क्याप्रहिना मी रेत्र में विष्या मार यर सु त मी विष्या है विष्या भी त श्चिर रिश्व र्षंत्रशावशान्य मीशान्त्रशान्त्र मुप्तानु सुरा सेर्पान् रेरा मेर पर्यापर मुंब मी रहेरा रक्षेत्राय स्थान मी रेश श्रेन्य मा भीर रेश विश्व

अम्.मियःवंशःभुदःअक्षश्चरानःश्चितशःतपुःमिवःकःपर्त्वाकःतःरः। निव्न-पुत्र-स्व-त्यक्ष-प्रविक्य-प्रविक्ष-प्रविक् बर-पे.विश्वास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राः निष्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा . बरःम्बेर स्गापळर बरामी भ्रीतात्मर ळेंचा गुराने सकेर केर में गुणी मुरा क्षद्रै :रेम्बरायान्नाव चें चेता ५ : दूराक्षेद्र नमदाहमास सामुद्र मोर्दर सुद्रे तमानात्रात्रात्रात्रात्रेतमानुसाराद्धमाट्समानि । स्वितमारानुरार्येया र्ख्र् के श्रूर दे रेज्ये तारेटा के किए श्राम हा राज्य रे तर श्रुर श्री श्रूर मश्रामक्री विद्यान्ता क्रिंग यम विदेयस्य पर विद्या निता सार्वा हैते. वर्क्के निवे देव निवे हें सार्के सामित्रा विद्रारिया सामित्र के सामित्र है सामित्र सामित सामित्र सामित्र सामित सामित्र सामित्र सामित्र स्रे, तथा वि.सैंच. १८ . हैं तहूर विव. १ व व अ.पीट हुरे ने शिक्ष लूरे. अपू.की. १८८. टे. ए.सू. म्बेर. रेचीर ज़ुर. त. रेट. १ कुर. ख़ुष्ट. टेंबा शि. लट. क्षीयर प्रेले कर्मा नियम स्टूर प्रयुक्ष मी प्रमुख कर में प्र Eटानीशक्तिमुन्द्रिन्दुयासदायानुन्मुन्देन अस्म्बन्द्राहरूरे न यस.स.प्रतायवृद्धारान्दा। सक्र्यन्यस्य न्युयार्यरः स्रेत्रान्त्रः स्र्वाः वि.संरंथ.के.ह्या परेट वस नेते.वित.के. हरी के.क्ट विश्व नु सर्हर निर्मेश्वर रे प्यर हरा नि नि तु व सर मही व न नु र हे हिंबा ह्युं-, यह्र-, ने, पट्टच । नेबाने बाही ही बाद्य हार बाद ने की प्रची स्वी । न्तर्य वेश मुंश स.क्रेट्रे न श्वर रच मूंचा केर प्रक्रेय प्तार होता नहाय. त्र. ष्ट्रर. लट. मष्ट्रर. र जिससा केट. हे. र टा संदर्भ की सी. हे. खण. हर्मा मिन्द्र हिंदा मुद्दर्भ स्त्र स हु.च तथा हुं पथा हु. (बेरा रहा पर्व रे.ची. रहा र हु. न की रे.कारी हुंश.

कुनिश्रातकाकुनितारेता श्रीमाहता महित्त्र्येनक्या प्रताष्ट्रीया श्रीया र्गि विश्वराष्ट्री है स्वरायाल्यी भ्राम्याल्येर चन्नरार्या सहरास्त्रेया केश्चित्रम्बर्दे प्रति । मी र्षेत्र चित्रित्र हिमाने विकास व भार्स्सारमञ्जीसानुना मिन्ने भिन्नानमान मिनसास स्थापन गुमा इन्धानक्रीत्व प्रकार्य (प्रविधास्था ऑटा माले गार्थे। दे ऑटा ब्रुट्साई। क्राल्य स्मार्शिनाक्यास्त्र स्ति रिक्वाम्याञ्च स्त्री स्त्र स्त्री स्त्र स्त्र स्त्री स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स त्राचन्त्रभावद्रात्यात्र्राणु द्वयानुसामा स्राध्यमा वद्रभावसा चेत्र त्र-सिन्धासासद्भसासुः सिनाग्री (सन्। **स्त्रीत्रीत्राम्यास्त्राम्यान्।** दिंद्रमा द के वे खुय क्षेत्र माय वेंद्र द्वास्त्र में वे प्राची दुसना मे न्वनार्केर वर्म । वे मानेस केन प्रनामि दे रना वस पुरा देर निर्देशक्रामित्राख्याम्भरावरायदाय्ये रात्नुसाम्बर्धिये करानीख्या भरायन्तरायकाराहेकाळ्याचा नवेराचा सवुरासाय विसासार्या विराधायाक्त्रके बेरावासुन्तु रेत्। त्स्तै विरानी से रवसानिक दशसान्त्रिन्देवे नि प्रसान्तु । दसान्दि नक्षेत्र देवे खे साह्य दे म्राप्तकावडात्रेच । क्राप्तकातपृष्टिकाष्ट्रारेशपे त्रिका वसाल्यानवे नावसार्थनान्त्री ने नाम्हर् ने ने ने लिया विस्तराय वे हिसा जार में येचे येश क्रिं जूचे <u>लूट यप</u>ु जम ब्रुं की पेष्ट्र जात में ये द्यास्त्रीरातरा दे अपकार हा साम्राज्या मिया पर में राज्येय ज्याहर पर्-अव्दायक्षाम्बीशः स्वेयशयाः कृत्यत् । स्वेशः सुदा । हास्तिभः कृतः। विभाक्षः। बुनार्च रदा। मर्च र्च लेना य हुना र्य ने मर्ग द ने मर्ग द ने यदे सून है अद्दर्भ ने अद्दर्भ अप्रमानि अप्रमानि अप्रमान

पट्टी.चोट.जुचोबाकी.युन्ते.चयु.चयबाचेबाचेबाचका को ॥ इसका चोबाला तु.जुबाकी. छ्यू रे.चयबा चिमाक्ष्याचेबाला तु.जुबाकी.खुन्त्यका चिमाक्ष्याचेबाला तु.जुबाकी व्याचिमाक्ष्याचे गाउँ हार्झे. सु याचेबा ख्या

द्या विमाने मान का मान के प्राप्त निहेर्ज्ञानिहेश्ल्यी टार्के.ज्ञानिहेन्स् हेरान् ल्या कुटा। रपु.भुैरासरासासुनापङातु गातिहासाग्राटा। **रमा**.कृटातुसारसा मूरियान नुन । मराक्षा कराया यह ने प्रदेश ने में त्या पर मार्थि के प्रदेश कर में प्रदेश स.चैशक्षेटा है जुनाया ने स्तिन विना निता है ट. प्राटय ने विना ग्रीटा देन भेरास्त्रमञ्जूनार्कुरारीमध्ये अर्थेन विदाना अगसारीमध्येतस इंद लिग सेद त्या अद्भ न्द प्राप्त अद्भ ने सेद ते विकास स्थान श्चरायादमा नुसर्वालेगारेता अगायराकायात्रायार्थाळ (प्यययकः द्रेयःस्टार्चः विष्ठेः देत्। ५ वविष्ठः द्रेयः पदेससः वश्चनाः यास्यः पुरा चंद्रशवयश्यात्रास्यात्राच्याच्यात्रात्रा पद्रास्यस्य विषयास्यस्य हेर्न्स्विगःहै। इरायरायराक्षेत्रकानुराहेदा। दवेरात्रा क्राम्बद्धाः चर्रोश्रञ्जान्त्रेश्रज्ञान्त्वेग्रज्ञान्त्र्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्र हुर् हेर्राक्ष पर व रे. के. हुर्रा कीर दे रहे हुर् हुर्र स्टिष्टि ने स्टि महेते दरायमानार नारे । विराधि करासर पहेलाने पिर्टा नश्रमञ्जू कु रे ने निर्देशमा विष्णे है। हेर् रहारू स्थि मु सदे हिंश उहर निस्हिस मिंद नीस खुना ना नावर इसस ता ह्येंन हुंदा सना दें किया ह्यूर-मुद्रे रक्षेत्रसायस्य मु त्यान प्रवेश मार्गः य र रा।

च.सैंबेश.स्वांश.पेट.चांस्. १४.४८.। क्ष्म.खेट.लट.उर्डेचश.लश.बेटी ट.क्ष्र्.उ.च्छ्र.च.झेल.बेटश.ग्री.चढ्र.च्य्.१४५.ल.१.ग्रीट.। ६.८८.। ३.सीर्रेऽ.पर्सेऽ.हं.) प्र. पश्याचीच प्रचालाचि !. शेलापट्चाची . ल्या । स्थाप्त प्रचाराचे हुं. प्र. पर्साचीच प्रचालाचि ! शेलापट्चाची . ल्या हुं. प्रचाराचीच . ल्या स्थाप्त हुं से प्रचाराचीच . ल्या से प्रचाराचीच . ल्

पत्रित्तान्त्रात्नान्ताः च्रुट्स् अर्थ्याः प्रति वित्र रेत्।।

हेना अद्यान्त्रात्तान्त्र प्रति वित्र क्षेत्र प्रति वित्र क्षेत्र क्षे

न्युन्यत्त मुन्नुन् । त्याष्ट्रियः नुन्दः निव्दः निवदः निवदः

श्चर प्रकृत पा अट दुव स्थ्य के तर्मा।

द्विम्भित्र्वा भित्र्य भ्रम्भित्र भ्रम्भित्य भ्रम्भित्र भ्रम्भित्य भ्रम्य भ्रम्भित्य भ्रम्य भ्रम्भित्य भ्रम्य

मक्स-निम् क्रि-निम् क्रि-

क्रेंबस'य'दिनेस'बर्केर वेस'यणद'मार्ट'दिना॥

वृत्यत्तर्भा स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप

क्षे.चं.भ्रोन्थात्ताक्ष्यं क्षेत्रक्षयात्रात्तात्त्रम्याः क्षेत्रात्राः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे कष

म् दिस्सी म् १०३४ मी स्थान में १ मे

क्त. मुझ्य मुद्दे स्थालक मक्त मिन्न प्रमान स्था मुस्य क्षेत्र स्था मुस्य स्था मुस्य

मार्था द्यारे विधानव्यापट ही र वर्षेया से मार्रे भारता। मार्थिमा त्र.चक्ष्मा चक्कामुका नृत्रारा नेत्रायका हेन् चार्डका यक्षमुका खान्त्रीत दे 'बर य देर पर्कित हर। देने स्नवस विर के ने पर्ने प्रिष्टे हे य से र ज्रामिद्दे हा मे दु कदारी इस्ते के प्री इस्तु हा मिद्रा मी सामिद्र में दि मुखा मिट. ट्र. चाल्चा चहिंश ने च्हें ने अपूर चेश मिट हूं मिट चर्न चेश हैं है. पर्हिश शि. प्रति म् अपका दर्ष त्या के का ने हिं हु सा ने का से पका हैं . पा वा म वैश्वायाने निंदा के वे विने विद्योग विद्योग रेन प्रेमी हुं शान के विद्या मेवु कंट म्राम्परा मल्य रमा वय कंट रें पल्या है। देर मिंद रहेंस स्नामु रूट रहर ने नहें न उटा सुनामु रहर रहर ने स स मार्सिर मान्द म् सर्वे यह दुः स्ट्रिन पुरु ति स्तुन । यम् सं स्ता हेना स्तुन हेने स्रिन यदे हास्रे क्षे था य कुमान्वर विरास्ते सुना खेर विना विवेश विना विना मान बुनानुस्येदान ने दिसारहिरानुसारे पर्राटासार्श्वर देनासायन स्वसात मसः ८ द्राप्तेश्वराश्चर् हिन् नश्चरश्चर। बुन नुस्तार नुष्या अर्घेन संस्वीख्यानारेन वहिता देव के के स्वीस स से देविद वर्म दिवस म् सम्बद्धान्य द्वार्य दे शुर् दे हेश द्र भ्रायम सुना गुर् साप्रदे के

स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास्त

स्मान्त्रं कः महिमान्त्रम् अर्टः वशा वेट च महिशाहित अर्थः भूत् भूवशः भू क्षान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा अत्याद्धः अर्थः विश्वाद्धः विश्वाद्धः अर्थः विश्वादः वि

मिंदा सदी प्रेश मदी खेदा न है प्रशासित्य है और मुंदि परी में हैं है श हेरायाकेरार्धि महिकारिष्ठेरायक्षाप्त्याप्त्याप्त्याचेरायविद्वार्धियाः तिहें पान्ता देहें बार अर्ड कृतान कियान्तर क्षु मेरिस्ति के कु सम्ब यर भ्रद्भान यह मात्र हा सुद्देश प्राप्त है । के या रुखा प्रहं सामा खेर सु का हे दित्। मुंश्कासहें सार्वे वर्षे सामाने मा वनसामाने सार्षिर मुदाय वस दशःकुरः यः दे न्या दसस हे विया प्रदेश स्त्र मार्था द्याँया स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र रे.थश.रोपर.चीचा.चा३श.सैंट.वैट.च.४श.रोपर.मीचा.**६श.श.टुर.**पेक्ट. दशासुदार्खस[्]रायक्षायुकादे देवसद्वायदे स्वासदे स्वीदाय**दे** स्वादसः तर्चा । दश्यातिहर मुनाया हे क्ष्या देशायर मिट क्ष्या मार्थे महिट श्चेत्रात्रीयर,चैंचा.हिंश.भ.ट्रे.लट.श्चेवश.र्वचीज...चेंज.टेवट.ग्र्ट.भश. . न्यूसराहेरान्नासान्तर्विनातासुरा देशागुरानेतुर्दर्देशसी हेरान क्रेन्पर भेन् केश के दे क्षेत्र या रेन्। मुल क्य मुल कर्ता मुमार्थ भी मे नासुसार्ची दे त्यदर प्येदा हे सा मुदा हुव है। प्यानी दार्ची प्याने प्या सर्दे विश्वासुयामेट द्रा गाने सुप्त विश्वास देवे हिया द्रवित पाके र्वेशनेते भेराभेना नरावें भेदादमा भरादा गामा भीने नाहे सावें र्दे द्रम्य मळ्य भेय मी रेना

त्रा देते स्वासाम् द्वारा न्यास्य स्वास्य स्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य

प्रति विक्तित्वा सार्थी।

प्रति विक्तित्वा सार्थी स

 त्तु, चाढुद, चू, चाढुद, सु, उच्च, उच्च, द्व्य, द्व्य, च्यूद, च्

चर्यात्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षे

च्रुब. ब्रुम. पंजूर. पर्जूब. प्रमान व्याप्त वर्गा मार्च्य मा च्रुब. प्रमान व्याप्त प्याप्त प्रमान व्याप्त प्याप्त प्रमान व्याप्त प्याप्त प्रमान व्याप्त प्त

च्रीलार्च्ये जनम्बाक्षाक्षाक्षाक्षात्राह्य मह्यान्त्री मु केंचरा चीर्या च कु बे जूर विका है। लार ही र अपूर्ण की खेर थी। रे चूरे रिचनी कें वे प्येन हे साने प्रवेश्या सार्के अवराय मन्या सामुदाय सामित हैं। मीर्राह्म मीर्राह्म पुरानुका मार्थ स्थान के स ची.लट.ह्येट.लु रे.च.ट.टेच्ट्श.लुटे.च.घ.इटी ट.जू.वे.ह्ये. **ઋતસ**.ભ.મ.ખત્તાસ.યેજ.૨.ભ.મુંુેજ.મુંદ.મી**લેય.૨**૯.મુ. ૭૨.**૧૯.૨**નોજ… षक्यामिरासराव्यापायायायाचीरानाश्चरानात्रीन विरायराष्ट्रीरा निर्मानी रोमसाया द्रमार्देना के राया लेना व्यन्यारेता नाम व्यव ने सा म् स के वे में विना नी मु है तिमुद्य रावे खुता देर देगाव द्या के वे में ल्रा देश पह रे सूज हेरा हा अ क्षेत्र रादे जूर वे दे रे राज में यो पेष्ट्र-पिट.तयु.ह्र्य प्रचेश.पा.शरे.श्रम.रेटा। वर्यायश.प्रा.श्रेश.वैट.च. दे.ज.लेज.ध्र.ष्ट्रश.लेज.वेश.वेश.वेश.हेश.हेश.हेज.लेज.लेज.लेज.ले. न्त्रवसार्भर्गायात्र विश्वाच्चीर विद्या अनायर राष्ट्री वरार्देर वराक्षी र्र्ह्स स.कुर.पद्ग.पर्न.द्रा.रेटा च.सैर.भट.त्.चे.च.स्यांश.वट.स्र.ष्ट्रर न्यात्रात्माक्रेन सं मुद्दान रहेन दर्भ माने में मर्कन चेशा मु . से द्वी दास ही शायर है ना ना है शास सा नि दा ना न नहीं नहीं स

हे.च व्रिम. अ. अ. अ. च ले : अ. मेंच . तर . त्रंच तर . त्रंच तर . त्रंच तर . त्रंच तर . मुर्ने, नर्भेर.चीबु.भुर.तर.लर.चबुटश.रश.रट.ची.भुष्ट्रं चीत्र्यसा. सर्व सक्र में अस्माया प्रचिता नावट सहर हटा। ही र समारे हिंव हता शर.च बेनाश.स.ट्रे.पाश.पो.श.श्चेर.तर.वेप.च.पेट्र.चाश्चर.श्चेतशा य. र्भास्यार द्रमात्र्मान्युष्यम् स्रुप्यात्री पर्यापत् मिलु दे साम्यायः यत्र. र्स्थ. पश्रम् १५ द्वा । १५ श्रु. ४५ ६ ५ ६ ५ त्यू. पश्रम् चेर भेर्य १६. र्नार पर वट रे नवि ल्यं हिटा रेटे समस्य ए या मासुम रस होनस ल्या ह्यासरामामान्याच्याचराचहेताराम्चेराचरामानुरा द्वे मोडेद से मोडेद पड़ेद पड़ेद पड़ेद में से दें र च दि । मोडेद से . মারিম.ব.ট্র.ব≡েবরাম.মাইব.দু. ሌ সে.গ্রীবরাব.ম.মাইরা.১.১ট্রাই.বহ... ल्रं शिका. ह्या व्याप्त प्रमाना रेषा व्याप्त विष्य हिंदा विष्य विष्य हैं देशों स्व शर म्प्रे अपश्राम्य हेर् से हेर्म श्रामेर पश्र हि पश्ची पश्ची पश्ची पश्ची नार्वःश्चितःश्चितःश्चितःश्चरःश्चितःत्रम्नाःत्रःश्चनःत्रश्चनःत्रः द्रमे नावः मुकासम्मिन्यरायर स्त्रायत् स्रायस्य यात्रस्य यात्रस्य यात्रस्य स्राय र् दे लार रेव नेश्रम् के तिना रेने नेव क्रियं लेव स्वस नम्म निर्दे श्चिन खुक नेते स्टा हेन स्मिकाया जिट व्यवस जिन्याम सेना

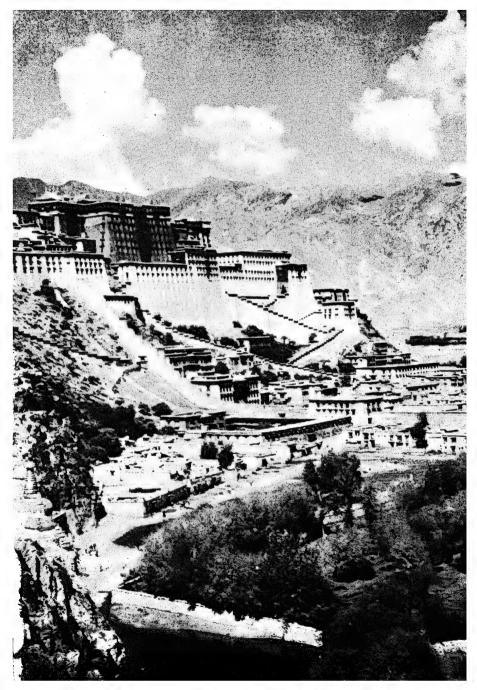
भ्रम् निवार हिंदी।
भ्रम् निवार हिंदी।
भ्रम् निवार हिंदी।
भ्रम् निवार हिंदी निवार नि

स्टार्बेट,सेची,शेभावमी,ट्रे.सैंच तिष्ट्याभावेच तर मि.भुट्रीमाः कु.कूट,स. स्रिचीश हुर्य,चे.मैंचु,टेश.कूट्रट्रे.शुंचश.श्र्टा। चूर्.मु.भै.क्च.कू.वश.ई. वश.ई. स्रिचीश हुर्य, २०३० चूर्य, श्रांचा तिष्ट्या स्रिचा चूर्या स्रिचा प्रिया प्रिया

विचार त्या के भारत ने विकास ने अपने के निवास कर के निवास ने अपने निवास कर के निवास कर कर के निवास कर कर के निवास क र.च्.रे.च्र्रे.च्य्रे.रेरा से.क्य.प्रताप्रतायंत्रात्यांकानावीनानाने सर. ह्या ्या ःक्षासर परे स्रीत्र पुरामक्ष्यस सु त्रुवर पूर्व रामर तत्र त्यवत्र का क्रामिक्या महिरादम् अपहर्ता पर दे द्रायम दे द्रायम प्राप्त प्र प्राप्त वना पवन वर्गा तर्गातर एक वर पर्वेर बेग हें से सर्गित समास से से रेने मुंकिंगामि वि गायदशक्षवश्रम् नामयानारे सर दिन परि क्षा द्वारे श्र.श्र.वयदाश्वर्वाश्वर्यात्रे । श्रे.वर.चट्टे.वर्चेर.वेदावटेच । ट.ज्.चर्चे.वा स्रीतपु पर्वे द्वा त्रिन हिसार कू न त्रिन देश हुर ने त्राम पर हि मिश्रं या (व या पार्ट) व्यक्त प्राप्त प्र प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त ब्रा साल्या हे देश स्वासानलना से सेनसा निसानु यान ने नुसा हैं, त्रिः ह्या में अध्येषी अद्दर्शनर ने त्रि स्थान ने मिनेर देवल वैद व देरी द के विवास हेर लेट सेवल हुए रेट से. कू.रटा चूरकी सी.क्या चारका नुसूर वचा रूटा जासूर भारका हु कू. चडरासी ४०६ स. ५८ । ६ द्वेया ३४० झूर खेरी साम्राष्ट्रसाट दे नाहे रे. स्चितात्र्यं द्रिम्बैयात्र्या ७८८। स्थितवरात्रस्थानिर्धे त्रास्त्रीयसामा मग्रमानु तिहित् सेवला नेता ने नुका सेन् अता तिही साति हिंदा लिं इत्याम् वस्य परियास हैता वस्य नहुत्र द्या हेर्ने कुर हैया चिमरा बट :ल्ट न : लेश इं ने न चिमरा लेश न : ने न न के स त पर्से हे हे हे भामा हेश ही स्रायर तिया स्री रायरे । प्रायह व से रेटा केरीयाल्यास्य ट्रबारटालटास्य रायष्ट्रलासीयरास्य संग्रस्थार

त्र्व्नाताने क्ष्मास्यात्र त्रात्मात्र व्याप्त क्ष्मास्य क्ष्मात्र क्ष्मास्य क्ष्मात्र क्ष्मास्य क्ष्मात्र कष्मात्र कष्मात्

लूर्-अ.वि.क्ट.जात्ययीय.हु. पंतीय.कुर.बुशातपु.चूँ टाई,टुंट.पंतीया था. टु.यंश.क्षेत्र.पंतीप.त्यालूट.हुश.झे.श.यंश.क्षेत्र.तृत्व.कि.पंतीटश.चर्



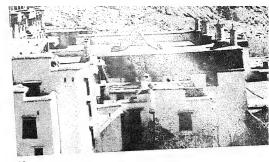




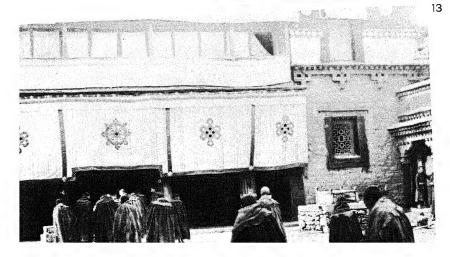


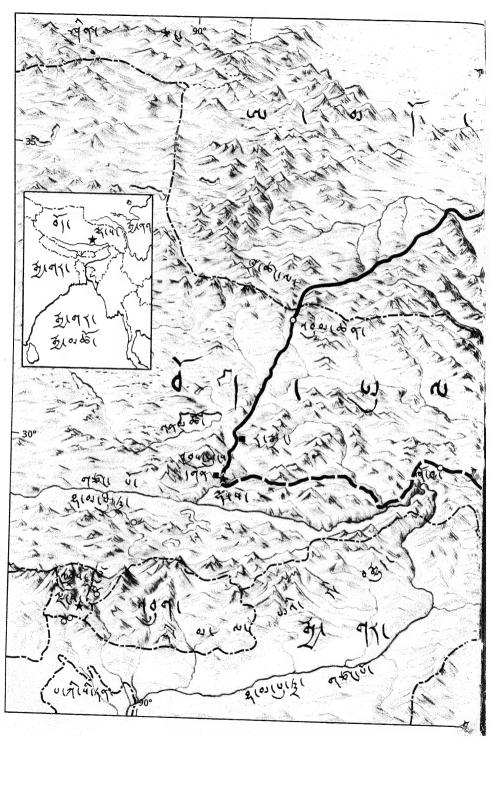


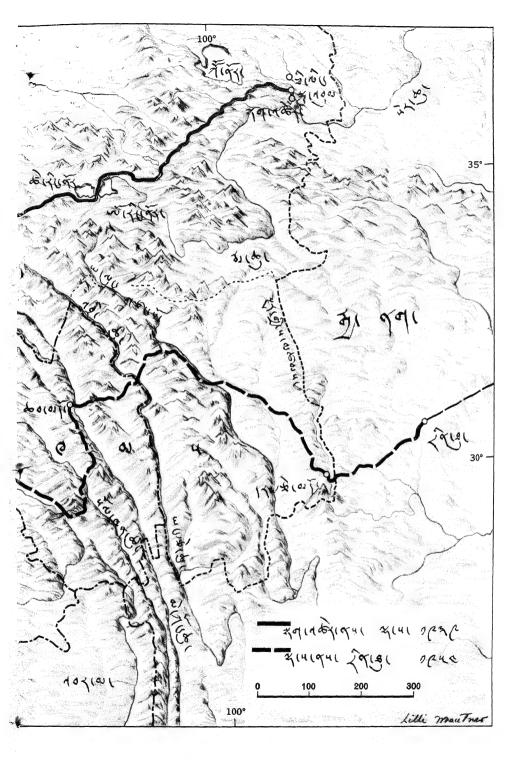


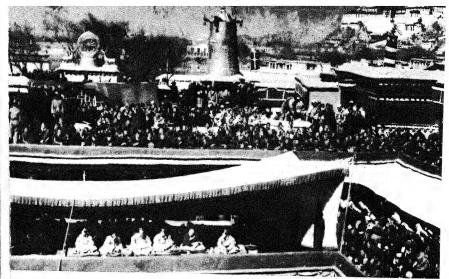




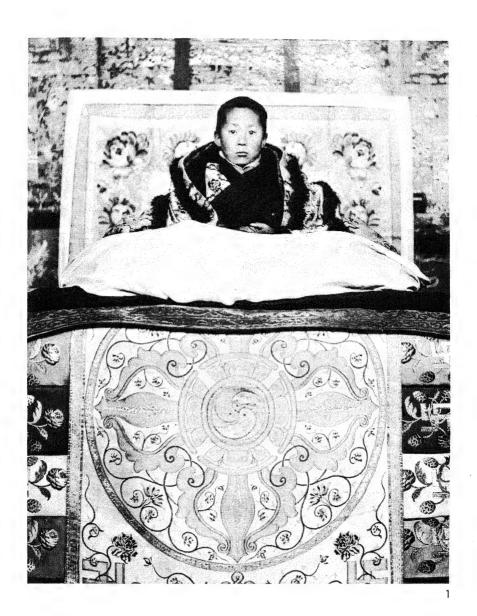


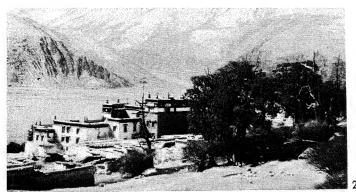
















चत्रभानिक्षां केद्रभ्यं निक्षां विषयः विना मुद्दान् निक्षां विद्यानिक्षां विद्यानिक्षां विद्यानिक्षां विद्यानिक विद

झारा वरा के वा पखरे रामावरा सा पश्चा सा नियं र रेमारा पर्यो से र निया इ-ड्रेल-सदार्च-सुना-सूदा देवे-वर्गाविद्विद्वानाव-वनाद्वा नाव्य-सद र्वित्रहेत न्त्रस्मासुस्रामी भराषे स्मार्मिसारा महायान्य न्त्रा सहरूभानेत्र माह्यस परेना चुटा द्वार रेमास रे केंस वर् की कुल कवा रेटा कूर्याकारों चयायाना प्रवासका क्रामका रे त्राप्ता से मासे हिटा प्रत्म । दे दशादशास दसाय मुंदा करा सुदा दे मा करा मुंदा प्राप्त वा ट्रे.४स.से. पक्र.प.४म४.५स.पथ्म.चैर.। ट्रे.४स.पडर.प्रयस.चेभस. नुनायर खूर न खुर। र खू दे कुनश नीय ने अर ह मैं श शि है व तर्मा । त्रमारिष्यार्मित्राचार्मा मूरिः मार्श्वा करासरा ह्या स्थार न्नी नन्न कें न्या केर क्षेर क्षेर प्रेट न्या नुमा के बीटा रेंया के न्याया ना वसरसः नुन् क्षेत्र नुने नास ने। सेर सि.स.स.स्टर संस्त्र मुन् रहसामान्य भक्षर जुर्चाश्चर दु.ह्र्चा वश्चर पश्चेन पश्चेन श्रीश जाना मानेश स्पार्थ ... श्चर-दे-रिचार-चर्र-इस्र-रचुर-र्-अस-रचार-चश्च-देन्-क्री-१-८र्-च । दस-मेनशःनुस्रसःद्रशः नुसः से किंदा स्रसः निष् रे विष् ते सेना रु नि दि । श्रम्भी तर्म । श्रामार्थामाट सर र्मार महारे मुन्ना मिलस र्ट लियस मुन्मास्त्र अट. ८ न्या।

दे दशानाया केदी सानादशायदमा नुसार सामार हो हो निसा च्रं मु.चेताक्तर्ताता है। हितासान्य च्रायसान्य नायावसान्य हे न हे त निर्मित्रपर क्रेन मासुमा पर्मित पाने हा सुर्मात माने हा सुर्मात प्रसाहित माने हो है। याने वर्ते मुश्चर व्यक्तियस स्नियस सुराया ने रायने स वर्ते ग्री श्रीन ह्यूरे. दरा चर्यायः पेचा । देत्र्ये. रूचाश्वः पर्देशः श्वरः श्व दरः। चाद्यः श्वाशुक्षः। मिल्यारम्ब्रियसम्बर्धाः मिल्या । मिल्या । स्यान्त्री स्वर्धाने स्वर्धाः स्वरं स्व देन देर झ्रासर व्येन् पारी निष्ठेन हेरी सुर्क्य मी निर्मानित हेरी देर र सर.८८। चज्रात्रीजा अर्चेच । मि.रचा.से.श्च.चक्स.रका.रचाठ.चश्च.बेस । दे वसार हैं दिविद्र न्तु स्ना सर वे दुस म दस्य द नाय दि न दे.के.सर.पश्चेर्**.से**पश.पत्राचीलश.चील्य.रे.चें.त.ह्र्ट.संची.घट.स्.्यश. मक्रें इस क्रें क्र्येश के अर क्रेंट पश्चेत्र अरें पर्वेत्र अरें रिमा सर वृश् रेमेठ पश्चेर मोधिश रेट । रूजि के मोर्ट्र मी उर्ने । वृर् मी **रमनाञ्चर कंद अदे दर्ना रमना क्या उ नज्जी र कुश मुख ५ ५ ५ ५ होर छेटा।** वॅर्न् अस्य स्पर्न पदी सेर क्षुचि कें क्षेत्र विश्व पर मासुक्र स्विहिन्स दशःमुर्दे क्षाये र वृद्धा भी मात्रवा सहर सुष्ठ हे द्वाव वशु द्वा मुख निर्देशका स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप श्चरं त्योताया सर्वेदायुष्या दारा देशीया स्थानिया स्थानिया स्थान ह्य . वृत्रा व्रदः र द्विष नीस भ्रेस प्रदे से ज्ञा भ्रे . क्रेन्य प्रवास प्रवास मिन् ब्रुटः पर्श्वभायश्वभाष्टिशः द्वैः द्वः प्रवादः विश्वभाषः प्रदेशः विष् मोर.क्रेयका.यक्ष्मेर.त.के.ये.चे.अट.जुट.पर्टे.जुट.कुर.ट्र्यं पर्टेची रिट.टेचट. यरे भ्रितः हेशायाया स्त्रीसायते स्त्राप्त स्त्राप्त हेशा स्त्रीसायस मिति . लूट्बी. चीट . हुं . झे. अर . उत्तुर . चुने. नें श. मीट . कुं . जाय . हैं . वीतु . कैट. च . .

क्राप्तर क्रिंच्या देश क्रिंदे हो त्रुव प्रमास क्रिंदे हो त्रुव प्रमास क्रिंद्र हो स्त्रुव स्त्रा क्रिंद्र हो त्रुव स्त्रा हो स्त्रुव स्त्रा हो स्त्र स्त्रा हो स्त्रुव स्त्रा हो स्त्रा हो स्त्रुव स्त्रा हो स्त्रुव स्त्रा हो स्त्रुव स्त्रा हो स्त्र स्त्रा हो स्त्रुव स्त्र स्त्रुव स्त्र स

सेट विश्वा नासेट विश्वा नासेट ने स्वाप्त के ने त्या नासेट ने साम निष्य के स्वाप्त के स्

स्र त्यु त्यदे सक्ष कु ने प्राप्त मिश्र प्राप्त स्थान स्यान स्थान स्थान

म्बर्धास्या नेति वर्षान्ता स्वर्धास्य द्वा स्वर्धास्य स्वर्य स्वर्यास्य स्वर

भक्ष. र . मीनाश. रे. चर्मा. तुश्च. तर्. इश. खे. चे. मुरी हे हिश्च मार्श्यः रशः यरेना है रेम यस कट सर निर्मा हिस देवस देश प्रेम प्रमुख मु देन वर्ने हें वे भ्रवसानान्य सवे सामसायाना केस वस हेंस की निर्मा ब्रोट द्रा दे हिंश सुना ना तनाय प्रश्न द्रा क द्रा वहार हे नार विष्या लटाक्स की नर्ने ह्योटा सहना संवित दे हुन है। देवे स्मनशार्क सन के रे दे दे दुवर सुचे र पदे प्राचया विद्वित संस्था सुमार्थे स्तिमार्श्वे सटामी कुर नश्चीनामारी। हे सक्षमसामिता क्या वर्ष स्रीविट मी सहस्य प्रहेग है र प्रेंट प्रेंट स्प्रेंट है विच कुष प्रों र प्रेंट महिना वसायपाठ प्रचारा। चक्रमावसास्त्री मियासाय स्त्रायरे ना से मियास्य वसायवर्तातार्वे द्वाराची वर्षाची वर्षा **इ.** २८: चरुश चरे छट दें चले र अट हो र खुर रेट वर्डे थ लेव कुंश खट र्टासवुर्यार द्वात्र्य मुब्द साराक्षर सर स्था प्रदेश ह्वास रुरा मुकेर हिं - पा.सहत. चोश्र्मा बैका तपु चार्य ती चोश्रादा सिंह मी हे तर्व नायह यर विर् कु छूल हीर रूर कुल रहा के अह यर है हीर लह केर र ह क्रें क्रेट् क्रेंद्र 'द्रमेंश'मश्चिद्या दे हे सं वेंद्र 'मश्चिद्य 'वस । रटार्ची चोश्रेराच्ची दिल्ला दे हार्या दे हार्या है हार्या है स्थार हो स्था हो स्थार हो स्था हो स्थार हो स्थार हो स्थार हो स्थार हो स्थार हो स्थार हो स्था हो स्थार हो स्था हो स् मु दियदा कर् देशका अव्यक्त हो । या पिका सेनाका देह स्वामी दिन से सामी हनासासकंद्रविणा प्रेसाहनासावज्ञत। जुपाचे वे रेनासा कु खुद र्हेनासा मीता हीर है। यरे ब हार्या श हर है। यर मुं अर मुं प्रश हीर तथ रुष परे में यम्ब्रायक्र प्रवितानुका विदा

सिमीत्यर्था में वंशासी में स्थान से स्थान स्थान

श्चारंदारेश्चायासर्वे वाद्मस्यायादेशास्तानीसामहत्तान्तास्त्रीयास्त्रीत मुद्रसः इससः सर्गोर् नाकेर के व संविधास्य महायादर प्रमुखा दि वसा ছুপপ-ছুব,৴বীপ-প্রীন্রধানবর্ট-পূচ,ঔরপ-রূন,পস-চুপ্র-জ-বর্ট্ন दे हिस्र देश प्रस् क्षा स्तर प्रत्ये स्तर हेर् हिस्र हार प्रदानार द्वा प्रदा क्षेत्रा हा दे व वायामा के त्रात्र है निर्देश है दर्शनाय है दे तर् विचा मुर्दे ता नीया वस्त्री नीया वेश सीया या वर्हे दे । यह सी मीवश नी हूट वा . . र्मा देग्हेश्रसूरम् मारमी खार्रा प्राप्त त्राप्त त्राप्त निमामि स्ति। लट.चील.पर्झ्स.घ.ब्रच.चपु.ची.च.चार्ड्स.वस. लूट. ४४. चार. प्रस्ता च्रं.मु.चेयःरवसः वटः मेः ल्र्मेशःमुः तवेयः मारुसः वया देः हेसः मारः व्याप्तियः सहयाः वर्षे व्याप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप क्र. इ. च्यूर परेश तरेरा क्यारेर मियालूर यो में लप्तुं से अपूर मेंबिर मीर्यट करे देना के यरे रटा। अर मुक्ष ऑट य सेन्क्र मी कर पर्ट मुन्। दस विट मार्डेस ग्री र ट में में हम समाय पर तार मार वि दे हैं र ट देस मिर्मा केश त्राप्त निर्मा प्रमानी सुना निर्मा निर्मान ने नाय ने नाय है। भु द्वेर रेन्स द्रमस द्रम द्रम देश हा कि ए कि ए कि ए महित महित हो हो र हित र्बेट्सर्टा चे.बेट्स.में) र्थें प्रचिर रे.वट.लचे.च्.वैट.श्र्ट.बुंसरचीर. च् नेर्के त्रीत रे वसान ने माल हा से माल पर्टेर प्रिया वर रे से से यक्षेत्र स्वर्क्ष्म्य पर्टेर्न् प्रियः लेखः यात्री पर्टेर्न्यपे मुन्य श्रम्य उर् तम्बुदान्त्रेक्षायान्त्रेत्। देवै दरामाक्षेत्राष्ट्री सद्दामाक्ष्यामी सहदाक्षेत्र व्यद् यते द्विंद् रेम्बास सर्वे न कंटा स सेनस हे हु यदि ह्वा सदे द्वट कदे द्वर ब्रुनाद्मसराटायाञ्चर। दे वस्यायना कारमारान्यसरा र्नोद्धराक्टर पद्यात्रित्रं मिरामिल्द्वायाम् प्रमान्त्रं मिरामिल्द्वायम् प्रमान्त्रं मिरामिलद्वायम् प्रमान्त्यम् प्रमान्त्यम् प्रमान्त्रं मिरामिलद्वायम् प्रमान्त्

এই ১৯৬৫ ৯১৬ মাঠুধ্য:বা নিম্প্রের:বৃত্ত্ব্য:বা

वर्षातमा ने महिकार्सेन सिंह ने ने हिला सार देश सर है स नि क्रेय. त्या । क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय स्माय पर देश साम होता है व क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय गुरुर नहिं वर सिन सिन होर पदि निस्त र रेना पर र । सुरोग पा नाइन क्रेन्यर रेनाय। वर्जे रेनाया बट रेनाय है तमयरे केंग्री मक्ष केंत्र चरुराता सर्वे चत्रा हे चते रेगा ना वस सुँच हं व से बेरा हे हैं हैं विंद्र वसः सद्यतः सः दे नायः के विद्याध्येव विदः। दे त्याध्यदः विदः नासेसः नामासः केः रवाणुः खार्रेवासुकाया प्रदान्ति प्रदान्ति प्रदान्ति सहुसन । १२९८ द्वा बेशायार्केशपन्ताया ष्याद्वीह्रसावेशायार्केशसदेन्या स्परास्यामन बेस य र्द्धर सम्माय हे हम्पेर्। र्द्धर प्रदेश मुस्य र द्र्धर सम्माय द्यावर रूपा पर्ने ग्राह्म स्वरं अर। अव समा स्वरं वर तहना निर्मेश प के त्या प्राप्त त्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स ल्रें य रेत वेन हेर हनाय गुं हिंस क्रें र इसस ने विस्स हुर सेर य रे क्यश वर रे सिन हुँ ए व रनिया हिंग की सिन हुँ ए सर हे न मुन हिंग र्गान नसरो तार्सेन हुँद नी घनस नेस इस मान्स सद वी ने र नेस्सा

वर्न् क्रिंश्चन श्विंद केन्द्र निर्म क्षेत्र क्षेत्र

स्वासः भीनाः द्वा स्वासः मित् भागाः भागाः स्वासः भीनाः स्वासः स्व

यः स्वित्र यः स्वेतः स्वेतः स्वतः स

मानुकार्श्या (क्या माश्री मानुकार मानुकार का मिर्मा के स्वा क्षा मानुकार का मानुकार का

र्वः रेवः देवः तरे जिरा वाह्य स्थान के स्थान के

ब्रुंन व्हान प्राप्त निर्मित स्थान स्थान

्रिंट्र्यक्तित्वार्त्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त्राच्छात्त च्रित्र्यक्ष्यः च्रित्रच्छात् व्रित्रच्छात्त्रच्छात्त्रच्छात्रच्छात्रच्छात् च्रित्रच्छात्रच्छात्त्रच्छात्त्रच्छात्त्रच्छात्त्रच्छात्त्रच्छात्त्रच्छात्रच्छात्त्रच्याच्यात्रच्यात्यस्यात्रच्यात

मिश्रेटशन्तन्वकामिन्त्राह्मान्त्राह्मान्त्राह्मान्यकामिकान्याः । मिश्रेटशन्तन्वकामिन्त्राह्मान्

हुँ अप्यत् देश देश देश त्या विता हुँ दे मिला स्त्री।

स्त्री स्त

स्तान्त्री ट्रेन्निश्चानिह्यासान्त्रिक्षान्त्री स्तान्त्री स्तान्

वसम्भान्तिमार्गिराद्वार्याः देशानित्रात्वार्याः देशानित्रा यते में व में अपनाय स्या हे व से मुस्लित। हेर्न याने हैं है है है सह से में यर मुन दर्ने श गुरा देन र र मी इर देर खुर हम साहें न साम हिन्स र हिन्स वैट। दे.यथ.सटस.चीत.पब्स.जंबेच.उर्था.मीश.पुनास.पार्शिटस.पपु. ষ্ট্র গ্রমান্ত্রির স্থ্রির মের বিষ্ণার সামধ্যমান মরের বিশ্বর গর্মী কীনা করিব वैयातास्याकाण्रिकार्वाटास्त्रित्स्त्रियकाताः क्षेत्रस्त्रिकाचिता। त्राज्यास्त्रियः माकुरास्य अवस्तिमा ग्रीटा अटसा स्त्रीया ग्री मिन प्राप्त स्त्रीया ग्री पर प्राप्त स्त्रीया ग्री पर प्राप्त स्त मु अवत् विया मु अर्राय अर्र इस या २ नुम । द्वेश मु ह्विय हिंदा नुस्य न्या ला मिना नम्या मुंब देर पति भन व क्या मुं के नर की न के स है न हुन न न्म न्मित्युवाक्री क्षित्र के के बार के अपने के सुना क्षेत्र के सुना यह्यानाद्यात्राक्षेत्र अदाद्धेत कुष्मात्र्या नहीत् स्त्र सूत्र कुष्पेत्यात्र रटा है र टका य श्रिया भूत है या जब स्वाप्त है या यह या श्रिया है यह या श्रिया है या है या है या है या है या है वर्मो च सेदे रे नाय द्याय द्या होना कनाय हु न दर्मी हुंद रे य से दे से स वर क्टा भर रेट्र बार में जात में श्री महा भी पार है। हुं शाया रे महा सुधानिया है। भन्त्रिम् शक्तः त्रुद्धः विद्या क्ष्यः वेश्वः स्टार्सः हुन् नाद्यः द्विना द्यत्रः गुर्म इत्यक्षेत्रवायान्येत्रात्म दर्भेत्वात्रास्य वितरे प्रेर्म वितर नुदायादे स्टार्भी अभगताय े यासेदावावहंसाम्चीयावयान्यवा व्रुव पर्म आ

क्र्यामे लूर्क्यार्था टार्टे प्रप्रेश्चरभाग्येश्चराचेश्चराश्चेर

मां अप्तिरं ता कूर प्रकाश्चिर परे पर श्राम भारत मार्ट्स में भी। माराम प्रकाश में प्रकाश मार्ट्स में भी माराम प्रकाश मारा

टार्केस मु मर्का मिटस न्ना मीय प्येन हे स होन मिन या है। से न्दर बुन्। क्याया है त्र लिया में कि हा ख्रिय क्रें या से या प्राप्त के या पर्ते रासे या स कुंश.चर् सेचा.चार.पर.वैर.च.र् सु.च.हूर्भाताच्याकाकुंश.चार.चरार.चर् प्रचल स्टर नहेर वहा चेट बुटा र झेट ही न नरे ने मेरे जहा ने हों हो हर गुरासी सदी वरे सुना देर त्नुर न नार अर वर्ते सुन पर्दे तायह सम गमा लेशका देशर्र्रत्यम् दशक्षाद्रा मेर्द्रात्र्यम् के लूट्। हैंचा.पीर.बु.चर्.वर.च.बुच्.रेंग्राप्तिर.चर.बु.चर्.वेंरें क्रे.चर्.वर.च्रे वैतृत लेशयात्ररायायदात्रविद्यायात्रयायायात्रविद्वीता देवे बटारेशाम्बु स्थायरथामेशामी स्थापना मिनाइतिकारण्ये वैदान क्षामा विषया पहुंचे संभवा ही विषय हिं पार्ट्य मार्थ मार्थ संभव कर् देशरारट नी याम हैंव मूर्मारा श्वास मीर दा प्रमाप स्मारी देश. न्त्रात्र मुन्दा वर्षेत्रा भित्रात् क्षेट हे वरक गुट तर्दे . विया स्थान के दूरमाय महत्य मारा मुरा है। वह ना देमाय रमन न न किन सेमस न्यन हो। न है सन्। न न न न किस सस नु मन ल्री लट.थे बर.च.ब्रूच.चर्टा भ.ब्रुच.चर्ड.३४.४८.भु.श्रूच.च.रेटी श्चरातान्त्रणणात्रप्रदेश श्चरा श्वरा श्वरा स्थाना वन स्थाना स्थानीय

यर प्रदेश थर भू पेर ला खेल ने क्रिस्त प्राप्त के स्तार के स्तार प्राप्त के स्तार क

क्रम् स्तर्भः मृत् व्याद्रः नाञ्चेनाशः हो। दे त्रमः प्त्रे स्याद्रम् स्तर्भः मृत् स्तर्भः स्तर्भः मृत् स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तरः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तरः स्तर्भः स्तरः स्तर

त्रविद्धाःस्यान् क्रिन् स्त्रीयम् निवानितः स्त्रीयम् स्त्रीयम् स्त्रान् निवानितः स्त्रान् स्त्रान स्त्रान् स्त्रान स्त्रान् स्त्रान स्त्रान स्त्रान् स्त्रान स्त्रा

वट मेने देव नावद दे के वे बटाय दस मे स देनास स्वर से के दिनी ल्री र.कर.कर.अंचल.वंस.चुन्यत्र.चंच्याची. न्यवित्र में मिर्ट्र रहा का अपूर्य सर ने उटा खेर हूर में अ में हर नश है र वर्टा खुना नुनै नादश दुवा खुद नु स द्वा मा लेग र द र द र भेरे गी रेटा से वनायः व्यावसाना द्वायः द्वी नर्डे वामा भ्राप्तः अद्वामी व्याद्वामा म् रे.ज.रे.दे.लटस.चेट.मे.ड्र.च.खेच.लूरं.चस.चह्य.मीट.वट.चीवट.च. के विस मिना भी व पर पहिं के भिर मा निया । विस मा मेर मेर पहर ग्रीट माश्रद प्रते मिट प्र क्रिंग में स्था मिट पर दे के निया हैक कन्याभित्ती देन्द्रमूट्विराष्ट्रस्तिमाभित् देवेभ्या १ क्रे.मे.मे.म.च्.स्ट.तक्ष स्रम.च्स.स्रम.स्रम.स्रम.स्रम.नेर.तेर.ते.त्रंतरा ल.मैंदे.रेशरचश.चक्र.चरेश.चंद्र.थर.प.रें.लंद्र.धं.भ्रे.संट.कं.चंश.में मक्किन् नायदः मारेना नेये प्रमुख्य नु विकास मार्थित । न-देश्यश्मिट्-मी-नगत-द्रा-नशुन-ते-विदश-भीटा व्यन्-विद्यश मिन्नेशास्त्रमाश्चित्रात्रम्परामित्रप्तित्रात्मे ।शुः द्वित्रात् बुर्द्र वर्षे र्षा श्रायवस य सम्रोति । सिंद नीस हो होर व्यानुकर्वर र्ट केर सेर मालक कर में शास में के से हैं मिलेट से मही के मी अस मार सर में के " नेत्रकृर रे विना नासद मनु द्रे विस्तान सुद्रा से से के दे दे दे दे हैं । नित्। मित्नीसप्पत्भेत्सुर वित्र केत् हैन दे लेना नी हे त्र चुर्मा

वेशन्तिं वुशन्तरे देत्यत् अत्ये निविद्या विश्व

मु अर् पर्रा म्बराया द्वाना सुमा देश हैं देश केर्ना देश देश कर रेश संग्राय प्रदासहिंग यह रेकिनेश में भेरी ने दे दे दे दार रें इ.केंद्र देर के संस्थित हर भर्ते कर संस्थित सुस्र संस्थित सामित से हैं। यदे विच देश क्रमश हेश शु मु प्वश्चे र विषाय हो। देश वट मु पायमु र ट सर्वित्वे देव स्वामाणे वित्तम् । वित्यम् तिर्माणका वित्याप्ताप्ता कु.क्येश लेजन्दा गूट प्रेम वश्यम् व्यन्तिस्य स्वापनी लूर् रापे. कुरान्नेनाक्दाना हेरारार्ब्स्य यामराक्षनाद्वान्त्री कुरानु र्वेद्रायानेराके क्रियु सु मु ने १ जु स स कार मेर किर। देवे हिम लेगा का सु मुदेर स मन् सर्न माइस शर्के ग्रम्पारमा के सार्च हो स्तर हो सार्च १९सम्बर्भिर्भिर्मम् देन्द्रम्यो क्रम्मिन्यम् नाम्निम् हे स्टास्ट्रम्यदे । भ्रम्य हिना विन्य में देशकाया अदा अदा हैन हिन हिन हिन हिन

मुर्ये.ज.र्र.लुच.१६८। झीमरा श्रुच.मी र् स्री.ल.चव्स.लुरे.च. मात्रत्रा महिंद्रकेर् से लेग गुट रेत्। देवे र्या में साम स्वाधिता य. बुट. स्वायट स् लुट हुटा घट रिट यो १ वश स् हुट स्वा झेचा क्या र्रेट नवर प्पेरी इर में ब्रेट स्नान केश र म मु नुसाय ने मु मुक्य में कूर.सी.येच.रेट.। अ्च.त् प्रे.स्ट.भार्भभग्रीशावयेकातर सेकायप्रे.

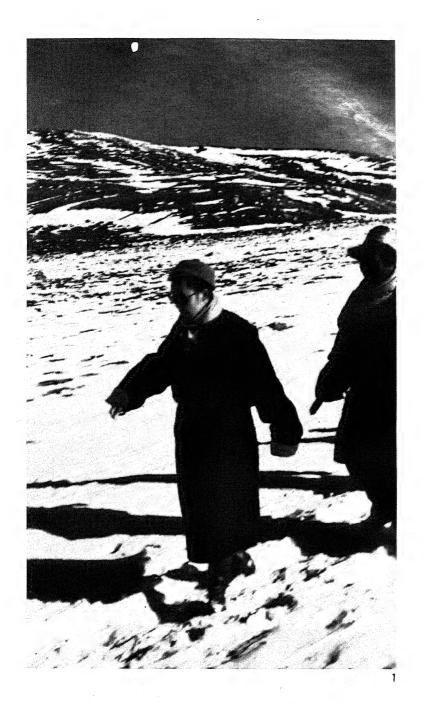
स्ट्रिंग स्वास्त्रक्ष्य द्रा के द्रा

में दू यह है ने दु न वुड क्य दर्ने हैं या हमा दरा दसम है। यह वुदास्त्राक्षामा हुद् नुदान सम् इसाह्यांकास्त्राका गुरुपार प्रदेश मर्देन्साचे स्प्री , नकार्ये नुस्यते त्रास्येन्यते वरास्टेन्ने हिन्दा अप्रानादानुष्ठार्भेद्रात्माद्रसान्द्रित्वेषाक्रीक्षात्र्वाकेदा व्यूट्र अप्रे.प्रत्मात्त्रीत्, प्रतिष्ठात्त्रीय । प्रतिष्ठात्त्रीय । प्रतिष्ठात्त्रीय । प्रतिष्ठात्त्रीय । प्रतिष्ठात् सर्व वर्ष सम्बर्ध स्था नियम । ने व्योग ने स्था मान वर्ष वर्ष स्था बुनिश्चान्त्रीताश्चरा भुना मुं के दानु निर्मेर हार दे दसना से कि से दार पर्दा सरायाष्ट्रवार्वेट कु ते ने दे विकासी वटा पुरका हिंद हुँह प्रा हुन मीप्रेश्चेत्रामी हेर् स्राध्यां सार्थित त्राप्ति सार्वेश त्राप्ति स्राध्यात्रा में अर्गुत्युदारे हैं है नाइका हुंदा यहें रामान्य मेरा दिए हु ए हु दाहु दा हुन है २**बुभः**कश्राभादनात्रः संस्कृत्याने शासामन कुः क्षेत्रः केत्रकश्रामानकान्ताः रता भ्राप्त मी.चाड्राटशस्त्रश्याशायवितास्त्रराज्यानी.लूरी प्राप्तितरे. र्केर मुद्दे हैं हैं दे से पर्देश यामि दर पर्देश या में दर्श पर है एक हारे । ৾*ড়*৾৽ঀড়ৢ৾ঀয়৾৾ৢ৾ৼৼৼ৽ঀ৾৾য়য়৻ড়৾৾৻ৼয়ৼ৻ৼৄ৾য়৻ড়ঀ৽ঢ়ৢয়৽ৢ৾৽**য়**য়৻৻ঢ়ৼ৽ড়ৄৼ৽ড়ৄৼ৽ नविश्क्षेत्राष्ट्रिताकुः भेर्राज्ञदा अपस्यान्यान्यः महत्रहर् हेस् सुन्द स्ट्र-त्रीन्स्यर्वे । हेन्स्यर्स्यन्त्रान्त्रे व्याप्तिः हेन्द्रः क्ष्राः क्ष्रे व्याप्तिः हेन्द्रः क्ष्राः क्ष्रे व्याप्तिः क्ष्राः क्ष्रे व्याप्तिः व्यापतिः विष्यः व्यापतिः विष्यः व्यापतिः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विषयः विषय

स्वरास्त्र स्वर् स्वर्

दर्रात्मा श्रीत श्रीत मी म्या से माना में में में से साम में में में से साम में से साम में में से साम में में से साम में में से साम में में साम में में से साम में में से साम में में साम में से साम में में से साम में में साम में से साम में में साम में साम में में साम में में साम में में साम में साम

पर्वेतात्रियः ल्या क्या देशात्रियः ज्ञा प्राया प्राया में वेदा स्टा र्टा देश से असामिय के र मी देश या है त्येर वर्षेश या नेश हैं नेश मुद्दा दे.ज.श्चर.च्र.अवस.त्स.लट.लट.वज्ञ.वेच.क्रे.ल्रे. त्स.र्चा.व.ट्.क्रे.. सर लर् परे में हर हैर पाना सुमार्च रे भारेत हुँ र तुसाय की हैं ल्. ४७४ १ वट क्रेर्तिपुर्सिक हुए ल्.स.पीय हुर तपुः स्. पीय स्. न्दि ग र्र्डस गुले प्रिचित्रा न्दिन प्रस्कार सेर प्रेस लेटा परा है ब्रॅं १२३१ इट विर्पिति हो बेर पति व्रॅं हेर के नह के वृत्ति निष्ठन प्रेर् मार्क् भुग्यामायविभागमायाविदालेगा ने देशका के मायापादे स्राय वविगवाने विष्टेर स्टिन्य रि. ब्रीट ने ने मुनाय रेता विष्ट मुनीर साम् गर्ने गराहेशने नगाने मुंदी सा दुरायर वि सारावलना स्वयं सा पर त मीय प्रतेया । १ क्ष्. योर्ट विया प्रत्ये प्रतेष क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त निर्देशित्या क्रिकार्रिया क्रिकार्य क्रिकार अन्याने क्रूट र द्राप्ता ने नायका द्वा लिना रेता के मुला ही नायका क्ष्यानेसान्द्रिकार्याभ्यान्या स्रात्ते वर्षान्या वर्षान्या वित्। रे.चल्रेराशासाल् गार्ल्याचार्यात्रात्मात्रात्मात्रात्रात्मात्रात्रात्मात्रात्मात्रात्रात्मात्रात्मात्रात् रैंट ने खुया ने के विजय की के क्षेत्र ख़रक है जह विना भेर्न नव कुका पर न यः पर्के अर्वे छें प्रति में शुलि गण्ड प्रति गण्ड प्रति में प्रति मार्मिया से प्र हैं रियादस रेन ब्रेंग रियादे हैं हैं पर हिंद वर्ग पर्व गर्म पाली दाई वै मुक्तिमार्क्यक्षम् मानवावस्थाना है वि व्यत्ति व के द्वीत है के द्वा व वह्न स्थान र्सन्केर्निन्द्रिस्तरम् स्थराय्यः पर्ते स्थराय्यः प्रतिस्तित्व श्च ग ने र भेग ना सर में न पु न ने र में न सर देने ने द सर हों ने द सर हों ने न द हों

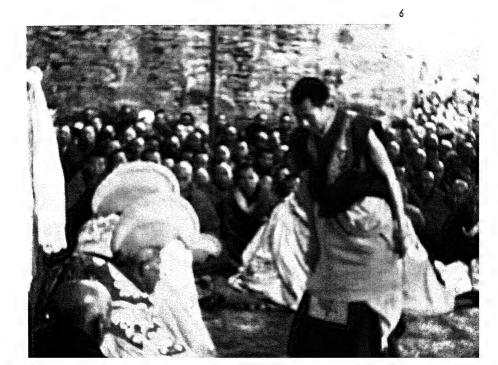












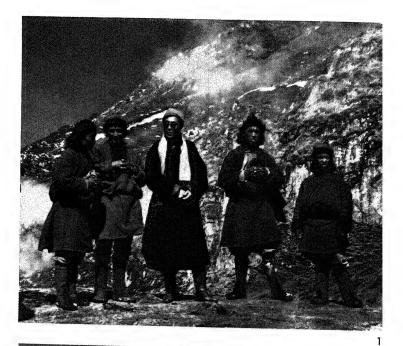




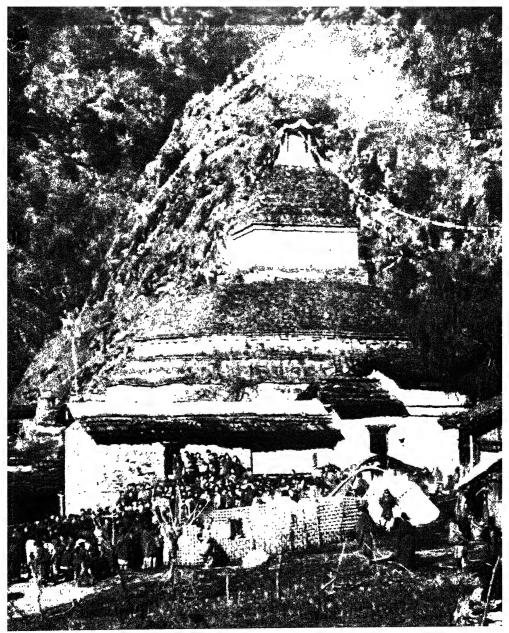












स्ति। द्रम्याश्वासार्थः विद्या क्ष्याः विद्याः विद्यः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः

म्वीत्वर्तित्व स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम



न्युक्तरा थेर्-मु-वर्-व

मु न्द्र नर ह. केर हीर क्षेत्र चूर टे क्षेत्र नर ह. केर हीर क्षेत्र क्षेत्र

च्ट्रें बचा केट्र मुक्त महत्रा मुक्त मिय सट च्रें स्प्री निर पट मिट मार्चे वेच दे सूर्यां स्त्र देर भी शु वव चक्स लूरी चै चरा वेचर स्। यम.लीमा वर्षसापरीया.चस्स.सूर्.ग्री.झू.सूर्यास.सी.लूर्। येच. के स्प्रेर् पर हेर्। रुकार वक्ष अदः वि वे रहेट विश्व अहेरा मुका हिन है है चिर्शावशासरा सं र्टा तसेयाचा सुरा हिना सना सरा सुरा नर रहा हर्स सुर विज्ञेयात्वाकेषावीं कुटार्व्यन्यायाया देन्यनानी की नी विने स्मानाहरू मु म्राप्त्राचुरावाके। ब्राप्ति द्वार्या वर्षा वर्ष मर महेब केंब इसका मेर् सेक नेक हें नक बुन मने हैंब र मेर केर हैं ज में लिग र्नोंश या चुट है। मुनार मु भी मोर र्ये हार स रे प्रवंश। मु वनार्टा स्नाच्नोत्रस्यालाः ह्यास्ति कुरावाना वृत्ता तर.च.रा चर.रे.मू.झ.वर.त.लट.उच्चेल.च.चे गश.ष्ट्र.चैट.हु.रेश. र् इंप्यट पर प्रदि वेर् की करा में बाइस पायर प्रताय पर पर के त्यते विक्रावर पुषारत्य के मुख्यते पूर्ण हिर् पुष्ठ स्तरा रहेते हर सेर दे में प्रेप्त में प्रमान में स्थान के स्वाप्त में प्रमान के स्वाप्त में स्वाप्त मे क्र-मुद्दान्या वर्ग्णेकेरम्यक्षेरेनायम्बर्ग्नावर्ग्नाम्य र्रे. हुर्गे. इर् । ट्यू प्रे.चंडिर्गंस. रेवेटाशा श्रेर.लूर्ग । तिर्गंस.सूर्य. मस्यानिमामक्यासुन्दासीय्राप्तिमान्यास्यान्या स्यान्त्री, स्वर्यक्ष क्षेत्र स्वर्यक्ष स्वर्यक्ष क्षेत्र स्वर्यक्ष क्षेत्र स्वर्यक्ष क्षेत्र स्वर्यक्ष स्वरक्ष स्वरत्यक्ष स्वरक्ष स्वर्यक्ष स्वरक्ष स्वरक्ष

त्राया निक्त मुन्ति क्षेत्र । द्वी मे त्रावे त्या मा त्रावे त्या मा त्रावे क्षेत्र मुन्ति मुन्त में त्रावे त्या मा त्रावे त्या मा त्रावे क्षेत्र मा मा त्रावे त्या मा त्रावे क्षेत्र मा मा त्रावे त्या मा स्या मा त्या मा त्रावे त्या मा स्या मा त्या मा त्या मा स्या मा त्या मा स्या मा स्य

मुकेर सु हे वहंश ब्रीट नाट शब्ध सेनस सामद केर दनाव नसु लु मु

स्ति भूर्। मूह्र क्ष्र कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य कुर्य हुर्य क्ष्र हुर्य कुर्य हुर्य हुर्य कुर्य हुर्य हुर्य

स्ति क्षेत्र स्ति क्षेत्र स्ति क्षेत्र स्ति स्ति क्षेत्र स्ति स्ति क्षेत्र स्ति स्ति क्षेत्र स्

स्था स्थान्त्र स्थान स्

त्र-तर्ग्रेट्रवेत-त-इरी। १८८२वेजात्त्र्यसम्प्रट्र-वर्ष-इनोश्चित्र-क्ष्यः स्त्रेत्यः वर्षः स्ट्रिशः १८७५वेजात्त्र्यसम्प्रट्र-वर्ष-इनोश्चित्र-क्ष्यः स्त्रेत्यः स्त्रेत्रः स्त्रेत्रः स्त्रेत्रः स्त्रेत्रः स्त्रे

द्र्नोर्भमन्।वट्राम्र्रट्रे वे द्र्नेव्यक्ष समिन्द्रे सामव्स्ती मु देनास्यमा नेसन्भर्दिहा। तमान्यस्य हिन्दिस्य गुरुष्द्रित्। द्रमेद यान्त्रात्र त्रसायाः सर्हेर् नाविसासास हेरायों प्रेर् सेट्। ननाता प्रसायाः स য়ৣ৾ৼ৽ঀৼঀয়৽ঀৢ৾৾ঀ৽য়ঢ়য়৽ড়৾ৼ৾৽ঢ়৻য়য়য়৽য়৽ঀ৻ঢ়ৢ৾য়৽ঢ়৽ঀয়ঢ়৽ড়ঢ়৽য়য়য়৽ बुरी मिट.कूर, सुर, त्मान, यश्र, रेट. प्रविता, वे. श्रीप्य, श्रद्र, सुर, । प्रचीत. निमानमानिकानीत्रामित्राम यद्यानि क्षेत्र केर व्याप्तेय साम्बरभटा स्त्रीर वर्ता विट के वर्त्या वर्तेर वर्द्धियानेटारेशमेन्डेटा। सटायादीवर्द्धित्यसम्बुटायायहेदार्थिन्यारेत्। मोबेट,मो,उम्री ह, धर। क्रिश, दूर्याय, यक्ष, प्राध्य, अर, विश्व, सुर, हिटा। मोबेट,मो,उम्री ह, धर। क्रिश, सुरू, देरा, प्राध्य, अर, विश्व, सुरू, हुटा। दे के दे अंद मृत्यादी। हिंद निविधाया हिया से से दे वेद मिट साहिया देवत रेदा दश्यन्थन् सेरे स्रूर नहेंद्र वा दर्केर दश्या से सेंद्र गुद्द सदि से मेर्। असारमान मोर्ड 'चें देशासकंसरा श्रुट हींच रटा मानुट मी नामार लिस्त्र सेर् पर्वे से रेनाहा सुट प्रेनिन हैं स सेन् परि मूट हिर प्रवासी पर्हेर मुन्देन्न्न्रविष्ट्रव्यस्तेत्राण्येत्। क्ष्राकेत्त्रप्तिर्व्यस्त

शहर् से दे.र वासार्टा ट.क् वंटर्श वर क्रेर वर्ग सेवस तास इर-रु-गुरा २५५५ भ्रेनारा छेर। इसना मे प्रेन हैं के के कारी पा मर्टन विनामित्। विष्युवर्षसर्गीःनिद् इंसु व्टिश्य द्यमा से इस्य दिए दुसंदर समुद्राय में केर मु ता वस रेनांस्यर्भवायः निमास्यरं मुद्दार्भः नायरः विदा दे स्यरं मुक्यस्य र्येयानाट हिना केनाया या सार्दे नाया स्वत्या मना नारेना वा खा र सुन्टा। मिनी, नोकुकी, प्राप्त, सुनी मिनी, नोकुकी, प्राप्त हैं, प्रक्या ग्री, शिनीया हुँ प्राप्त हैं । श्रुंच श्रुंट विश्व तर देवे इंदे ले गश्र श्रुंक दे वे श्रुंगश विश वैट सेवश पूरे... रसना दसस्य देविय हुन समस्य स्ट्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्त्रा प्राप्त स्त्रा प्राप्त स् न्ने न्वर्के वेर् वस कुर ने से वेन नि नि के ने स कुर स कुर भेर गुटा ০০০০ বন্দ্রনাস্ট্রণ্ট্রাস্ট্রনাস্ট্রনাস্করণবৃত্তীর শ্বন্ত্রনার্বণ স্ট্রন্ট্রণ্ট্রনাট্র वॅर्भूर्'ब्राप्यम्'हेर्'कु'ब्रीट्'ब्रे'ने'दे'व्र'ओर्'यास'सेर्। निवस क्रमावट प्रभावना हट चें हर पर्टा हर की नुसा द्रों न सकें मुक्षमियात्, भ्रैत्करीय । दुषातासून सासूर तारूर। त्र मु.क्ष्यमीवका कुं, कुन, राज्ञ, जेश अधिय, लूट, केट, तुर्व, बंज्ञ अत्तर्हर, ट्रे कें रेड्ट ही राज्य देन। व्रेन्द्रमन्द्रिन्द्रमन्द्रमन्द्रम्यवुत्रमदेश्वसुव्यक्षास्त्रहेत्रक्षमेद्रमु नुरक्री सरीय मुक्त हरा हा सुर तथा कि मिया निवित्त हिरा पर वा पहुंचा ક્યાં ઢેં લહેં વે ખુવાના હેવ વેં વર્ડ જ કા કું લકું લકું લકું જ કું वेंब्रगुटन्सम् मेंप्दे इसस्कृट्यूय डेबार्डट भुँग व्यन्ता निष्या सेर् देर्पयसमा की सेर् हो से से स्थार मात्र ही दस से न सामान श्वन्यम्भः अत्। मिट्र हैं द्यारः सहदस्य दा ख्र या स्त्रेत्।। टच्.चन्नम्नःचरःसुःमुक्तःसःर्चन्तरःचर्-र्वेत्वाःसान्तर्क्तःस्वःस्र्रेन्

बद्धिं विकार्भेत्रपुनाय दे हैं के बेदा विकित्त वदा हा संसुर दे विद्याप सहर में दे रिन्यर दर्भ देश के अपना परिवेर से प्राप्त मी से ही ही र महिंदा मुन्ने मिन्ने महिंदा मिद्दा मिद्दा मिद्दा मिद्दा मिद्दा दिया देवर देश दे विर ब्रीट न निर्देश के बाबर प्राप्त विश्व के विष् तार्ने बैदाल्येर्पार्ट्स दे हैं वसायिंग विद्युत्त पहेन दसा सामित्र निर्मा के स्ट मुराम्बरमार्भेर सर स्त्रिम् मुना हार हो है ते वह तहे का वर्भेर मि मुन भूनका सुर ही 'मैका मा मका मिंदा र्देका होना का के ना मैका भिर्न ही 'मेना रविर.रेकाश्वीताचार.प्रच्यायाक्षेत्रस्यायाच्याप.र्ज्यानुरायपे.श्वी. श्राट.खेच. लुवा ह्य.सह्य. सु. रूचायायहाय मुस्यायायायायायायाया एत्र कु कु रू दान्या ने दे कु ए ने दे के स्वयं स्वर्था प्रम्य का स्वरंथा प्रमान के स्वरंथा प्रमान विदायक्षेत्रारेता द्वराया व्यार्थियात्रात्रीयात्रात्रीयात्रात्रा द्वरा म्रीटर् में स्थानर स्थानस में देश विद् में स्थान स मी बट बका सङ्ग्रि अर्दि। दिन गुट ही र सन्देश समूच र ति माबका द्वारा देरामर्स्सिका नहेंद्रा वेद्से केंब्र केंब्र केंब्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र नन्तरम् चेन् प्राप्तेन। नुकास्तुरानु गुरे हिन्दम् प्राप्तान्त्र परि देशहर र्बर्यः अन्यदेख्यानी द्वारा द्वारानाया है य विवारिता मुन्यस्यसम्बद्धं न्यं न्यं न्यं न्यं न्यं न्यं म्यं स्वरं स्वरं स्वरं मुन्य मुन्नं न्यं न्यं न्यं न्यं न्यं न्यं र्मेर्न्न्रपरि परि तुमा स्रवस्य सार में विना केंद्र में रेता मेर् से समस्य वे कुर तु र्बेस-द्रा-द्रन्य-भुन्-द्र-स्ट्र-सम्बन्दिना क्षेत्र-द्रि-। नुकान्नम्बन्दर्न-दर्ग क्चराकुर विद्या मान्त्रीयार गार्ड हिन स्त्रिन्ता निवान वहां मानि हिना की क्या विवास 可有一种"到"之门

स्राक्ष्यां श्रीयां श्रीयं श्री

वर्निम्यारे अर्वे दे नावमाना वैश्वाद्धना में ना वासका स्वर्ध या से प्रवेर हम्बेमा पर्के मध्यस्य दे र हिन्य बे अपने वर्ष सवतः वत्रहेत् क्षेत्रस्य स्वर्धा क्षेत्रस्य द्वी क्षेत्रकेतः । अस्य द्वी ह्यानित्रेश्वराम्यास्य सामार्येर्कित् न्यन्य अन्दर्भ सुन्य विक्रित्ते हुन् हिन् प्रेन् पर्य स्वर्धात्र स्वर्धाः केर्यने नहंत्राक्षेट वट नी नवस हैया शट अयह वेट देश अर् या राहेत्। दर्भन्तरि वेद्रं हता सं कि सम् निमानी स्वीति विमान्ति है । व्यन्ति वर्षे के कार्या होने वर्षा वर्षे वरते वर्षे वर ष्यराद्धरामाने प्रतास्त्र के स्वास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास्त विस्तरायनात्मवर्षेत्रयायारणेत्। द्ये निष्नावर्देत्ता नर्वेत् वर्देनाया सन्दे व्या मिर्देश्वयकेरिक्षित्रका भेग्यना मिर्देशिक्ष नुन'हन नि'देन्स'णुट'ॲर्। देर'नदेन निट र्ड दे ने भेर निद्राटन्स पान्सान्मिक्रम् वर्गान्मान्ते हिर्दे वर्गान्ते मान्यान्त्र स्रायस्य श्रुरिन्दैर्भः स्त्राम्यान्त्राचित्रस्यः द्वास्त्रद्वस्यः हिसस्य सर्वेद्रान्तः ह्यूर् सिम्ब छिव ब स्पटा मिट र्क्स रहे स हा चाविव रे च तस मु सर्थ र इ.ष्ट्र-पह्निक्टा ट्रेड्-भुस्यदि र ए र्यट मी देवास सर्व र हे ये सार

खटात्मान्दर्। क्रेनिवेशकुट्चं ते देनास अतर क्रेंस न्न भी अत्र के क्षेत्र क्षेत्र के क्ष

त्यार्यं विश्वः सः स्ट्रा।

स्रीत्रायः क्रीतः सः स्ट्रा।

स्रीत्रायः क्रीतः सः स्ट्रा।

स्रीतः स्ट्राः स्ट्रा

 क्ष्यत्मीन्ध्रम्भन्त्व् । दिन्तिः नश्चिः मुद्दे व्यत्याः अवन् स्त्रः स्त्रात्मे व्यव्यव्यक्षाः स्त्रात्मे व्यव्यक्षाः स्त्रात्मे स्त्रात्मे

सर.च.लुरा। तर.चट.वैट.चर्भेल.८र्ट्रेट.श्रु.श्र्व्यं.च.चब्र्श.पुट.। ध्रि.श्र.लट.चर्भेर.र्टे.

सास्त्राच्यात

रसः श्रुट्ट अहम ने ना सम्मार ने स्थित सम्मार ने स्था में त्राम सम्मार ने स्था सम्मार ने स्था सम्मार ने स्था सम्मार में स्था सम्मार सम्मा

्रेश्वर्थत्वार, सुर्टा, सुर्ट्रा, स

मधुर प्रहेश माया मान्य के जिस ने केर हैं साम हिन हिंद हिंद परे म्बिस्याम्बिक्यस्य देवा देवस्य स्त्रित् देवस्य स्त्रित् स्त्रिक्ष बर द्वित दर देवे च वे ग दर न वुर वयस नुस स र्जिट दिने वे हा त्यदःवयःवयः नाजुदःवयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः विकागितः व्यायः वस्य मि सम्माद्यस्य मातृष्ट वस्य देवे द्वा व्यवद्व हु सु के स मिलिए विनका क्षेत्र निर्मे प्रमृतिका होत् हैं भारी हो हो निर्मा है है । वित्राक्षित्वायाः विष्यु पारे विष्यु मातुः मी वर्गारे के देना दिना "" नुः अत्। विरक्षित्र समानी समाना समान ल्रिंक्टा हिन्ना बया है र क्षेत्र मेर् मेर्नि प्रमान परिता है प्रमा चिंदार्ड दे मारेर स्मार्केर स्मार्केर स्मार्केर स्मार्थ यद्या नगर नगरका वर कि की सम्बद्धा रे तर नहना लेन दर न विद्यान्त्रे प्रसंस क्ष्यां र विद्रा विद्या मिलिला मिला क्षेत्र विद्या स्था क्षेत्र मिलिला

मार्थः अप्रथायष्ट्रभ्यः पहुंचा, वि, ने प्राप्तः वि, ने वि, ने

चाल्य, ख्रेचा, यट चाह्न्यं क्रिया टक्क् पुं. खेच्या ख्रेंच्या ख्रेट क्रिया ख्रेंच्या ख्रेंच्या

सम् द्वार स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

न्त्री त्रित्र के त्र त्र प्रत्य के के त्र के त

र्वर श्रुप्त संगित्र स्वाम्य क्षेत्र स्वाम्य स्वाम्य

त्रान्देशकंट्यक्षित्रं विष्युं स्थित्। वर्दे स्थित्यक्ष्यं वर्दे स्थाः स्थित्रं स्थाः स्थित् स्थाः स्

নৰ্বিনা নুন্দেশ ট্রিম'মন্ত্র্মান্ত্র্বন।

क्षित्रवास्त्राचे विद्यान्त्राचे विद्यान्त्राच विद्यान्त्राचे विद्यान्त्राच विद्यान्त्राच विद्यान्त्राचे विद्यान्यान्त्राच विद्यान्त्राच विद्यान्त्राच विद्यान्त्राच विद्यान्त्राचे विद्यान्त्राचे विद्य

मर्के म्रेट के व चे मेरे देन सर्या ए । प्रमानु सम्बर्ध प्राप्त । त्रदर्। दे त्रमाद्रभ में शासी दे हे नाया चुट वस है त्रवट या में हमा सक्ट वर रेर्र रे नमार विमायस से कें नम दिर स के प्रमानि हिर यस हैंर विर्तर र विर पश्चा सदे दिल ने निवस लूरे पा हरे। लू हेर हैंर मारेमा'नु मुर लेरा देट नुस स्दामार मु मर दट में नहें रहें केर. हुरे. त. चींगे. वेच. त. श. ८४. पश. ८८श. व्यत. पहेरे. यश. प्र. ८०४ श्रम् हिमा ही ल्या मानुमानि राष्ट्र १४० म्मा दिम् हिमाल मानुमान रेचर. पर्झेर. चर्च. चेंजा. तु. सूची. था. चेवेंच. प्रि. प्रस्ता. चेंटा. वु. र्श.मित.चर्चेट. ३८. चर्चे. इट. च्रं.मि. क्र्य.रेरा मीत.रचश. ३८. पर्येट.त.डे.<u>व</u>..व्.इ.च.चे.च.व.व.व.चे.क्षपत्र.श्.सरस.येस.ग्री.कूस. म्री र नम सेना ने स्र र नम श्र.चिश्वम.प. प्रूस.चैता.श्रॅट.चद् व स्थम.त्. ह्री. त.चीचेच १. प्र ३५ ०३ रेटा हैं जू. ९४७ श.मिट जूर प्रसिट्या क्र्य मैपार हुन से मूल्य वरी नेश स्व भाषी मार ने मनेत मासीर प्रस्ति हेश न हेरी न् रे लीगा परि-१ र विना सर वहमल है सेया इ के र ने न व वह र । के क्रमान्द् मिर्देश नवायत्रत्र नहिन्द्र नहा मु नत्र मिर्देश मिर्देश मिर्देश मिर्देश मिश्रिम, प्रथम, पर्देश, मूर, पर्देश। है, प्र, प्रीयी, श्री, रेटा। है, प्र, भ्री यस्त्रे हे. मानव द्राया (स्वर स्वर स्वा सर द्र्येर केने स परेतुः संभागत्य प्रमासक्ति नार्याम परेनय न्या ॥ इत्या स्था यदे मिर्येन लम् निट.र्ट. र म् कु मिर्येन लम् निट सूरे हैं निट भूट.

स्यवेटका स्रेटिन्द्रस्य स्टिन्स्य भेवकर्ट्रम् वना रटा वया खेता खेरा वसा वहार हमासाया स्ट्रांच हो त्येरा का सरा वें नर्मा मिलाह्न में स्वमानिक निकातिक निकाल में मिलाहिक वर् श्चिर मुकायर महर रे। मुलार वका सं तुना व मुला वे हि हे चिद्धचा,चरेथ.थभा भुन्नात्मचा,कूचाची,वेना.चेट.चूरे.चात्रेजा. विक्ति वित्स्त्र व्यास्त्र विक्ता स्त्र मित्र वित्त व्याप्त वित्त व्याप्त वित्त व्याप्त वित्त व्याप्त वित्त व्याप्त वित्त व्याप्त वित्त वि र्माम् खुयाम् अट सं महें सामि वि मुक्त में सामि है र रेट रेट सट चिं तु त्यवे सतु व त्याचित् केर्रा पवे व त्याचे १३३० तर । क्षे विष्ट क्र-दे.जूर,चैल,रचश्राज्येयेत.क्र्याचेल.च्राञ्चेत.क्रि.कुंचे.च्य्यासी.... अनेभक्ष। चैता. त. पर्तु अ. इ. ट. ता. चै. चेर. वका शोधव. कुरे हैं. है. "अर्? न्दर। श्रेंब न्दिर पड्ड अं इ.स. श्रेंब अर बाद र न्दर्भ। न्द्रायः यक्षमात्मका भु तिमुर हुर मुक्ष मुवायि निर्वायन । मिट प्रविद्या अद्भान द्वारा निर्मा कर्मा वर्ष निर्मा कर निर्मा की ्संर वंश्वाच था. श्राम श्राम श्राम श्री श्राम हो हो हो स्त्र है । व्रं मु रम वृष्टे व र म म र में र म अभ र अप मु स मि स मि स न्द्र वर्षेरे प्रकृश कुश अट पूर् पूरे की अरे कारी वर्षेरे अर्थ निरमान्त्र राज्य में मुद्दे र ना श्रेन श्रेन्य प्राप्त से अन्त क्षी हुंश्चर्यं १८१४ ल्या. १८०० रहा ही ल्या. ४८० झे. मियार नकाराष्ट्री नकार क्या मियार निया मिरिया मिरिय यक्ष्मा न्ने पर्वे के के के के र देश भवर रेर पर व्र-१८। मु दना म मधुद पर व्र-१ दमना दश मु दना नी खुया मर द्रांचर्ड्समा च्रे.मे.ज्राचकर्या मी.वना.मी.चर्चव.त.वे.चर.

सट. त्रंभ'नर वर्षेषशासह्य मी.येचा.ची.लेज.चीट.ची.झु.देर.चूर् ८८.मी.४च.स.भक्षस.मी.क्र.२चीत.र्.४८.पदीचीत्री स.भक्षस ড়ৢ৾৾৾৽৾য়৾৾ঀ৴ৼ৾ঀৗয়৻৸য়৻ঀয়৸৻৾ৢ৾৽ঀয়৸৻ঀয়৾ঀ৻য়য়৻ড়৾য়৻য়য়৻ঢ়ঢ়৻ড়৻ঀৢ৾ঀ৾৻৽৽ यते.मु वर् कु रे में रे रे रे रे रे र न मुरे के सारा इस यर साहा चर्ष्यायातपुर्दे हरायानम्बर्भराभ्या क्षायपुर्दे हरादेरायराज्याकः श्र.चिद्वच,जची,चट.ची,भटेरे,य,लूरी क्रीज,रचश्र.श्र.चिश्वभ,टा.टेटी सं मन्त्रामा मही महामा भर्ते द्रम्यामा स्वास महिसा हो स श्चर, येचाश्च, कु.र. ए. विज्ञान विश्वर हे ह्या पहुर कीश हे ट.सट.सट. प्र-भ्र-भ्रमभावमा प्रमाण है। है भारती है। मिक्टमाना मिटारेट भाष्य हुर्यातपु तर्यात् १०८४ मा. १००० ही मा ६०० यक्रेंचश. रे. कर. मी. क्रूश. हों . हॉल. लिवोश. चंतर . मू. ११ थरा. र ही रहा च्र-मिश्रक्षित्र हर ज्रिन वर्ष्टर हर हिर विच वर्षेट्र तर्वे विच वर्षेट्र र्मनासानाअत मिन्दर स्तारका सार रूप रूप सार्थ सेना प्यानिस रवसःविःविःविःविनार्दमःरासं विः १०३४ सम्बद्धाः विने रीटः विने ग्रीः क्र्यासी रेविया है रथा है प्रेये में रेसरा

 चडिटा हु थे सिट्स त्राप्त हु ची चढ़िस भु छ . ४० इट चूरे की ख़ैरे तर्प स्वर्थ . ४००० दटा हि छ छ . ४००० हटा छ छ छ ।

নাহ্ব দেবা স্থা প্রবিশ নাধ্রম দ্রী অনু ১৮৬৬ । ক্রি মার্ম দেবা স্থা প্রবিশ নাধ্রম দ্রী আনু ১৮৬৬ । ক্রি মার্ম দেবার দেবার দেবার দেবার দিবার ক্রি মার্ম দেবার দেবার দিবার দিবার

मद्रेन्द्र्यःश्च्र्यः भवे द्वा मामश्यद्रित् के भूर द्वा भू में द्वा भू में प्राप्त के में में प्राप्त के में प्राप्त के में में प्राप्त के में में में प्राप्त के में में

त्तर श्र.म.में.तुर त्यारे वर्ष र क्रूर श्रीर में महिर मी की र है के वर्ष शरश में अ.में. पर्या १४७० रेटो हैं. मू. ३८०८ प्र. में. येचे. भवे. हर्न मिल स् हुना स तीर दुरा मी रचा ने नार र दर्श हुन से मा दशः व्याप्ता स्त्रा नीयान है अवेद्या के वृत्या (द्यार नय से देन मा है या द सार् माने श्च.भ.रूभ.तस.रेयट.यश्चेर.चोषट.य.वश्च। रेश.रयश.७७ य.द्रभः नर दें लपु मि में क्या में राष्ट्र में दें रचर पड़े में में में हिंदी मार्द्रेश निर्देश प्रतिशा मिंदा क्षेत्र निर्दा का मादा प्रक्रेश स्पेत्र गा मा नवः करे तू यदे हा सदे ना वार ना वेद रे ने दे हिंद होता के सर दिय स्टि: क्रें दे. रेयट. क. डेमश. रा. मुंचे » इंना पर . में . लयु. में स्था से . हेट. पढः मशिभः रतुः भ्रीः नैसः श्रीः चूरे विश्व मितः भ्रीते विराध्ना अपूरे विद्योपायः विशानुद्र। मिर्दा वशानुर मुद्र तिर्द्ध वास्तर बैशानेद्र। देशमा सुद्र . श्चैना विवास पहेंसा वहीं नाम ना स्टान स्टानी र जिल्ला होते. *ब्रिं*ट क्षा क्षे क्षेत्र प्राप्तमा त्या पद्मेत्रा ना स्वर्धन । ते क्षेत्र स्वता ना ना ना प्राप्त । त्र्यान्त्राम् । यञ्च त्यस्य कृताहमा मी सञ्चामा मासर नहीं ब्रिट-१२ मासर नहीं निष्या श्रुट के । «है की » मासर च्रे.की.रहता ५.कर ल्रे.की.क्री.नार्डर रेटिंग की ५.सूर. क्रे.क्ट.<u>पू</u>चा.<u>रटिल.क्</u>ष्र.क्ष्य.चेटक.भट.त्.चेलट.े.तट.उन्नेष्टक.... सूर्याका-मैलारिय, क्यांका-क्ष्री क्ष्य, मिया विश्वास्त्री, कुर्या सिर्याक्ष भर्तर रचा ला र हु ग्रामहर् ए के हिरा सिर्या तर मध्य है र

श्चर्यान्तेर पर्या मुं अर प्रायस्य क्रियं से प्रह्मा ख्रियं प्राप्त मुंगरा ब्रूं । स्थर नीरश्र भूत्रे , इस श्रम्भ , मी , यश , पत्र हिर , वि , राष्ट्र । मीयाक्यान्नातास्त्राष्ट्री याचरारेमान्नी रामेन्यान्स्यानस्याना पन्यश्राद्या वेर में के अहरी मूट मी से देश खे मी ता है है वर मूँ श स्त्रि, त्याद न्या प्वापा र्या र्या प्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् मर निवेर मोनेद में अर्चे र नद केंद्र न में या ने र तर्दे र तर्मी नहीं र यथा है सामा भारे के निक्की और दिवेश में दिनका साम सम्मान के निक्का है हिंद ना क्टा इ कार प्राचीता है में र वर्त रहा मुल्या खाय वर्त र है र र्त्यासाम्बर्गन्ते रहिसाहसामहारामान न मुरा के वा ४११ वर है इट.चर्डे५.त.वंश.चंडेट.सृ.जू. ७४०० वट.लुच.क.चेड्च.चंडेंच.चं.थ मी नियान निर्मे वर्ग नियम केटल की ना खें का नी नाथ मी नियम की वुर भें पासरे । देर वहें र नवें र वहें र वें रहे भर वें केंस की नारस सु गुर परेचा क्रि.जू. ०४७३ थट. रेनु १.इस.मी.यच.रट.कुटस.सूचा.चलचा. है.श.भश्यश्रास्त्रीरचेहरे.वेश.चेटा च्रे.हें वेशश्रास्त्र.च ह्याचर नार तक्षका नीना निवेद हर वुर लिया वेद गुर विद्याना विद मीय.ष्ट्रां क्षेत्रां दे.ल.इ.एड्रां १२४० थ्र.पर्येच । ८०० ४.८८। खे. भूषु भ्री. व्यात्रकात्रा भक्षत्रकात्री, देनाका नव्यनाका ना व्यात्रकात्रा न्या प्रमाण न्म्ने स्रित्यका निर्मे हिंदा हुर में ह्रें वर ह्यस पन से ह नुर्भवसः त्रं नानुर वसं मु वना भीसः सेर द्रमास ने में रायरे सेरस मिन देश व्रावर वर वर वुस से दा त्या में दे पारे दा व्रावह वर् भुर् रट.चीचुंब. ७.८ हम. १व. १९ हो नश्.ची भुर् छात्र, पर् श्रु. होंची.. भटात् त्रिक्त व्याप्त रेता ने मुलामन मुलामन निव द्वा देश

च्र-नःमुल श्रुवे मूंब अनुव वहें ग वर्दे न मुद्द न न ने हें न सम्बेश क यर कु कि अर वर्षेट ता १ भ मी अ मी १ मी विदाल मूर् भी अह सूची ... ৻য়৾৽য়ৢঢ়য়৻ড়৸৻৸য়ঢ়৻ৼ৸য়৻ড়৸৻৸ড়৻য়ড়৻ড়৻য়ড়৻ড়৻৸ড়৻য়য়৾ঀ৾৽৽ वस्रमञ्जूर दस्र अर दिर्मर स्पेर्य से दे हिर सं वर्ष के स वेर्'कु'रूप'र्नद'रूप'रूप'र वर्षक्षा पर्देर्'केर्'म'रे'अप'क्षेत्रकार्नेर'' मन्त्रिन्यान्यसम्ब्रादित्रार्भिर्यान्यस्त्रेत्। द्वीत्रहरार्द्धरार्द्धरार्वरा इसरासानुदानाद्दा। सामद्यस्यानु र्द्धन्त्रम्यामान्त्रम्यसङ्खाः रत्रे अरदश्यास्य स्याप्त विष्टित। कुमार वर रिवेश हेरे स्री क्या लूराया, या. शुवे, वंशानहूर, ने श्वा मी. वंगा वंशानूर, ने देवराष्ट लूरे. क्रिंग. व. होर. ट्रेंश. की. यंत्रे. होर सं. यो वा. प्रेर. होर सं विवास में हैस गर परेचा १४७०३ जू. व्रिट्येश झे. शर. रेशची. रेवेट . ख्नी. परेट . प्राप्तश्र. रे.लिंश.४-र्राप.कुर.त्.वैटा अंचरा.र्रप.लाम.चरा.र्था.रव्वेर.हर्ष. न्मना नविद्वासर सहसात्यन नुपर्मे कुरे त्यु देशसान निरामर विद् न् वेर:्श्रेष:अपार्थात्रकात्रकात्रकात्रक्तां द्वार्यात्रक्तां वेर्तार्यकाः ৾ঀয়৽৴ঀৢ৾ঀ৾৴য়য়৾৸৸৸ঀঀঢ়৾ঀ৾৸৸ঢ়য়৸ড়ঢ়৸ড়৸ড়ৢয়৸ঀৢঢ়৸ড়ৢ৾৴৺য়ৢ৸৸৽ र्यटाभक्ष्या पर स्मित्रास सिंह्य स्वयं स्य द्वैवाहे सु सर प्रहेर हे विर्पावुद द्रा के द्रस स्मेना हेना यवना है। अपन्न देर देत्वर में भाषा प्रीमेश हेत्य में भाष्ट्र व्या दे तर में भग्रु.रेश.सैवा.सव.कृटा चयार्य.तेबा.रेटा कूचंश.कुवी झ.उटेश. र्नात.मशिभावनामिट.रभास्या.सन.पर्ने रिट्स.एड्राम.येश.व. ### אַ אָרָאיקֿרִישַׁקְיִישָׁ אַ אַ יַלְרִישָׁלְיִישָּׁ אַ אַילּאיקֿרִישַׂלְיִישָּׁ

मयुक्तिना नवना पर रेत्। केटस स्मिना देश सरमक्षमस न्दा। र्हेट मी विन वट इससामस मेर नुसारा देता केटस सेना देवे कट रेने नाबुदःनी नाप्र तिर्वित्र से र्वे र्वे र्वे विनाम्यान्य न व्य र्वा सुर्य ग्रेट हु चुरा के ते दे न के किया कर दे र कु दया मी सेट चाट.लट.चाशम.८पूर्अं अंतर्श.क्.चेम.वं.वैश.भ्.वेर.तर्.पूर्यः श्र.ची.वता.चार्चाश कुटश.लचा.टु.चहूंल.टिह्ना.डुरे.टसंत. न्तुव हेवे नमन नस्ट व्र विश्व स्ट्रिय निया है हेस पहचारा केट.चाट.लट.चक्षेत्र.लूर्.च.भ.मूरी ची.येचा.चीर.चीरा. बर र वेर हरे हर मी स्य वर देर मी बना नावेर बना है चैंस विसाल द्वेचास. गुरु र नुहेर हुस मु रच र ट मूर्स सतुर लेचा चल्या छ ट । मूस म्बरं देवे पर देवेर के के हिस्सं भेना दे । तसा केर वसा भेर पर नरे १ ने वे १ हे ते द्वार में वे व वर तमार नमा में में न मा मा में इस्त.पर्ना मित. हैते में सम्बद्ध दे हूर नार नात स्त्र व कर् म्. भुट्ट . रचट कट्ट द्वेस्थ डीचा क्ष्मर ट्रेश ह्चाश क्टा रेटे र्नुव हेश हेश स्र्र पद्व प्रार्थ निम्पूर प्राप्त प्राप्त देश भूपरा देर र्में रेह, रेटा ? श्र.चे हेस् हा ते त्या प्रें रेट टेवट खेंचेश प्रचीये विदे र्स.भैचरा.चेचा.लुसा ०००० ज्.र्डिय.इ.चोड्रेस.यस.ची्रा.भवेय. ब्रिमा नविना सन् रट नारेश माश मेर् राजा ही मुका ही है र मार्टी नाया हे.स्रायात्रम्यात्रस्य विद्यात्रम्यात्रम्यात्रम्याः विद्यात्रम्या म्रास्यम् वर्षित्र म्राम्यास्य सम्बद्धाः निवालक्षः निवालक्षः निवालक्षः निवालक्षः निवालक्षः निवालक्षः निवालक्षः ट्टू व तितारी में भूशायन जुर मी ह्राची रंगर क मेट लंद

बेर्'सर्हेंब देशकुषाबद्दे हबराहिँद खेर्न प्राधित खुराहा। चूंबासवुदान्देवारार्द्धं दे खुरात्तु सेने सुदादं र दावितसा विरस नीर्नासाक्षात्रस्यान्देशस्यानानेत्। सुन्दारशामितेरानानेपसुः देव यदे के : हिन रहेद देव मुख्य में के र यदर। वह है : विन हेत्। नेवै:वन्नेय:रश्रानु:बन्नोस्टा**न्यः:ॲ**र्स्वे:न्खुन:बैनानी ब्रिन त्याक्षी : 'यर्ग ने व्यव खरा कर्र प्यत्या व्यवादा बेराह मानुः इति र त भू जेर र त ते। विद्यार र त्यार र त्यार मार स्थार स्थित या ता देत्। माबुरादे स रूराद्वराष्ट्रिके कुंक इस हुद्दां रू भी। र्स्वरम् ग्रेप्ते अधेर छेर छन । वर्ष कर्म 5=1 द्यः निः देश संस्था सं विना दे सिंद्र हुंद एर्द्र सं देवा महिना हुसा ब.सूर्.र्टा मि.रचार्यना ०४०० वरामि एवंतरायानु त्यासुनासा यदे हिन देश है। केंद्र केंचा बहेश हना है विंहा दे केंद्र पना गुरा र र्राक्षेत्रक्षित्राचेद्रे नेद्रे देवायह्व नाता भरायुदा भेदी सामा है त हेना-ने-नेन-ब्रेन-ब्रेन-ब्रन्थ-ब्रन्थ-ब्रिन-ब्रन-स्ति-ब्रेन-नेन-ब्रन्थ-स वर द्वा क्षेत्र में प्रतिमान ने दुर मेर स्तम। अर व रूपने ह्वा मा ५८१ मर् इ में स्मित्यर मु प्रमेश नारी हुर मेर हिरा रे इ सिर पर मुनिश्न मुन्द्रियाय हैराय सरावें वुरायर पर वें हैरा द्वा मुनिश यवै मेर हेन वेंन क्याने देव हुर हेन यदे राज्यात वेर । देवेर हसायहत में में नुंद्र पर मु मकंत्र निहेन हैं। निहे के मेंद्र निहे निहे ब्दस येम्ब से व्यापे यादे र केट्य थमा म्बर रा देश महित सेत स्वयः उ.स्या चेर् याचे च्या से प्रचूर केर रचे व हैय देरे या घर गर" तम्रायाना में त्रिक्ता मार्चेता के सक्ता महिना ही हिना सदे के दस ल्मनान्दरम् । नाकेश्वरमानाकेश्वरम् नान्द्रम् नानुदर्भाता मल्या यद्रा महास्यायकी विद्राह्य वरमी द्रीद्राम्बुर मोश्रामल्या **ব**ম দেই য়'ব্যব্যস্ত রু ট্রিস্ স্থেনঝ'না অম ইনা অ'ম দ্রু ন'ব্য মইবা **५**८१ वेर्-रवर-पर-र्सुन्थान्ते प्रदेशन पर्ने प्रेट प्रदायक स्टायक स्तुः नारः बटानाबमार्द्रनाबाचुन नार्ट्याद्यां नाटाक्ष्रमाथा। केटबालेनाः न्यायार् राचेर् रहा। कु र्यायाक्ष्यायाया स्वायार् राया सेर् **इ**पराचेंद्र दशाक्तु दमामो सुद्रा दं रद जिरादिश दिश होत् देव प्याप रे**रा** ५ चेत्राहास्य प्रस्ति यादेशस्य स्वाधारस्य स्वाधार्यस्य स्वाधारम्य <u>त्र्राप्तामी या मृत्या पुराज्यस मुक्षा</u> हुनामा वैदान रहा। रहेशहा क्रेराल नाहमा वर्गाल महास हैन स्वरास भूरे तर भी भूर चटार <u>र्</u>रे केर प्रविधास हो। विश्वेर कुटबालचा. **ৢ৾য়**৾ঀৢ৾৾৾ঀঀ৾৾ঀৢ৾ড়ঢ়য়৻য়ৢ৾ঀঢ়ঢ়ঢ়য়৸৻ঢ়ৢ৾য়ঢ়ৢয়৻য়ঢ়ৢঀঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ় बिटा नेरामहेत्रामुणनामेशान्तेत्राहान्याम् अर्नुम्यान्याम् स्वान ल्रि.मी.मीश.च्र.पायद्ये विहास.देश.ने। ट्रेंप्यं में मालद मञ्जर मुंबर से प्रथा ना बर दे ने विष्य हिर विषय । विषय हिर के ना मार दे रिने १ हुए सिट हिंच हुन हुन हुन हुन । ४००० हुन सि सिट । क्षेत्रर तिर्देर ग्रीटा अश् हिंदे मुैल रे र स्वह्न दिन्स हेर स्वर् हिंदी १०० व्यक्त दनानु द्वान कुर हे चेत्वर मे कु देव प्राप्त द्वार प्रमा हैं दे र्नोस मिन हर रे कु रमन रमन रचेंद्र हैं र दर द्या र चेना विटा व्यापट ल्या पड लाम पर स्पाध के मार्थ से मार्थ स्था में किया सवर श्चित वर्ट हे वें र्रा रात्या रायह व व्यव रायह व

मुर्यारेता १६०१ दस १८० सरमु दसर हैस दि वरावह द पहुंसासानुकानरानुकार्या। मुल्काक्षरास्यान्त्रीवरान्याकास्या स्र्यालरामुरी मी.भूषु । नदीरारेभने । भवर मि. १ १ १ ४ ४ ४ १ ५ १ ४ सःबुन्नरःदशःसुरःबेनशःगुसःवेदःवदैः रद्यान्वरः रदः वदं राष्ट्रीः मिलाम्य हेना क्षरायद्भे नास्य यञ्जनासः नाराः (वरा) स्वना ऋरो वर हर मि अनार्या महर्राम् दायद्वेया स्रायका श्रामीय मना स्थापिया निर्मा दुन्-तिरामर मिन्ट्रियाङ्ग सेयाद्यायरी न सेराइस है न सिन्या हर विन्तु भीनाक वन्य नियम समित्या सम्बद्धार मुख रव्रामी नरन्में रूपिते हाल देश मार्यास पुराष्ट्री मानि सामित शर्षेत्राहित्रमहर्ते वस्ति विश्वास्त्रमहरूपन्त्राम हे दुर विन् नुभर भन्दर र स्वर्ष र भिन्य हो । । स्वय यहूर हुबार दे <u>ইঅস্থাৰ্ম্ব্ৰমণ্ব্ৰাউন্মাৰ্থমিশ্ৰী (বলজ্বানীস্থাৰুল</u> महिनास्तर स्रिन्धरमानेर खेरात्राचा । वर स्रवसास मिनान्य कुरश्राक्षत्राचाराभ्यायवनाचरायहेराराष्ट्र हे र्रेट्यार्राम्ची पदा <u> रवटार्यायक्ष ने प्रिकासक्ष जीया हैते नाइसाइटसार्स्य सामान्</u>र इरामपुरायारेदा २०२३ हरामा (दिशदे मिरामेग्सीमस्याप्त तित्य र्ष्यर हैन पूर्व प्रदर्श कु सेने सु ह्वा सेन प्रवेद सेन र्वृक्ष्ट्रसार्य्रायश्चितायुष्। श्चिष्ठायानश्चर्यायक्रमाम्। स्त्रा वज्ञस्यान्तेते दरान्ते व देश देने के के र मुं मुं सिरसायी व देश ना मि.श्रर वर्द् वर मी.रर रेवर रेज्र वर्ष क्षाय प्रवर वर्षे व वे कर पर्वे । मु दना अ . क्व. दस में स म्युद दे ते वि में मर निस ते द नुस गुर दे ...

हुस्र मु द्वा मित्र मेर मेर देवास तम्दि मु से से देवा महित स्वरा वेद् 'द्वैद'म्किस'द्रस' सेट'६मास' वर्गेद् 'हेट'। कवस'हेमा खर रू भैना-देर-भेट-इर-अ-वर्गेद्-पर-देवे-दट-नास्वय-कु-दना-मी-व्य-प्रट-मीस स्नेट द्वास वर्णे द से द स्वयस विसस सिवास वेवा वस मु वना मी मिर्मा शुः दुन्यने निरमः श्चेतानार प्यर प्रेन्य मानि देन दे:खर:वर्द्र-कुंद-दर्भूर-ब्रोट-क्र्य-द**म**-वृद्य-त-कुंक्र-वर्द-दर्न-कु दनानी क नश नी ना भेद रहिया नहें द ग्री भंद ग्री मा नंद द द मा सेदे रियमा अपन्य प्रति विश्व में मिला मिला मिला मिला में मिला पत् अपसा शुः भर वर्षे पर ना वसा शुः पर्र हो। वर्ष प्रमु ना नार दशः मु दना पु दशना समि वे स्था सुद निर्दे । स्वर्थ स्वर्थ सुद्ध गुद स्वर् प'म'रेर्। तुस्राभ्रवसादेर पहंमान्नीय क्षेत्र चेर् भेरी पर प्रवय पर मर्दर्भिदशः भ्रेतः चेरः पद्भः त्यसः गाः नुनासः केः नुसः सेः २ ५ मा । देः देः **अवसः देर** दे 'दर् 'दे विया देस पर के 'दर्मिस पा 'से 'वर सर्वेद 'की प्येद ... न्त्रम वित्रणुट स्नित्र रे कुयामन मित्र न्ना मी केर स्टर स्वर विदर **ૄર્જ્સ-માનુસ-**સુદ્રસ-દ્રે-૬ના-મિસ-એન-કોન-જી-પ્રાંતુ-પાને-સ્તિક્સ-સુત-કુદ-नर्मान्तर्वरात्रा हिंग्यर १०५० यर देव हे स्रराखे ना स्पर्सीय मिना मी मुं द्वन हैं हिं निर्देश में निर्देश हैं। वेर्देश हैं। वेर्देश हैं। वेर्देश हैं। वेर्देश हैं। मुल-दर लट.मुल-प्रवानियानी मुल-दर दर माज्या दुर्स ल्र्नियान्ता विवावताने के वे क्रिंग्सुयाणुता हेन ब्रोतानुता वितानियाः

स्थ्री, जानी अधिर जा जीजा रिमा, नुं क्ष्र् क्षर अशा प्रशा जु र चे सा विष्ट क्षर चे सा विष्ट चे सा विष्ट क्षर चे सा विष्ट क्ष

स्य-देन्, खुटा डेह्म, में स्वर्थ, स्व

द्वेन हो मुन्दन द्या पुनाय हे विदा नेद खुम दुय पुनाय वर् नर् .रेश.श्रेचश्रायचीर.पेश.ज.मी.भ्रुश.च्र्र.रे.चस्रेपद्वाताचेश.चर्.. र्भाष्ट्रसम्बद्धानुद्धान्त्रम् स्त्रम् रट.चर्रसार चूर् दशक्तियोत् त्यर १ तर्ह्या विश्व तालट विट लूर्। के भ्रमाच्रीन्तु वनानी काप्यमाध्याप्य पहिंद् याहेर नुषार यहा वटा मिट्र सिट्र प्राचित स्तर से विश्व विश्व विश्व प्राचित स्तर से प्राचित से प्राच से प्राचित से प्राचित से प्राचित से प्राचित से प्राचित से प्राच से प्राचित से प्राचित से प्राचित से प्राचित से प्राचित से प्राच मुयानन निवरन्ता भे वे रे दूर्व रे व मुर्ट र र्व मु लूट्य.श्र.श्रे.सेट.कुट.। ड्रियश.पीचाश.मी.चार्यहर्षा.मीट. ४७३४ वट. . मिता है । विस्त रे सम्बाध के लिना प्राप्त निमान प्राप्त कि जन विशाल्ट्रायाच्या स्थानी अर्ध्यार्थ्याय्याया स्थाना स्थाना स्थाना बिराह्म (नामायाच्या में क्रियाया नेया। १०४० व्यर सराय रेपया पुरा मद्री व्राप्तामिष्य तीवाय वृत्राच्या श्रीत प्राप्त व्राप्त व्रीय क्रिया शुद्धान देते वर है न सव रहेंद्र वा १०१२ वर मु से सबर सेंद्र वित्रभ्रम्यः वित्रणे मान्यास्ट्रायं के निर्देश देते गुणे मान्या मान्यवा । क्रिश्चर ट्राप्ट्रियेश क्र्ये । विषय तिर्मा क्रियेश क् दम मिट्य महिंग्य गु द्याय बद पदि मु सर्व द्या पुनाय उद सिंद मारेता देरायहेदा १००० -१००१ मुँगम्बसार्ख्यादे द्वापी मोसार्चेद बु-र्ट्य-र्व-रटा हिस्स-तिनाश-मिश्यापि, सूनात्रशःमी, वेनाप्तरा ज्रचाशाक्षी. र ट. देवट. र ट. तक्षेत्र. मी. मी. र ति. वृत्ता अट. त्रेषे . त्रेषे . तर्मे. कुश क्षेत्र श्रुट विश पर्येगी

मेतु सूर्या पर्वतः तह्या वित्रास्त्रा

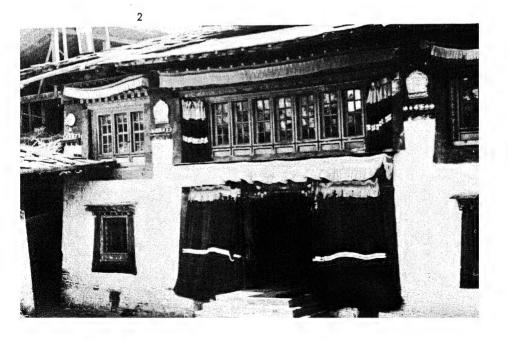
सुरी।

चूर.कू.क्ट.थब.रेंचे.चू छ.लब.र्रेंचेटालट.रेंबालूंचे.चा.

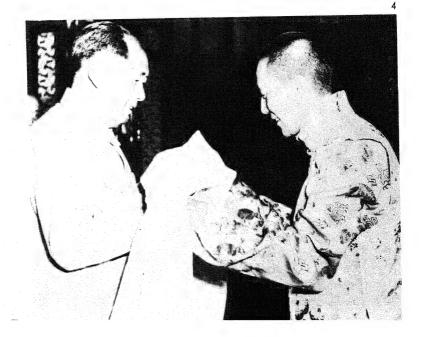
चशित्राची.चार.ची.रेंद्रेश्चरं जुरू र जुरू र

म्मान्नस्य स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्था









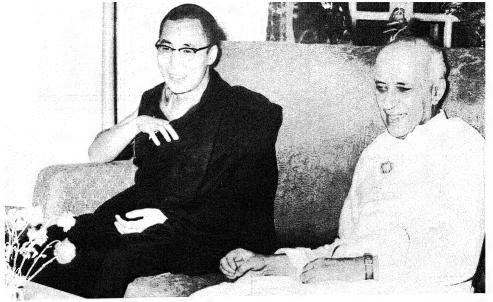


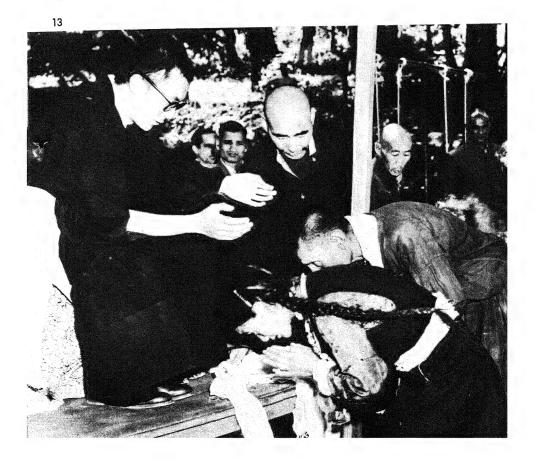












कामदी 3/14/941 नेन्छिए **के** 2646 大(也四(美のいてあべていのし givi कातिक्रांपका 5 (2) (Little manto w do La Minimi न्द्र । बिलाएप(६) glimmi न्य राजा ग्राम् 500 ٢٥/١٥١١ छ। ५। ११ पर

क्षेत्र.वे.पवेत्र.केंद्र.क्ष्य.वचा.चब्द.ट्री टिवेब.इ.टेट. कि.ट्री की.चोटा चढ़ी चर्सेश हुन । सि. १५८ ११. झे. श. ४४. भ. हुरे मूट मी मानव है ११ है. मिलिट त्यादा के वे प्रदार प्रदार प्रदाय के वाता के वाता व्यवस्था है वाता व्यवस्था विद्या विद्या विद्या विद्या . क्षेत्र महिंदा महिंदा <mark>महिंदा महिंदा महिं</mark> लय अर्वेर अर्म । रिवेर मानु दियस की मार ल र द पर वर के हो रिवेर মমান্ট্র বিশৃষ্ট্র মাজহাজন্ম নবমান্দ্র নভ্যাইন্মাম নীন্ । । । व्यकान्त्रात्रात्रा व्यन्तिः केंद्रम् स्रोत्रकान्त्रां निर्मा व्यवस्थान्त्रा मह्री क्षारी निवानका मिरायर पर्ने नवा सुनिवा समुद्रा निवाने टार्क्ट दे सुरक्षर दायो र वस मे भे भे भे भी वि भार भावेट वस टार्क्टर ध्रुंच र्हे ब विश्वानाश्वान वि. ची. ची. ची. ची. देश रेचा चुछ. रूचीश रश. ही . भु वियाता योश मात्र तहर्ताता ना भक्ष में कर यहर है । देसीयो वयशासास्त्रीय पर १२०० व्ही सामारी कि स्वार्ति मा सामारी सामारी चित्राच प्रमात्रा क्षेत्रा चर्हेद् प्रमात्रा द्वा दे दे का वृत्रा दा क्षेत्र चाहिता खुर ... मावसाया वेस हे ग्रायुट्या

लिम् क्ट. भारीय क्षेत्रा यहूरे त्यरायहेरे से मि होम जून ने से ने से से मिन् क्षा प्राप्त क्षेत्रा कष्त्रा क्षेत्रा क्षेत्रा कष्टा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा कष्त्रा कष्टा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत

द्यानुन्यस्मिन्न् । क्यास्न् तेन्न् सह्रान्तस्मान्यः द्यानुन्यस्मिन्न् । क्यास्न् तेन्न् सह्रान्तस्मिन्न् । क्यास्न् तेन्न् स्वान्तस्मिन्न् । क्यास्न स्वान्तस्मिन्न् । क्षाप्तस्मिन्न् । कष्तम् । कष्तस्मिन्न् । कष्तस्मिन्न् । कष्तस्मिन्न् । कष्तम् । कष्तस्मिन्न् । कष्तम् । कष्तस्मिन्न् । कष्तम् । कष्तस्मिन्न् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तस्मिन्न् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्ति। कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम् । कष्तम्त

भ्रमम् स्टार्च सर्वे सुर व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप

त्र-पर-सुनाय-स-प्रामाय्य-क्ष्य-इ-र्मा क्ष्य-प्रेश-हेमा त्र-रे-केर.

लूट,श्रेचस.झे.सर,चूरे.चीबेट,वस.झे.रेट.। चि.स.कु.चिची.कूर,श्रूच. हूं र बिश है। मूर हू द नश्चर प्रेर अंश हूं र मुक्स न्यार प्राप्त च्रं कु. तना १. दवर स्व. वस. वहूर , देर्च्स. वहूर , वैर. विर. वि. से स्व. सि. पश्चिम: दे. केंद्र: चेंक. वे.लंदा अपक. देर. द. जू. पक. चेंचें <u>बुटा क्ष्याकु सूच माने र व मैं अटा स्वायस्य प्रत्रायामा वहंसा</u> मुट्ट, ची. चोष्याक्त. पुंचा मुंच कट्ट. हिटा। मुंदे द्व. चुं अभया ह्वं टाचाटा लट. भुरी हुर. तहे इ.टस. ब्रुची. सर. चाव. चेची. ल.चेंचा. वेचट. चूंट.. मश्रास्त्र मिष्ट्र त्वाद पत्वाद र्षे व्याप्त वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे यहेत्र'र के.जू. व.कट. यस प्रमार प्रमार का विया क्षेत्र यहूर या लेवा है. लर्ने म्च स मु में हो हो से ते दिनर मुन हन मु दुस खु र देह हो र हा क्ष् द्वानाविदानी क्रवाही (१९ स्वान्स्य साही ही वार्ले पार्दा । स्वार्ले ब.क्ट.क्षेत्स.ट.कूपु.चित्र.वट.धु.घीबे.तयू.चेबस.क्षेत्र.चैट.बुटा क्य.श्रेर.श्रेंट.केंटअ.मेट.भेशस.मेर.मेर.हे.श्र.सत्र.क्र.चश.जनार..... नवर भागाम् भाष्यम् द्वेन प्रति नुसानि न नु द्वेवस स्पेन न क पर्द पहिंताची हे बाह्य हिंचा ह है है है ना नहीं का देश स्मूह हैर सारा है। याद्वरायान्या अयाकी करामशान्या मान्या देता अया है। स्वार्ध मा स्य द्या में केंग हिंस पर पहेंच केंग से केंद्र केंग स केंद्र मानि ने में दे तर्व साक्षा के वे वे सामुन में वे ने साम पर परेव ८.९ ४.मीज. रतस. ४८.मी.चोरस. १०.३५.८चीय. २४.८ ५.४२५ अंतस. रदः में त्याव त्यार दिदः दृष्य स्तर स्वरं यद्या वयस स सुदः हिदः। वर ज. र.कट, ट. लुर, मेटा कट, टिट्र, टेंश, श्रेंचश, ट्रे. सेंच प्रश्नेंट, सूची रट.ट्स.र्था.चंट.सेंच.ग्रेस.रट.चो.लट.तप्,रचार्प्ट्रिट.संच विस.

विनास द्व मी मु दसर मी नि ल में दे चर् विना र विनर दे में नालेट र्टानरसाये रेन्स्य मुटा। युनास स्था स्र में अर्दर ही सर्दर ही स्मार विभारे देवत. क. क्रांस विद्या स्थानी स्थानी क्रांस होता वस हैता वस होता वस्ता न मुक्षार्वद् वर वर्डे व पार्थेद् कंद् ब्रिंद् वर्षेया रहाद्वर द्वार व प्रवा श्रेयका पर्दर स्वर मी माने र मान मिन पर्से मान प्रमास कर प्रमा हा मिथर रे कियमा में भूषे रे रेवर हिंची हिंह भाष्य हा निवर अहे स चित्रादेर करागी पद्मी नाबुदानी ही 'छिन' साह्य स्वतानी 'द्यदाक र्वेर वंदर। मुद्रामधरायामुद्रमरामु द्वराद्वमा द्वरावा वेदे ८८८४ स्मा. ६१ मी. चावका क्षिमाम् माठ्या मात्रेमा मात्रेमा सार्दे ते वट मी..... नसर द्वेश नहें निस्तर है। द द्वेश से सद हैंद च नदा द्वेश नहें ৼৼ৻ৼ৾ঀৼ৻য়ৄ৾ৼ৾৽ড়ৢৼ৾৻ড়৾ড়৻য়ঢ়ৣ৾ৼ৻ৼড়ৢঀ৽ঢ়৾ড়৸য়ৢ৾৻ৼঀৼ৻ড়৻৸ড়ৄ৾ৼ৽৻ म दर्। रह हैर बुर बुर स्म पर र लेना है प्रमर में दे के हैं र हूं र हैं र श. भवेर र ने सार र स्थार है । अधर में अभ हिर ल नहें र देन हैं। नेर्ने ने ने क ने साथ नहें र ए हुं स ने र लिए स मह्रे. हुए। डे.वस.ह्रा.झ.सर.मे.रेथर.में.से.क्व.झ.क्व.चर.चरेट.हु टर्फ. में बेर. में देशर. में देशर. में स्वीत के कि हैं हैं कि हैं हैं वसुभ हेर दर्नेश सत्नास निन्न । नाम हेर वित प्रस प्रस देर हे त्याच ४ मेर् में मेर मेर मर् च लेग हैं र मुके राम्य पेय प्रमान न तर मिंद नीस दें दिर अद से दें निहें भिंद मिंद मिंद मिंद नी हें भा सम्म नामा

मुक्ष व र श्रेमा केव र भेर पर र मर्घर मा मा मा मी मी मिरी प्रकर रेव रहेका वंदां वायहें द्रों साय विंदानी यस द्रमाद भेदां या अदाद कर दे दे वा क्रसःसबुद्दानुत्रात्वाद्धसायत्ना ।देसानुःसदीःस्वाद्वाःदसःवरःदेः झ सर दर्वेर हैं सं की सेदी है र सि है जिर है कि ने ने समाम सिट मी वन्न । स्रवसादेर वें देव पर्ने प्राचन तर प्रमादसासहसार होया मीत क्र्याय सिवा हिंदे प्राप्त प्रमासन। ह्राची महिंदे प्राप्त प्रमासन। ह्राची महिंदे प्राप्त प्रमासन लकार्द्र है कु नार कु ह्यून हेर हेर है स्तार मुनिका धनका है कु नार मि.श. वश.मोत्र. 'तेचीताहा कुर. भान्येरा मु. (कु.पर्जेश.ल्ट. वयश. वश. ब क्षेत्र है। कव सर् वे नसन निर्मान है। वना नीवि क लो नी संदर्भति दर्भ दर्भात्र सार्श्वर संदर्भत्र कुष्मा द्वर था एमुलातमार्ह्याम् स्पूर्वात्या । र.क.स्यारायमायायाया तर यहे १ र ८ र छ र पर कर की अहर में निष्ठ र में भारत सामा यश्चर मोर्स होर पर्रेर स्पर् समाय पर्रा मेर् र समा प्रहेष यह हा सा इंसल क्षेत्र ह्येंच द्वेल य। कुद्भन चेंद्र सर यह द तहुं स हरा य क्षसः क्षेर पत्रे र न्त्रेस सन्दर्भ महित्य भी

भ्रम्या देन् माद्द्याद्व्याक्षेत्र क्षेत्र क्

भ.वैट.च.लटा चर्मान.चना.चस.नहूर.चच.कृ.वर.चट्टेच.भधर.वैचा. चिट् के ते दे ते ते ते ते ते ते हों निस्त य स्त्रे व तस्त्र है से ते दे ते ते त लट.लट.लूट.ची.लूटे.च। रेवरं.वी टक्ट.रट.चढ्डेर.ची.चश्च.क्ष्य. ल.ट्र-रह.च.चे.चे.चे.चा चेनास.चह. बचा क्षात्राची के सह ल.ट्राच्या र हेर.ह.तर.वै:.१८.४८.मी.चर्ज्सत.भक्षेत्र.वे.छूर.८र्ट्ट.लूर्जीटा रट हुर ज. श्रेट भुर नेर मुरे नम्म च तम्म हेम स्थान मान विस.चेटा भ.च्रेर.च्रट्.ह्रेर.ह्रेर.च्रेश.चर्ध्रस.चर्ड.चेड्रच. श्चित्रहाराम् विसादाः। महिनादेश्चित्रहाराम् वृह्मायदेश्वस्य श्चरत्यात्री प्रत्योश्वरत्यः कार्यात्री प्रत्योश्वरत्यात्रीत्यात्रीत्यात्रीत्यात्रीत्यात्रीत्यात्रीत्यात्रीत्य वितर अक्षेत्र ने ने नहमार्थेन नित्र माय वैत नु के ने में दे देगाय या मिर्निश दूराय दे न्यंतर स देनीं स लेश सम्मास स स्वी चक्रदे.मूट्-मैं-कुश्-चक्रे तह्ल.धेचश.रे.लर्ज.म.इ.च्चेचश.धेर..... नाथमार्थमार्थमार्थमार्थे । वीटा श्राह्मान् नाटा है । वर्षे कु अहूर म्रीता रेश चोस्ट रेट ज स्था ती चोर्ट रेच्या कुश चार म्रीता जाता है से क्ष् द्र. प्रसम् क्ष्या क्षेत्र. स्त्री प्रक्रम् के.स.चेस.पंचस.जिंद्स.श्री.परेट.कु.जु.ट्चीप्र.इट.प्वेची.त.... देश.सवर.ट.कूर.ट्रांस.सच्.कुर.त्.वैट.। सक्ष्य.पर्वेत.क्यूनश. कूर्यास. कुरे. तथ. चूरे. ट्रेंड. श्रेंड. चूर्नहीर. श्रु. चुरे. तथ. प्रेंच. हीय. हीय. चूर बुना में व्याप्त में प्राप्त में में स्थानी मार्थ से मी मार्थ प्राप्त में स म्य द्वाया वे नर्व नद्व न्यव न्यव स्थाय स्थाय

क्ष्मा के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के

मिटल दिट है। ट.क्. प्रटार्वट प्रटावट प्रवास के लोग ता है है। की मान हिंद साम में कर से में के प्रतास के स्वास के स्वास

माठ्या सर्भे स्वयं के राद्य स्वरं स

मिर सुर् क्रि. क्

र्स.लेर.इट.व्रु.इस.च्रूट.क्रु.सर.व्रुट.ल्या.इर.वंश.स... मर्निम्यार द्वार मिर द्वार है नुय विय म्या भेश हैं न्याय स मुर विर । अपस.र्रेर.चिट.क्र्स.क्षेत्र.क्रेट.बि.चाश्या चिट.क्र्.पेव्रेट्र.चार्ट्ट.के.थेचा. सर मु मेदे मु दंव दें हें मुंद चुय खनाया दें नय दिन सर दें र १९ मा से दे सु द्वा नहें ने द्वा देव देव पढ़ वित् पदे में वा स्मुद् बुर चुरा भूम, हूर ताम हेर मट म् नर्बेर चेरा चूट। टाष्ट्र हु से द्यः द्वार् संत्र रटः वद्यं प्येषं सिवीशः वहूरे हे. विदशः श्रीतः सटः वृत्यसः ल्ट्.योटा ची.भुस.ट्.हॅट.९भ.लट.भ.चेश.तर.भव८.भर.ची.भुस. वडः वर्डस' ग्रैस मूँस अधुव डिम दीस दें व कंत वर्ड वर्त पर्ने पर्ने पार् वर्तेष हे हे झेना होत प्रवस्य सेन पति दस्य तमुर पर्व हरा हे त्यार हैं ते सु दव हैं स वसम वहर वहें के य दि । वह वह स हो द स वड्ना पर हुन्। मिट हूर रथप रववया रटा कून के वहूरी मिट कू ए जिस सूचा जयर पहुंचास सिरायसेंगा चूरे भा भर हूंचा नें लर इना मुनासके इनार्ने मुरे क्यारमुर नक्ष के दिना ने ने ल.ट्रे.श्रॅर.वेर.टे.चह्या.श्रु.पर्या

म्नी स्वा प्रदेश प्रदेश विष्य क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र

द्यान देश प्रमान क्षेत्र प्रमान क्ष

क्ष्मान्द्रकृत्॥ स्मान्द्रकृत्॥ स्मान्द्रकृत्वाक्ष्मान्द्रकृत्याः स्मान्द्रकृत्याः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृत्याः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः स्मान्द्रकृतः सम्पन्द्रकृतः सम्पन्द्रकृत्यः सम्पन्द्रकृतः सम्पन्द्रकृत्यः सम्पन्द्रकृत्यः सम्पन्द्रकृतः सम्पन्द्रकृतः सम्पन्द्रकृतः सम्पन्द्रकृतः सम

निष्यान्त्र प्रति । विषयान्त्र प्रति । विषयान्त्र

म्. के. तम्राची अप्ता प्रमान के. यम् मार्था के. यम्य के. यम् मार्था के. यम्य के. यम् मार्था के. यम्य के.

क्र प्रचार में नाम क्षेत्र में निया क्षेत्र में निया क्षेत्र क्षेत्र में निया क्षेत्र में में निया क्षेत्र में निया क्षेत्र

मिट दूस नगेर्न पर में स अविय मी पहरा अनिश कूर सूर नियंश कूट. नदे रे न ने दे कि द्या लिया प्येषा में सम्बद्ध स्था से द र न्या स न में दिस र्रा भेरा दे हैं भु द्या हैं या हुए त्ये र यह र त्र्रें र्भन् र्वेड्यम् रहेर छर है। शर्र म्रु द्रव वर्मेश र्वेष न्याया वित् मूट. चूरे. चर. चक्री. वस. भुरे. चर. मी. चर. चक्री. लूट. मी. लूरे. च. रूरी अन्यत्रेर स्वर तूर् की या अध्यक्ष वट ती अर लूर हट। से अ स्वी. मर दि वर् की माबुद प्रमामर कर् सूर्यस मिंद वर् सर वीसस या भेते. रमना रच्ये वमा रमना रच्ये नाल र रमा मर्चे हिंदा भेर जिल र्भनासानस्यामर्वेदात्रेर्नातालाम् सेर्। विद्रानीसामहत्त्र मही र्या तीय मी देश प्रीय है पर् लेग हुर में लेश तालट श्रिश गीट हूर. र्यमा र्याप त. हमा ह्या मुक्स महित्र हमा हमार मार्ट हिस हरे. ख्वशावत्त्रीटावनाव नवशामु प्रथमार्ख्यायायहवार्वे के के निर्मार्भेता मेर्पारम् मारार् के वार्यमायायायायाया सम्माति हे मेरायवार्द्धवा म् तर्रेर मिट हूर भट त् वेश्वास्त्र रेषची रे त्रूर है सा उर्वेट तर म्नेन हूर् ग्रेश हिंद नी देश र वीर ता परेचा र वर वेर वेर वेर स्व देवे के में दर्विव य विव कुर स्व प्य द्वीव यदि होवे व विव कट. बुना. रे. मिट्र. ज. भहता पद्चर . देरे. मैं. तेश मिट्र. थंश. देश. रेट. उरे. भ्रेभ.मी.सून्। वकार्यंट मैंकु. उट्टे. त. वैका केवकार्य्ट जिनोस जानीर्व मर्वे.रमन.स्चांत्र.ग्रे.रेपोठं.रपाल्ट्.त.स्त.कुर.क्ट.सर.र्ब्ट्.कुंचोश. म् भ्रीमास विसाय देता स्मायस देर मिट्ट द्वा दिन स्मिट्ट सेर हिन स्मिट्ट सेर हिन

सन्तर्भातम्। दे दुस्यस्य द्वा हे तुर द्वा वे से त्वा गुरा ८ कें दे द्वेंद रे न्य मुंद क्य द्वर सेर मुंद य कें दे हिंद दु मुं गेंस वुट सर्नेन निया जीव लु है ह्वीय उद मुंद सर्व से स्वय य मादन सेन है मु नासुमान नुमा । मे स्यापा ने प्रांत मे समस ने स्र प्रांत मु स्रे प्रांत । दरा नदर सेर दे नशस दुवार सालिन रेप वेद गुरा विर हैं न्निरं वट स्वर में स्ट्रिंग सर तिम् स्माप्ति नमन द्वर दे सहत पहेते. इस.एसीर.वर.भु.ष्ट्रेय.तु.४अस.२८.देश.एसीर.धर.त.ख्रेय.८२ेसी। भ्रे.मालव.मार्केश.वे.मिट्नमी.र्ममश.२८.भेट.महिन्नही मिट्नीयम्पर् डु.र्टेर.मु.ल.मु.ढुंच, शैर. वैट.चष्ट्र.थर.मुल्ल भवेव मी.पहर कुचा कर अथ च् पु.मैजानम.मिभ.क्ट. १३/ त् पु. थट. रे जूना मैं अन्धर पह्रिर परेनी. डिटा वहूर हैन रे लरे नुस्र दस से पर्रे रा देना स्पर्ध सर वहूर दे.चक्चेंं.वंशायीट.दुर्चेंचा.लट.चक्चेंंय.बुर.बुर.ची.पर्वेच ।स्ट्रि.ज.कर्मीव्रह. मरेटा टाकू पुंजामसामी मार्बा क्षेत्र भागेशासर नहें भीतर लूटे व महा तस्ति है महित सर्वेश के महिन मिर्ट हैना महिर ने हरी हिंद क्षे.अर. ५ मेर्. श्रेचश. में. ५ म्री मंश्राम् र ट. चै ट. श्र. ५ टे च । सिंट. ज. श्रे. मर्चेष्.कं.वेट कुं.जुब्.चोट.बच.बे.ट्न्र्स.संब.वंश.चगाठ.नेचा.वे.काटचाक न.केर.प्राप्तप्राम् भारत्यां मार्थे स्त्री स नशुःलु मामदः नगानः स्त्राना के या देरा ह्योटः नन् ता है । के व हि । के व हि । **बुर्-८८। यग्र-पेग्-४स.म्ट-ल.म्बुर्ज-बुर्-स्य-८२म.ग्रेट। मे**ंह्येग. दे.क्रुंशिक्ट्रापेट्रीक्रिकामाचिराचरामिकारियाचु धुनानीसिक्या ... तार्द्शायते मु क्षेनाम दुर विशानहिताम देता ने नामहे वार के वार्षा **चर् म**र्वेट क्रेट क्रेट क्रि. चेब कर दुल दे क्रेट पा क्रेक हुंचाय क्रि. १ प्रका

स्यान्यान्यक्ष्याः विद्यान्याः विद्यान्यः विद

त्नाराह् व. बंचन वर्षाचर्षाचर्ता वर्षेत्र वेषा वर्षेत्र हेन नदः अदः विद्वा देन विद्या मिल्या मिल् दंशामेर तेना असरा महेर मिंदिर ने जिसे हमाशास्त्र प्रवर दंशका गुँ देश मिंदास्य वर्षप्रा सर मिंदास्य प्राह्म प्रस्थ देश देश स मोबरामान्त्री मोटास्यान् केया मार्थिया व्याप्त्रमा है यह है है हैं हैं ह्मान । खानेके हे वन्न र क्या पर र समाह हिना सहिल्हर हरा। बुधायकेन्त्र सर्वे अत्युर हुन तु वे रक्ष व सुन र्वे रक्ष इर्रान्स इन्स्मायर्नेन्येयसस्यासहस्य सेन्यहर्सात्रः त्र्रे हिंद्र नार रहे देशकार्य देश हैं यो प्रायम । विवाद रहे हैं मर्भ्यानुपर्वेर्षेर्वायान्ययम्ये वृष्यप्यः । हेर्प्यस्यायम् प्या स्रीयम्प्रेत बीर्यस्य व्यवस्थित् हिंदाने स्टिब्र्वा स्टिब्र् वसमान्दर प्रावाप्ता न्युरावार्येन्द्राहर हे हिरा हिन्द्रीयामार हेरानल हिन्सर पुरस्ता । वहुर्यो हेसाईर दर्भ ग **ब्रुंभानिह्नामाण्याम ब्रुंभाग्नमानुक्रमानु** राष्ट्रीसामानुसम्बर्धाना । द्यात्रा महार विद्या क्या है। विद्रार प्राप्त में पहला करिया रेसरी नेत्र क्रामहर्तित हे ने पर्ण प्रवेश लूरे साम हरी।

स्त्राधीयरामरास्यकामान्त्री हिर्देश स्त्रित्रिक्षा स्त्राधीयका विद्याप्त स्त्राधीयका स्त्

म्ट्रान्त्रस्य चर्ट् द्रान्त्रीय स्वार्थिय विकास स्वार्थिय स्वर्थिय स्वार्थिय स्वर्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थि

वहर्भिक्ष जिरा ट्रेक्टर्स्य करमा निर्द्ध कर्म जिरास स्ट्रिस स्ट्रिस जिरास स्ट्रिस करमा निर्द्ध कर्म स्ट्रिस स

मु से वर् नु र्यं पार सम्बुक्ष में के न्याप स्था सि मी पर्मा मुंबालयामा है विद्याला में मटा वेशानिंद हिंदित। वेर्देर तर में विवत तः चेंचाश्व. कुर. उसी. चढुर पटेंचा । लट. मिट्. वश्वा श्रीर. पटेंट. चार्ट. माता. खेर. ग्रीटा ट.कूर. मोब्रेट् तमाता के च. ब्रिमा म्यूट होर हो रहते हैं। श्रींर सिम्बा उद की दुबा या सेर प्रश्चेन बा निर्देश प्रदेश सेंदी होंबा इरायामार्रे हिमा वर्षायाक्षाप्तायानानु मार्गे वर्षायहर् वर्षा देर माद हिट्युमा से सद दम दमाद में से हो र पद मु में द र में नहर मड्स यर द्वाद में भें हेर सम्बर्द के दे नाबुद देश नावा त्रम् । हिर्द्रम् । हिर्म द्रम् । न्निन्नित्वे ह्या मिल्हा केत्र हुंत्य। न्-नुन्निर्दे त्रशः वेर्न् के केहा क्युः केर भवेर तथ जुनास स्त्रित रेग्रा श्रीर मित्र केर ही भी मा हेर हिन मित्र सर हित दे. ५५ में १ बेर दे सिंग अयस विंस द्यीय दु सु मालश यह समें केंग हेस दिन् ल्रे-इंचर्स.च्र-वंश.डे.ज.चर्च्च चर्ड्स.उच्चेज.क्रयंस.च्र-बुचा.वंश.उर्चेच. रपु. चम्रमानर हु. जामी मू. प्रा. ह्यू. हु. स्वरम वैदः लूटे मी. भ. 751 3511

त्रित्त्वीं अल्लाक् क्षास्त्रा स्थान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्था

मार्ट्रामाहरा चा.कुटा ने.कुटा ने.कुटा ने.कुटा ना.हूरा मार्ट्रामाहरा ने.कुटा न

म्रायान्य विकास स्थान्य स्थान

क्रि.चे.रेभर.थश.र.के.चेश.चैर.चर्ं .लूर्.त.इंगा पश्चीशाक्ष्यां च्यू .पेज्ञ चर्ं .पेज्य च्यू .पेश.के लूर्... पश्चीशाक्ष्यां चय्य .पेज्ञ शाह्यां त्यू या.पे.य्य च्यू श्चीशाक्ष्यां त्यू .पेज्ञ क्यू .प्यू .प्यू या.पेज्य च्यू .प्यू .प

नश्यत्में क्र्यांश्वरं कर्त्यं क्षेत्रं क्षेत्र

न १२ म् १ देशसार वृद् र तनी ना सार तहा ना मी सुद् हु देना र हु र र र र मर्खे रुभः देशका मिट रेन्ट्रे प्रमीचीका मिशामि स्थान रिम्रे रेशाः मह्र्यम् स्था व्र्नान्सम् स्थस्य विष्टरायम् तार्मा सामान्य विष्टराय हे र्साक्षायनसाक्षमासारा। देवे वेरावनसाक्षा चरारसमामाल्याः पर्ने सथान श्रुत ग्रुस खु स्थर कु 'सेदे 'नुसन 'झूर 'द र 'सूर्व 'सुर 'नु र ने हिंद " निर्मा ने क्यामिंट के से से दे नमना सर ने कियाने केटल त्यासीन हिंद्र हेर विय सम्बद्ध या हेरा

नु साम्वी । यह नाम मान्य मान्य के मान्य मा दे के दर्वोक्ष देव सेदायामका से वाबुवा मन्दा सामेदा हे का दूरा। वस। मुंदमानु मूंस सबुद ने देव देव पढ मनुदास मे हिन्स मेरी र क्ष्म.मै.भु.क्ष्म.चहूर.त.रु.रेची.ट.क्ष् यु.भु.भट.वेश.घस.जुरे.चैस.त. मुरा मुर्शासवुदावदानी द्वाळवादमशामावी मुर्गित्सर रदा हेर् वस लहालहातनायात्रसानुक। विद्यान्या क्षेत्राकारात्रहानु सेदी दसना वैना नु भोरी अकरे दस्तरा चेर् ना नु हाम होर निस गुहा हुर भेर यासारेता वेद् या क्या पहेंदसानुसाया है वर्ष प्रतिया हिना सामिश्र लै नर्ने न्नेंस सेंस **में र सन्याम् सेने र्मित्र प्राप्त मा**नेंद्र सुरस में नि यद्य तह्य द्या द्या रेता वर्त तमन मुन्यन तुन सुर मुरे प्रत महेंसामञ्जूरा मेंदि सेरामह दानेदा से होता मार्चे साम हिंदा नासका लूरी प्रवृश्यवर्श्वर दे.ज.चूर् भ्रम्भर नाय भ्रम् भ्रा मुर् छ्य पहुर् छ्टा श्चेन विद्नारम् । त्रा प्रमानिक विद्नारम् ।

मु मेरे दमन द्वें के स नहेंद्र नास्या देव नायर दे दन नाय के व म् भुरा म्रेना म्रेन्यकार्याचा विविद्यात्र म्रिक्ष प्रमुद्ध म्येन्य म्रेन्य म्रेन्य म्रेन्य म्रेन्य म्रेन्य म्र GAR TO

डेश.रेटा लटाच्ट्राष्ट्रश.यश्रभ.पेकर.च्येत्.चीश्रणा च्रं.ची.चील. र्र. दे.क्स्य. त्र्रे.के.रस्या.स्य. क्या.क्रं.ची.श्रुर्.रर.क..... त्रहुंग्रस्त्रात्वें अत्तर्हें प्रमा त्राप्तरमा कु से दे र क प्रहे र ब नेंद्र दसना नी सम्बन के रेदा दे खर बुद व दिं के वे बिद नी रेदा इक्ष:**र**ा रूप:क्षे.भूर:क्षेर्:भीर:भ्रेयकाःग्लाहरःयका चेर्-रे.की:भूकाः वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के सम् वर्षे के प्रमानिक प्रमानिक वर्ष के प्रमानिक वर्ण के प्रमानिक वर्ष के प्रमानिक वर के प्रमानिक वर्ष वहूर्यन्त्रक्षेट्यंभेर्यक्षेत्रस्तिनारेत्। केलिनानीसर्नेयायह्यारेणा वी चडना ब्रम हिना मानस्रमा चर खेर खुरा खुर रे रदा तम हो हो हों है से ल्रा विवश सेर वास्र रेर हैं स वहेर वार्र मुर का से विविधि हैं के दार लटशानिया हैनानाश्चिमार्यमाहेमार्क्षनामान् नहीं नेमाने ने ने क्रिनास पर्ने मूर्य पर्ने मी

त्वृक्षःके के अदःपश्चर के रावेईक्ष श्चरश्चर प्रवादि । द्वार प्रवादि । स्वादि । स्वा वेश.मी.विट.तर यहूर्.नोश्रणा हिंदे.वेश.वर अट.चेशिटश.राष्ट्र.च्याप. भूम.यट.बूर.अविजावैट.भु.४२ेची.चम । ७४.४चूट्स.मुजा.वै.इस.इस. तर्। मी. चि. तर्रा हुर् सानेर जिस नहीं र पहुर् साम परेट पर हुर् मह्र्नम्बा मार्थाक्षाः द्रार्ध्यः मह्र्म्मुक्षेः स्रार्मो सर्थात्माकः लुवा च्रे. चर स्त्रेचाम श्र. में श्रमायद व नावूव तेना क्षा मीट ने नाम वुद्दाय देश वर्ष सेदे हिं यम से से यस यर हिंदाय देता माय है दसमा য়ৢৢৢৢ৴য়ৢ৾৴য়ৢ৾৴য়য়ৢ৴য়য়৸৻ঽয়ৼ৾য়য়৸য়ৢঢ়য়৸ৢয়৸৸৸য়৸য়য়ৢ৸য়ৼ৾৾৽ श्रीसद्भागिदः देशः प्रचीरः द्यः तानदेवः की र्पट्ट कुरा नहेंद्रः प्रदेशा

दे अर्भना रेत्र अर्भा मिर मिर में नजेर में माम मिर में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में पर्सार्भेना नु खु कुल नह र निर्मा कि नह स् व विश्व कर के स्थान विश्व कर से विश

का संस्थान, हिनाध, बारान

व विस क्षेत्र वर्ड् १ हरा अर हरू है। व व रहा मुहिर या समान हर ब्रुट तर्ते र त्र्रेस व्हार हुया नु त्राय है अर हि कु अर हिस महेर् पर हि तमा र्रे.जर्र.चे.सस.टस.र्रेट.पचित्र.चेस.त.चोज्रुचेस.स्ट्र.च.जस. त्यर यस झ्ना य र्सेन गुम्म निर्म ने सेन ने सेस में सेस में से नगरमारम्प्रेर्वेष् मुश्रुद्धायन देर मूद्दराशुक्षायर प्रक्रिय मुक्ष यहें देश दिशः यर्की: दश वर्डे रिर्फायम् वर्डे र प्रतिम वृत्त स्वस देव नादर दे केर महामार्श्वहर मान्तर लग नहेंद्र पहुना किन्स पहु देर देया भवेरे.चाट.लट.भवेट.चट.गूज.च.ट्री पट.कुट.लेश.श्रेयक.ट्रेट. र्ने नामाकृतानु मन्द्राप्या दे हेश स्वराय क्षेत्र लु लेना मन्द्र वर्जे र वदा श्वास्तर विद्युद्ध कृष्य सम्बद्ध यहेत हित्य से तिर्माव मूर.गु.जमार्थ हर हुर उनुर रचूक लियात त्रेक परेंचा हर। ट्रे.श्रूर र्नोद्धान्त्र वस्ता द्वासा दुवानसमा वस्त सूत्र मुद्दा लेटा नावसा क्ष्या रे हे सदर वुना ख्वय र गर हिनाय कर की समागा ने गरीर रेज्यात.वैटा श्री.घट.तथ.क्षेट.क्रुंचस.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र विश्वादा र्रेट स्वर् पट्टि अहर्ष १ कर् में प्राप्त में मार पासी भवेर.जसानिक्षाक्रियाने नेत्मुन्ने मार्ड्स रेता।

त्र तिसास्यां के स्ट्रिंग के स्ट्रिंग ने के प्रतान के स्ट्रिंग के

लुब.च.चोशक.चू.श्रबूट.चु.लूट.च.श्रुश.वचश.के.कूचोश.चुचा.टुट.चै.

र्श्नावर्त्रे के ते श्रें र तुराध्य प्रेंत्रे के मा के र व्या में महत्र के स्था के र व्या के र

दर्यः चर्रायम् दृष्ट्यास्य स्तुत्र कुर्मा हिंदि हिं यश्चरश्रायी ए मिरे प्रियो मिर क्षे प्रकर रश्चर्य सव ला मिरे प्राप्त परिवा विद्या सक्त्र १ क. नेदा स्वी महाप्रह्मेश सेन ते के सार हुना मुँदानुबु अँदानी देन दार्केरारी त्यसामार्चे ग स्पर्धायापी मुँहा सम्बन्धार पिशामुरे नेशानप्र हरे १ क्ये सेना लेश में जानीश हा कर रंशश संहर. मार्थाः लूट.च.चुर-गुर्माया लेशा रे स्तुमा छ मुं ह सारेदा टा क्रिया लेशा रे इरायेष्ट्राध्ये क्षेत्रम् स्वयं त्रायात्रम् ने याची स्वरं क्षेत्रं त्र्यात्र स्वीति या व्यवसालिना मरा द्वरा खरा बद् । द्वरा खरा खरा महिना खरा मा मेरी दे लामार बिय हे हिया है शा की जी नर अंग्रह ने प्राची ने ने केराम वैराय कुराय मुला मुरा निर्धा निर्धा प्राप्त हो हो मुलाय हो है ट्रेन्सं वृत्यायात्रावत्। द्वार्यम् रात्रायाः संस्वार हिन् मेत्र हिन यत्र विषयः त्ये दे श्राम्य क्षेत्र क्षेत्र क्षा दि । त्या सम्बद्धाः विषयः क्षेत्र क्षेत्र । दे त्याच्या महारहेत केया नी हेट असा स्पिता सामा असी हिंद्या महारहेत ही. क्र्यालियायाविया नु उत्ते एड्रिट त्युर स्वया दे त्या पट्टिया भारिया सवु सेन प्रेवा द रहें न्सन निवयम निवा से में में में दूर मार्थि हैं में

यक्ता, के. वीर . वीर . वीर . वार्ष्ट्र . विष्ट्र . वार्ष्ट्र . वार्य . वार्ष्ट्र . वार्य . वार्ष्ट्र . वार्य . वार्ट्र . वार्ट्र . वार्य . वार्य . वार्य . वार्य . वार्य . वार्य

टस.म्. तस. ८८. चयाय. तया. मी. यसस. पकर. कर. हीर. हीरे. चीडेश. पश्चात्मर दर्गेद्र लु नु दर्गेश पेंद्द रहेट । श्रेन खेंद्र माहेश दर्भ र पत्तर् प्रवेद अवस्थाय पर्वाचर प्रत्या प्रदेश क्षेत्र प्रवस्था । हिं, त. भूथा एपुं.चार्था ईटश है. लूटे वे. पूट्.चोर्था ग्रीश पुरा ग्रीश च्येर्-पना रेर्ड्य वेटा कु सेरे नहर १२ रेन्य केर् खुयानु सुर हें श्चैर स्त्रें निर्मेश ने स्वर से र से पर स्त्रेर से वे पायर पर से में पावना स हस यर तनाम तम्म द्राप्त महास्थान साम महास्थान महास्थान ले व वर्षेत्रे वर्षेत् इत सेन्या सम्बद्धाः मे देन दे हे सम्माना मी.चर.रे.कुंचरा हे.हुर.मेर्टा लारा रेसीट व.सह.चरा देट अंचरा द्रम् सानुसायसासेर् पुन्नुमार्का स्रेत् हिर। द्रानुदायस्य स्रित् स्रेत नारा-प्रकार में स्थारा-पर्टी में । sene स्त्र प्राप्त स्था **भरित श्रेन हो । हो प्रवाद वर्ग्य मुर्ग के का वर्ष १ १५८ मा की को हो हो हो ।** धुन से प्रतृता र्ने नार रे धन स्रे पुर स्वर मु से दना र से प्रा कु.८.कूर.१थ.८चैर.कुर्.बेटश.से १.छे.२०.२.छे.१.<u>श</u>ूर.। में शुक्ष.चर्ण ४. न्या.रे.यसभारेकर.यहूरे.वासता.री चूरे.ग्री.वार्वेट.विवस.रेटा मी. रिनामा केंद्राया दे:मेर्नावर दनानी प्रमुक्ष में केंन्य य विनानी दना नृ'यर्ट कें केंश्**र्र** रहार्यट है खेर् याक केंट कें 'यहन र्मिश बेर य केर ए कूरानिश जुरे में शक्ष अपर्ये उर्देशका में र वेश मिट कू में. वन तु अर्भेर वस केर विन हेश र इविन वेर्ने परे देन कु स्त्री ने में तिहित हैं श्रेश में स्टार्स स्त्र के मार्थ में रा

दे.हुं अवश्वित्वा

क्~~~क्~~~क् लेतु-दुनाया सु-भ्रमुम्म्स्य

पिस्तां त्र प्रस्ता प्रमानिता विकास स्थानित स

तत्री मुस्स्य सामिता हु स्त्री स्त्रा स् स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र

चक्रमा १९८८ तम् मानुसा स्वर्णा हित्य स्वर्णा हित्य स्वर्णा स्

द्वाः स्वरं स्वरं

चिनाने द्रान्ते स्वर्षान्ति स्वर्षानि स्वर्षान्ति स्वर्षानि स्वर्यानि स्वर्यानि स्वर्यानि स्वर्यानि स्वर्यम्य स्वर्यम् स्वर्यम्यः स्वर्यम्यः स्वर्यम्यः

मेने त्या प्राप्त हैं निर्मा है निर्म है निर्मा है निर्म है निर्मा है निर्म है निर्मा है निर्मा है निर्मा है निर्मा है निर्मा है निर्म है निर्म

प्रकेर् वस्रवाद्य सन्ति । या देस ने र्वस्य रूप्ये न सम्बद्धार

मःस्रीयःक्रीमनाय्येवःबीटः। नाष्ट्रियःगादेःस्यटः होन्।सःस्यः नुदेः नुसः रवश्यवश्चरविद्वात्रेवर नुप्ता क्या सुन्त्र स्मान्त्र मी मेरिन् नु मते मु स मार्थ केंद्र हिए। मह केंद्र रेश च द्रश होद्र गु द्वर क महेंद्र रामुरी तुर्वे, मुच्नेसत्रा क्ष्रापेचासकी ह्यारिकार्या होता समायेनासा**र्यायर्दे** यानिहात्रायदे ह्यानान्या सह हेन्द्रेन स्वी हे ज्या र्श्वेभवं सन्वित्तृत्तः हो हिसारवरायं सहित्तः शुप्राहत्त्वादेशः म् रायदे हिंदा सामादद हैया है। है। हैं। हैं। करिन दया है से से दें पुरावर द भद्रभाजिलाके सम्बद्धमान्य मुन्नर मुक्तिक पूरिता कुराहरका नुष्यवे द्वास्य सम्बन्धायके जिल्लाकरा ने यह यह देश दिने । बनसार होर नन्यन्तुःह्मार्भेर्द्रन् श्रेद्रिने श्रेष्ट्रियान्तर्भवहेंन श्चीरायुक्तायरायदेश व्यक्तियद्यादारा वा तिराशुक्ति वा द्वा त्रोत्रेयास्यास्यास्य स्वत्रास्य द्वार्यास्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्रास्य स्वत्य स्वत्रास्य स्वत्य स चॅत्र, रक्षुत्र, वेदर, देव्य, ने र. वेदर, हें दवा सीय, क्षेत्र संक्षा शी. दरेस. <u>૱ૠૼ૱ૡૢ૽૱૽૽ૢૺૺૢૡ૽૽ૺઌૻૻૼ૽ઌ૱ૺઌ૽ૢ૱ૡઌઌૢ૱૽ૢૢ૱ૹ૾૽ૺઌૢૹ૽૱ૢઌઌ૱</u> मार्थाक्षेत्राने प्रामिलि मुहितिरान प्राप्त स्वारी मिला मार्थिया मुहिता स इसरायरा ग्राम्बर्भरावि के देशनशास्त्राकारमुकायरा च्रिक्षेष्ट्रयामुक्षेद्रम्यावयम्ब्रिप्प्राम्ब्री सामाग्रेगणी वामपुर मन्यार्थार्थ्यास्य स्वार्यात्र मह्त्रिता व्याप्त हिरामा हे र र वार्या हे कुं तेने द्वार देवा साम इससा साम्या हेवा नु हिंस सेवस मु हिंदी है। य ने नाश है हो व्या १०३४ व्या ह्रा राम के दार्व है रारा महनाश हा ले द्रीरश सु'ना वेनास' दर्गा

ना रथा द्धया पदी पद्मर पदी र मिंदः नी प्यटः श्चेदः पद्धयः नुदी मेंदि दस्यः

स्वराद्धात्वर्वे प्रस्ति स्वर् निवाद्धात्वर् निवाद्धात्वर्यात्वर् निवाद्धात्वर् निवाद्यात्वर्यत्वर्यत्वर् निवाद्यत्वर्यात्वर्यत्वर् निवाद्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर् निवाद्यत्वर्यत्वर्यत

मानुद्रमान् अप्रमान् विद्यान् विद्यान विद्यान् विद्यान् विद्यान विद्या

१०४३ व्या विंद द्राद व्या क्षेत्र विद्या कुष्य हु स्वर स्वर सुन

त्या ने ज्या श्री यहा सक्ता सुर्य में सूत्र में के चे तहा महिमा सहया हैटा भूवरादेर वग्रास्तु र प्वेर पदे परा हेर र म म वर्ष के मेने र वेर इन्बारामुद्दास्त्रम् विद्नानीय्याद्दा न्तुदार्स्यस्य क्टायर यहेर बंब गुर्जे खेन स स्वायम में सहर होर बेवश गुरा मश्रास्त्रान् क्रिक्त क्रिक्त माना क्रिक्त माना स्था के द्वार प्रकेश त्तुर वुर भर् मिर द्वारा के रे तर्र का यह हेर रे द वे हे स्र त्र अश्म के य भूगवा के सँग्यान्ने वात रेने प्येत् यर यहेन विनासने " सहयान्यन् रेचने क्रियना केवला मेना स्ट ल हुए लेखे है है है सद् सं विश्वस्य विश्वत् विश्व मित्र म् विश्व मित्र क्षर रेस्य मान्ये समय रेस हर् मारेस विमाहित मार प्रेम या हिर बिना स्थानी नायका केटकार्टा वटायवे केंद्रा सनाया सामक्षा निवास निवास म्यायायहारहिन्दिन वित्तियान्। महिन्दुमारेन्दिक मे मनकानु महिन्द्रिं प्रदेश प्रमेश महिका से प्रमान मिनि मिनि माना म् वर्षेत्रमः हेर्ने मेर्द्यमायहरम् वर्षेत्रहरा मि व मे नश्यापर नवि ने स नहें श या अपने समे र द नवि न ने इन्द्रिश्च प्रतिकार्द्धयायेम् शर्चे वर्षाय प्रति । इस्य प्रतिकार्द्ध मेन्यस्यवस्य विवादित्रमें विवादित्र विवादित्र विवादित् स्राम्येन श्रिर हथास्य मोबर मी प्रीमश्रम सुरा।

 तिर प्रवश्च विश्व प्रमानि विद्य विश्व महिंद्र निर्मा निर प्रमानि । निर प्रम्प प्रमानि । निर प्रमानि

र्घर तथ् भु भवेथ्र त.वैट च र्रूर र रेट तलट मु तथा लूरी मि भूश. चिंद्राचार्स्नेदार्स्नेदास्त्रुदारेतुदार्गी क्षेत्राचरायहेदा**धरामी से स**र्वेदायहैगा ना इंश दिया नहें र र न वहना स्प्रें के रेर न शक्षा सा के तर्मा निया है सिंह द्रा विराने हेश प्रवास क्यार्म नायर नाय हेर मेर से के अना में रवश मेंद्र सदी नुषा हेद्र साधुवाय इससाद है दे से रवसादिर होद है शार्केन् हैन। नाममार्चेन् भी केंशिकी निविद्यानि ना नी कहन हिना न्याचिराक्षेत्रियामञ्जन्याचेना**ञ्चित्रहेत् कुरायश**चेनायाक्षेत्रा**यीहारायन** मानेत्। वित्रागुरामहाळेदारेदाची के सळेला सामापाना नाराध्यरा सेत्। इन विस्त्र इस्ति सुना शुलिना की निवस्ति निवस्ति । विस्ति विस्ति । विकाय देश स्यान्य याची सशसाह सादै। हर श्रीष्ट्रम् विदेश प्राप्त विस्तर स्या वसान्यानी के सार्चे र है जुरान्चरा है हार्जे दा के दानवर मी ने दानस्य त.र्था.लट. भुरी ट.कू.पुर्ट.टर.टे. अवेश पहूसश.वैट. हु. डिर.टे.चु. केटमा केर नामेरा ये केट ने पर्वेट क्षेत्र मार्के प्रदेश महिरामा पुनि इता श्रेन भूत पातु छात भयी दे से इ वे के दाना नुदानी दूर्व देना श

मिल्रान्ना अटासे प्रकार्य संक्षेत्राचे राष्ट्री हा नारा प्रकारी रामान मालर दमर दे सिंद सुना दर। मलिर द कें नारा या प्रेर कें नारा विनानी पहुं सं से से नार रेंद्र। विर हें सं विना वर्ष स्ता प्राप्त प्राप्त वर्त् ने प्रकृति । दिने वर्षकायम्। विद् के मे प्रवित स्के द्वार विष्यु : तेन : व्रेर् : देने अपनाय : वर्गे द : वु : व : व्या : वेद : कु : देन : व्या व्या च.वैट.लट.। श्रेश.मेट.च.मेठ.च.मूर्ट.चोट्ट.भाष्ट्र.भुट.केचश.कि.ट्र्चेश. व्यूर् स्रें । श्लवरा पर्देर मुं सेदे रवें र रेग्या की गार्वेर मुं मुंद मार्थक <u> इचार् क्रिश्ते च्रां क्रां ब्रिचायात्रीत जूला ने त्रात्र ने का सीचा क्रां हिंदा नैता</u> म्बिना इब्रामी १८ अहा मीटा मार्केन मार्के मिटा या नुमान महा मेटा ष्ट्रीय भेषा पहुँच था भीश मिराया प्रमा पर्च यथा विश्वासर मिराय मिराया । वैदार्श्रे क्षे महिमाया है सार्वा मिलुदामाया या तरिवे तिमा क्षेत्र या वर्माम्बर्देशयम्। भ्रानेशक्षित्सं वर्मायद्गितम्। सिंद्यस्यनेः के जुन्हर प्यार के राजेरा दे जुका के रेका क्षेत्र के रिवा मुक्त विज्ञानाश्चर पार्देर द्वाद प्रमान नुमानेर। कुमी देशह्रा मासर प हे:ॐ**ढ़**:देश:घर| वॅर्-झे:देश:मु:से:दम:ॲंट:य:ट:कॅंट:यम|:दह्यश:गुः: विजानाश्चर होना अप्ति अपिया मुद्रा ने मा मुन्य मिया त्र मुला मुन्य ने त्रीन्या सर महेत्र विकार देन मारे कर देवा स्वास कर से प्रेर पर्ना हे दुव स्व दर्दा विष्केर हेर हो केर मु १० देश मार्थिय हेर माइव मेश्यत्रियश्चरम् मेर्यादशः श्रेशः वर्गे स्ट्रेन् वृदः । कृदः सम्बेशः मिर्चेश्रकाकु प्रकार असामा स्थाप हुन हुन हुन हुन मा उहुन करा क्षश्रासुकाद्मा-वास्त्रापक्षमायावर्गमाकेटा टाक्ट सक्रसाभ्य स् क्सराव्यान्त्रामित्रेकटार्यम्याक्स्यसार्त्रे स्टासान्या गाउद्राव्यानश्चरा

मी, परीमान दुर परीस्ति व्यास मिता। क्ष्म मा में दिन क्ष्म मा प्रमान क्ष्म क्ष्म

केर मोकेश मी हिंश सर्वे हे निरार्वेमा सर सहया पंतर विरायव से ने त्यम्बर्भार नहेन् स्त्रेषुन प्रतिन रेन्। सहस्य प्रस्त लु खुवादी सु मुभन्भे द्वाके मिनार्के मुजना नमर में दे नहिंग्दिर नाम स्थान स्र वेदाख्यामु प्यसामदादे देव सर्वे हे दूरासक्तादु द्वेव देवासा न्विर्द्रन्यस्य वर्षेत्र्वास्य विद्राप्ति । स्रित्रा में न्यूर् विद्राप्ति । स्रित्रा में न्यूर् विद्राप्ति । के प्याप्तिन । स्वर्पाय सक्तानु स्वर्णे प्रवेद रेगाविक के निमालिया भर्ते. कु.रेट. म्री.मिश्चट.भूज.यटा व्रट्. मुश.मेर्ग.यटा हीर. जूना विश वर्दा दसमुद्रमानीक्रिक्टिक्टी प्रदास्मानुस्य वस्ति वर्षिय न्ता कुर्वनावकार्वेद्रामारमायक्षेत्रकुष्मधुक्केत्रक्षकार्वदार्श्वेद्रक्रिया व्राप्तरमुक्षानार्रेटमुः भेषाबेटा। ग्राटकेटासुर्दा यक्षेटमिर्रेका ८.रेटो <u>च्रें भुष्प प्रत्येश रघानुरेष्ट्र</u> में वेचानी श्री क्या है ज्रें वर्टावानेता मिट्ड वर्टाविटार्टा के सट व्याप्तटा वर्षुर के र सुर् य सेर लेश संग्राय नहेंद्र हिर । ५.रेट हिंद रेश ग्रीट सर मेंद्रेश ता मह्ताम् न्यान्य न्यान्ति वर्षात्र न्यान्य द्वान्य न्यान्य मु द्वान्य मु द्वान क्रूंस.एन्,पर्ट्रे.तर.क्र.तयस.तन्,रूबास.विस.म.वैट.एक.वुर्टा

द्वै प्रसम्भायम् दे दे द्वाप्त नाम्द्र के द र्थे दे ना से द हुन्म दिया

स्था। स्थान्त्रभाक्ष्यः विद्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्

त्र्यात्तः के ज्याने त्राण्यात्ता के त्राण्यात्यात्ता के त्राण्यात्ता के त्राण्यात्ता के त्राण्यात्ता के त्राण्यात्ता के त्रा

द्भनाः अर्दः वः दनावः च वेः त्रः त्मार्वः स्थान् चे विद्रं प्याद् चे व्यादे । व्याद्याः विद्राः विद्राः विद्रा

यर-ग्री-चार्य-ट्रिंग् हुक्त्रिय-च्रिंग् क्रिंग-च्रिंग् क्रिंग-च्रिंग् क्रिंग-च

त्राक्षश्चा हे त्रिक्षित्र में त्राक्षण्या में स्वाविद्या स्वाविद्य स्वाविद्या स्वाविद्या स्वाविद्या स्वाविद्या स्वाविद्या स्वाविद्

म्हिर्म क्रियान्त्रीय

म्बेश देश तिहा भेम स्टान्य सामित विहा।

प्रमान स्त्र स्त्र

मुन्त्रस्य स्त्रम् हेन् हुम्दे सक्ष्य हुन् स्त्रम् मिन्य स्त्रम् स्त्रम् हुन् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्त्रम् स्

मंदर्। विश्वशंबिरके अर्निमी इशंविष्टर में वित्ना वित्नीश मानमहित्त्वस्य भामिन स्टाइस और है से भिर्मान मिनानी मर्थसाक्ष्यावटाचीटाल्ये, देशसाह सामरा स्रीय दिया में हरे श्रेसा राष्ट्री...... ध्येद्रकेश नेद्रेत की प्रदेश विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त पर्देश द्वे वं अअवस्ति विदायक्ष प्रवेष भी वा मी का मूर्ति प्रवे मी ता से वे प्रति मा श्च नहें शक्ती मारेद्र प्रथम पानुदा। हिश खु मेंद्र वद कु मेदे दिलि दिहें क्रुंश्यवद्यं, नेव्रुं, नी. होट. विश्वापनी. मुच. नेट. नेश्रास्य सान्त्रं, प्रसमा श्वीपा ब्रुं प्रिष्ट्या प्रेय प्राण्य । वर्ष र नाव्य नाव्य मिर्ट हैं । नुदः रदः मी पर्देर् स्रें अन्दः। मुनः सुरः रहेः स्रें अर्दः क्षु सः यहेः हुन् सः यानः न्दार्भेत्। सीरेवेरवेनायानीर्डंनायाकेरवेशामुखास्त्रायकारेत्। मूखा . स्वरं त्यरं ता त्रतुं असूर व्यामा तर या हो गा चुर । विर हिन सर से विहर ननशः द्वारश्च स्वश्चार वेद्रास्त्रम् वर्षा वृत्ता व्याप्त वर्षा वृत्ता विद्या म् रगार् ह्र्राख्र रेट वेट यात्र नात प्रात्ना वना तस्र ह्राट हिट । अवश्राने ग्रायाचर के स्ट्रायने अर्रामित वश्रास्त्र स्ट्रायत हुन वैट.यपु.यट.यूर्.लीय.र्.चीट.अस्त्रीचीकालर.वीका.चार्ट्र.वी.चीका.कु.लूब. अर् नहर्ने की पर्य विस्थान है में खिया खेट है से खेया खेर है से खेया खेर स ८ क्ष्या ने अप्री व्या श्रीत स्त्रीत स म्री द्वां मा में प्रकेश मार मुका मार्डे में में मार कर मेर हिया दे श्चर स्वर वश ग्रीट दिन् श मुश मुश स्त्री र द मुद श निर ने द मिर **गुः अर मु**र्भ महिंद नाय विना अर द्वाय द्वेंद मुः देन् अर र अद्वें अः क्षेत्र सूर्य संचह्न्य ता सूत्री।

येवि स्वरंतर्यस्य मेर्ट्रेर्ने पहिंसः मुन्तरा मेर्ट्रियः वर्षेत्रम् मेर्ट्रियः

स्राम्या स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम

त्राचाःशाविचाचयाम् न्याचि न्याचि न्याच्याः स्वाच्याः स्वच्याः स्वाच्याः स्वच्याः स्वच्यः स्वच्याः स्वयः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वच्याः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वय

सब्दःक्ष्तःश्चरः तम् नेत्रं अपकास्त्रः स्त्रं नुद्वान्तः निक्षः स्त्रं निक्

 इसक्तिम्दर्भ्यान्ति स्थान्ति स्थानि स्थान्ति स्थानि स्थानि स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थानि स्थान्ति स्थानि स्थानि

न्तुन न्त्र स्ट त्रुभ द्वि स्थित्य प्रत्य स्थित स्थित

मि.भु.देशस्य वहात्त्रवरात्रक्षात्रवरात्रक्षेत्रवरात्रक्षेत्रवरात्रवरात्रक्षित्र त्रं ग्रे ज्यामर दि सेवस वर्षेचास ग्रेस वास्त्र हुरं ब्रिवा खेरा ब्रेट । १८ स. चूर् में लिया चूंससाचीचुंसालचांसार्टा सम्बेर तर विसाय लोगी के विसम्बिन विनादा समुद्राय सुद्राय विकेश दर् के सम्बिन विनेदार *बुद्धःदेश्वद्धः कुश्चःवद्धः द्वश्चन्द्रशःवद्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः कुः श्रु श्रु हुन्।* लुरं स्थिती टाष्ट्र तुं स्त्रियीया रेशा यक्त ये त्रेशा करे ता कुर प्राधित स्त्रीता. मुन्द्रनासामक्ष्रमञ्जूद्रन्याप्टा। मुन्नेसामुद्रन्त्राचेर्म्यासामपुद म्रीयार्टाम्या अनुकारा भेता भेतरा देरा अवे हे पुटा सेन्या सु अवे नविंद्ररेग्स्यस्टिं सेन्संनुटिंदिः। विंटि के वे श्वेंन् द्रियः न वटा वे ८८ पुराल्य मु नहेर १ अया परया भरे द्वार है दे से सुदा न न स्था है दे दे अपरा द्वा की मह्द में नार भर मेर जिरा हेर प्रेचेय की प्रांकरा मुनानान्त्रमान्ता वर्रानुन्यायर स्मानका केर्नुन्य वर्षेत्रायका मिन्नका मिन इनास्त्रतम्नेनास्त्रान् वेशःभूतः। द्रन्यन् मी.अगंसः मूलालाम अस.ग्रे. युत्र निव्यक्ष अर्द्धनाय त्युयायदै अर्द्धन स्वाया सुद्धे दः नु क्टा वर्षे दः ः श्रुमार्थेत्। सन्यस्युमार्ने सर्वे के नुष्या महित् स्रम्य स्रम् म्रेट दु नहिंद किया दे दशमिंट दशक्ष मुद्र से पद्र के पद्र के विनाद्र मुग्रस्य व स्थापत मार्ट्स्स्रि

शर क्र्या शामी पर्वेताचारे क्रिकेट त्राचर त्या मिक्ती क्रिका प्रकार प्रवेत र्द्धमाराक्षेत्रमिर्द्धमारायनु मुत्राद्भाराद्धमाराद्धमाराभ्येत्। देवीमा स्र ब्रीद्र देव क्र्याय प्रदेश अयह क्रिट क्र्या या ज्याय स्माय देर प्रवृक्ष के ਖ਼**ਜ਼ਫ਼ੑੑਲ਼**ਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਫ਼ੑੑ੶ਖ਼ਜ਼੶ਲ਼ੑਖ਼ਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ੵੑਖ਼ਲ਼ੑੑੑਲ਼ਖ਼ੑਖ਼ਜ਼ਖ਼ੑਫ਼ਖ਼ਜ਼ੑੑਜ਼ਜ਼ੑੑਜ਼ ट्र-रट.लट. वची र्यट.ची प्रचील त्यास विश्व प्रचिर प्रची स की स टक वट कर रे रे रे विस्ट केर में बाबुय में विषय पर दे पर में खर देश मि. भुनु जिया अ. केर . लूब . केंदश १८ मा या अप म् लार पुर मी . भुर निया मुं के के वि वे त्या मुदार अन्वोंक राफी राषदा। द्वे व माक नु केन तप्रे प्रमुक्ष से प्रमुक्ष स्रा दे द्रम् दे दायका मुद्द दिवा स्र स्र है स क्रिंचे क्रेट.। मिट्रक्ष् वे क्षेत्रापम् रामाधिनाका क्षेत्राचार ने व्यक्तिनाक निर्देश में क मुै'खे'र्पेर्'क्ष्म'य'वर्नामर। इ'रुष'मुै'रुष'र्वेर ख्रेंनस'सेर्द्धर्देर मालामान्यक्षेत्रप्रां हासुक्ष्याणुक्षास्यानुद्रात्त्रानु व्यत्कुट्टि दे स्पट् मेर् कु नर्मा दि सेर के न्या पर् नावर द्वा । प्र सट-र् क्षेर् पत् अर्घेट द्वा पता हेर नहिना पर रेता विट हैं श ब्रोट स्थ ৾**ৼ**ঀৢয়৻ঀ৾৾৾৻ড়৾ঀয়৻ঀ৾ঀৼঢ়৾য়৸ঀ৾ঀ৾ঀ৾৸য়য়৸ৼঢ়য়য়ৼঢ়৾ঀ৾৽ৼয়ৣ৾ঀ৾৸য়য়৽৽৽৽ मिश्रिस्ताम् मिर्मित्रमिर्दिन् मिर्मित्रमिर्दिन् मिर्मित्रमा स्त्रम विट के से से दे प्रश्म क्षिय है पहेंद्र या बन बुरा नाट अट सेद्र या दिन नायाने त्रष्टु राक्षे प्रनाद न्या मुराय राष्ट्र प्रकार में प्रता म वैदलदासहमार्ने पर्वेशक्षर्भन्यरास्त्रीयात्वेषान्त्रीक्षत्यश्चर विरः यालेनायम्दरी देशमधनकिनायाद्वीयारियान्यायदेशमहन पर्स्त्रश्च श्रीयश्च चीनशान्त्रेश स्व मी स्वाव शामीय है मों स स्वाव निहर । D'WT'47511

्रकृत्रायम्बरम् मुक्तिस्य स्वारा स्वा वेरणे वर्नाणाः। रसरमें वेमानुःमीवर्राद्धारेरावगुरायः लूट वंचरा वेया लाट भूटी भट्ट वी कू वीरा पर के कि सीरा हुए र्द्वेन्य प्राप्त ने क्षेत्र देव स्वर्ती दिने स्वर्ति स्वरति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वरत सिन्दे से रे वा नी सहेर बर मुर पास अता त्रवृक्ष से सर हे रा स रेव वान्त्रमुर पर्वेद्धा महिंद पर्दे दे गुद्दा महिंद स्वय श स्याप क्षेत्रा कर पर्दे मा ल्.चेड्चे हुरा के .चोर के .कूचे शर ५ टेंडे अट ५ चें .अंचरा के अट विकास तर्नान विना सर्वेट मुटा। मुन्यामी श्रेत तें नॉ नसूर छेत स्ट्राय के ब्र्ट. वैट. हु अ. की. ची. परी अ. कु. टे. की अ. अ. बुचा व अ. कू चा अ. परी पु. वट. रट.ची.चश्रश्र थ्रैयाचाट.लूट्.बट्.बर.चहुट्.दार्टा चिंवेटल.कुर्य.चहुट्. प्टा हिन्यहिन्द्राहित्द्राहरू अवेट प्रवेट प्राप्ट सकेर प्टा प्रमान इस् में प्रतिन विमाप्त । याता स्मर्भाय के विकास मान्य स र्दुन पर्दे पर्देश नित्र में द्वार ने पर्देश ने पर्देश में स्तर में स्वर में स्वर में स्वर में स्वर में स्वर में मन्द्रात्तुंभावदे द्वाराये केराव्य क्षात्रे हेराव्या प्राप्त क्षात्रे हेराव्या प्राप्त क्षात्र क्षात्र का डिक्ष'बेर'वरुवा।

कुर-वरात्रसर कूर्न स्त्रीं स्त्रीं स्त्रीट श्री माधालय पार्य प्राप्त हिंद मै। मोर्ड विदेयम्बिर यान्समान्वेर देव धीमाने साम्मद्र हुट र्द्धमारा वर् दशः सुरात्र मिराने सुरात्र स्टा विटाई स्टानी स्पर्त सुना सा हेरा व केर.चीरश.वट रे. स्वयंश्वयंश्वर क्रियालात्री येषेत्रियं त्रायर हिंद् रायर लूट हु सेर भर भर ने प्राची त सूज निया है । देश ही हैं सामादश देवे दशमा सर मी केंगशामद विना व्यक्तिमा पर्दे र मार्से दे र पर्देश देर भ्र.चोट्र श्रीस.चर्चे.चढुं.चर्चे.चर.४२ेची.चर.चूट्र थरासी.भ्रुंट्र श्रें क्यू क्र्याञ्चारातर्नेरात्मनात् वैदालियात्राश्चरात्रेरावेशायेत्रात्रेत्रात्री विकासूर्। स्रेचका चुना कु क्वेजा की नाबरा रूब स्रूच स्रूर होरा नाया छ। नवर श्चर-पहेर्-र्रेश ह्यंशायर्ये, श्चराया ह्या स्ट्रान्य स्था स्वार र्याश्चिर वृत्य सहयार् जीत स्वर में बुर में अपन में अपन हिला सूर्याक नर्जन्याक नहुर् विकारे अधियान में का सूरा। कूर्याक पर्येर शिक्टर किश्यात्रम् कुटा मुटमूर्ममुर्दि प्राप्तानी रहा मूर्या है र ताला लाय मी रहे मिंट नी स्त्रोट सिंश नी हेना पर्नी नहीं नहीं न स्वार हैर हैं हैं , यन वह सार है नहर्भी मिट सूज इट त्रं हे कि के अभिन अर भावर नालर रेना निट वंशस मि रेर्द् दस इस मि त्रून विदेश मान अस्ति दे के सट व ्रसर क्रिं मिल्रिक्ट प्रीय स्वार मु द्रमा मी क्रिम्य के दर सर्वेट सिंट यदे प्रमुख के यमे स सेंट कें भू सु स रेंद्र । स सेंट बूट या सिंट कें ज़िय वट.कर.रापु.र्थंश.पंचीर.चाट.लट.क्ष.परेचा ।प्रिंट.क्ष् पु.र्थंथ.पंचीर.ता. मिल्रिक्तरम् व दिन्देट समारा शास मिल्रा स्ट्रिक् मी पर्ना

की.येची.स.चिपा.परेट भुरे, रिची.पा.के. चर्सेट. टे. उच्चे स्रेचका भ्राप्ता. यसम्बंदियानीहमानु पर्सु र मी व्यन्ति र में विद्यान इट.मे.बे.बे.पिल.स.चोर्सांचची.ची.रे.चे.रं.टंटा चच्चेंची जन्न.चेंटे.क्ट्रें या बिटायसाम्बरमान्त्रया स्त्रियम् निटासर्वे रेशस्त्रियम् स्वास्यान यश्चर विश्वासर। क्टाम द्रार पर्देश क्या भी से वी सर्वेट विटा विवेद है के द्भानीसन्तर्भातः वर्षेद्रायः न्युटः यद्भानास्तर्भानी । स्राध्याः नेसः क्षय वर्षेत्र वर्षाः हिंद् द्वाव वर्षा श्वीर देव नेदायहर्षा हिंद मन्यास्त्र्रिन ।निविदः मार्थानिद्ध्यस्यस्त्रेनातह्रेन्स्याः स्त्रिना न्र पहेंत् केर वें तर्ना शिर वर्ट अस हैं लेप वर्डे पर्टेर वाविद्याचा अन्तु सर्वेट हैट। वर्के निर्मे अप अप देर वर्षेना शहर सार्वेट २५न भिक्षाध्यें क्या मी के के में के के में के प्रति के के प्रति के का प्रमान में का प्रति के का प्रमान में का मुक्ता हिना महूर मी पर्ने वित्तर हत स्वित्र मुन्त मी मान यस्पर'मुरु'केर्रस्युर्मर्नर'सर्वेट्कृर"केर् सेष्ठुत्। लर क्यार्टा देवे रेव घट क क्रूंब च लेग दर्गिय गुट लर क्यार्वे र्नेन न में रहार हर में में दे में न महा व्यास में मान मान महिला मिं वे वे श्रूट व भारे वे रेव पट के विव नु वंद वक्ता है वका मिंट हैं हंट थ.बूच.बट.चेज.च.४र.श्रेंशश.श्रीचैर.कुट। संब.चोट.टे.सुव.बीट.च्रिट. कें क्षेत्र विश्वसन्त्राची । वें में वे में वे में वे कें विश्व कें व ग्वा मेन पर कें मन्दर ब्रियक्ट्रिय म्रोटम्प्यानह्र्र्यं मृत्यान्त्र्रायक्ट्रायक्ट्र्या नेत्रम्यान्त्र्रायक्ट्रय वक्सान्देनान्तु। वसमाक्ष्माभटान्द्रामक्षट्याम्बर्गन्याःश्रम। देन्द्रः स.चर्ट्रेचिस्त्र्र्ट्रत्वयश्चिटःभ्रदेःजा च्रिट्र्यूशः सब्रुट् वियः यदे स्त्रेचित्रः

म्हिन्द्र्याः क्ष्यां क्ष्यां

मी स्वानि क्रिया प्रिया प्रिया स्वानि स्वान

द्रु त्रिन्न्याः द्रुग्न्याः क्षेत्रः वित्राः वित्रः विद्रुप्ताः वित्रः विद्रुप्ताः वित्रः वित्रः विद्रुप्ताः वित्रः वित्रः वित्रः विद्रुप्ताः वित्रः वित्र

लायम्बर्धान मुक्ताने वर्षा मुक्तान क्रियाम मुक्तान मु

क्र्यायायानेवीत्व्रामा क्रिया में क्रिया द्वा मुना प्रमानिया प्राप्ता देश ववियाधित स्र वे प्रायश्विकामे पर्वे स्र विष्ट में सु क्ष्याध्येत हिन दे दे विद्नान बिट दि अदे प्रेश वह महिना दिन विद्ना के महना रटा क्रुस.सिर्चाकारचा क्रि.सट.क्र्याकारा चीर्चाका.कर्यस्त्र.सै.चक्र द्री मै.श्रुशम्भैरान्ष्रेरान्ष्रेरान्त्रेरान्त्रानाः नाक्ष्रान्त्रात्रास्यान्त्रा ल्या नाडेनाक्ष्यः अर् नडेटशन्त्रांदः सुद्धन्य प्रदेशे देः। देः चूर-चर-क्रुचेश-श्र-चर्षचेश-च-ट्रेर-क्रुचे-शर-चर् व-पह्ला-वेश-वेश--च्र-मिल्टायासुरार्ख्यानुटायेरायारे थिया मिलेमा यह केयास्र क्ष्मिश्रामा हे च्री मुन्दा सुनाश हा नहना शास्त्र। दे ता मह के दे सु मॅर्र्स्सर् सेन्यवे श्रीन्त्रवर श्रेन्यने प्रेन्यने प्रे सर स्रि प्रते कु सेरे द्वेंद रे रे रे से वा कर सर प्रे मालन भेर पर मी.येची.चिविट.ची.चयाय.प्रस्थित.रेच्यूश.च.इटी चोशर.टे.च्ड्रश्न.तर्जु. स्रिक्ष क्षित्र क्षित्र क्षेत्र दर्ग द्रुत्मदेश्च सदीद्रदरक्र नसुर वर्षेस्मी नेद्रि हेस वदि हिंद रट. पंचाला है। पर्वेश कु. रेचा पर्वेशका प्रश्ले चिवा होरे केंद्र स. रे . रट. वसायसार्विनमीनायदीसार्विनान्ने केरिया विवागिरामी क्ष्यसःवसःचवसःव्यान्तादःक्ष्यासःचरःनःवस्तःन्यःवःवः वसाम्रेन्'गुरादे वायमासेर व्यवस्य वहसानेन या स्राम्

देर'न्देर'म्.चू.रट.लेम.ची.चेश्वराक्ष्या रेतट.ची.सेच.स.कट: चर.लूर.तर.चूर.सुर्जा, च्या.चंत्रेर्ज्य.च्या.चेर.से इंचर.चूर्य.रट.लेम.ची.चेश्वराक्ष्या

শ্রের বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর প্রমা

इस्राच्यायदे वहेंद्राद्ध्यामि दास्रामिन्न्यामि वहेंद्रासाद्ध्यायास्त्री वहेंद्रास्त्री वहेंद्रास्त्री वहेंद्रा

व्यक्ता दे मिल देव्ये सा देवी यह मिल देवी र प्राप्त से सार्विय मॅर्याक्ट्रिं चिं चुरा विराहें शत्रीर में रामें रामें या ने रामें या ने रामें तर्नाकेटा सिंदार्के समयायम्याकेताचा । वास्त्राम्यादेयः **बैट.लश.भ३स.५म्.न.मी.लश.५**म्.च**द्वनश.मु**३.५५्ना.थ.लट.। स्र् तकर देव इसस्य सूच केर स्वित्र या केर नव व नवित हे सूचा पु निहें कुं लब् याञ्च नर्ये रहे सन् स्मानस दस ने स कुं तिनु मा ना के र से द र यहे พู.พะ.ป.ชปู.อู่ะ์เชปช.ชพ.ปะ.พะ.พัธ.พูก.อิะ.ฮะ.โฮะ.ลูะ मीट में में मूर्य न में राजा रेगा में राजा र मूर्र रेग रेश र में राजा र मे राजा र में राजा र मे राजा र में राज श्चाहे के दिया पर व त्यामा है है ना नु दिया है या निया निया में म् अप्रे नेत्व रेना शक्त न्तरम् ना स्त्र न्त्र ना स्त्र ना स्त्र ना स्त्र ना स नुर्ने नुर्वेद्धादाण्या। मुर्वनानु हिन्दुद्धात्रूर समा से इत्विता व्यवहा से द हिरा दे स्ट नर्वन्युनाका क्रिका क्रेवा सराद्या सुकारीका सबिव होता र्मेशायासाम् । सामानसारी मार्यानसार्द्धयानमा से के दे पे प्रस्मा क्षित्र मित्रीक्ष स्त्र मार्थिक स्त्र मित्र मित् मुद्रा दी है : दक्ष वना रेट मी रामादक देर अर् पदे मुन्दर है क्रु. मुर्- नाजुशार व बुरा संभय तिर करा तर परे व स्व स्व स मु मार्था से मीर हिर है है से सर ने नक्ष क्षिय व दे रहेंगे सेर य प स्नारेत र रूप कु र्वेद महिनादश रहेर् मास्य से सह मी.पर्रे. प्रवस ल्य् सेर् मार स्र ला। वर्ष्य वसूर लगा से दे हुर

क्रेन्ट्रिंट्रियापन्ने निवर्त्तास्यार्थे स्ट्रिया। साम्यादेन स्ट्रिंग्ये वर्षे स्ट्रिंग्ये स्ट्रिया स

मिंह के ते श्रुर्न मानेश हैं प्रेंद्र श्रे प्रेंद्र श्रे प्रेंद्र श्रे प्रेंद्र प्र

तारी ग्रांट अस्ति से से द्वा ति ता त्ये से स्वा स्वा से ता से ता

क्षां मार्चे मारा प्राप्त । विद्यास क्षेट प्राप्त मी स्था क्षेट हो से प्राप्त मारा स्था मी स्था प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप

चार्वेद् नेत्रान्त्रान्त्रां नित्रां नित्रां

 क्ष अल्लालहर्षे अर्था के स्था के स्था

पहर्ना लहान स्थाति क्ष्रिया में स्थाति स्याति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्था

च्रुंत्रिं भे लेत् स्वस् सहत् १ त्रुपा स्वाप्त स्वर् । त्रुपा स्वर् स्वर्यः स्वर् स्वर् स्वर्यः स्वर् स्वर् स्वर् स्वर्यः स्व

स्राक्ष्याः स्वर्ताः स्वरंताः स्वरंताः

म् अद्राप्त निर्मा क्रिया मुं अद्राप्त निर्मा क्रिया मुं अद्राप्त निर्मा मुं अद्राप्त मुं अद्रापत मुं

वुदासामुवायासविदान्ने द्वादाविदा। रदारीमास्यस्य राष्ट्रीयारदा मु.चानुश.मिनास.समश.स.कुर.चडीटारिया ४ट.सीम.मी.चझ.बुर.लट. हु:शर्<u>चे, हु:शर्चेर, श्र</u>ंट.कुं। अवर.में, रेथर, लट.पें.वेंची, मुंश-पैंड.कुंट्र, द्यामाओं दे स्त्र्रियामां स्वरं मर्कमसायल्यायाद्या वर्के यद्यायात्र रे.चरेट.र्जु. इंश्र श्री. च्रिट. ष्ट्र्: रट. क्रिय. रे.जूच. वेशा वचाय. वेशा झे. शर. कुं मेरी वर्ष नविष् तार्ट में भ स्नवस रह सें न देर वर्ष । रह वि १.पे.सूर.मु.म**ब्र**.वे.मु.माशर.क्षेट.क्र्यंश.ख्य.पचाठ.पश.मी.चर. न् नव क मुँवान् । यह क स्वीता मु । नव क स वि । के ह से के हैं हैं व म्रेत्रे बट्च्र्रं स्वामि म्राप्तायस्य महिल्प्तार्वे मार्वे प्ताप्ता मार्या स्वामितः মত্মরমর শ্রহ অে নার্ব অে বি নার্ব মর্নার্ ক্রিন্র নার্ব নার্ব নার্ব मुर्खे दे खनश मद्दे दि दिन्ने सर्खेन मुंगम्बद्धे दिना दिनि दे दिन महि ने '२व**न् क्रिंग'ऑन्'**न्मु'मुस'गुर-'मुन्य'२न्निय'-नुर-ऑन्'य' मन्त्र वर्ष्युनार्द्धसन्द्रसम्बर्धनङ्गायन्तराधन्रहेसमानुसन्तरा रदः कृत् च्र्न के प्येष पर दिया अदस कुर के के सिनास देर हैंदर दसमारेसप्रहेर्नुर्न्यवेदाप्रमा स्मिन्द्रा न्यूर्नुरामा स्मिन्द्र कुँ खुनामुःर्केशःगुदः**देः नत्**षदःदुः रदःनीःनानी**सः श्वन्यः**नाहेशःश्वदः नुदेरः मु : व्यद् : व्यदे : व्यद् : व य प्रदे र्या य परेदे विषय विष्टे हैं स्थान हैं वे दि स्तु मेस पर् सुरा होसः दश्यान्तर्भात्नात्नावान्यस्य वस्यास्य स्यास्य द्वान्तान् वस्तर्भात्रः विद्वान्तर्भात् मीट संश्रुची स्प्रापन र स्वयंत्र होत् की स्प्राणित । र स्वेर कर मी रथर मुख्यप्रच्यानेश हा देर विश्व मिटश देर मु. नारश वर रा रेन **ૄ:એન્:ત્ર્મ:ખદ:વૅક્રેં**:એ:યુવ:વર્વ:ક્ર્યું: ક્રૅન્સ:ક્રેુસ:વિલ્ન-ઍન્

ची वेना वेश न्रेर वर रेखना तमा नेशर पा वक्कार हेते अधा वर्षायायानेशामाळेश्चापद्गासे। करात्मुखाळे याद्मा यमान य.दर्.रटा. चनःर् लटालटावर्जनालटानी वर्ने विवासना कर नवस के बिट खुर्न य रामा परि हर। अस य बिना कुरा प्रिटि है प्वीतार्म्यासाक्ष्र्रस्यास्य प्रमाना र्ह्ने ने मिनशार्ष ज्याशान वर्षा सम र्ने के र वे वित्व पर्दे अप्यान पर पर प्रान्य सम्बद्धाः देर मु दैनाम र्के दे भ्रद् कर मुक्त पक्ष प्रदेश पुरायर दुर मुनाम मु न्त्रम । वर् भे दस्य दे प्रदेवस प्रह्मिर र स हिमा उद दर मि पर्दे द पर्येश पर्वेश पर्ने प्रमा है पर्य पर्या के प्रमा पर्येश हैं न ष्टाने नसाके न विना नुस्य प्रशासर र शासुरा। ने दे अस्य न सुन्तरा महिमा क्षेत्र मेर मिर पार्विमा नु १२ मेर १ मा अस्य प्रेम अस्य वर्जे वर्डे सं होन विषय १ देना हिता। दार्के की होता देमसा होने मुक्त यमूर्ने मिकाहर में हर दरा। रेट्स क्सार्ट्र व लेगा बार्ष का सूच ब्रुं पुरा पुरा पुरा ब्रुं विश्व पुरा है र पुरा पुरा है र कि य.ल्र्ट.श्रर.चक्रे.चर्ड्य.चर्ट्र.चर। वि.चेश.व्र्र.चर्चेर्.वेच.श्र्टा वहित्रसम्मिष्टेम् अस्तिम् पुरम्बूर्म् सुस्सु स्वार् सुर् हेर्म् द्रिर्म् दरम् स्वरूपः यवु.भूर्.य.क्य..हु.क्र्र.ड्रिट्स.सूट्.। ८हृत्स.रुंद्रे.चि.लू.तस.र्टट्स. तक्य.ग्रेस.मैच.चर्चेचास.चेस.ट्रे.रट.हेट.झ्रेच.सॅट.सेच.स्ट.लट.। वहिनसन्दा विवर्षेत्रे वे के ते दिन मेदिर खेति के निक्र मेदि के मेदिर के मेद भूम. कू.रटा चश्म. के. बर . होंचीमा मी. जिमा त. पुरी किर . होंचीमा मी. हेरे. यदेश रूर के वे दरावकर वहंता मुक्त मुक्ते अर्मे दामर देना नु नार विर मधुद मुद्दे मा कर निर्दे दर दे द्व नर्द् र पर्य

यर अर्थर विटा। यह विश्व विटाय के स्वास्त्र अर्थन के स्वास्त्र अर्थन के स्वास्त्र क

ययश्यः चीटः (केटः । त्र्यः मिटः नायशः ख्रीयः त्र्यः चीः प्रवसः त्यः व्यवसः स्वीः व्यवसः त्राः व्यवसः त्राः व्यवसः त्राः व्यवसः त्राः व्यवसः त्राः व्यवसः त्राः व्यवसः विद्यः व्यवसः विद्यसः व्यवसः विद्यसः विद्यसः

दश्चर क्षेत्र पाणित्।।

पश्चर क्षेत्र पाणितः प्रमाणितः श्वरः विद्यान्य प्रमाणितः स्वरः विद्याः विद्या

क्षात्तक्षमः म्रान्तः भ्रतिया विश्वस्त्रमः भ्रत्यात्रमः भ्रत्याः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रत्याः भ्रत्यः भ्

ट्रे.क्सराक्षयास्ट्रं पर्वटर्याय्यास्त्रवाह्यं नामान्द्रा वाग्रहासुवावरः सटा से बार्ष्ट्र वा सामिट्सा देश है। वा के सामा मी से साम में देश प्रसाप करें वरेत्रावेनान् मेश्राहे वहूर्या मुवा सुर मेर मेर् प्रमान मेर गुट क्या सर् वे व्युष्य से व्याव व्याव द्वार स्वर के नाय में विद्या दे क्रु.लस.चुर.रबंदश.र्वर.वे.रचा.चु.रूरी चि.रूचाश.रवेश.धु.र्जे.वे. च्ट्-भ्र-भ्र-भ्र-प्राचमः पदि **'मैच-भ्र**- मि.ज्. पश्चिमः च.ट्रे स.झे र. क्ट्मिश-ट्रेमः " च्रं भुष् स्राक्ष्यात्र्यं यप् सर्वे द्वाराष्ट्र मायस। र्षे मी प्राप्त व्या क्टामाकुम्भागवहरास्पर्या नवेरावा मिले सदी सूर्यु पुरार्करामा मि.रेशर च्रेर जब र्रे अवे क्र्येश क्र्येश मिट. रे. मैनाश त.रेश त्र्रेर वैश. बुद्रानुष्टिद्र केट्रा केन्य परि देवेद्र के केद्र पाक रेता देव मान्द क्टार्टेषु र्मासायार क्रूसम्बूसायस्य वस्त्रायस्य पर्सा पर्रे में प्रामुना गुर र्देशनाथा केंद्र वि वि दिनासाथा नाटा स्मर होने से भुवा स्मरस दे विंदा कूश चर्सर वें से देश होरे हिंद मा कूर में हुर है। मूर न्यायार्क्षेत्रायान्यायम् वित्राचित् <u>कॅट्य.ची स्रीचा सेर.क्रू ५.शी.ची.चर्तर मी.व्</u>रात्य भ.तेश.टे.ची २४.८चे पक्ष नुरार्न्स्य निरा क्यांबापर्रे दे क्रूराचना कुरमरामा श्रीटका साल्यार मी व्यर् स्वर त्या वर्ष हो है नियम का व्यर् दिन दिन दिन दिन दिन हो है । र्ने. चीर्ड् रेड्ड्र मी क्रांट बुचा चर्चाश खर् ग्रीट । वना चार्ड्र चेर वुच च क्षानु प्राप्त म विमा रेता।

ড়ড়য়ঀৢয়৻ৼৣ৾য়য়৻ঀৢ৾ঢ়৻য়ৢ৾৻য়ৢয়য়য়ৣ৾য়ৢঀয়য়ৢয়৻য়য়৻য়য়৻য়ৼয়ৢ৻৸ৼৣ৾ৼ৻ঢ়ঢ়ৢ৻ঀয়৻ য়য়৻ঀৢ৻ঀড়ঀ৻ঀড়ঀ৻য়ৣ৻৻য়য়৻৸য়৻৸য়৻য়য়৸য়৻য়ৼ৻ঀয়৻য়ঀয়৻৻৻ ৼৼ৻ৠৣৼ৻ড়ৣ৾ৼয়৻য়৾য়ৢয়৸৻ড়য়৻ড়ৄ৻য়য়৻ঀয়৻য়য়৻য়ৼয়৻য়য়৻য়য়৻ঀড়ৢ৾৻ प्रमुद्र दे हे मुखया दु खेद दिया पद द केंब केंद्र द दे द माल् ए. यनमा ने नैंग हुं र.मी.मी.सैंम.से ४.कूरे माशर म.नेर.मीय. ब्रेंश होर होर हो अर की सर नी के नाय पर हैं के नाय है। विर है दे मूँ शकें द भो में में में में भेदे पर्में में दें र में इर वश्रास्ति करा हीर हिंद देल हिना र्पर पर परेव के र रहार मु हिं नि क्ष त्रक्ष राष्ट्र मु होना इद केंनाय निक्र मादन सेन राखा क्षेर नहीं ने र त्रा समाय मध्य मी स नहें र में र गुर । मु से स रे म सिनास मध्य प्रवाद प्रवाद माने मिन प्रवाद माने मिन प्रवाद प वमुनाश मुक्ष भीटा। देश गुद्द स रहेना पर से सद हेना स न दे से द या वाज्ञान्त्री शास्त्र, श्रमः वाहेर् सुरा। वार् नालुरा दशा के नार्रेर नाली दानु इ.क्रुची.चोशर.त.खेची.चूच्य.च.ल.सेवे.वंश.लची.सेर.भु.उचुर्. वंदश. श्चर वृत्ति दे द्वर श्वे अट र्ह्मास तर् पद् में नहा की स पहेंद्र यक्षेत्राचर्टाक्षणा। भ्रास्तानात्रसम्भान्त्राच्यान्त्रम् वितामः क्षेत्र न देत्। न्युक् लुंग देन्ना १०४० व दे क्रें व्यम स्वर्म वर्गे पहिंचात्राचित्राचिता इत्यत्त्रयाता क्रूम में हर क्रान्नाव प्रमे त्युर रे हे केर कु ह्य र र विवार प्रे ते विवार है ते कि र विवार के ते कि पर्मास्त्रम् निस्याम् देशायम् स्त्राप्त विमा स्त्रि हेटा दे हें मुब्द में अस वेट.त.श्रुच, बेचश.च्री.श्रुट.श्रुप्र.चोट.क्रट.श्रुट.पंट्र.श्रु.बजाय.चे.हेचे.. देना मिट हैं केर दें रामिं विहेर भेर खनस वेहर या नरे राम सुन मुन्सः यथु श्रीर रेन स्व मन् नार्स क्यार प्रार् रेर है। मिर हूस हें क्या ने दे दे दे के के ना द ना कर कर ना के महर के साथ पर में

दश्यः निमश्च स्वरं यदे मादशः स्वरं श्वरं श्वरं

क्षेत्रे क्रें अच्च अरे क्षे अरामी अर्मे अप्ति र गुक्ष है। मुक्य स्ट्र र स्ट्रेर **४.भुै**. त्र्तासा. क्रु. क्रु. नार्च शासनासा सेर चिंट क्रु. रेट क्रि. सट चरका तर सिट मिंदे र र निष्य प्रमान से र यर मिया ने र पर्टेर में सामित है। श्रुर.चर्याथ.चेचा.वेश.टचु.अह्राट्ट.व्हेल.हेर.ची.शुष्ट.टचा.चीचाश.ल.बर. मूल नुर मैंर ट्रं तवश शर रा शहर है अंगरा र है अरा हूर है रेट हूर ब्रोट छेर र्ने अपन्तर व्यट के व्याप्त ना विद् के ने ब्रेर रे राम इ.च.र.ची.चर्ड्रक् श्रेंट्र.ज.च.खेर् टिश्च.च.खेचा.लुच.लुच.ची.चेर्ड्रक.ट्रेंक् नु देव सेन रहा भी मुना सामक सु सु लिना नु प्रमुद्ध मी र्वे द स्वर्ध ने " व्याचनात्रः वना वद्या वर्तेन वत्ययः से चुेत् सम् सेत् व्यतः नी व्यत् यात्रः। ব্ধান্ত্ৰ বৃহ্ন সাদৰ শ্ৰী শ্ৰুনাপ্ত দ্ব নৰ্ব্ৰ শ্ৰী বৃহত বা প্ৰ শ্ৰ পৰি লোগ ल्रें तारेंद्री झामटक्रें हेर्दे देने हेर महिमारस मुद्दे हेर्द्रमा म्या नुर मुद्रे प्रायं द्वार है द्वार द्रार प्रमा केर प्रमुख्य रे हे स पहेंद्र या की है व. च्रिट्. क्रू. पर्टेर. यवश. वैट. खरे. पेचा. ग्रीट. । वेश. ववश. श्रीची. च्रु. पर्टे. न्य मुद्दान्य विद्दार्द्ध स्वर यानाया नहीं के रो विद्दार नहित्य रेत् दे देशका स्वर महाहिंस की नामिस लिंदाया महामाई प्राची के दे हिं स्य.रे.ज्यु.मे.अर.ट्य.पंबर.गुंश.च्ट्र्य्य.पीय.पंट्र्यू

द्रम्थानुन्यम् द्रिम्यान्त्रायः विषाः भिद्रम्यः विष्यः स्त्रायः विषयः स्त्रायः विषयः स्त्रायः विषयः स्त्रायः व

वैद्या अन् अप्ति ने स्वास्त्र स्वास

त्नी तिहित्ते के के के कित हुं भारे का हुं र प्रका ही त्रा क्षेत्र शारे देश ग्राचार्या क्षेत्राचे त्राचार्या क्षेत्राचार्या क्षेत्रायमा श्रेन र्ने मुं १ वर्ने सुर्मे सुना भेर रहा है । नार रहा है ना नार रहा है नार है । रिज.इ.११८.भश.इ.पुंश.त.इर.न.के.वर.मीरा ची.त.पर्येश.ष्ट्र्येश. कु.चनु.श्चेर्,जश्र.श्चर मेर्र,चर्र,कुन्थर श्चेनश मुंट मुर वट रिजासट सर हुर भेग सर वे विं परिता भी ने दे हैं दे दरा श की की हैर विना होत् दमांका विन् दे वि विन स्थित । देश हिस प्येन पर देश म् सिद् प्रमा हेर हैर दिया कर का मी हैन मास से प्राप्त में प्रेर पार्रा दे २ १ ४ दश पुर स्ने नस नाम १ ५ न । स्न १ १ वर्ष १ की साम ना स्मार समस यणवःचनाःनुःवन्तेवःकीः व्येतः स्नायः देरः कुः स्वयः सः सरः वन्तिः विदे मोर्ड्, म्.मिस्सि.मी.कु.म्.८४.५.८५.५.मिस्सामी.मुना.सेर.क्रू.पह्र. मुर दि में या हो र या दिया है र यो न र मो स्था या प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त ल्रे क्षेत्रकाचनाय निना वस हिटा नाश्चिम पहार नाहर नाहर नाहर 9:1 सिंह.क्ष्य.ट.क्ष्र् पु.मिष्यश्च.पंचील.चीट.लट.चैश.सुरे.ग्रेट.। <u>च</u>रे. क्षरायहर्याचेदारा प्रीकार्यामु क्षरायहर्या प्रवास विवास मिल्ट्र नि मुं ल्य अन्य नहें सेवस ज़र कुर रेगिट हैं ने के दे तर हैं तर हैं तर हैं त

स्टर्स प्रमान स्ट्रिया स्ट्रि

इ.च्रेट. जर्शका. म.च्रेट. ट्यांक. म.च्रेट. च्यांक. म.च्रेट. ज्यांक. म.च्रेट. जर्मक. म.च्रेट. च्यांक. च

द्यात्मसन्तर्भात्मस्य प्रमान्तर्भात्मस्य प्रमान्तरम्य प्रमान्तर्भात्मस्य प्रमान्तरम्य प्रमान्तर्भात्मस्य प्रमान्तरम्य प्रमान्तरम्य प्रमान्तरम्य प्रमान्तरम्य प्रमान्

स्त्रीय । सून्। ती सिंशास्त्रायां माग्ने सेना देनां सार देता है स्तान देता है सार देता है सेना देता सार देता है से प्राप्त सार है से प्राप्त सार है से सार

ज्यानास्त्र स्थाना स्याना स्थाना स्य

त्रम् द्राप्त न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्र न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्य न्त्र न्त्र न्त्र न्त्र न्त्र न्त्र न्त

या वर्षा मिर क्षेत्र मिर मिर क्षेत्र क्षेत्र

चीट.कुरु.बोरंश.कंटश.जू.चंश.चूट्.लश.कुश.केंची.वे.कुरं.लूट्.व.

देर खुर दे 'द ठर में प्रमानुद विरा से 'दमान से 'दर्द दर्द 'दर्द 'दर्द 'दर्द 'दर्द ' पश्चर भुर पर्न रे रच क्षिर १६य हट रचींटरा **9** भुर रखना पानसामध्यस क्ट्रें ब्रेड चर वसम में जिंद मारी देवे दिय हुमादा नक्स र हिन लट.चस्रेर.ठम्.क्येश.चेट.। ट्रे.चर.ध्रेग.मीट.क्मश.ब्रे.चठु.षस रकार्यमुचीका राषु त्यर् राष्ट्ररे हि.सेकाला मीवा तर्वकात्वराला सामेटा ब्रेटा मेटारमानु रहा हुटा मा क्रिया सुर्वा के निया ने प्याप्त प्राप्त स्वाप्त स्वापत स शहर, तर व्या व द्वारिट अधित स्वर्ता विता वर सुराया सार्विया या प्रविद्युक्षाध्यक्षाहर विनानु मुद्दा वेदाय द्वा विकार र.लट.सम.कु.तस.रेच. त् हु. चून.नुर क्रि.श्रम् वचा.चेट्र.... माम्बाहे समानु मुरा स्वरायमा केरा केरा केरा में सा ઐ**ઽ૽૱ઽૄ૽૾ ઽૢૺૹ**૽ૡ૿ૡૺૹૡ૱ઌૢ૱૽૽ઌ૿૽ૺ૱૽૽૾૽૱ઌૢૢૢૢૢઌૢ૽૽૽ૢ૾ૢૹ૽૽ૢ૱૽૽ૢ૾ઌૢૺઌ૾ૺ૱૽૽ૺૹૢ૾૱૽૽ बद्दायम् अ.स.च्या प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्रमुख्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष हीर मि पर्के पर हिर पर रे रियार कार वित्व प्रयास मिर कर है। यह वहा वह भर.म्रेश.रेम.स्त्र.मुर.त.र्र. टक.क्य.इर.म्रेश.स्त्रेय.स्त्राच्या वयसाम्प्रितिन्त्रसार्टानेरास्यादे स्रायटा मुख्याहि विदे श्चीर देव मार्ग र प्रिया की वृद्धा मुनाका कृष्ट र प्रामित विवस र में भीना करा वुरामु र्ल्य पर्टा देश भष्टिल प्रशासी है अट मेश देश स्था मेर पर ८व्यानि,मुर्दे, इ.श्याचित्राचार श्राम्नाभरात्त्राम्नाभावत्राचित्राचीत्राचित्राची श्रेन् च व व कुरे कु श्रेदे अप दें द की मूनिया यह ने प्रमा वह र लेंद्र र केराल्या वर्षाती क्षामान्यसम्बरायाच्याने वर्षात्रितानु मुकामहै स्रेर्फाण्या नायाकेये केंस्रा प्रेर्मा प्रिराधित प्रेर्पाय प्रेर्मा स्रो नम् न विषयां कर्षा करा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा करिया कर्षा करिया कर्षा करिया क

प्रमा शुर्द्र, प्रविन क्रिक्त मुक्त मान्य प्रमा निर्देश स्था मिन स्था मिन स्था मिन स्था मिन स्था मिन स्था मिन स

_____ক

लेख नित्र की स्थाप के स्थाप क

 चार्य छ . चेत्र कुष्र स्तर कुष्र चीर त्या कुष्र कुर ।। कुर कुर सरस चेत्र शिर तर्म जे क्या कुर कुर कि पची त्यार चार देव कुर कुर सरस चेत्र शिर क्या मार चीर क्या कुर चूर हो छूप कुर कुर स्त्री

स्वसः क्रेट्रेस्तः स्वरं प्रदान मुलः स्वरं मुलः मुलः स्वरं प्रदेश स्वरं स्वरं

पहर्ने के प्रति के प

दे खर द भर । वर्षे वर्दे भर महिमा सुस वर्षे नस महिम

माया है मि स्त्री प्रति प्रति स्तर्भा स्त्र स्त्री स्त्री

द्रे.रे.मे.रेस हुन्। कर उत्र क्षेत्रा थरा वर्षा हुर हरी धरमारेर च्र्रिक्टक्, वना निवेट नु.से. १४ वन् निवेट ने निवेट स्वाप्त कर् भूट.ज.टश.ट्र.श्रूर. ५ट्ट. वर्बर. वेश.व.लुवी मूट.चुक.सूच् अर वर्ह्ट्. मोश्रामा तकर.वर् नहूरे ह्रामा हरा दश्यातश्यातकर मान्ट्रिन स.व. भैरुवाबेरायम। द्वानुपर्वश्यात्रदाक्रादेश्वामसायेका इस वरश से गी देस तमुर माया में वर्ष मी वर्ष में प्राप्त मिर देश ही. मार द्वादे वहनास ग्रे वनाद वहन है प्रेंट काय वक्षा वस से वस ... मिमानवर्दान्त्राचील द्वेष्टा विकारता न्येष्ट्र वसार हिर्मे में क्षेत्रक्षि तसर्व क्षेत्र मार्स् स्वयस्त प्राप्त विषय विषय मुचीश,तर,चन्नभानी,परेची विश्व बुर बुर तिर्त मूर्य,ची,बिर भूज रे लेर **5स.त.८८.स%स.रे.८४.५.स.इ.१८८.रे.सूरे.स्ट.। डे.**रेस्स.च्ट्राचीस. वहमामान जैस पहेंद्र देवा दायम नि नार नि नादर नि वे केस केंद्र मर्वेट्राणु 'ययस' दस्रमुं क्रय केन्। यन्द्र' दे नास द्रमीनास द्विया हेर 95मा

ल्ट्रमु वेच तर् न्यं स क्षित्र भ में दे तर द्र में में ने स त लेगे चित्र में में स्था क्षित्र में में स्था क्षित्र में स्था में स्था क्षित्र में स्था स्था क्षित्र में स्था स्थ

ख्यूराने द्वाप्ताया भेरामा बारा प्रमाण विद्या के स्वाप्ताया स्वाप्ताय स्वापत्त्य स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वापत्त्य स्वापत्त्य स्वापत्त्य स्वाप

स्ट्रिंग् स्ट्रिंग् स्ट्रिंग स्ट्रिंग

पश्चरः मुस्र नुस्र त्यां भी।

पश्चरः मुस्र नुस्र त्यां स्वार व्याप्त त्यां स्वार त्यां स्वर त्यां स्वार त्यां स्वर त्यां

देश.श.भक्षभक्ष.चर. हेर. चोहेश क्रिक्श.चर्जेर वेस्.हर.। क्य.

त्रकृति वे मिश्र में ज्ञेन ता क्रिंस मेर राय हिनास हे व त्रा र व व व विवे लम.चच्च.चेट.चयु.क.चंबा.चुबा.लब.च.टा ट.कूचु.खेळाअट.बे. भेदे द्रमण सर में संपद्र हिव हुव च व के केरे देव हैं देश व देव ग्रेट.इस.ग्रीब क्रि.स.बस.चे..बर.चर.चरेब.चेडेस.चेशेस.इस.टब्रूर... न्त्र त्नुवायायमाने न्या कृता महामान्त्र सम्बद्धा सुन्ता हु स वस् में भूतर स्टिश विम्र वर हेरे नशिम स्ने वर्षेत्र वाम पर माध्यामा हुत्, छे, वर्माभा हैना मी निमान स्वाद ए तु हुना प्रत्यातिहर ... नर्व मुद्रे मु अम लिम मु मेरा प्रबंध तर्मा हर। मिल्स हे दस गाद क्र्यातिष्ट्राद्रियात्मी के शाविषात्मा तिया क्रिया में ब्रिटा सर स्वेदसा नक्किं महाय हेर् रु पर्मे निषे यम प्रमुख रे के प्रेर् रु वें त्र निम् इष्.चारश्रद्धारम्भूत्रम्भूत्रम्भ स्त्रास्त्रस्य स्त्राम् द्राम्य स्त्राम् वित् ख. प्रमेता मीस कर लूरे हरा वन र मीर र जार अक्षस लूर अपन्याहा मान्यान्य प्राप्त मान्यान्य ने न्या के न्या क नेवार्गर मु खुट वें वहेग्राय वद्गत्वे मात्र वर्त्त दे सर्वेद में वर्त् इट.स.च्ये.भक्ष्मल.वेर.चर्चेर.ग्रीस.र्वेच.भ.रटा. चीच.ठ.स्चास.ड्र.

क्री.स.क.क्.ट्रॅट्र.कु.बुटा क.चॅ.लटस.चुटाचे.कुर्.चे.तटा ब्रू.टेट. विटा टच्चील.त.कु.ट्रे.विल.श्रेंचश.टेश.चसघ.ट्र.च.वहघ.श्रेंट. चुटा टच्चील.त.कु.ट्रे.विल.श्रेंचश.टेश.चसघ.ट्र.च.वहघ.श्रेंट. चुंचा.कर.चुंचा.कर.चुं.भ.ट्रेचा.घट.चुंस.लीज.जिट.वैंट.चुंट.चो?घसा.

मेट बन्ध रूप में सार नहें हैं विवेदें रूट ने होना स्था देर रूट

स्यानी र पहुंचार के सार्च स्थानी स्थान स्थानी स्यानी स्थानी स्था

स्य-वृद्ध-प्रमाय-प्रदेश-भ्राय-प्रमाय-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश-प्रदेश-प्रदेश-भ्राय-प्रदेश

त्रक्षां अर्थेट द्वां न्य क्षेत्र प्राप्त स्त्री हैं स्वार्थ स्त्र स्वार्थ स्त्र स्वार्थ स्वर्थ स्वर्य स्व

म् अन्तर्भितान्त्र में स्ट्रिंग्य स्ट्रिंग्

दे वसामु मेर्दे वर्णेद वुसे वेद मान्द सेद वेद । मिं दे वेस परे मोर्भास्त्रास्त्राम् मेर्ट्रा वेटास्स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या विटी ट.कूश.ज. हर लंड्चेश सेपश हुन्। सर मिर्म मेर्नुस मेराण . इदस वेनास स्प्रिना गुरा रेस नविश्व सुव हर कर हैं र गुव हु लेबेचस.रे.सेच.२भ.४८.वर्सेर.३८। भवंत.भन्.त.व्हेर.भक्.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र. ब्रिट्रत्वना,यन्त्रिन्धन्त्रभ्यः सम्प्रम् निम् अस् विद्रा निप्तर्थः कृषः त्रस भुष्-रे.पक्षजायपुरम्बानि.श्रूर.लटा। इ.३४.८ट्स.पंगुजासहप्रस्थस प्रमृत्य हिटा मुं सुरक्ष भी पर्य देश प्रमृत मी सामे द्राया देश टा रूर. र्याय राज में द्वार पासे अप हिरा राज में देर में द्वार में के स् वैदा। साभक्षस्रस्रीतेट.त्राम्स्ट.वाड्डी अवसार्ज्यस्मिनस्र भक्त्र्ना दक्ष भक्षकत्त्र दे हो त्ये द ना व ता हा अर्दे द में ना र ना वि र द स . क्रेर्-वर्द्धनास्त्रवर्द्धस्य ब्रिट्स मिता ब्रेर्-द्रेर जस होर-द्रश मी निर्मी ब्रेर्-वहेंद्र यनो समालेंद्र दर। श्रेद केंद्र। मुम्मर मालुर यहसा मुक्त क्व.मे.ह्न.वस.मक्भस.उट्ट.चेबट.बिटा संबे.ज.च्ट्र.जियास.मे.पि. न्त्रम्थः दृत्र मु न्त्र मु स्वायः स्वायः देवः के देन् ने से स्वायः न्या दे वसामर र्यम मृदायमें र ग्रीस सामादे द विमानु खुद दममा मीसा है । नब्रें निश्न हे हे दे के अभे में दे हों में है जिस हो हिर से खें निश्म हो है मर्के वर्नेर र्व मार्डेमा क्षेत्र स्त्रित समा

क्रे के ब तर्म कूटम कुर म कुर म कि म कि म कि म कि म कि म कि

मी नार विर मिनाश से तमा भाषा रेम विनाश स्वराश मार्थ से वस म्राजिर मी रमार पश्च ने रामान्य है सर रे स्राजित में स्रीत यश्रम् यर हेर् रहारहासुयानु स्पर् या मृत्व यश कु मुका न स्पर् यहै इंट.च.चइंट.च.कं.चैर.चैर। शताम् चवः ६ श्र.वंश.ट.कूश.चह्नें हः मलना है निहे र निहेर बट हैंबा दे बहा मुन्मर नु स्पेर मिने के हैं चित्रह्माराक्ष् द्रायम्बार्यस्य स्वित्रायाः मुर्ह्मान्त्री स्वरास्य वसारवसार्केटलाकीमान् रा। जि.मास्त्रेत्र क्रुं स्ट्रेलेकोलेबानेबा हैट. यश स्वातह्यायम्र वशाच्याने मिरानी करमायम् वराह्या स्वा क्षायाम्बर्गेर दे में राप्त्र हुया भामतं व्यविधार्य प्राप्त है। देवे हर महिमायायद्यार्श्विषाद्या हरामहिमायार्येदाग्रीप्राह्मयर्द्धा पर्वाकेरा पर्के में र हि एके प्रमाना नहें वातु से हें वाका हे । स्टें चित्रातिहर तिर पर्ते कारीयातर वियो श्वारम् अराधर श्वासर श्वासर मैश्रापनाय पश्चित र्रेशनु क्षाय स्थापना स्थापन स्थापना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स् मरासं क्षित्रभावनस्य व्यापवेद राद्ये हरावेट हेरावे रहा। मिक्री महिना सं द्विनायान् ग्रीयावसाम् स्वानाम् स्वान् हैसा हुम है। देखानमा व्या गुप्तर क स्वया है। तुप्ति देन क लिया बढ़ नाम स्वाप प्रत्म हिंद्स मिमाहर ने प्रमुद्ध स्थाप हुए मि सुन् में स्थान मिने र क्या है। भू ते.श्रेर वर्शेर वर्शेर वर्शेर वर्शेर वर्शेश है. हसाय द्वेन से क्षेत्र वृता है या कुनार कुन्त्रीय संविधा कुत्र र्हराचेर सूर्। चोरंश क्षेत्राल भक्षेत्र वर्ते में चेर चंत्र क्षेत्र महर्द में बेर्नाय में कुर्ग

मचन मने तमा प्रमुख की दमेग्र प्रमय में मारम मा लेग र

यु र ने बु के क्षे के में में में मान में निया में निया है है है है कि में में में निया है रवट. वर् की की मोर मोशर तर हीर राष्ट्र की पार वृधि है 'हो हो हो की की के प्येद : नु : वेद : व : दे : दम : क्यें द : वु द । माइक मुदे : वद : नु : श्रेद : दे हर : कु मिल्रिनि ग्रेर र ग्रामिर प्रेन मर्केन दर। श्रेर सेर से लगर ने उ इस्रामाकृषान्यात् वस्रुराहेरानु सेवसात्नुमा । इन्दास्मानु मानुसा मुत्रेष्ट्यूर्यं मुन्द्रम् स्थान्त्रेष्ट्रम् त्रा से मिन में दार्च हूर हुई से मिन कर से ब्रेंट में न मी तर्म । मिरवस है परित्र के सिमार सर से दे रे वर्ष हाना हुं हूं हैं है अर इ. में इ. के इ. इ. इ. हे ने हैं ने कि हैं में हैं ने अर अर अर अर के हैं हैं ह्मेवस १८५म । मिर्ने वे दे रमसम सम जिस्ते सु तव व्यक्त दम से न ल्रे.व.र. भटेर श्रेचक श्रेचक नार्थ विकास र विकास मार्थ विकास मार्थ रिया ने रेमार्ड कंग नरे हिन्दि रहे यहे पहें न स्टब्स के माउद नाम के न व हिगारे रहामायवे रहा। कु क्षेत्र मानुहाळच पार्ममाः सिका है गुरा स्थ हे हे ब्रिंडिं बार्य केर पर विवासी का मार्ट से प्रसेवाम विवासी कर्ष रे.चलचा,४२च अिचका,र्याची,चाराकी,४च्चानका,विष्या की,श्वालीचा, मर्दिमे १७ व्याने देखारे देखार देश नातुन द्वार परे प्रकेश हे हिंदी 급성. 칍다.

चय.कश्चोशीराम्। अरेचा । जमार्था क्षेत्रास्था श्री स्वारी स्वीर । क्ष्र पु. जी मार्चा अर्चर प्रस्था निका स्वारी स्वीर स्वारी स्वीर स्वीर

स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

स्वात्त्रकृत्वा। स्वायः स्वाय

वेदःमाम्बरः वः स्वाः न नुमा । विद्रः हर्षः दिः खुतः वदः नुः हरे स्वाः मान् सर्वायमासेट भेर वर्षा सेर्पारा मुन्सर भेर प्राप्ता वर्गेन में वृत्व हैत्। ५ तर वेर्ने वर में ले वर स के सह दूस वस्यामेर.ये.विवीर.की.लूर.वटा मी.चर.वश.भाषावे.लट.व्य. स् वना ने में मारानी वर्ते देशक्षम समय वहम में दार निक्या देर पहेंदे है ... च्या मुंद्र व्यावनमा ने राष्ट्र व्याच विता ने मान्य में स्था ने हुन का ने र त्रमुर न व्यट हो मुँग में रहे द्वारा मुरा।

रेते क्रें- श्रे र बेर के उर कर क्रिया लेवा होट लेवा हुट का वाट हेर. र्ने यक्ष के स्वया विंद् मी वेर् सर् हुर च वे कर निर्वेश माल र र्ना स्रीत्यर मिनावद दार्डे सहता ह्या हिना सर। की नर ने कर सार्वेश. गुःहुशःदर्भामास्टःवियःयरःद्वातःक्ष्यःक्ष्यःक्षयःक्ष्यःविद्यःहुन्। यरः त्मअ.च्र.तर.क्र्याशावराष्ट्रीया.म्.चावशाक्ष्या.ह.विर.टर. ट.रेट. सन्तर्यन्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रात्त्रात्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र टार्ड दे कें ब्रिन्टा रेनान किर्मे स्थान हैं र में रेटा मुस्स हैंसा ल्ये. तथ्यमं संत्र्ति तड्डेम नये तड्डेम सक्ष्म महिन् हैस ल्ये तिन सूर, चक्क बुच बैक बूच चिर्ट मृष्ट्क मृत्य के बोम में चिर मिंड इस्मेम् विनार्डे दुरा टार्डेर ले चरी विना क्रास्ट इसट मार्चेन . यर चु मर नु श्रेर १९०० वर्ष पत्र पत्र मात्रसायम् सामा सामा । म्रोट मॅंच लुकारा भेव।।

मूट.रेश.टे.रेथश.वजूरे.शेर.टट.इट.गुश.चंशरे.शुट.वर्ट.भवर. मेशिट,जर्,ो तेत्रम्,क्र्ने,चोर्पे,रचश्क्र्य,रूपो,ची,पंग्रेज,चःष्टु. नसःचर्-नु-न्नुस्यःद्वायनसःदुनःहेत्तुः स्याः व्यवः निनुः स्रोधसः द्वेः ।।।

स्यक्ष प्रेक्ष कुष मूर्क क्ष्र हुर क्ष्र महत्त्व महत्व महत्त्व महत्त्व महत्त्व महत्त्व महत्त्व महत्त्व महत्त्व महत्त्

स्त्री स्वर्षास्य स्वरं स्वर्षास्य स्वरं स्

स्य स्था अदि है पुराय विषय महित्य विषय पुराय पुराय । स्य स्था अदि है पुराय विषय महित्य विषय पुराय पुराय ।

भुदः मुद्रा <u>इत्रा पानु । स्त्रा प्रमान</u>ी क्षा मिटा ह्वा । स्त्रा प्रमान ह्वा । च् विच वर्षेत्र वृद् वि देहा मिकाल द्र्य मिका मिश्र देश मिलाल र्श्वे विगःनुः अर्मेक्कः प्रेचे । मिंदः माक्रेशः नदः। गावुः ध्यवः व्यवः सङ्सः तृ ब्रीट क्रिंग तुट देश खर व टेंदिग र लैंटा मुख्या मार देश या हुट मन्त्र । निवेदार्यान् वेदारार्द्धे दे निविद्यानी समानेदारासे द्यारासे वेदा वर्त्रोराह्ने गृह्य वृद्यामहें साम्राम् सम्यान् । ने ने नास्या व्यान्यन्त हुश श अपश्चेर श्रीट भूग इ.पैट स्थेरण पहूरे येशली न्यारवश्वराय देरेराय प्रवास्त्र व्यामाया हेरे विवार हे प्रमुख इत्र सन्ताते नहें वें देश देश हैंन सन्ता विद्य हैं सन्ते निर्देश र्ग्यावर्के हे पर्वे में बाहर र्वायावेर हुँ गुरु वेर हु दे स्वेतासम षर कुल ने रें देव संस्कृति वें रें से कें र यह ना क्रिंस सुरा किए में रा न् रामे श्रीत्रवर हर्ने राम्बे केत्र या साम साम नियम प्राप्त प्राप्त केबासु मिंदा वाकी माजुबाया युदाया दे दिना प्यायसुर हो दाहीदा होता वीका यहा सर् दिन्द्राचारायेद्राचर न्यान पर्वेद्र के विक्रान स्वान नी सार्वेद्र केर्न्या वर्षेर लानावर् क्षेर दर। दर्श रेव वयः क्ष्र वर्ष वर् म्नाच में अल्लेन अल्लेन विक्ता में अल्लेन विक्ता में अल्लेन विक्ता में अल्लेन विक्रा में अल्लेन **न**वट वर्षुर वेन वाने र में वर्ते वाने निम्मान के वेन में नवट वृद्ध के व्याप रेम प इस स मेर पर वें में सद द्या राम इस स से व हिया के मेरे

द्रमन्द्रमुद्र वर्ष सुर प्रमे द्रम्मूर सुना स्वर दुव प्रम स्कृत्राच्ना द्रशाम् सम्बद्धा नासर पार्वे नाया सेट द्रमास द्रमें द्रम्मी क्या बेर सम्बद्धाला से सर हैं भिन खना वेंत्र ग्राट से सदी वट मी मे बे कें अप्रे अट में प्रथम देव दिए वेद में अदि से प्राप्त के में चाशकार् ने स्वत् ने निया विकार में स्वत् निया में स र्यातः स्थान्यः मुद्दाः भदा द्वारः स्थान्यः ते वे स्वार्थः व वे स्वार्थः व बटालानहर्नेनाश्रामा र्रायादास्यास्तर्पत्यदास्त्रास्त्रास्त्राम् खुट न्त्रिय म्ब केन मेन सेने निर्देश्यम सेन प्रति से मेन सामा स्पट न यह के द न मन के द न मन के द न वसार्वे वर मे मुका मेर नेर्र दर्ग वर्ग में प्राप्त में मेर् ब्रैन्यनोक्षयर्द्रार्डे अन्ता महिना निष्यं अन्तर्भानी वस मुन्यस मे वश्यान्यक्षाः द्वेत्यः सार्दे न्येका दार्वः मुक्ते मुक्ताद्वादः रात्याद्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वाद ल्रे.सुर.कुटा अ.शर्ज.यटानी.चचन.चक्त्रे.ह्वाश.सुचाश.चक्र्य.नुर.सै. त्र्भिश्चर्नुष्ठिः यश्चर्द्रस्टावन् व्याप्त्रभवे स्वराम् स्वरे द्वार द्वार समा इस्रच्हेर हुर प्रेवे र तथे व प्रवाद्या नावका द्वार इस्रका कर्वे हे र्नु ए तर र्रेट्रिं विर्वेश नहर्ने ने अला ट्राह्म लेव ने अरा के अराहि केनी इस. मेर्पर त्यना व्येद रूपने व्यन्ती स्थित। हिर्देश मुन्नर रूपने वा वर्रे अर् के चल्वासद वर्षीयास द क्रियामा वेद हे नुसाय माहित. र्याश योषा ने ट. प्रसाथना जुर ह त्र रेश में रा में रेमा में बेट जा שַּקְּיחַבְּקְיבִּיקַקְיבִיקָּקִינַבְּיקָקִינַבְּיקָקִינַבְיקַקּינִיקָקּינָבְיּקָקִינְיּפָּקִין אַנְּיוּן अवर विंदः बीश वहेंद्र देव दश जादा होदा हैंदर रे पत्तु वा कु वा हे वा स्पेद।

स्यान्ति क्रिं श्रु त्याने श्रु स्थान्ति । ज्याने त्र स्थाने स्थाने त्र स्थाने त्र स्थाने स

गाउ.स्बर् तत्र विचातस्तरह्रा रहा की चार वर विवादर गाय के स्पर् त्रिक्ष्यी विश्वास्त्रिक्ष्या विश्वास्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्ति विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्त्रिक्षय विश्वस्ति विश्वस्त र्द्धरान्य मेरिक् मेरिक मारिक्ष मेरिक मेरि चार्ड है रे रेट खनकार्देन पकार्देर चेर मेर रामे तर महेर महर स्कर् व्रि.ट्रे.ट्रे.च.त्र्चा.चर.भग्रूट.विटा। ट्रे.चाकेश.मी.विट.वर.वु.पाश.मी.वदव. वसुभानुदायद्या राज्यस्य द्वान्य कुर्यनुदायाने रेदा मि विदे तम्बेससारम्युयात्रकराम्बिन्न्र्रं मंकुमाराद्यास्मूशक्त्राक्त्रारस् क्र्यास्त्रीम्याम् निवास्य क्रियाम्यास्य निवास्य निवास ला सरेडी लाहरेरी सर्घन्न र हे.चर्यस्प्रायानीय स्वया माञ्च त्र्रे के केर त्रमर प्रते माद्र संस्कृत महत्त्र स्वतः सहत्त र्यम चेत्रे नम्प्रिक्ष में प्रदेश में त्रु चु नते स्त्रु पुन मर्के प्रे के लिया पक्षायारारानुसानुस्यापञ्चित्रम् नायम् स्वास्त्रम् नायम् स्वास्त्रम् च ग्रिन्देन। इतः इस्यासः प्रीत्त्र व्यूना च त्र त्र वा वा स्रोह्म का में कित्र व्यून दे.रेचाल.क.रेबालश.रूचाका.पटे.भुरे.वट.पिकातिम्रे.पचिचा.चीका.भेशका क्रमा.चार.पेक्षका.वैर.परेचा.ग्रेर.। में.वार.रट.रेवट.ब्रुच.ह्या.द्व. मिमस्यदः देशसम्बर्धः सर रद्द्द्राम् निवस्य स्वरं स्वरं मान्यः मान्यः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं मार-मी-मानस द्वार लि-मरेने से मान सुन्मु र मान स्वार प्राप्त मान

सिर्फ्यान्ता हें है मान्य से सेर वेंद्र से मायस वसेर व हें

मानका केर क्षे दर। हिर सर हैं है महर दु केर स दे का क्षेर केर स्तित्। बट्टा क्ट्र शक्र हें हैं निर्विष्ठें क्रिंग्रेटा। जेश्र हैना निर्मा कः वृक्षः क्रेक्षः भीवः पुः संकेरः पृष्टिवः यः प्रोत्ता माव्याः सक्रेना प्रदेशस्य स्पाप्त देते स्य क्र दिने प्रायुषा स्प्रा दे स्पर। वज्र वि दे मुनाया वर्ते वि मुनाया वर्ते वि स् ब्रङ्कीर तथात्र में गीर विर किया कुर स् वे मिता शर त्योर संवे में र नहीर इन। वर्षेर्यायकेर्वेर्य्यारमान्त्रिक्तिक्त्रीक्त्रिर्वेर्याये नशित्राम् कूर्वाद्यात्वाकेश्वाम् हिर्द्यात्रान्त्राम् क्रियात्राच्यात् मर्द्रियर हिंग्रायर श्रद्धा मुंशाहे। युन्य हे के द द दे नाल द द्वार र्मुर यदे अष्टिश्यदे स्वरं के अन्तर्भ निक्त स्वरं स्वर सन्त्रिमःमु द्वार मु द्वार गुरुष्य गाव वर्षा नायाय नर स्वत् ने वर्मे गाव र र मीका क्रेन्प्रिमिं विषद्भार्य स्वर्तिन त्यारे संभी सामित्रियर सिर्मिं विष्य सर्हेन देते ब्राट पक्ष नाट ने सर्व दुट र के नासुस मुख्य प्राप्य पर्य पर् मानुका प्रति भ्राप्त देर क्रिंग प्रति स्पेत्र ५५ ५८ । मासुर मी प्राप्त देव स्नायर द्व यदे र् नुष्णु अ स्य जे सु वे दिन में प्र र र र । र रेव त.शटश.मेश.मे.दुर.प्रचश.मेश.कुशश्रयतप्र.कैट.च.टैट्स

श्र-र-व्यवर-प्रतिर-श्रन्यश्रेतुः के त्येते के त्येते ना विर-तिर्मा त्यः व्यव्या त्यः विद्यः श्रित्यः विद्यः श्रित्यः विद्यः विद

द्रेन श्रीट सूर्य स्ट्रिय स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

वर्देन्द्रः वस्वदं दशसामित्रिम् मे होदाया मदि है नु र ने सामावा । मेशकात्र्र वैदार्शका बुर हिर्। चिर वी वर्षे सुन् साथ विवेशका च्रिक्षामु सेर म्नाव वश्वास नुपर्य नावस द्वार पुर केर मी सेर वर्ते ज्ञेल. रे. परेच । हिंद. रेस. यहूरे. चेस्ता । मा. मैंचा विल वेस. हे. यूर. मद्रावु अयम्पद् द्वेद या म्यादेर वेद मेश ह्वेत ह्वेद नुर वहेद स प्रमुद्रद्राचेनास्र द्वानास्र द्वानास्य ने देशा द्वानास्य प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच प्रमुद्राच प्रमुद्राच प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच्या प्रमुद्राच्य द्रमाध्यामाना नहूरी या मैं या ने में यो नार निरायके र नूर् में का मक्षमा सुरी चियादेर वेंद् से माट प्रकास स्पेर् पर्टा विमाय सम्मा सेवे द्वार यश्चर वृत्तान्त्र संस्था सुरा स्त्र पार्ट । यश्चर विहान सा स्त्र पार्श्वेच हुर् के वर पहुर नाशला में नार में रेत्र रूपाश नेपाव नेश के छट भना चे भूरे गारा ननार नमा भामक्ष कर न्यूर स्वास निवर् पर्व च वेर्र्न्स् स्मास वहर्रे रे ब्रोट स्मा वन न वर्षे राम व व वृट लेटा देखर खेर विनामें प्राप्त भेता देव के के त्र हैं के दन के दिन क्रिं खेनश क्रिं हिंद मिल्द न रमना देवद हैं खट हेर न स्दर सर स्मट है द्रेन वर्ष वा प्रस्वा र से र व्यन र व्यन र व्यन स वा मान र वा मान ट्रे.लट.च्येरे.चेश.वेट.बुटा ट.टेट.चूट.चूबा शृष्टे.चटब.क.चार्थ. ब्रस्ट्रेन्ट्रा सेट्ने ह्याटानु वयस व इंडिंट्रेन्ट्र हेर्ने हेरा हेस पदि हा भूत्रे निरंभ देता क्षेत्र त्येर निरंभ ता स्तर देश त्ये विरंभ विरंभ विरंभ देश तथ ब्रीट हेर् जेर पर्रेट स नुदा दे स्नवस दस दे उदे ह्वेच हेर दरा गड लय लय वंश हूस दर्। हूस की चाड़ र कू अर जा किया जा वेश चाई स व्यायसम्मान्द्रित्राञ्च साञ्च द्वार् वर्षे व त्रिवः वैदः श्रूपसः दे 'देदः [यसः योदः मादः यः द्वासः स्र्रेरः माद्रासः स्र्रेरः माद्रासः स्र

लर्ने अन्य नहें ने प्रमी

वैद्व के त्या सम्मान्त्र के दि दे निष्य सम्मान्त्र के त्या के

भेर्ग्नाकेशनासुमान्निः श्रेन् स्त्रीं गानुः ष्यम् त्यम् यस्य स्नान्य शानिन् श्चेर में वसूर नुश्राध्य रेट में विग दुश्य या भेश में वसूर दे वै धर्गा इट.स् ७.इब्र.वश.मे.वचाचा.क.चश.चुचा.लुब.लटा मी.वचा.चा.लुट. कुर डि.वेर ट्र पड्र नुरे के अपी अर् ने ने ना की र ने ने प्राप्त के भेदायदे सामाद सामाद हिम्मानु स्ट्रिंग यह यह सम्दे से है न सामा मन्दरमेत्। देरायहेशम्बद्धाः वदान्याः निर्माद्धाः विम् तार्सा तहें दे हैं दे हैं र हे सर्टा दे दे हिंदा में सामा हिस मारामा मु द्ना मीस वर्ष भें न सर वे दे रे र अन्य द्व से य वे र के य वे नसमार्ख्यार्जे, येप्तर्प्य वृद्धिः वृद्धिः त्यार्ज्यार्यः मार्थः हिसास्यराचेतसः मत् खुयासुदाद्वर द्वार में दे रेट स्यान्य क्रिके के स्वर होत के सुन मिंद र्हेर दे पद्वे पद्दे पायर व्याप्य स्थान दे । विकाय दिकाय वहुर वर्ड अ वेद १ देरे अदाय देर हे अदा मिं वे हुन १ स्वर हुट श्रूर.वे.व्यानाश्रद्धाःमाराया श्रूपरादेर.वे.वर्ष.वं.व.क.लट.वर्दर.लूर्। मिट्रिट्र मात्रमानु मोट्र मिया खुदारीट चुटा केन में दे मात खाद मी. मह्त्र-गून्या भु दमात्वीर दर्। यूर् गु दर रहा रवहाया वर्ड पहूंचा नेरमेर्भामस्याम् निसाम्बर्भान्तिः विद्याम्बर्धाः विद्यामेर्थाः र्केर भेर केश मार्दर र गेंश मेटा वर ने रूट र नर है इस श नहेंद

मश्चिर १८२मी मश्चिर १८२मी मुद्धे गुरु १८२ १ मिश्च १८ मुद्धे १८ मु

ट्ये.चोड्ये.च्यं चेट.जांचश्चात्रेयं चेश्वः ज्यं द्वाचंडशः मुशः ज्यं विश्वः वे द्वाः चितः विश्वः विश

वस्य द्वार् भी प्रतुमा

व्यन्। यदी प्रविद् यञ्जय छे द श्वीद की रे द द निर्देश य के नार श्वीद की र वैचाशकार्याम्रहरूत्रेच ।प्रिंदरवसा में नार वृष्टा द्वार मी ख्रायास्व वर वरेदाना सुना नी से हैं दे प्रशंस हैया वहूर मुद्र सुका गुरा दर्नीना । में वृत्र हेशन्ता नाय श्री हिन गा हुना नु खेन हा पर्ने पर नहीं नार निविद्यंत्रास्त्रास्त्राम् निन्त्राम् निन्त्राम निन्ति निन्त २५न । गु3 अर व्यर में अर सूर्य क्रें उस व्यर गुरा गासून ५ वर्षे कुर वना नहिंद नुस य केवा दे दना श्रेद देंद मिंद स प्रेद पर मिं वे वे खुभ कु मे मह रहे वे सर वर्षे द्रेष पर हैं स स्ट्रिंग्स के स वनाव विना खर त्या व्यक्त विश्व नि स्त्र ना त्या देश स्त्र व स्त्र ना त्या व स्त्र ना निर्मे वृत्यम् विदेश स्थादेर दिवर्त्तित् के स्थाद्यादेव विदेश के के विचारव्यद्रात्त्रस्यात्रस्य क्षास्य स्थाद्ये स्विवाद्यात्राच्यात्रस्य स्व नश्चर संस्था द्वापा मुना नु मिर दे वे प्रसमायर मिर दे मुनार नु नक्त व तोनास पर निर्देश प्रकर पतुना देव श्वर श्वर हिन **ब्रु**र ख्रोट ख्रें अंदर स्थान नाट खेट ख्रें विट नी नावश खें का हे दे नि कु.धूरा वि.वेच.वे.चिर.सूर्याया केर करा वि.वेचा चिराचीका तिश. तुर्य. तुर्य. तुर्य स्थाय विष्या क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र स्था प्रत्ये क्षेत्र स्था प्रत्ये क्षेत्र स्था प्र चेश.र.रेट.जर्मानुनाचेर.मेर.सुश्रस.धना.मेश्रट.पक्र.चेश.रा.जुशा

इ. धुर. चटका चीडः ची क्षे त्रेश त्रव क्षेत्र त्राच क्षेत्र हुर वि चर् ची वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे



ज्यात्मा हिन्द्रम्

मः प्रस्तान्त स्थान्त स्थान स्यान स्थान स

दे र कु ऋदे दमन दर्वे (विन) दें अ वशु सदे छेद सु ग **श्रद** छुश केद'रवेंर्राचेर'वा**नुःसे**देश्यशादीर'यदे दर'दश'ख्दाची दनादा**से**श'ः भिर्म्य ने मुक्ष मित्र के मार्थ ने कार मित्र मि इस दे.चेस. मूर्च चकु च.से. भुरे त. चिवर देच . केर्ट विरक्षे वे विर्नु र केर मूनिया व अनेर विर्मित समि समा सर में सिर् णुरा मिर रर हैं नम रचे वे भ्रेग नईन एन स नहन ही वेंग नु हैंन हर्नेशः यर यहेरः एक स्मूर्ने श्राम् स्मार से से हो दे । इयस से दा क्र वे नाम नाहेमादे १ १०४८ व्याट क्र वे पहन दमन मिट्स नुनास हे स वर्षेत्रे द्रारम्भार् वीर्मराम स्वतं मूर्या वर्षा रहेट। राक्ष मीरा बट. तब्ब. तुर्भाता नुसारे तक्षरा भेरा है स्यर खेर भेरा भेरा सामी के ५-१ मुभःही मिन्सणाहिस्रामा हे स्रान्धी मुद्दाने र दु ह्योट स्राथ दस्स्य र र द नर्रे हर वहर हैस लर्ग वेदु है के मिर मुहे ह वे दूर। देश का मक ल्ये, तथ चत्री हशा शुक्ते, यदा और भूग देशशार दा पर्टेर केर तिश ये मे बैदै:इम:वनुर:हे:दर्:वेग:वध्रामी:व्येद:बेद:वर्द्र:वुर:वर:वर्दे श्रामोदेश.नु.मोश्रिय देट,। क्रे.श्रम.म्रोट.भूज.मेश.म.क्र् मृ.वट.रे.७७०० ज्मे वना वस न्रे रे हुर ज्यून वस प्रश्न वह दस के मद रदा में त्रें प्रशासित क्रूर दश कुर निर्दे दें देर के की क्रमश द क्रूर न्यर महीर हो र मामक सेव मार्टा ट के मिर के के सेर सेव अव ८.क्ष्र-१४८.ची.४८.४वट.लुट्.रावे.४८.क्ष्र-क्ष्रिटश.पद्देवाश.चेव्.१४४.... लेब र्लेट खुन स.ट्रे.ट्ना लेट चर द्युच इनस व उंट सस द्वट चहुँदः नेद्र द्र्येश वहाद्व वद्र वहुम उद्ग नु वद् वस नेद्र सुक्ष गुर सेवार

श्रीदायुक्षादे दमा त्यना त्येदादु प्रमात्या हे मा है व मानुदानी त्यक्षादेव है । वद्वेन नुसं मुद्द न्यूरं सनुद्दे क्रिन न्यूरं नुद्द सनुद्द सन्दर सनुद्द सन्दर । वद मी.रट.रेवट.उचेट.अचस.जा.ठवर.चड्ड्य.चीट.बेव.रेश.च.कुयी ह्यी. सर्वे कर मुं सेरे देस प्राप्त राम्यार नार सर मुद्दा अटा हे श श मुं सेरे यश्रमःक्षितःर्रे,ट्र्याताःक्रीःक्षिताःत्रीःनीयंथाःभ्रेषःद्वेयद्वातारःक्षेत्वद्वेत्यवेशः ली न रा. इ.स. च बुर मारा पर हुमारा चुर मु मेर पर हुर प्रमा न र हुर प्रमा न र र भुःभरःवशःमिःभुरःपुर्दात् पुःदशायनीरः हुवः द्वरश्रदशः द्वाः वृः वृःवरः नैः वियापम्या विदायम् हरायमा नेशह्याया विदाविदा। देवीम् अर्थना चार्डः च.ड्रे.चर्.चर.खेच र.जे.श्रे.क्सरायु च.खेच श्रास्त्र चर्य होंचा र् जिंद मी, लूर त. रेप्रे मी रेप्ती, लुरा वद रेप्ते लेप त. हुर स्वा सर हुर स्वा सर हुर र रदान्बुद्धुद्धुत्रिन्जुद्दुद्दुद्ध्यात्रे के स्रूरं दुर्स्ट्रह्म रहमारा देश लूर् नार्र्या वर्षे,क.चर. टक्केर.चर्.रुचेश.श.सिल.टे.के.शूर्, हे.हूर्. यना भेत्र मुद्दे र केदायश्चवश्च उटा श्व कर् के हुँद् यश्च वर्ष साहे ... विद्याप्तर हु तु. श.वंश. पुंश हुत्यंश विद्य हु। इद्यूर, श. हुंश तर पूर् यानियर्नातालालार्दे निवियलन्तियस्य नुसार्द्वे केटास्य ह्री निलेटः केन्यं वृत्विता देख्राक्षेत्राची के वदेर् प्रवे प्रशास्त्र स्राह्म नर्षेत्र-पेचोश.क्ट.ह.अर्बे.ह.शर्बेर-पंचेर-अपशामी.भूत्रश्चार-वीर-वृ.

माराक्ष्या।

माराक्ष्याः भ्रमान्याः वित्ते में निर्मान्याः वित्राः भ्रमान्याः भ्रमाः भ्रमः भ्रमाः भ

च्र. न्यान्य स्त्रात्त्र स्त्र स्त्

म् त्मे नरमी तक्षेर इश्हरास (बनशर दे दिर से अर मिर्टिश

मीयाङ्की खेब नियामा निया निर्देश हैं निया प्रमान है के दिस्त मानु स्थान न्द्रियट पिता में निष्ठा दिता देश हा पिट में श सर गर महिना श द्वाराष्ट्रय प्रति केर नुतर स्वता मिर मीरा दे ता ल्या वले रा नादर लेटा मुं केश गुर में ना सदी कर दे ता पर्देर प्रवस धोर् से द है है र दर्म मां कर मट,लट,चेश्र.थ.वैट.। ट्र.ज.मे.श्र.क्यश.कु.मेज्य.मी.श्र.क्र.ह्य.ट्र. मामरादे रीमाशामिर राष्ट्र दे न श्रुर्ते ताहेना क्वा नेता न मामा श्रेत्रह्रेत्राह्रेयाशुःहे स्ट्रेर नेत्रक्ष्यायमार्थमार्द्धेर द्वामार्थानु वाया द्वान हिना: ऑर्-राय: इन वित्र मेराय: नुया खु सामानुमाय र सामानु स्राय हिन् स. इश. तश. मूट्. ची. पर्टे. पेहचीश श्रेर . पेचीश प्रिंट . श्रु. श्रेयः बुरी वूर्. भ्रम्भिद्रायाचेर् भ्रुत्र सुद्राम्भाष्य द्वाति तर् जेम क्रियाच्या तर बि.मैं.लट। में.भुर्य तद्य त्यायक इ.मे.भुर तर कू. म् र्य त्र मर्थ. बिक्षेर पहें श. में होर अं अंतर विराहे वह ले शर्रा श्रिव हें र में पहें प वनान्यर सेन् नु नार्केन् न्नोंक कुरा।

रविट.रेशची.ज.रेश.सेवश.टुश.सेर.में. तेवच.मूज.डुटश.में दश.शट.त्. चैशाल्र् हुर। में भुरु रिवेट रेशनी में शाय व्यापार । हैं नर शक्र र कर्र-रेनास-र्-ात्र-वेर्-होर्-ग्रेस-प्रध्य-र्मन-रम्ब-४ स-र्-ास-५ हिंद-क्रूर वर्षेत्र मुन्नस वस्य पर हुन्स यह मुह्दर द्वा मुह्द महिता द्वार ियो.चे.चोबकायतु.सुरःश्चे.सु.सटाबचीला.कुंबालूट्.सुट्.क्ट्रा.सूर.स्चा. . मार्के से नजर मानुसार नुमायर नहेवा मोदामासेन रहा। नुमें निमा क्रि. संस्थान के प्राप्त में में में स्थान के अंदर में तिया प्रिटिन सी वॅ र्नाय र्केर रमा त्वेन सर्ट वर्षेत् वहना मुरा है रेम विदे मदर चार्डर् गुरु र्सु गानासर् महरा सालेर रस्द न रस्मा हर है के सु चिश्वर मुन्य देन देन देन पर्देश मुन्द विद्या निया है से हिरा है से पर्देश क्रीमदायानाकृतानार्वेद्रादमुनार्वेदायानुदाद्येदाद्वेदाद्वातानार्वेदायानार्वेदायाना सरशःमुशःवर्द्धमः**स**रं ५८सः वृण्णः मुनःच र दः हेट स्वा हुनः वः स्वेत श्र्याश मिर त्रायादर। वायर त्र्यापिया स्वाहिश हे हिरा दस्याश मी. कु.विश्व.चूर। श्रुव.चौ.रचा.वेरट.झैक.ठचेंश्वराटचेंश.वचेर.इव.वच... चिस. पेरेचा वि. इंतु.स. रिज. रे. रेतर परे पश्चिश सप् . से स् ट्रेक्ट्रियंशर्ट्श्यरेटा ट्रियवेशत्वावाचिश्वक्रिशरावेर्ट्रेस्ट्रेक्ट्र नन्म पदे ह्यू - नु - नु स्थानकु - के - रेन् स पदे ह्यू दर्भ कु नु - नु - स्थानकु - स्थानकु - स्थानकु - स्थानकु परे भग पु स्रेर् पर पुसरे अपर भग र पार्ट भारत । पर्देर् चयस सेर् पर्दे दस प्रमुर हेर में प्रमूर राग्य पर्वे मुख्य सा में महेर् पः मृत्रि महरा सुन्तर मुर्ग कर महिं नाहाय हैये श्चर्रात्यीर वेशर्र्येवश्चेश्चायरम् अरु मानिवायरियामानिर मूर्टिन म वंगानाबर स्त्री क्षेत्र सुर वर्षे वेच ववस में केंद्र ने नाबर स्त्री हर.

म् भूतु,रेथत्रस्त्र्र्य्त्ति, स्रीर्ट्रेक्ट्रिंट्रेक्ट्र्यंचर्सिक्यंचिर्ता

चक्र चक्र संश्चीर मी क्र के ने त्र के ने त्र के ने त्र के ने के न

ब्री.लुर्गा।
व्यवसान्त्रं त्र्रेन ब्रेच्सर्टाः। देवस्त्रेच्यस्य स्ट्रिंट क्रिंट क्रिंच क्रिंच स्ट्रिंट क्रिंच क्रिंच स्ट्रिंच क्रिंच स्ट्रिंच स्ट्

क्षेश्वर वर्षे भर सुनामाममन्दर । ज्यामर् दे से मे दसा हुर सर्वर मि.डे ग्रेश लूट पूर्य रूप रेश वेट प्रश नेना हूर प्रहेट में र हूट रा समास्त्र हे दे नायर वर्षेर परद स्त्रियान मा सूना भेदा M1.M2.1 मु सर द्रम च दे दे द म्या दर्ष दर्ष मार दे दे आह म च दे दे पर पर पर मार मार पर क्रिं बेरस्रे रे नाथामुक्रिशन्त्रां अवं विक्रिं निक्रिश मिट क्रिं सुट लूट.चंब्रेस.मु.भट.वेस.च्याठ.चेसा.चे.शेव.ठवेल.वेश.चुटा। मी.मुप्रु. दशनाद्वर्राह्मराष्ट्रीराच हार्चर्-परार्खे ग्रह्मरावे क्रीह्मराद्वराष्ट्री व्यक्षा ... बुद्राचर् विमा त्रे मुद्रा द्वा भावहूर् स्वा सामा ना मान स्वा विमा स्वा विमा स्वा नुरकेर वर्ष ज्या विद्र के के निया कि कर के निया वर्ष ने विद्र ने विद्र ने विद्र कू तु.मुं.चे अटा ते श. तम बु. यतमा सा चैटा चर पट्टे यत दे य करे हिंदे नुम्मस्य स्यास्त्र दे से साराय हे स द्वीय से होन्य दे स्वास सहुद मिस्र वे र भे मे हिन मु केदे राज्य स वे व मूर्मिस हैस मान प्ना द प्ना द प्रहित परेचाता में भूशक्षित्र मृथ मुं कु. मो दे तर ब्रिय वर्षेच वर्षेच श वर्ष <u>৽৽৾৽৽৲৽৽৾য়৽য়৾ঀয়ৢ৽৸ৼ৽ৢ৽য়৾ৢৼ৽৾৽৸য়৾য়৾৽ৼ৾৽৸ঢ়৾ৼ৽৽য়য়৽ৼয়য়৽৽</u> लूर्में बुरामें अक्षेर्याचीर वैदार दर्यार वर्णेर् हे विद्याप्रेर में लिया मञ्जूर्यारेर्॥

न्द्रत्रेष्ट्रायम् स्त्रेष्ट्रत्यक्षेत्रत्यक्षेत्रत्यक्

षा. भः पश्चर में प्रचार में खेर या ता है केर मुरावर मा विद्र के प्रथम यर दे दे देहर नहा नु के रे तक दें में से से ना स विना या नहें र द क सा सरावहर्त्तर सुन्दावयस सेर् छेटा। नार सुरायना वर्षे हैं रार्से राहेर हेरा व्यथा सेत्रप्राचे सक्स सा अदा अदा स्था के कि प्राचित्र हिसा स्वर । दे यश्र मिन्त रक्ष के र हर् दी के र अंश श्र श्र श्र श्र श्र श्र हर हर हर हिन हिन यद गरा विदा दिलाट सूर है किया है किया है किया देश के कर है से हिंद की कर है ल. उड्डाय १ ने प्रकृता वन वर्ष वया वया वरा के के प्राय अक्षर प्रकृत परेचा । श्रदः कु. च.बु. हु श. द ब्रि. प्रह्मार श्रमा, मूर्यः विकाश हु. हुर हुर यवर क्षे.शर.वेट तेश.श्यालश.धुरी ८४.मे. मु.मु.हर हि.रच.रे तंदर, देनम् रापनापु द्वीरावस्त्रस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रास्य वर्षेत्रस्य वरस्य स्य वरावहेरास्त्राभटार्झे नाभेटा छे।वरा छे.वु नाहिंगा सेरा ग्री रागेत ष्ट्रचिया ग्रामा हे के हे हे हे वा नुस्कृत है के वा निर्माण के वा निर्माण है वा निर्मा पहर्यन्मना समित हूर हि. च पु.सर्बेट क्षेत्राच बट हे लूरे है। हिट हूर रू पर्टा स्टालील स्रुप्त वेच वा श्री स्टार्टा सुस्री मानी श्री वा सुना गुप्त ब्रॅंशनिर्देशस्त्राचे क्रेटस्ट्रेंटस्टेलिया वेद्रामर स्ट्रेंट्राका हुता दुरा ववे मु सेने हुँ र दुं या दर या दे दमा सु दिना मीस हैं संगुष्ट र प्रवेश ही स *वे*ॱध्रनःक्षेप्रच वे श्वेरः चर्टा २ व्याचा स्नेरः मुदः क्ष्रायः स्वेरः या **वे**षाः स्वेरः या अ·코시 [전도·꽃이 글 '대리'편'저도 '플 '됐고' ' 도·통·너무도 한 ' 다 문 비'교 도 ' में.चडर.हे.में.कुर.स्यारहेरस.हेर.कु.लूर.चररा सर.कुर.सैर. भ्रुं व वेद्रच व दे दे में मारा खुया हाय के दिया हूं या दे कि का मारी के व णुटाटसः हेर्नु हो स्मिन् वेत्रवस्य सेर्नु पुटा।।

न्याणी विचार पावरी के विद्यावया र प्राप्त के कि है साम्राज विन्नामार प्राची वर्षा क्षेत्र विनामार प्राची में विन्ने विन्यित विन्ना प्राची विन्ने र् उ'स्'्रे देवित्र राष्ट्र अट अट स्टि मि वे दे नश्य यह मि मे से र्ने रात्रे से र में प्रमार ने बन सर्मिस वे स र्सेन में दान दार हा। स्या केर-देन्याम्बुर-देश र केर-विकेष है-वर्-विन्युद्ध-अर-देवि-वर-द र्ट्य मुद्दारा निविश्व क्षारा वर्षे से सम् मित्र मित्र वर्षे प्रमान र्खु र स[्]त्रयाया जु से ब सर्र मार्चेर क्वय ब हे र हे स्ट्र सुब स र दे र हि र र विद्याञ्चना सुरुष्का क्रमसामा अद्राप्त है स्वाप्त विद्याप्त है स्वाप्त है स्वाप है स्वाप है स्वाप्त है स् स्रिमः क्रिया में विराद्यां त्या प्रत्या क्रिया क्र त्वनक्षात्त्वत्वेन वेन में देश महें का क्षान्त्वता न न के से त महिरामुर्का में प्राप्त प्राप्त प्रमुख्या स्थान मित्रयादीरावर्गे है एक रेट्राके वर्षमा द्वामा रहे व देश वहेंद्र र्मेशन सन्त्रसंभीता वत्रप्राप्तराय्रीक्षर्भन्त्रम्भीयम् विद् प्रश्नि क्षेम के रहेर सेर से न माइस राष्ट्र के निष्ट्र से के से के राष्ट्र से के से के से के से के से के से के कुट वि । मिं क्षे ग इस प्रे केंग । २ इस र सम कें दे में सर्वेंद्र र इस दिना येश्वरम् मे श्रुरानार भर भे ने र दे र दे र दे र दे र से में र प्रति स्ति से से वर्षे रायदावर्षे में भूति विश्व क्षेत्र विश्व हिंदी हैं विश्व हिंदी हैं म् सर्क्र् राम्नानवम् बादे त्यकातहत्या मुत्री हमात्वीरा नहें के जिला मि जुन्ही विंगाम रे.रे. रहेर्द्राय विंट के गामश्रामे राहे सुर पुत्राहेश विस्था रेना स क्षेत्रे ग्रें अर्के र व्यट्ट नियन्ति सार्थ है य ह्येन निय की व्यन् वन्ना गुरा मिस्र र रेनास स २५ वेग नी य गुर दे या ही संस हैर इसर सर

यत्मान्यस्थान्त्रान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्

श्राम् अ. जंटाता अ. श्राचे त्यं त्या श्राट दशवा केट त्या श्राट व्याप त्या व्याप व्याप

त्र्मां भर्ते भूटं वैद्यात्रे थ्यात्रे थ्यात्रे थ्यात्रे थ्यात्रे भूटं व्याप्त्रे भूटं व्याप्त्रे भूटं विद्यात्रे भूटं व्याप्त्रे भूत्रे भूत्ये भूत्रे भूत्ये भूत्रे भूत्य

५-५८-मायाके नदे मार् दे देवाया कुष्यहर संदर्शियाता क्षः श्रें श्रें श्र रापते 'देते '**दि**ना'कु' श्रे रापस्त 'प्रेंदे । देते । से रापते । से रापते । से रापते । से रापते । वर्षेट्यावर्र्यायन्दावित्यामिट्यामुर्थित्यम् ग्वित्याम् वर्षित्यम् कुं ज्याचर्य कुरातप्र कार्यियायका वैदालदा लाजायक्रें रेटी हैं सरहूर ह्नायर्नाका हेर का वर्षाम्बर मानुका मेहा। विहार वे सिक्त वहर्ष प्राप्त हुँ । ब्रीट दे अर अवत सेर पर हैं दर्भ र विद हे अट र सेट । दिर दा यगवःवनानीसःल्नां श्रुतः रानवित्रद्यसः नाराधाः स्टासः द्वसः द्वसः द्राः श.चोदश.लश.सश.मी.मी.शहूरी चो.ल.शेंट रेशमी.हु.टड्डिश.स.टडेंची.... मश्राचित्रा होत् मा क्षेत्रा गुप्त मानु । महित्र गुप्त गुप्त मान् । महित्र हा के मही । स्वासरात् हे तिश्रास्वाप्तस्यापारि द्वापाराप्तार्या राजारा श्रे स्वारहिशः यानदेवः निम्नामि द्वास्यराधेव कुष्णेवा बेदार्सेन्यः नहेर्ने नि हैं दे से सर या मुक्ते र के दे खुवा नु दुर्गे र मिर से द या दर । मुक्ते য়য়२ॱॿॕॣॱॕॱऒॕॕॕॱॱक़ॗॗढ़ऀॱज़ॕॱय़ॱॸॱॱॶॸॱॿॖॕॕॕॕॺॱॸॸॱॱॸॖऀॺॱय़**ॱ୴**ॺॱॶऀॱऄऀॸॱ१ मुश्रेशराई देन्नुरायार्श्चर्यहर्न्डिरायर्ट्यराहम ।इत्यावस ८मुंअस्तर 'गुं,पद्यसम्बेल,इट.लिचंश.त.भूचो.एसील,डे.चेर.क्यूट,हु.चूट क्रिं पहिरूप्टर्स अर्थे वी अर्पे प्रवस्त अपस्ते र विद्यापात वर्ष मुल इट जिर्माश राष्ट्र वेश जिमाश मिष्ट वेश सुर रा हु श रार पुरा प्रमाणि । मु नर नु खर् यते वर् भे तन्त प्राप्त वर्षाय व मुल रेट सुन स परे शर के के ने किं र के शे के ते के ला के ना हि पर है ना म के श के ता है ना है के ता के ता है ना है के ता है के त न्निंशकेरा वहेंद्र देव दे त्यादेद दरा वनाय शना वहा के त्या दर्गामा हैन

दे.वश्र के.शक्नोवेश्र विभा ब्राज्य प्रेची यो विभा विभा क्यो वर्षे में कु. श वर हू. र् स्रेवश वर्षावित्वार निगर्ता के सर्रितर विभाग ह स्वी. इ.क्ट.श्रुटा मे.भूश.च्ट्राष्ट्र दु.बे.वर्ष.जश.चेट.तर.लट.मू.श्रुद्ध्यमूरी मुँदामुद्राद्धाः में पहेंद्रश्यः प्रमार्द्युः प्रमा से सद्य प्रमा वेदा में स्रविताविची दे.लूर् तर्ष्रमी सुर्टा विचैतात्रमा सुरि हैं य नेर में पर् दे-भेद्र-पद्रे-प्रह्माक्षानी 'अकाद्द्र-कट' कार्यद्र-मृतुटकी 'प्नाद्र-प्रद्र-स्राप्तिय प्रस्तित श्रीय मानियान्त सामार्थानियान्ति हिम्स मट्यं नेत्रविष्यं में में मट्रहर। यावानविष्यं में हुर्वायर विष्य नेरश्मित्राधित्वकारे १८८२ द्रम्यापि नेर में र द्रम्या द्रमान हैं । या रेटा अवश्रारमें भ्रारमें यावनरेरी मिट्क भ्रायदेर में वहरे मैं भुरी भ्रमान्त्री, हिंदी, ने हिंदाना हुरे किया ने का नी कर नी हुरे होता हुर। र्मनान्त्रे वदान्द्राध्य प्राचित्राच्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त द्यानारार् भी र जिस्देर सुर सामिर मालेबा होर हैं साम द्या होर यान्त्रस्य मुद्रासदे हुनाक्षास्टर्द् सेन्। डेसप्टर्ट् पर्वादि सूर स.क्सर्स.उहत्वरंभवात्मित्रकूर्टाः। च.द्रश्चर्यायःच्यायाः हेः मेर्दे (अबेर-रामेर्दमहर्मा पुरा

भ्रीत्र, १७१.७ मि.च स्थानंत्र, कुरानंद्रचा भ्रेत्राच्या मीश मी कुरावर्त्रका डेर्च वे.रेश.कुर हुन में सूर रिश.चवर रहिने नधु हुँ जिस ही सहर मुर्चेर्र, रे. संग्रह, कर, नाइना जना हिट. रे. लूरी सेनक र्रेड ट्रह, सुमस. मु मानस हर हे अर्थे र श्रेय नवे "नट र्ने है मा रावे श्लेय श्लेट मी मुमास " मूर्नियायाप्रवा एकेंन्सूनिर्देशकी हुना एहेन्सान्गर राया प्यत्याये श्रेचशःश्रुःभारत्वे के ह्यूचःम्हेरःश्रुःभव्युरःगुरुःचेत्रःदिःभ्रवःचन्नदःसूचः हरा विवर वहूर हे स्थाने प्रायास्य कर दे र र भी दायास मा ५·५८:अट:५े:रट:अव। नाय:शेर:ने स्नित्स:युट:व:अट:र्स्स:मार्द्स:सर महेर प्रवत विग नेत पर्दे पर्दे । स्मोध मन्दर हैं व रहे र हे व पा हर। क्यू राष्ट्री राष्ट्री साम्यामा प्रदा**म्या**चा सक्या प्रमाणिका क्षेत्र पुराष्ट्री स्था क्ष्री साम्यास्य स्था क्ष्री स्रार्ट हैराय केरानु माया के देना करायान्य। वेर एक ही करा ने प्रकेर देन नुसाने र न्मायते केंस के प्रमान मान माने माने प्रकेर ने ७५.९८.९%.सॅ.प**चट.ज.**भट.८%.**सं**४.म्री.पुश.मैंटे.लूट्श.शॅं.ट्रू४.. चृरःश्चेषशःतरु:२०१२:च?:श्रःभेशःरा**.वै**रः॥

महत् क्षेर् दर्भ मुक्त क्षेर् के त्र के त्र

श्चीत्राचा न्यम् कृत्य गात्राक्ष गुगस्य न्यान्य न्यान्य स्ति । भ्वीत्राचा क्ष्या पुरास्त्र कृत् भ्वीतानु स्त्र म्यान्य स्त्र स्त्र

ल्हा न्यक्त क्रिया होता हो हो हो निश्च स्तर हो स्थान छ हो ने क्षेत्र प्राप्ती मेश स्वर प्राप्त हो हो हो निश्च स्वर प्राप्त हो स्थान हो हो स्था हो स्थान हो

भार्ती निकार्या प्रस्ति विश्वादा कृती हुन , विश्वाद्व ने हुन हुन , पश्चित हुन । कि प्रस्ति के क्षेत्र प्रस्ति हुन । कि प्रस

कृत्भः त्यमः श्रेटः प्रत्नित्तं कृषः कृत्वं कृतः कृतः विवाधः तर्नु त्याः विवाधः तर्नु विवाधः तर्नु विवाधः तर्नु विवाधः तर्नु विवाधः वि

व तंत्रमः अभ्यात्वेदः स्त्रां । नाद्याः द्वायः वदः स्त्रमः भ्रीः पुन्ता । नाद्यः द्वायः वदः स्त्रमः भ्रीः पुन्तः वद्याः वद्याः व्याप्तः द्वायः वद्याः वद्यः

त्राच्या क्यान्त्रम् अत्याक्ष्य प्रमान्त्रक्ष्य प्रमान्त्र क्ष्य क्ष्य

पहुँ निर्मा। पहुँ निर्मा देश क्षा प्राप्त क्षा महूर् का महूर्य का भेषा ति के क्षा महूर्य का महू

मुं दुः सद्द द्वेदं वा दम गुद दा मे वद मते पाव पाव दे हैं दे र मर्दाय देश मिंदा था ह्या तहन है दे प्याप्त हैं । हे प्याप्त हैं चय.ट्र.यु.यो.भुट्र.ट्र.यन।हिंद्र.यु.लस.प्रेटस.ट्र.थट्र.थयं अथयःभक्षमः व ल्री व्राधीतायमानियामान्यात्रात्रात्रान्यानु क्रिक्र दे द्वा वद से माने के दे पर्दे हैं है पर्दे हैं है पर्दे हैं है पर है पर है पर है ने पर है ने पर है केत्। व्याण्या क्रिक्तराचे कुमिष्टर र दें साचे दार्बे र केर् क्षु सदे में मदर् हुना दहर में बुव य में दिन में दिन मदर है वर फीड़ इत्। द्रायदे न्त्रास देवै वराचेवस द्र्योस पर्व वसस द्वार देव दे देव द् भामक्ष्रात्वे गासे । दे भामे सामने सामि प्रेंद्र प्रवस्त से निर्पा के प्रेंद्र रदानुसारीकार्यकृर्यातासूत्री हैची.तर. टे.लट.टे.जर्ज.में.सी.हीट बेद'यर खेवकद्विका **फेर्**दादाद्वादे रक्षानु हक्तर 'या सहस त. हुं च हुं। जिर्च ह्यू जा केंट्र चेंद्रा दे र जातु. में साचीट. टे. हुन द्रा पिट. श्रीतार्थक्षत्र, हे. ते. इ.जि. क्षेत्र, तकर हुन्। ख्रतमा तम्म विमुखा तीवा ने निमा भू वर्जीशक्ष वहीं वाक केंद्र विश्वा वाक सुर वर्जी लवास है देवा सिंहर . र् वश्चर वर्गना छेर र में शर्र दे हैं अस्तर हैन से असर ल हे सर्मर ... महर्रद्वारायर पर्वाक्षम हे सुर्दा सर्व रवर के स के मेरे रमन न्वेंद्र'यः कु सर्वद्राहः भेदः नाहु इस माद्र : भेद्र 'यः वे श वुस प्तरुप । दि : देव दे रिना केंद्र भरे .के वेर .हु स.मिट मिट .ला . हार भ्री वर्ष निवर नीर है...

पहेंद्रित्नुना/ स्रम्भ स्वाद्ध्य हैर देन स्वाद्ध्य स्वाद्य स्वाद्ध्य स्वाद्य स्वाद्य

त्वाव त्वा ल्वा र्वा मा हुं अ विश्व के स्वा के स्व के स्व

देव.भट: केंद: ची. चेंद. में प्रवृत्य कट ऑट केंद्र दें : अया पर 'शुं शूट' र्मण्ये'दम्बेस्थ'वईर'वेद्'कृ'द्द'। के'स्ट'द्स्थ'गुट'द्वस्याक्ष र्शःभावम् वर्ते प्रकर मिन प्रभावि । त्रम् में भ्राम्य मार्थिक त्रम् क्रिक्स देवी भ्रेष नी द्राप्त क्राया त्रम् द्राप्त मार्थिक वि वर्केर कुमिश वहेंद्रिश के हैं रहें अस वर वन्य है वर्ष से शायर वर्जी स्ट्रिंद श्राष्ट्रम्। र पे. र श्रम् स. स्यात मी विषया पीया रा पर . य. वर्डे ... र्के वे वस्रअयर क्ष्म गुद्द वे द के हैं अ**म व**क्ष वक्कि के केन य केद ... ग्रीटा। श्रे भटावेश रे.जमु.में.अ.शहल.बे.वु.कुट.कैंट.मेर.चर्चातावर्भेट्र. वानु समामाना वर्षेना नुसारे ह्या दिर कुराद्य वुदार्हे ससा धराना पश्चामे ने दिन से निया देर हैं संस्थान सामा देता देर गुट देवे प्रस्था वु नै ने न पु दे न माम नि के सर्वे मुरा कु मेरा स्वर पहें न पहार है द मैं १. ५ कर निष् सर् तिनाम मों ह हिर ४८ मीट नी नाम कुर व है। दे हैं दे में द्वार दे दिए। व्यास से दिए सदी से सरायाद्दर साञ्चा रटा वस्तावक्ष्याहाक्ष्यानुष्याहाक्ष्यानुष्यान्याहा वशाद्भाक् अपूर्वा सूर् हर हर 5 निर्मे के हे निर्माह कर निर्मा हर बारामा पर्वाचा निर्वे वीर असस समा है के से से दे पर पर पर पर दे ।।

प्रमित्र निया के क्षेत्र ने निया के स्ट्रिंग के निया के स्ट्रिंग के निया के स्ट्रिंग के स

क्र. प्रदेश द्या ह्य , द्रा प्रचा ह्य प्रचा प्रच प्रचा प्रच प्रचा प्रच प्रचा प्रच प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रच प्रच प्रच प्रचा प्रच प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रचा प्रच

मुन्नार,तश्रामम्ब्राय,तपूर्मिन्यसम्बर्धान्यन्ता। सश्या,दे,प्रमुर्स्स्यम्या,त्याम्बर्ध्यस्य प्राचीसात,त्या, म्रिट्स्ट्रा पाश्य. भ्रिप्ताप्त,तस्य स्थान्य प्राचीसात,त्याम्बर्ध्यस्य प्राचीसात,त्याम्बर्ध्यस्य प्राचीसात,त्याम्बर्ध्यस्य प्राचीसात

त्तु श्राचर ने स्टा के स्था क

लत्। सर् मान्नियायदे स्यान्त्राम् । त्राम्ये मान्यायदे । ताबुर्तार्मा वृश्वास्यायर नार मद्भायक्रिं मिर्सेश्वास्य मुन्दूर् न्या हैं , खुरे जु हैं देशर छुर रे उतर खुर । ने खुर देश हैं । हेट दट हैं न बट में शाम **नश्चेर न्यू अ**हेर् और देश श्वेट स्थ्या. स्थापवार त्रिट्रार्ट अरम श्री देर त्र्यापन देशमा प्रमा मान्द्रायदे प्रदेशनाद्यायमेंद्र ल प्रह्मायना खेरकायाद्या मुद्राय है रातु त्रम ।देर कुर के दिने हुँर है र प्रशादि हार हुर है से पर है । देर किन नुदःकुरःकुराम्बर्धार्यदःयात्वरः स्द्रानु । ययसावसायुनास्वापदे । यस्त्रानु मः वत्। अनसर्रः त्रिक्षा मान्या विष्या मान्या हरा मर् प्रिणारा। सु रूत्र, े. अस्त्र, सेच सिम्मित्र क्रि. सरस्य सह द विरे. हेर, वेदरा पुटा न्दर्देते'युना'यर अर्द्धश्चर्युः 'द्वर'सेर' इट' वत्'विन्नशयदे""" कॅट. ८ चंश. केंटश. में, केंच. दू. दंगे. उत्तर पूर पर केंचा में इसे चालर ... वर्त्वरायेटा वर्रकेट्रार्यस्थानुधारक्षात्रेशहेत्र्राह्माह्माह्मारहारहा मिटा**राबटार्ड्र** राजेर्से च**ब्रिश** स्ट्रिया । भ्रीताब्य मी स्ट्रिया सामिता स्ट्रिया स गु.र्वम.लूर्ने निस्तवस्त्रभारम्बर्भवप्तप्तः द्वमत्ते। सन्वित्रभन्न बर दें हूर जे मैं भी में बार नु दें ने अहार है है है ए पर या प्रेमा ... 교육도와,다,난군, 고상,등도, 최도,당도, 남고왕,생도, 최도,왕도,스도, 성급성. स्र'नेट देरे ज्र.४२व देशस्यास्य दे हि. ४ वेश रूरे यो विस्यायहे ङ्क्षेट-'बर'पड़ें स्वयं बेंग्यरे अञ्चिति विकास के ना होता । मन्नेम् इन्द्रम् राष्ट्रे वे वित्र राष्ट्रे वित्र स्व वित्र वित्र स्व वर्षिवराद्यक्रिक्षे अर्डे हैं। रूप, रड्डिमी मी प्रमुर हैं निराय सेंट

शह्मास्त्र मा अस्टान्ति हुरान्ति हुरान्ति स्तर्मा स्टान्ति स्तर्मा स्टान्ति स्तर्मा स

द्रश्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

द्रामी सुरा मिट सिं जारका तर् , उत्रं , क्षेट मी मा मा जूर, ता रुटी कि कट. रट दश् सी मारे हा मारे सी हा मार से साम मी हा मा से अंदा प्रमुख हुए हुए सा स्वा की भाव मी मारे से अंदा मार स्वा अंदा मार से स्वा की साम मी साम

ङ्केतुः भरः माँदेशः इत्राणुबाञ्चरः **मु**। शेषेः प्रदेशामिरः वदः विराम्नीः नुः प्रदेश नर्ना भि.भू ने .सू. ५५ .स. लू.स. मह्ट .श्रें तथा हु। अट. कुंश रेटटश. मनाहे केर में राजरा नगर में रान्ते राने राने राने राजे वा वहा में बर १८ र में र ने पर र वार केर विर के र र विर के र र विर के र विर केर वार र विर केर विर यशमान्त्र मु श्रमाञ्चर प्रदेशिंद्र रदानी श्रा त्र वर विंद्र द्रा मु য়**৾ঀ৾৾৾৾৸য়য়৾৾ঀ৾৾ৢৼ**ড়য়ৢ৾য়ড়য়ৼৢ৾৸ঀৗৣ৾৾ৼ৾৸য়ৼ৸ঢ়৾য়৾য়ৼঢ়য়৾ৼৼঢ়ৣ৾৽৽৽ मुर्। नक्षमं वं दे हे कर नगत में र नु नम्रें र न मेर बिरा । मिनासु प्रतरावरामर्नामाला। श्रामा क्रियास मानरास र्रे दे मुं भे रे . भे र म प्राप्त मा मुं भे दे . भश मे र दे दे से अव दे र प्रिय में र मान्याभिताना न्यामा है हो निहन नी मानि निमानि सानि सानि सानि सानि हो । दना नेश गुर दें अर ये नाडुश दें नाडेना नशम खें वे अर्गे वेंद खेंना ब्रे :५१:मे**र**'र्-ु'गुर्न मिंर'ल्वसंयर्'र्-देशयास्य संदर्भेरहेंद् मुश्राश्चा मदान् श्रम्भवसार् देराह्सायहारामा मुदामा द्वी त्यसानुदा च विना दश से सट ने स देर तिम्य नुस स में स महमस से दमाद चंत्राचीत्राम्ट.चे.चोर.कूट.ट्र्यामट.ची.स्रेयामट.टे.चक्किंगापरीची

ची सुरा। ची सुरा और त्रमा मुट्ट मैं र ट्ट्रेब मोबक क्षित है लाट का मुक्त मुक्त प्राप्त मुद्द स्थान का स्थान मुद्द सुरा मुक्त स्थान सुरा मुद्द सुरा मुद्द

में स्थानिक स्थान में स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

मार्थः नवर् क्रिशः यर यहेर खर त्यों मु दे द्वार क्रिशः व्याप्त क्रिशः वहर मार्थः वहर क्रिशः क्रिशः वहर क्रिशः

यग्रान्त्रामी प्रमुख के के दर्श सर और झवस देर के सर मेरा **अर.** ७ तुर् . चुर. व. तथा क्या क्या चेत. बुर. । चिर. क्या क्या प्रवर महिरामक्ष्मरापह्नीरिया मी.मुश्रारीतापु.सी.मु.रेबराकर.हा. मुकानेरायामळस्य दहेनार्नोया सनाया की रेपर्रे मुकाया देना र्त अर् से में व्राप्ति शामिश में स्टामी द्या प्रमुद्द महिला मुद्दी मि व्यापा मिट के दे दे ने में में अप सामित के में प्रशामिट के दे वशमःद्वायायमःदमःनेशःह्नीशःवृतःवेदः। भ्रवशःदेरःमेन्मदःनीः नमम द्वारी न्या नहीं ना वनम मेर् प्राचे र हिर्देश है ने र नुपान दी क्यामर्गित्यम्यायाक्षाम् केर्यो हिती सुस्रहेर प्रेताया त्यन्यारा तास्ते साम । किटा बेर वासेर से विदे रिवेद् रे मारा भीमा के मद्देश दे दे व केश नम्त्री दे प्यता मे दे केर केश के दमन दर मक्रमः नुः मञ्जरः वर्षेत्रभावेदः ग्रीः व्यन् द्रान्यः मीः सदः वर्षः वेद्राः ग्रीः व्यन् चैदा। देवे सुद्धार्द्व मिदा**द्वर** सद्द**र सेंदा स्वे**वरा स्पर्दा या स्वेदा स्पानी सा श्चर भरा में अक्षा निरायर अटा हु र पढ़ में हुना दश मा मेर्ट दश में क्य होरे दस मैंया चैंदा भूते पुष्य रेता मुं में ये भूत में द में निर्स्याभूर। मिरसर्गराय वाना से सन्य विना वहनाया भटार्जिंदर प्रबुर, गुंदर श्रीट ख्रेंचीश ख्रूट पर श्रु. शट र पीठ प्रशादश

ट्रक्षना, नृत्य, त्य, क्षेट्र, त्येत्र त्यूट्ट्र, त्ये न्या, स्वा, नृत्य, त्यूच्य, त्यूच्य,

द्रम् त्रीर प्रस्त क्षेत्र प्रमा । स्म त्रीर प्रस्त क्षेत्र प्रमा क्षेत्र क्

दशचेंद्रभेदे प्वेतिविद्यात्र सार्थ प्रश्ने दे प्रश्ने दे दे

6्री.स्र्ची.रे.लर्.। शु.भर.स्वत्र.कु.चका.कु.चंर.कु.स्चाश.वंश.कुर. ८.चंर्ट्र.टु.लर्.किश.मुंचेश.च.लुवी. चेश.क्चा.कुर.च्ची.स्वत्र.सं.सं. ८.चंर्ट्र.टु.लर्.किश.मुंचेश.चे.कु.सं.चंर्ट्र.कुर.स्चा.कुर.चं.सुवा.संच्या.सं ल्य. मेर. के. स्य प्रा

कुर्कर्मक्रमार्थमायार्थरम् नाम् राष्ट्रयः नासुमार्क्यमार्वयः प्रदानामा सर सर है। हे नार ए से नार दे देश र रहें में हैं सारा हर नात. मुर्थंत्रश्रहर मिः पाविः मुन्हें ते मुन्हें ना ने पानि में ते हैं र भ्रियदः तर्वेदः के र वि गानश्य देशा व्यवस्थि वर्श्वेदः छेदः तहमा वि मेदः किया के मयक्तरा के वर्षमायर स्वाप्तर देशिया देशी मेन नमा श्रमाया वुदान रूना र्देश नाप हो श्रम्म ग्रीश मे मह या देश द सेहा त्यों में क्षेर वर् सेर में सर नार स. लें र वहूरे तर हुरे दे ने र दिल. (वेच.यहूरे.चेश.तर। भ्राश्चर मोश.संब. प्रटस.र्यूर. वट.स्रस.र्जूट. हुंस.चर्मात. मुंरे कू.चे १८ प्रेचे मुंस प्रचास दे मुंद भूत स्रवस से सर मी,परिकाम, ब्रामिन क्यानहरी, योशा हर्म मी, भूमा पर्वापिन मी, श्रीट. रिधू श.मी. कुरे. रे. कु. भट. ची. सिंटे. येथ. श्रीट. रेथची. रेट्रे भवा रहींची.... म् व. स् संदर अवत नम् र. पहुँचा मैं नारे व. पेम् म. तारे व. तार व. तार नहुँ . कुरा नग्राञ्चर् द्वसारे स्ट्रास प्रमास पर्वास पर्वा स्ट्रा स्ट्रा तर पु प्रमास र ज्या प्रमास प्रम प्रमास प्रम प्रमास प् पह्ना.ल.वश्चारा.ट्रिश्री

पश्चिर् श्रेपश में बर्ग प्रमुख पर में भेड़ रिश्म क्षा भ में रिट ख से अभ्य ने प्रमुख प

लश चर्नार मुर्ने ने द्वार हु. भवस किंट मुर्ने नी इ. तेम.चर्मेर मुर्ने हुट मुद्द भेरस किंट मुन्ने द्वार मुर्ने मिट्स मुद्द में ट. भूत मिट्स मुद्द न

द्रम्मः ट्र्यूयः हृदः द्रमः श्रूटः श्रूपयः यसः हृदः ह्रमः द्रमः विद्रः विद्रः

रमना रेत्र हर रेर सूर श्रेवश वश हर हि के व जरम ८ नेन डुस.चग्रेच.मूच.समशःगुरा हरा श्व.चंश्वरमः चैटा। मूट रचा तीम कु. चश्चानान हिंदे.कूश्चारशाडे.सेशाक्षानिशानेशानेया ।श्चराभानेयां নধ্য-হ্ৰ: ট্ৰিট্ৰেনেপ্ৰব-জ্ব-প্ৰবাধ্য-প্ৰথম নধ্য-দ্ৰী-বছুই-ট্ৰই-খ विवासराम्बर् हरा। मात्र ब्रिंग क्रिंग मान्य यात्री हिर् क्रिंग देश समा सेन् यदे सुकाकु वगान सूर्य वन्त्रेकाय वुराया विरायक स्त्रेट विन्य स्त्रेट वि रे. बहूरे. चासमा रे. जार अ.च. इ. प्राची स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स म.विव.तार्वे.चारका.जियाकारेटा। रेज्रोट्का.मुखार्युह्र्ये.वर.ट.कू.वर्थरः बुटा र अपन मिन्स प्रेयम पर्टर केर में मर मिर मिर मिर ट्र.च्रज्ञ विवाश कुरा भी र तथा पहर देवर ने मूरा में निवास होता विवास स्राचालक, चाक्कावका मान्या स्राचीय स्र क्रम.र्भर.सेट.सेट.चीरा.परीट. इंदे.भ.चुरे.स्ट्री.भर्भम.टे.भ.वेची... रमन्। र्वेर्मिट विर्म्य पुर्वर हे मेना हरा। विर्म्मर्टशः तिना भट्ना के विर निर किर। येच कुंत्राश अस प्राप्त हे किर पर दे दि बट.लट.घट.पट.उक्च.विश.शक्षक.पुना.बस.हैच.पर्वे.चेश.टीश.टी...

के.वेश.लट.चक्षर.धर.चर्तरं.ट्रं.टंज.वेर्य.टटा वर्धर.ध्रुर्ध्रू. व्रे अ.जूना ह्रेन त.कूर अर भी नाम रेना त्रा नि नरेट 551 मीर्ट वर्ष वर्ष पर्याप्त मिट वर्ष मिट हि वे क्या वर्षा र वर्षेन्। वयक्ष.वुरे.तर.भटूर.लट.। ये.श्र.रथक्ष.रट.यंबेर.येश.प्रेस. के.ह्रेच विष्टिं विष्ये विषय देवट, वे.स्टावव देवट, वृक्ष अर वि.ह. क्रेंदर् इंदर् केन नर हुवरु वेंद्र में व्यद्भार द्रा द्रा नुद्र में द्रा मे बट चेर हुँ र मे छेर यदे हूँ र हैन हुन व मह व मह व दे न महर् देव श्री र चे के चेर ना लिए वस सेना नु से सर सेना पहिनास चेंस हे मु केद दर्ग हे द केंद्र हैं केंद्र हैं केंद्र हैं केंद्र महम पर है । एक का परे हैं ल्यां पर लट र्यास रश विश्व खेनाश व्रे गु र प्रे र देव र देना स रूस हा ल्रिन्मस्ययि सर्वे र क्र वहु प्रमिन् मु से दे र मा न मिर प्र प्रमे ही रा श.वेश.वर.रं.क.ची.भुरु.रेवट.वर्षेर.चीर्ट्र.वैष्टु.वेकर.दुश.हैंची.त् मिनामा स्ति अन्य स्ति स्ति । दसना द्वेर नावर नाके सार्यः किट हे रेट हिंगेश अवेष के व राहर परियो निकृत में स राहर मानवा ल्बा हुरे. च. १६ म्या हेर हुर हुरे नुका भारत साम्प्री र नर १६ हु दे मीविट देश पार्ट सेंग प्रसामित गारी दास्तर केर हिंद है दिस साह व्या विश्व सर परेव ए द्वार मार्ग वनाय विर कुर हिंद द्वार में भी नामीय ञ्चना से देवा देश नहें दिना

वहूर्यवसारे द्वा भाषा के द्वा स्था के स्थित के स्था क

दःश्लम्बराद्भिनाचेत् पुनाटाष्परास्त्राञ्चना पार्केटा सुने प्रम्य स्त्रा ह्या दिल्या **ਰੰਟ।** ਸੁੱਟ.ਕ੍ਰਾਸ.ਰਭ੍ਰੇਟ.ਰੰਟਿਨ.ਰ੍ਹੇਟ.ਬਰਆ.ਗ੍ਰੇਆ.ਰਘਰ.ਭੁੱਕ.ਰਗੁਆ.ਰ੍ਰ. न नर् हर तस रसमार्ये रेर यहर्मा राया हिर है से वेर् के रश्रदश्र-र्णुश्रार्द्ध वी नाब्धा खेनाश्र-वेश हेनाश्र मुद्दारा मुद्दार नेविश केटा नक्र्याक्षेत्र होत्रन्त्रीय। ६ द्रमानी मानस्य समास्य दि द्रमा होत्र द्वेस हार्सेचार्ये स्विट्ट भ्राप्टटा विश्वस्यत्य विश्वस्य प्रमाणार्टा व्टे म्राप्ट में रे मूर्या कूथ में रिशमी पार्स्य पहिंद्य में रे अभय परे रिम है **४=४-लू**ट.च्रीर.चयार.चेच.वस.चाट.वेच.क्रेश.वचश.पुश.टेश.एवेश बुक्राम्य मुद्र विद्यापर्ये ची. मी. भुद्र र समा र मुद्र कूरा रिका मुद्र र्ट. अर्च र हे र दे र ना रट के र तु अ स्थे प्त न मिट के में के स्था प्रस्तिय त्रक्ष्याळेदाचे वे पदमान्ने में दे के किंदी हो के साथा के ब्री में कि मा ल्चा विशा चेटा अवशादेराश घट विद्या द्वेरा ल्चा वे लटा श. द्वर हेर वर्ष हैन ने में म स् निरम् ने र से प्रमान ने ने ने निरम् दःक्र्याह्यासु वेशह्नासाथासी सदःसुर स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् मिरास्सालसाद्दाक्षेत्राने स्तासदानी द्वेषात्रात्रात्रम् साद्दा कुश्चर दे स्मानुर कुर मुझेन तुका सर्मा सरी हिन सार् नुर म्रोतासपुर देर्ताळ रायण्याच्यायाच्यास्यायस्यायरीमासायर्गास्या न्या मुख्ये खेराम्या र्यो यख्या यहेर् याद्या दे छैरार्यो स्वि कुळ्या द्वार्यमा मनु । लग्या एयद देश मल्या स्यासी स्टार्सा न नुवा अभूर न्दा शेषार मेशा दिस्सा मह्म मार्थ दिसा सके दिने त्रित् सु यु : दमन सेदे प्रवु अ शे सिन्थ व्यव्ह ही : व्र हिन्थ """ २५ विग तुसरे में इ. हिर हा सने से अट में श दर्ने नमून स तुसरें दे

मार्थे स्थामित श्रूर तथाता देटा हिट दूथा ग्रीट देश तूर्य से व्याम भूत र्यट पश्चिर किस जे दे भी जेर पर माश्राम पश्चम स दिस पर्या देहेश मुं खुट दमन में के दश गुट द क मु मेरे चनाव नगेंद्र चहे रिधर मुद्र में भुर क्षार्टा। में भुरा मेलूर्म राष्ट्र में क्षा बंधना स्र-र न्र क्र निरम् निरम् नार्य क्या ने र्यस नी व्याहिकार. हरी नार्या द्वा ह र्मा केंद्र में प्री र्मा हे समा न से प्रमा निकार मास नेमन्द्राचर्तितिमः स्ना वित्रमा हैरमा स्मानान्ति। विविधित मु सेवे नुर वयस य भेर हैंनस विव नु के बर बहे व देस की ह्विंय बूंब भाषात्मवर्त्वात्वाक्षात्रात्मा द्वात् विकार्यात्मा द्वाद् वर ग्रिंश्य दश्य द्वाय भे ने विना पर दाय हरें पुर विदा दे दे हैट च्र्रिन् ब्रेट व्यमिनाहेश लाना करने रना में क्षेश व्यान स दे भेडा ट्रैल. वर्श्चे ग्रांस. स. केंद्र. कुर. तर . परे वस क्रेस. पर्ने मश्र. पर्श्चे वश्र. कुर चॅडिश है। इंश के अंदे रमा हर वह हैंद रमेन हे र र ज़ वर्त्राच्या जारा। व्यना श्रुत् मार्ड्स द्र श्रीट वट वहेंद वर्मना स्थाप रटा। अवर टूर पर्टेर ववश सेर पर्वेश खेला मी से जून श मी मार य.रूटी नावशाक्षित.पट्ट.रेना.मे.स्र.नीट.सेव.ज.रेनाव.संस.ज्येट. तपु.सु.मुलानायर न्त्रा तमाय प्राप्त न्त्रा मान्या ल्.चेड्चे.द्यामी ह्यासी रेच्डे यहते अत् क्यामी में बीमा चीमा क्रे दर वहूर पास्त दस में इस मुक्ष न सर पुरा दे दान दे पर द

स्ति के निर्मा के के स्ति स्तर में निर्मा के स्ति के निर्मा के स्ति क

स्त्रित्त्वास्त्रित्त्वा विकार में त्रिया में त्रिय में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिय में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिय में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिया में त्रिय में त्रिया में त्रिय में त्रिया में त्रिय में त्रिया में त्रिय में त

वस्तुर जुसान नृता। वस्ता वस्त्र संस्था सर्वे देने देना गुष्ट वन्न त्या त्या वस्ति स्वा । वस्ता वस्त्र संस्था सर्वे संस्था चुर विना त्या वन्न विना वस्ति स्वा । वस्ति वस्त्र संस्था सर्वे संस्था चुर विना विना वस्ति विना ।

स्वा त्राची व्याप्त क्षा व्यापत व्यापत क्षा व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत व्यापत

कुर्तालुबाबुदा। नावाजुरानुःश्रेशारीःरनाःसुरावह्रवानुरार्वाशानहरू वनसः दै व्यावार नुपार दिना मीसः र् अदे श्वःसः विदेशन वार हे नु द्वमाल्ट्र हसरटा रेरेट्वर क्यावहर्मामा मे.श्रानशामीश्रमा लम्। पट.मु.सर्व वर् र. वहूरश्र र. वहूश्य स्ट्रिं वर्टा वर्ट्ड गुन हुर्- नेर अध्य र वर्र सन् स वर्र हैं । एना ने हर् निवस हु अर दे तब्दे . वस . लूट् . से नामा ची . शुक्ष . ट. स्ट् र सूना का खेट हिंद . की . के ट. टे . टे केर.वेस.क्र्याचा झ.सड्.धु.चट.च्रीस.ब्र्वेट.ब्रैट.ब्रेट.वेर.वर.रेचाचा. क.लूट्ट्र्यहरूषे व बुक्र. ट्रे.च.वट्य.च.य.च.च्च्या वर्ची.विट्रेट्र्य. दे अदि अदिस्यानार स्पट नुसारा सानुरा। मु सिद्धि सी मो देवे त्रस्य 3. E4. E1. SE \$ 84. 4 | EX. BE. B. E. B. E धु.भट.बुर.श्रुच वुट.कु.८८.जुर.भ.वेश.चुट.। भ्रेश.जम.८८.सू. लट.जू.चट.ब्रैट.ख्रुंच.अष्ट्रथंस.पेड्र्च.शु.चेंट.वर्षे.ब्रीट.यसैचेंश.चेंश.स.स. 357

मान्त्राचारा द्वारा। मान्त्राचारा द्वारा। मान्त्राचारा द्वारा मान्याचारा प्रमाण प्यम प्रमाण प्रम प्रमाण प्रमाण

स्वार्था प्राणि मिट्ट में निर्मा स्वार मिट में स्वार मिट के निर्मा सिर्मा स

विदाहेक'स्पानिक्ष'ते'स्वर्थ'स्युप्तित्ते। नात्र्याद्धयादे 'द्वाञ्च स्त्रित्ता द्वाप्तित्ता द्वाप्ति स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्रित्ता स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या

न्यस्य व्याप्त मान्य भेता।

रमना र्वेद वद निरम्ब में सब में सबद सद स्थे में नहास पर दे हैं मुश्रुम् पत्रे के साम्ब द्वा के नियं मार मार्थ प्राप्त है के र टार्ट टा हेस अनु सेस भे मो रे मा रेस गा पर १८ रे यह रु स १८ मा गु ट । स्मिन भेरित्रे निर्देश्वर प्रस्ति के स्थान के स मूर्माना भर रहेर में पर्मा विश्वामी मान्स देया पर्मा प्रमा कुंगसाम् सामवृद्धाः स्वित्रामान् भूगाः मैकिंगसान् दूराम् सामद्धाः स्व वनमासानुत्। मिट्नी थे नेदि वट्न कलि वर्षे पर्वे मिट्नी भूवस मुर्तान्त्र ते. तुरा पर्वा देवा द्वारा विंद्र मी तसमा तकर ता त्या हिर्देश पर्वा नकर दूव इसस महूर पनीयास मार् ट निम्स मार्ट । मे सट मी निम् पित्रिर्द्धर प्रमेता वचा चक्रिर्देरचो सामय मञ्जूता साह सामुद्दा प्रमेद मुश्रानहूर् माश्रया शु.शर.मुश्राट्श.ब्रूट् श्रीट.ब्रब्स.टर्ड् रिप्टिट.वि.मुंदे प्रकर मिले दव पार्थेर् केंर्'वरेव केंर्रे वे भेव मुंके मि केव पे रेर् नालर नर्भेर ख्रा-तिन् गंकेर मुं केश मुं क्षेत्र मुं क्षेत्र वहर उस लिर् खन्यां " <u>रः।</u> म्यारेट्स्यव्याव्याद्वरायाश्चर्याया नारका क्षेत्रावरी के वीत्र वर हुं का तूर्र हैं . वें र जूना विष्य लट की मैं या कुरा है का जा ५२1 मिट्रवस्यायाश्चरस्य अटम्बरम्यः भवत्राद्धारम्। सुर्श्वटस्य विम्यानात्रम्यात्रात्रम्याञ्चम्राद्रात्रम् वराम्बुम्यार् विम्याप्या स्यान्यस्यानारःभवत्रम्यन्त्रम्यद्वर्भम्यद्वर्भम्यस्यः ने व्यक्ति त्यूर से व्यत् यान्य के साने देश कर्त समान विश्व प्याति ... 95ना

द्रा व्यक्ष वेश्वव्यक्ष्य श्रीता श्रीत्र मा वृद्य प्रेत्र प्रित्या । विद्रानी श्री स्वर्थ वेश्वव्यक्ष्य श्रीता श्रीत्र मा वृद्य परित्य प्रेत्र विद्रानी

चहर् ने ना।

चहर् ने ना।

चहर् ने ना।

चहर् ने ना।

चहर् ने नाम ने नाम

सव्याम: दे : प्येद्।

त्रमान्त्राप्त्रम् सळ्यामा क्ष्रमान्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम्

द्रा श्रे.कर्.भूर्॥

द्रा श्रे.कर्.भूर्॥

द्रा श्रे.कर्.क्र्यां कर्णा वर्षे देश वर्षे वर्

मायकान्यामा का हर मिन माहिन की लिन प्रमें में कर करी मही श्राद्मीश्राच्यायात्वानि वहूर्द्धा देवश्राद्धश्राकुरान् हिंदिन्द् री की शुरा के अपने मोट हिर दर। के ना यर रे बुर हैं है हा या हो हैं ने ग्रेशिक के दे कर की ना डेर ग्रे व्यर् खन कर हान है ना स अज्ञायनुन सम्बाह्याम्यासम्बन्धानुन दुन सुम्यनुष्य है विनावसाः मृह् रामाश्रया वयाग्रयादे ग्रिया हे हिराय व्हर्मा रहे से हे हिंदी सम्ब <u>रः। के जैबाक्षवाके देशका है शुक्त बहुर दः। दस्र संदर्भः </u> केश यक्का केश यहा प्रविदेश तुवा की क्षेत्र का विवास के मूक्षा कुष्या हु। "" अर.चेश्रट र्रेड्स. १ व्या शियोशी लहा झे. इ.स. पु. पर हुस हुर हुर. सार्धितानु । तसानु दःयावसाग्रीया। है। यह स्नास्त्री प्रवस्ता है। यह स्नास्त्री प्रवस्ता क्षेत्रक्षे मूर्षेत्रहेत्राचरराष्ट्रयावहर्त्रातहर्ते । ह्रियावहरम् श्रिया व म् रा साम्बर्धराष्ट्रयावद्यात्रीर वितास्त के द्रेत्र केरला स्राटे मांश्रामीकेशामीकेरान्त्राः के मास्रान्या स्राह्म के मिला तसा हिर है। ब्राम्ब्रीटाक्सटानिटास् प्र. हे. प्रतिमाने तिस्त्री स्थानिता हिंद सूर्या स्थान मुक्षां दिया हैने वा अवस्ति व्यव दिर दे किर देवा है का शिकर

म्यान्तः स्ट्रा व्याप्तः स्ट्रा व्याप्तः स्ट्रा स्

स्वाह्म तिरुद्धाः मुद्दाः ।

स्वाह्म तिरुद्धाः मुद्दाः ।

स्वाह्म तिरुद्धाः मुद्दाः ।

स्वाह्म तिरुद्धाः मुद्दाः ।

स्वाह्म तिरुद्धाः ।

स्वाह्म तिरुद्धाः

क्षे १३४ म् २ १ द्वार मिन्न महोट सम्बद्धाः सम्बद्धाः विकार मिन्। सूर वर्डेस

क्षात्मान्याक्षाक्षान्त्रान्तान्त्राच्याः व्या क्रमान्यस्य निमान्त्रमान्यस्य निमान्यस्य निमान्यस्य इर वर्ष्य वर्ष्य प्रवस्त रहा अस्त हर स्वा सह दे देना हिंगा श्चित होत श्वत्र हैं व्यत् हैं व्यत् हैं व नायत नाई ना मुद्दे प्रया होत हैं दा वनाम्ब्रिन व्यसागुराम्बेमा १० सामे देन देन देन तम् १० सम्बर्भाम थट क्रिश्र (के.पेहचीस क्रिर जून) पेर्चे संवस श हेर्ची व तर हिट क्रूर ... ट्रमामिद्र स्मा क्रिक के प्रमा कर हिए समा र्वेद्रायालु पश्चित्र केरे दे रहा देरा देरा पहेंद्राचनात समा दसाहे वस्तार स्निन्ता भी मी निर्देश में स् न्वराद्यमार् सुराहे हो राह्मा राजी वाह्य दे पुन्य सामा दार् हिंदा है विवह स दिर देना नु पर्में सुवे रे पासे द पासे वा देश सु सदे इर्इर्रे मे अटा दस से द्वाट सम्दर प्रमूट पुरा भेर मुदस दे । भारता द केर हे द ब्रियानहेंद्र याद्रा व्यानी दे द्रामा अवन्ति विता यश्चर हे र विंद् वया नवस अव महिंद हायस हे अपने हेंदि देशीय या तमा स्यान के श्री महासा विश्व का नीर हेर दिव हो में म्पूर सिनास. यहर् निर्मा । भी मी दे देर मिर्टे पदि में महर् में में में दे दिना र्वेश्वर मेर सेमय हर वर् र्ना मेर देर दे र वर्ष र वर पर स्था देर वार्यम् मेने मेने मेन मेन ने निया है ना वरमा मान व वसा है। माया है रर्द् श्री सर श्रेम स्रुर् न निर्दे में दे ने निर्मा सनस श्रे दे न नर लूट नी स्रेर बर्टिश व्यामु केवे यर सुव हे नुर्ने स्था खेल ह र्श्व है ।

चर् श्रीनिक्ष सर्वा निक्ष हिर्म निक्ष के स्था के स्था

म्ब्र्र संयुव।

देवे अव दे देवस दृष्टा वना नाहर ने दे चे दे अस देन दिन मंद्रमान्तर स्त्र व सार। इंद्र तिमार वस्त प्रमीर क्यांश देह माना र्टा पहेनाहेदान माननापदे देनासाय का अंश सिंह नार भार सेद र १ के दाय के ताया विध्या में पादी हैं के साम के पादी हैं है के साम के सहयासराप्तके कुन्या दे प्यान्य द्वार्षे वे देव के विवान प्रतिक व वारी वर्ते माने देव हो देव हो । वि व वन हिर देव न में ने नि हैं निः नाम्बारमा से दारा नुसार के देश के दास देश के दास देश के दार के दास देश के दास देश के दास देश के दास देश के हैटा विश्वासक अदारी में शाय प्रेमिया प्रमाण का मिटा र तमी सिटा वर् द्रेर् अस मून दर्र वर नेर द नेर के माने कर । सम तर्या प्रश्चा से दे के साम के किसा पर है के 'दिना के सा से दे खेद 'से द के दे यर बिर में हे साहर हे वेंद्र मी र मुद्दे पर में दे दिन में दे हैं दे सा ह्मभाषानुदा वेदाने दियममार्स्याने मिनुदार्भ देनसादा शु. भर. ची. उट्टे. क्षेम. दर अं अविश्वान क्षेम. देवा क्रिट क्रूम. टे. जब में सके मु र्यान के मेक पुरक्ष केर प्रहें के पर्दा पूर्व प्राप्त प्राप्त हैं के प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप् म्बर्ग में : क्रु व ने दे द्या मान में दे मा में ने ने दे कि व मह यम्। नाथाश्चिद्राद्भेशाश्च्यानु श्चित्र सक्षेत्र विनापु स्ट ब्रह्म स्टेश् वेर् कु स्वाक्र कर वर भेर के स हेर व रेशी

श्रेंर.श्रु.शट.क्ट.थव्य.चश्रभ.श्रुं चे.ह्यो.शरी ट्रंश.म्.श्रुंचा.श्रुंचा.हश. नर ने र ने मूर न र । यं नि द सम्मे में हैं सन में हिर कहने न्त्रींशायर वसम्रम्। दे द्वा**यामा दे त्रावे वा** निहेंद्र वेदाया वि र्ने नावन कर ह लेगा शेव करा म बर्स पर्वे चे र की मावर रहेर हे ता मुना अर् इतस र्रामान मेन मुना हु के में हिना के मा सर दसर र य अद्भा नाम हे झ स दश में स देश में मान मान है ने से स्थान है है ल्री ट्रें मधर मक्षम् मुने मन्द्र श्रुट भ्रुप नम् अट द्में मुभावेगार्भुवयायहर्षामार द्रावेषा नाय श्रेर्टिश केरवाम रीका इ. कुरे ज़िर हिर है हिर पड़िक रहा। शे अर रमर व करें चहिर मुं भेर देश अट व द्रम से र में सार देश क्षु १ हे मार वद्धमस मेना या श्रुमा क्षेत्र घुरा के प्या भेरी हे हा दुरे व्यवः न्द्रेन्सः वना नाहेर् 'द्राप्तः नवेरे हे देई सार वेर्श्याद्राप्तर खेर केरे केरे के वै.। श.ष्ट. मर में शुक्षांश मंस्ट्रें सेंट्र पर्ट्य प्रेंग् प्रें मार्थ मर में र्शे र अ अ र जो हैं निर्देश्य देशमा र मार पर से द प्रदेश नावस रहा ... श्चेनश चालाक्षेर, तसानहर्याता भुवावा श्वास्त्राम द्वारा भुवादी सहते. मूर्यास क्षेत्र वे क्ष्मिणेट हे स्वापु विमे मुरायहेत देव दश मी पहिनास या विवश्यानिक्षान्तिः भटाकेन् दाश्यक्षान्त्रः विवशः केन्त्राक्षान्त्रः कर्मान्त्रः त् कुर्यः अधिस्तर् अधुना सी अधिक्रे प्रतिकर नर्वे सामकार स्रक्ष चर्र व्यार्णोर् सक्रेन त्या नास्त्राचा चन्त्र हो त्यों कुर संमा नाहेर् पुर या भीता वामा हैन ऑट नने हिंद वामा है न न म नहें द निका म मेर मु

भुचात्रस्थात्रमा सि.भ.जे.२५.चे.च.५.जेर.४ चीच.सेच.च.चैट.॥

अरकार्रेस मार ने वर्गे यादर। मान खेवसार हैं सामासहैं व न्दिन्से दुवाणुदा ढदा समादा द्वारा सामान्या अस्ति विदेशी विदेशी। लूट्स.पेह्रदे.क्स.चे हेश.देटी चेगोठ.ह्यूचे चेश.चडर.क्स.हेर. श्रे श्रिटा वटा से हें से हा हे प्रियं हे पर दे पर पर है है नहा पर सा पर्दा भुभामार्द्र मुद्दा निद्यासम्बद्धान्न स्वत्या स्वत्या मुद्दा सहस्र नुद्दा वें हिर केंग दे प्रित्र नदर प्रमा मिर दे में ए र हें सार दे से स में के अर्थ राष्ट्रिया में एस दे अर प्रस्त में के प्राप्त हैं राष्ट्र दे पर दे दे व भुंशुद्रास्त्रत्रद्रिक्षे सन्दर्भ मुनासर्दर्भ के मोठेद्र सं अदा अदी मोठेद प्रचार्रेशाला इ.र्टर.। चार्टचा चीरा र.रे.ल्रा चीर्टर मुध्या हूर. ग्रीट श्रुंच मुर प्यें दे हिर हिंदा विसे के दे प्यें हैं हो दर्द मुन्या हुन्दर्भायत द्वर नेन्या या मुद्दा स्टा मक्त देव देव देव मि मेरी में ने बाद मार्ने मान्ती से मेर हैं रेल ही ही मार है लायर न्यान्तु नुर्द्वस्य प्रदा के सर हिर्दु कु से दे खें कु अर्दि पर्दे र्वेन्यायाक्षां कटा सर जिंद् पर्या माया है से सटा वस देश पर्से दे त जेश हेताश विद व श्रीद श्रीत श्रीत श्री देव दे अ श्रीद सेन अद से हा देश दर भ्रेथ.पर्मिन्न.सूर्म्हरा। दे.क्र.चिरावे मे.क्रमाष्ट्रप्टे कूर् मार्क्स दिन के के निया है ने प्या

तम् निर्मित्रास्त्र स्ट्रिंड क्षेत्र स्ट्रिंड क्षेत्र स्ट्रिंड स्ट्र स्ट्रिंड स्ट्रिंड स्ट्र

च्यूभेनसभावेट॥

च्यूभेनसभावेट॥

च्यूभेनसभावेट॥

च्यूभेनसभावेट्याच्यूभ्येच च्यूभेन्यभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभ्येच च्यूभेनसभ्येच च्यूभेनसभ्येच

इ.स्.स. त्या श्रम् स्ट्राह्म स्ट्रा

न्त्रित्व लिना ने श्वे अर्बेर लिना ट के 'मश्रम ने 'केर दा मिट ना कट दि ते मा सिर में के प्रति के प्रत

स्थाल्या व्याप्ता म्हिस्स्य विकाल्या मार्थित् विकाल्या स्थाल्या स्थाला स्थाल्या स्थालेय स्

क्ष्यूट्ट्र प्रश्चीयाम् देश्चेताम् हृत्याम् हृत्याम् । वटाक्षेत्रम् व्याप्तान् व्याप्तान व्याप्तान् व्याप्तान व्यापत्त व्याप्तान व्यापत्तान व्याप्तान व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्याप्तान व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्याप्तान व्यापत्य व्यापत्य

श्चें दर सर दसना से महिना दरा श्वें यर पर दसना से महिना यहसा ट्रास्त्रमा र्वेर् अस पर्मा विंट के दी शत्र संस्था सम्बद्ध र ट्रास्ट्र महिना ब्रिट्स द्रम द्रन न् नाम ने द्रमन मेदे क्रम नहूस कर्कर न द्रमें इसना में देंश दारे हेश खु प्येंद्रा दे में के दे वह केर मानदे हुन नु हिंदानि हैन द्यास्य र सद्य में वे स्वारम हिन हरा। हा नवे. मुकालियार हु हु रहा हिंगां र दरायत हु है शिरात कु तर दिया वर्षेरं नीश्र वर्ग्ट श्रे मिट रट श्रेर्न्ट वे वे वनानार्टा रेहे शे न वर्ष मार्थित मिता हुं मार्थ्य त्यां प्रत्ये त्यां मार्थित म श्चेत्रसामक्ष्ममानु दुराणुमानुसान्दुराञ्चरायमारे उस्। श्वेसाह्या र्टा अगुर्के श्रु श्रु श्रु श्रु र मार्थ र प्रेर् प्रवस्त अनुर खें मारा र । मि च्रिन् द्रम्नाम्भान्त्रानाकेशन्तुन स्निन्ध्रान्तुर्ने हे न्कुर्ने चित्रे बदायश सुरस दे पुर अवे सि पनान नु मुद्र बेटा से अटा दें शहर में नेयायने केंद्र द्रादि भेग नेयाहर थेर इत्या से के स्वापन चक्कार्यकार्युका ही ना प्रदान में प्रमाणका विकास माने प्रमाणका विकास माने प्रमाणका विकास माने प्रमाणका विकास म

नेता.सू.रं.में अंतातरेता.चंर्रे मुं.सू.रा. ह्यू श्रासमीरं कुर में शायरेट.

सद्द के दे द वहे अ के के के के दे प्राप्त के प्राप्त क

वनानानुः दर्शत्रमान्द्रः भ्रवशस्त्रम् वर्षानुः नुदः स्वरः स

त्येतु पद्ध मिर्ड म् प्राप्त मर्ड द स्थि।

चैना-शृश्मित्रमुश्च स्त्री विंट क्र ब्रोट स्त्रमा नाद ट त वे स्त्रमा नाह त स्त्रमा नाह स्त्रमा नाह

स्रम् दे तिम हेंच्या नक्ष्टा है। मी द्वार विभाग्य स्रम् प्रिना मी द्वार विभाग्य स्रम् प्रमाण स्रम् स्रम् प्रमाण स्रम् स्रम् प्रमाण स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् प्रमाण स्रम् स्रम्

देशन्त्राः भेष्याः दुर्द्वा स्थान्त्र क्षेत्रः स्थान्त्रः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थान्तः

टार्क्स म्यानित स्वानिक्टा श्वानम् वास्त्रीत स्वानिक्टा स्वीन र्वानु वर्तुर न्नवशक्षेत्र सर्वाचा देर दवा महाराजीब वहूत हैत। लूट्श.चंद्र्य.देश.त.रेटा चयाठ.चुंद्र.सूर्यक्ष.मेट.चोट.अमुत्रंश.ज्यस उत्राचित्। प्रित्वमक बुख्रामीत वस्त किरक पर्टि केव प्राच्य मुक्षाचर्यानाः (हेना दरानाच दक्षा महिरायमा ह्वा भराये वक्षा मुक्षा यहे मुर्मिट्रिक्र विकामित्रमा के त्रमा कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कि.स्टर वीय देवाद तक मारेय रहा। तक्षेत्र तर्र मुखा क् के में स्त्रे वद्गःमिष्ट्रिः वःश्रीदः ह्रवसः वदाद्वदः सुन् क्रिः रहः क्रेरः व वरसः दर्नाः प्रमुद्र-मश्रिभार्टा | प्रमश्राद्यमाश्रिभारः श्रूर-वश्राद्य, श्रीमा हूर्र-देश ह्मर विश्व पर्दे वर्त के मिल्न वर्दे माश्रास्त्र हिर। व्याय बना कु वना नु र्स् लिश्-इट्-म् अने अने सिर्-सिर्-हे सिर्-हे-दे-देना नेश-पट सिर्स-र-क्रेर-प्रमाना पर जेर-प्रते म्यूर-प्रकायि माल्ब कु मुक्त सर् र जु यं देन किया के व माके शहरा ने समा ब्रेट से बरा मिट पर मार्गेट था ही. मुर दन्गा

यर प्रति दे प्राम्भीया प्रस्ति प्रति भी स्थान के स्थान क

म्बदः च दे हे हे त्रम्य देव व्यवस्ति व्यवस्ति व लभ ते. मू. बुच, लश मुरी हता. हें हैं सी लश हिं में श ही में हुई. सर में कुर से में ने ने देशका सं तक कर अब्द में र ने म च्रुं मिर्म्यूम् कुर्म् मार्चे द्रम्यारे हिट कुर् दर्मा द्रुर खुर द्रमा क्टाम्ट हैं दे द्रमा में स्माय है स्प्ट ट हैं या है द्रमाय या पुन पश्च स्थाप्ता विद्या हा स्थाप प्राप्त स्थाप स्था पक्ष्प्रसामुद्री र्रिट्ट द्वारियसगण्ड क्रिम्सिट इनारुटा है विनानी देना सहिर वहार ही र निर्मा सर ही एक निर्मा है न मुझ. चिट्याविष्ट्र कु. प्रांका चरेट हुं, र् ट्वी. तुर जुबे अक्षे म्लट.... नेर्यालेगाक्षरात्रुवाहित। नातारे केट्रा निर्दे रे नर लेगा करे वर्ते ने होंग न्युने वर्ते द्वार ने सामस्यासिर स्वर्ट हेला अमारे ने न्युन ृ वर्त्तो र्याय वर्ते व्यवस्था वर्षे व इ.जम.ब्रूर.ट्रे.लट.चम्चर.क्वेर.जूर्या.चुर.रम्ब्र.च.लट.वैट.। वेत्र.मून. डिमाल. इ. रीमा दे. त्रामा स्थान सम्मान सम केन वटालटा इवसाये विनाम महत्ते व के अर हे लटामुक क्षामलेट के सर स्निर से हे केर मुर २५ मा । द केंस सुर समुनिय श्रिकेत्रेन्त्रेम्भस्मार्क्रत्वम्युद्धाः देशस्टर्क्रेन्स्स्यु लना नलुरे मूर्व न्द्र नुसर त्यस त्यस नुरे न्दर खुर र सार नु सेस हेस शुः भेंद ने भेंद्र यस है इस व नुदक्षे दे दन ने वेंद्र दशन भेंद्र

पर्नेन्चेरा विट्रहेंसाटाई वे रम्बुपाके प्रनार प्राथम देर के न

त्मातः प्रसाद्धः पृथानु अन्ति । विद्यान्ति । विद्यान्ति । विद्याः विद

भूर अश्रानिद्वी क्रि. मुंश नाद्या पु सर स्मिन् हो स्टानक्रिन न्ती । यह

र्दर मिट देश मुरे त्र्रेटा में में अर तम जिनाम से में में र रे वद्गार वर्षे कुनै वसम हैस नार अर बेर हैर। वेर स नार देश शर्ड्, मैंरु म् न र रेट बुर न्ध्रेस्त्री चेट कर लट हैं अप हैं वि . त्रे गरावश्वास्त्राचीय के. चर ने त्रे चर् महेर जन्मीमन दे में नवना वर्वः हेशःवान्त्रात्र्वानुस्मित्र्याभेदास्त्रवसः देखे दशः वरः पदे दो पासित् योजुशा झे.शर्ड झें.रेटा झें.येर हियांश प्रश्चेर हुटा पिता ट्रेर जन वर्ते द्वार परे दे स्थानु के द्वार में द्वार में द्वार का का कर रहे र रहे कुर दग्र कें नाब भेर्ने न रेदा वहर दग्र नवि वदे अप्य भेरन निश्चर रेन्या द्रा द्रयुक्ष महिद्र से रेम्या तहर द्रम्य मिद्रा विन्य यक वै नास समान वि वे लेगा थेश के मिया दे के वे रही या नमूरा हे स' भ अवे दे चकुर महिं चे द्वापक्ष अव व व व व पर हों शासक्षत्रशास्त्री न्या वर्ते द्वार प्रमास्त्र स्तर वर्ते वर्ते वर्ते न्या दे न्नादेनुसारवसामार वे दे दिर वेद् प्रमुनानी र्द्धर या द्वेंस वेद हिंद नुन्-विवर्भन्-हिमा नेन-विवर्भ-हिमा-विवर्भ-हिमान् म् च.क्त. क्रि. च्या. मे. मर म वर्ते दे . म्रंट. म.स. यावश मार्ट ८ क्र 5= क्रेन् क्र वर्ते भवते क्र केर वक्त भवर्ते ने ने ने क्र केट विश्वर नु वा बेर वर्षे या विना पहें न्या नुर्मेश मु म्यार के सुर दा क्या है हैया वदेद्-विवासके व्यट्-वन्-देन हेन कि व्यट्निक विकास कि विकास

अनुत्रायक्षायम् इत्रायन्त्र

ब्रेसेट्स्ट्रिट्स्ट्स्ट्रिट्स्ट्र्स्ट्र्य्स्ट्र्य्स्ट

द्रस्मिक्षन्त्रद्धः वस्ति स्थान्त्रः स्थान्तः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थान्यः स्थान्तः स

4.2.4.4. ALL & STAN B. STAN COL. M. A. MC. & A. L. E. CENN. 32. तुर्यत्रम् वरायात्र्या हर्येते हिंगास्य नाव्यात्रम् केत्रामानाया लट.सुरी चिद्रट.कुर.स.र्ज.वे.सुर.चेर्ट्स.इर.चर्च्या चेर्ट्स. ह.बुन.उर्ने भी. हर.टट. क्य.श्चिन हूर्ने नेर.ट्रांस वैट. बुटा अवशादेर मध्याम विशाहे खेनाथ शु.मुर। उटशावेट क्रिया हैट. मीभा मुर्हे , पाये हैं है साहिता थे जो मार्के पाये हैं के देवे साम से सर च् बिनावना वटाटेर टार्क नशुः सुना ने रहेटातरुना च सर्वेटन दे वस टाक्ट्र-मीर विचास है प्रिट्ट है सर उन्हें स्थाय सा खट है जीस सी प्रिया र्थनार्टा मूट्नेश्वनम्मुर्म्थान्यः न्त्रान्त्रात्रा व्य मन्त्रात्माराक्षेर स्मृत्याय मत्त्रात्म । दे के दे रतात्माण १८. बट्य रेमचे ब्रिट्स विट्य विनेश राष्ट्र में स लुद रे ने मि सू क्यों. मी.यस.स्य.सपका म्राज्य हे.स्या मार हुनु मार्था क्या क्रीर का पर्यंता हे न उट हो से सस ही नदी समापनार हैन उट । ट कें न बिन ने पहींन अवस्त्रम् सद्धायके सावहूर वा वहूर वा है के टाक्स भवश देर हिं निया मी मूँदा नासेया अवेदाय हैंगा साथीय या दरा विदाया स्टा मुद्रम् सुर्वर्मः सुर्वर्मः या देशा स्तर् मुद्रम् साम् इत्रामः स्वरामः क्रुम.बीर.टे.बुरे.च.लुरी मि. च्रु.चश्चरम.बुट्य.कुरी.चीर्यरम.कुरी.चीर्य न्येत-देर-द्यार्यस्यस्यः व दे दे दे दे ले पर्मा र् के मरेर प्रेंड मिने प्राप्त कार्य है? स्मार्ट के मिने जट हिंद मिने ल्ट्रे.चर.चसमा ज्व.हे। श्रेर.भ्रे.अक्चे.रसद.क्.म्.चे.र.वे.स.क्. य.म. मूर्यमार्टा। अयमारीयामार्थे मूरायाचीयामारीयासी नर्म रिस.इ.पर्चेश्वेशक्षरे जाशकुर्शनर रटार्श्वे हिंश परेट.

मेंस-वर्षन होर होट हीं व छेर के प्रव प्रवासवाय वेश के प्रशी

नेत्र त्र्म्य नुत्। नेत्र त्र्म्य नुत्। नेत्र त्र्मे नुत्र ह्र्य प्रमु त्र्य प्रमु त्र्य क्ष्य क्ष्

ट्रे. प्रमाश्चर, प्रमुट्रे हरा। ट्रेस्ट्रेस्, प्रमाश्चर, प्रप्ता में द्राप्त प्रमाश्चर, प्रमाश्चर,

च्याचिक्य प्राक्ष्ये। च्याचिक्य प्राक्षये। च्याचिक्य प्राक्षये। क्याचिक्य प्राव्य च्याचिक्य प्राय्य प्राय प्राय्य प्राय प्

शर दित्ति स्वार तिचीर स्वार एक्टर वर्षा पर उत्तर में द्रा के स्वर प्राप्त के स्वर के

શુર્-નોત્રર્-તા<u>ત્ર્રાદ્યું કું તે કું ત્રસ્ત્રાનું સ</u>્ત્રસ્ત્રા સુર્-તાન્યના ત્રસ્તા સુર્-તાન્યના ત્રસ્તા સુર્-તાન્યના ત્રસ્ત્રા સુર્-તાન્યના ત્રસ્તા સુર્-તાન્યના ત્રસ્તા સુર્-તાન્યના ત્રસ્ત્રા સુર-તાન્યના સુર-તાન્યના ત્રસ્ત્રા સુર-તાન્ય સુર-

श्रश्चीरायात्रुवा । भिर्दान्ते त्वानन्तुन्त्वानी निर्दायापर प्यवादशः म्मर्सर देन्स हैर देन्य मर्क्स प्रदेन देन देन देन हैर हैर हैर हैर हैर नर्टान झे.सर दीर जूनी भारीत हुए। वसर सार्डर टे.मी.रेसची स्रीया वंत्रव. पहरमा वेश तिवाश श्रूर देट। हुश स्तूर हूं अ देश पकर झें. पक्स.ध्याद्भामीट.भूम.वैट.। ई.यथ.धमाश्रम.विट.यश.माट.कुई: न्यंसर्थता. लेपायक्रें र हुन् विष्. रे. ह्यू त्या ही नावंस र्षेता कु हि सर म् अष्ट्रेन मी देन मेर्ट्र में पत्र देन दिश हुर सिमाश हर निरम दिला ने दे बिंद जे भरा हुं भर दश में वेंस पुर न छे द वि न दशास्त्र-द्रमार्सर हे यार्ट्य होर मिन्द्रर भेना मान्त्र हर दे र पर्दे थे. म्. खुना तम् हुर है। मिट है अर अस मित्र विन विन हिर है अर तायश झ.सर.रेची.चार्य.सराश.रेच'स.श्री.चीर.अक्सश.झे रिकाइस शुः भॅ : दे : प्यम देश भे मे दे दे श्रे र मे प्रस्त दश देश र विमारे र ब्रिट र्बर ब्रिट वट ब्रिट्स अपना थे ही नव की महे वा से प्रमानिक पर श्रास्त्रश्राचिरात्ररेता १३४.पश्रादेवु वराध्रिर्धरा शर्सराह्रसः युदानदे से माल्य दना भी सामसा दसा से प्रेय प्रमित्र दसा मादासी विसाग्रीटार्ट्रेश्नस्मानुटायके मार्थस्र द्वेता श्रास्त्र हेर् दे द्वा द्वेता माराया म्म, ह्रस-चेट,॥

चबुर्वतंत्रास्तरेचे । झै. सपु. मु. मर. इ. १ म. चरा दे म्थ. चैर. च. श्रीम गुट वहूर्य द्वाद अट! दूर ब्रीट ने के दर दु के रे ब्रूट ब्रम दन्द चेश्र श्रवृट् में लूरे उरेन विर श्रीट बट प्रट न में मूर्य ने ने न बूर होटा वूर मीट नश्रम नहट व महर हो हिम्स नहेन अने दे िट्ट चेडिया दी स्मानिर्मिश हे च्रिटश श्रद सर में र निर्मेश के किट के क्र्यमाचिदास्ट्राचा इर्था च्रीटा हिरावटा मिटा ता हुर वर्षा मारा है। भूर. पर्मेच अ.श. त्. पेश्व चित्रच. जना. चिट. लक्ष घस. ग्रे. ची. चुनस. व. विमार्स्यायन्द्राबिद्रा के मेर है मिट मट से हैं के दे के मेर खे मुर वर्षे त्यत् वित्रवित्र मित्र क्षेत्र कनाम केव वर्ष वृत्त लेटा मिर् व कुर र्रेत नुद्रश्तिः प्रति क्षेत्रास प्रमाद प्रशास मुद्रा मिल्ट मे स्रिय मुद्रा मिवट ह्या । रिक्षमा हि तका मिट्या ल्या वट में मिट रा मिल्य रेमा पडिस तर हूर चर्वनाश कृष त्त्र नेशतरेन । हिंगस सर्वा नेशन हे से नेट वक्ष नश्चम पर्वे नशेर र्शेट पर्वे पर्वे स्थानट देर खून विट् के शिव पर्दश् श्चित मु अनाश च रे के प्रमेश प्र के प्रमेश हैं के च प्रमेश दे पर्दि के र के निर्मा अन्यामिट दिया से र दे दिन्दि नदे वट र अट देवे. मेर् हिर पर्वेम रे हर विश्व मेर् पर रे रा।

 दर्भाक्षान्यक्ष्त्राच्याः व्यक्ताः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्वतः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्वतः विष्टाः विष्यतः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्यतः विष्टाः विष्यतः विष्यतः विष्यतः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्टाः विष्यतः विष्य

मुक्षानुर्धिरदेशमारमाद्रिर्द्रनुष्यायस्यक्षा देशदेर ब्री द्वार्य वर्षेत्र वर्षे कर्ष पर्देश के शास्त्र वर्षेत्र स्ति वर्ष देश के ति । द्यापयर श्रय है पुट थ दें नाय बेद याना यय वेद पद्दे हैं दिन मूटि हिर दर्। देवेंद्र स्माया हे हिंग हा द्रवर साहे रा के दे के सर वना में र्रेन्डुना दर। में अर्द्ध में करा है र का वस से र देश। र र हैर सुन् श्रद्धान्ता विक्रान्त्राम् मिन्नामान्त्रामाना स्तर्भाष्ट्रामाना स्तर्पामाना स्तर्भाष्ट्रामाना स्तर्भाष्ट्रामाना स्तर्भाष्ट्रामाना स्तर्भाष्ट्रामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्पामाना स्तर्या स्तर्पामाना स कटा हुं : स्वा अट राज्य अट के नियम मार्स् : नियम प्रा विद्यामा र्टा अ. वर्षे के त्वर्षा क्षेत्र वर्षा देवा स. व. दे . देवा च्या हरा विटा र स्था. ह्यू चि अक्ष्यमेश्वन ह्यू ता नेश ह्यास हैट यही यह र एहंस हैट. है व व व त दिया नियम के तियम क क्रॅ. व्याया त्राये व्याय प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र क्षांचर वर्ष प्रतर्मित्र पर्दे अने प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति प्र मदेशराक्षाम् केर्यक्षाक्षाम् सम्मानम् विष्यं देशा न्यर वहुर हर ये व हैं प्रते वयस विश्व तुस य है स्मेव।

तत्रीचरा भवर चि श्रुक्ष हुरे तहर चुरे तर हुन हुर निक्ष श्रुर स्थान हुरे खेर निक्ष श्रुर स्थान हुरे क्षेत्र हुरे हुरे क्षेत्र स्थान हुरे क्षेत्र हुरे हुरे क्षेत्र हुरे क्षेत्र हुरे क्षेत्र हुरे हुरे क्षेत्र हुरे क्षेत्र हुरे क्षेत्र हुरे क्षेत्र हुरे क्षेत्र हुरे हुरे क्षेत्र हुरे क्षेत्र हुरे हुरे क्षेत्र ह

म्तिन्द्रश्चराम दे.लाटाह्रमः निक्षात्रभागत्त्रमः निक्षात्रभागत्त्रमः निक्षात्रभागत्त्रमः निक्षात्रभागत्त्रमः निक्षात्रभागत्त्रम् निक्षात्रभागत्

लेतु कह मिर्काण श्रुपश पर्वेष पुर्वे पा

 אַבַּקיפֿקיימאיאַביאַביפֿרין אָביצַ אָ־זִבין אָּביי ह्रेचमा ह्रम.रट.शैट.भैच.चेश.च.चश्रम.ल.सेचोम. हु.कु.चहूरे.च.म... त्रद्र। दे हुर नविट ने नगर में निम वट में ट कूर कूर में हैं र पर है। ह्मायालेसाधिराववर् वसामादे द्वागारा कु से वे वर्गे द्वार द्वाप तर स्रोमस प्रेहिंद से व्रिंश पर्वे नाद्य ता नाम गुट ल्रेर वर्षेस सु पहेंद्र " य भेषा दे अवस्य मिंद के सरदानी या विस्तरदा। वि नुवादवा क्रीन **ग्रै**:वर्ळें वर्सेन् स'लें पदेर हुँदि पदे मि पद रहेट स मु सेर दि में बि सी . केर पु क्षेत्र पर परेश मि वेश दे किया केर प्राप्त केर हैं। श्चिं रहें र तुः तुः र व्यवसायि विदा विदार दि सामुदा सुर सबुदा र रमनात्रवत् नुः कुः।विष्यः मार्नेनासः स्वयः। नाव्यः सेन् वरः सर्वेदः दःः लटा प्रिट के दे नेवस खेला हे नकी प्राची रह है दि के हैं र कही केर मान्तिश देश्वर निष्करमा निराम गुरा दायेना परि होत हुर. चेश. चेट. डि.स.रंश. चुं. चुंस.ये. वंस. क्य. वंट. ये. शुंस. विश्वश. द्राना नार : व्यन् गु : रे हिवा नु द्राना प्रवा गुरे प्रवा कर : व्यन् व नु ना मीमेश मि. स्. जम्म मर्गेट् के हेर हिंदा हुर उद्येत र द स शिट वर्गेया... कुर बुर स्त्र्व वस स्वेनस है स पहेंद्र कु पुरा।

सबैर बेर तर रेपार क्षेत्र अहिर के अह साल्री।
सबैर विश्व प्राप्त के प्राप्त प्

त्रुंत.ग्रेश.श्रुंश.भश्यः श्रुंजा.टे.ह्र्यं.तप्ट्र.श.नोयंश.ट्रंस.भारकाट्ड्री.... वृष्य.च्रुंप.ग्रुंश.पीट.र्जूट.पुं.सज.र्जूट.पोयंता.वैत्राश.ग्रुंश.पीट. ट्रेस्प.श्रुंश.प.पाया दे.क्.एंट्ट्रश्य.पप्ट.पोयंता.वैताश.ग्रुंथ.यं.ट्रेसेट. ट्रेस्प.श्रुंश.प.पाया दे.क्.एंट्ट्रश्य.पप्ट.पोयंता.वैताश.ग्रुंथ.यं.ट्रेसेट. ट्रेस्प.श्रुंश.पायाया दे.क्.एंट्ट्रश्य.पप्ट.पोयंता.वेता.वेता.पोप्ट.पोट. ट्रेस्प.श्रुंश.पप्ट.पोट्ट्रश्य.पप्ट.पोयंत्र.पोयंता.वेता.वेता.वेता.वेता.

वयी,रि.पची,श्रभः धुना,स्त्रं ८४ ने अ.चवशः विश्वशः सः धुटः पर्त्वश दर्मुलानेपाठ बुटा इ.मुटा झु.मुवाका ब्यापा हा सटा स्या हेर. ल.मी.बूर.थ.वट.वर्जेश.ब्रट्स.मुना.थे.ल्र्ट.बर.ब्रटा प्रवे.गोट.ब्रिट. कूशामीयमाजीयमा द्रेरायजूर जिम्रारी कूर्या जेसायहे ये विष स्वयः ज्ञामस स्वयः क्रियः क्रियः क्रियः स्वयः क्रियः प्यदेशः स्वर्षाः प्रदेशः । परः ब्रूर.लट.**रच**४.यश्व.चोट.चय.येश.यतु.ब्र्च ।ट.**ष्ट्र.च**.लेज.पीट.वर्ट. के.चेर,च वेचास.तर.वेचाश, हु. १९ ७४. केट. ५ हुर्, वैटा। ८४. प्रमा स्त्रीचास त्यार विकाम मिट्या दि । या जूट प्रम स्वित्य प्रम विकास व ह्र्यक्तिविद्यात्र अट्रमायक्त्र विद्यात्र वि तमीजालना नर्येश्वरा। कु.मिलारी कुर्ट वह रहत अन्तर्मी मार्श्वर क्षे.शर्व, ब्रुटा प्रधिया मार्ची, योज्या क्ष्यं, सार्टा दव् , सार्थ अपिका क्ष्या क्षिया है। विमानेमा नेर् में नारमानेय के लूसी देश मिरा र कूमारक क्रेन्य रदान्य साम्बद्ध नियानु स्टिन्य माद्या श्वास प्रदंस न्त्रीदा मायर विचीर मरें वे जेंचा हुन वहुर तहेर तर्दा मा हमा हर छ। है न्ता अ.र्च.पिजाम्.श्रु.श.क्रु.ग.विदाहरे.त्त.च.क्.श्रु.शक्.पंटर.क्रुर.च्. दे न्द्र हुर के रेपेर पाट है वे शक मूनिका शुर अट सर्वे वससा तिर्वेर नमः नेता नामाने ने स्रीतः त्राष्ट्रसाने साथा लाता ही हिना न्ता सारा मक्रम-१-५वेल-व-देर'वतमामेर स्तरम-व-वनमानार प्रदारी

मुराया रह्शातवेत्वावहूर्या ह्रिट क्रुश सिन वर्ष्ण मुराया निराय क्रिया वर्षण क्रिया वर्णण क्रिया वर्षण क्रिया

महत्त जुर तिर्मे त्या के निर्मे हिंद हर देश दश स्था महत्त जुर ति हैं हैं । विर्मे हिंद हर देश दश स्था महत्त जुर ति हैं । विर्मे हिंद हर देश दश स्था महत्त जुर ति हैं । विर्मे हिंद हर देश दश स्था महत्त हैं । विर्मे हिंद हर देश दश स्था महत्त हैं । विर्मे हैं । विरमे हैं । विर्मे हैं । विरमे हैं ।

टे.इस.इट.चे.क्ष्मश.क्षर.वट.शुर.शि.ट्रार्ट. रूपंश.टेट । श.चार्स

स्थान्त ते देश्यम् मान्य मान्

यई द्वा दे दे में के दे त्या के दे ते त्या के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के

में. भूम. इस. ४ देर. चेट्र. चेंचु. चेश्म. शिचास. लूट्. संदास. कट्र.

मस्या केव में वे हिंदा मिट नु स नहान पर देव हमा नर्नेव पर किया देरायराक्ष्यात्र्वना नुसानेता अनसादेराराक्ष्यादे ह्वार्से खुव वामेर्पवे र्देश र्देश में मादश लमाय मेना दृष्ये द प्रवेश पुरा देने मिं में विद्वर देर दे हिया यव देव द्वर प्रमू व की सेश हे स प्रदे र मिर्टि कर्दा देद मर व्यत् सर द्रमम द्रियम स्तर मार्के का शुर्क्विन के देव र वेद से दयद वें सर वें हर वें स दर्म के लें सर दा र्मोश्गरामाल्यापरायुदान्हे। दार्ह्वामार नुपर्ह्ह्या त्रवे क्षेत्रप्ट वि. १८ स. सक्ष्य श्रात्म श्रीतमा नुरे त्यानि हेट मुर मूर्म प्रविता यदर् । मे. चर च नेट देश चर्या र र प्रिंता स नेट तर र ट सक्स में स म्म् मूराम्द्रियामेद्रा टाक्रेंदे राम्द्रुत है के कर कुमार्टि मुक्साम्दर मा सक्षम मा में नियं नियं के नियं नियं के नियं के नियं के नियं के नियं के साथ मा स खे.सर्येस.भेश.प्रशासका इ.वैट.ब्रेट.पीटर.ये.टे.स्र्रा. घटट. सेट. म्रा हु दे विवाक हुर वह नहे नहे स हून हुन हुन अला भक्षम मी पर हुरे. चिमा वर् मार पर्दुस द स महममायर मन हे दिना हि दम स्त्रे व्यक्त ग्री देशा

स्वा-मश्चिम् प्रत्मान्य द्वान्य द्वान

मान् १ ले गान् वृद्धाः समान् भान् १ ने स्त्री १ मान् १ ले गान् १ ने स्त्री १ मान् १ म

र्रेन्तुः वुः व्यन् यः देन्।

हिर रुष भाभर वसार क्रा राष्ट्र र देनाव वशानार बाबव देश है. हे व ही. र् वे क कर निव पर खेंबा दे हैं र ए के न प है से न में खेंब न में ल्र्नान्देवे मिट्सान्सना केन्दा | मिस्रशार्म सार्के आट ल्र्ना खुन दशः रूट् निर्टा निर्वेर रंगर हा ला हर पहिन्य। दे हुन निरम्भानित्रः न्द्रसः वे वर्ना गुरा दायदासर्वे नायसाम्मा वर्षानाद्रमा महावे प्रदू याद्मश्रश्चिद्दानुनाश्चाकेषाचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राच्यान्यम् विष्ट्रमा ८.कूर श्रीची चेजालूर ता केट दि जा अ. खुर सेवस चीटश हुर जेची केर रसन्दर्भ श्रुर्दर वे र्देश श्रुस मेना वर्णावरणी पद्ना । १०१ हे देर र वर्षातामाश्यामा मिराविस्र हेशास्त्र हैनारा ह वे लाय हिना सामाद्या द्वैरशः वक्कदः भेरे ने प्वर्मा । दः कें से दं सदा ना स कें दि है । ल्ट्रायिक्तित्रं स्वसायमास्ट्रायिक्ति स्वरं स्वरं विकास वेद् वेदा द्रमन् शे र्देश शे अद्वाय हे दाय १ १ मस हिंद मेर् प्रदे लीय बुना म केंदा कूना मो हुना हुन भी पर ने ना विद्या है र मोहा पर से है त्रप्रेचारश्चित्रश्चरुङ्गुस्रवना हेना स्नून् चह्रद्राया प्रदेश नाद्रसम् ने देश श्चेर गुनि भोर पर पर के वे सेना नक कर पश्चेर हुस पर परे व द मास है। ल्रे.ट.ष्ट्र.श्रेश.ग्रेट.भक्ट.ष्ट्रा

क्रुर-वेचा चेक्षा चाट क्रुर-वे का वाक्ष्य हे विकाली का ची वेर श्रेक्ष. ब्रोट श्रुक श्राट क्रुर-वेट ब्रिट । टाक्रुर्ज विकास तर वे दश्य की ब्रोक्श ची. ७ ना. द्रा ७ ना. द्रा ७ ना. द्रा ७ ना. प्रा ० न. प्रा ० न

म् स्टाइ तुर्द्र्रेन् मा हो गा हो राज्य स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्र

देवै उत्र सं दर्के में द्वार प्रमुद्दा द्वार है शर्में दिन है से स दयायान्त्रिनारानुद्रिक्षायायुर्ध्यराष्ट्रयायायीद्र सरामरादे वेद्रन्तुः सःक्रें'लेन्। भेदःलेन्। देखावर्गेर्'यमान्देन। यसःसेर्मारेन्। महस्य यद्र द्रमान्ने वर्षे स्वाप्ति प्रति र वर्षे स्वाप्ति वर्षे वरत् वर्षे वर व्यन्भर्ने पर पर ने बा र किंद मु मेस म्बन्भ मेन बस प्रेम मेरे भारत वस्याम मान्याना वर्षेत्रम्याम् वर्षेत्रम्याना ् वयस्रभुदी श्राचीयस्त्रेराचायमानुश्रास्त्रचाःचूस्राचुनाःचेटा। वचील वर्सेद् नदे देशके मुद्र दर अयात अद्र दर वें की कर वेंद्र के वस त्वे मुरक्ष के न्या ता मुना नी वर्ष मार्थ है वे के के दाना हुन पर नि है *14. BE.dx.Mx. GE 41.44.301. B. -5. 24. A. -1. A. -विगपुः श्वी है शामुशागुदा। विश्वाची विनाश्वी विनुमा संशादी मार हिमा सुर र्ह्रोद्रन्त्राक्षर्यः वृद्दः वृद्दा वृद्दः वाव्यः द्राह्रोद्रः व्याव्यः क्रूरः व्यादः द्राव्यः व्याद्रः व्याद दे.चलुक् विटापरेचा कि.ट्र.क्.हेट अक्ष्मक स्वर प्रवेट खरा के चरे प ~ હું ના चिर हुं . हेर हु र अव्यक्ष सार्था प्राय प्राय प्राय हिं क्र हुं । हुं र प्राय सा ENST.

पश्चिर्भुः विदादाके वे तर्वे । ह्या बिया श्रेमा में के या दानी निष्मा मार्केर भू विदादाके वे तर्वे । या के या के या मार्केर भू विद्या भाषा मार्केर भाषा मार्केर भू विद्या भाषा मार्केर भाषा मार्केर भाषा मार्केर भू मार्केर भाषा मार्केर भाष

ल्यान्त्री।

ल्यान्त्रीः वर्षः स्वरं त्रान्त्रीः स्वरं त्रान्त्रान्त्राः स्वरं त्रान्त्राः स्वरं त्रान्त्रः स्वरं त्रान्त्रः त्रान्त्रः स्वरं त्रान्तः स्वरं त

७ ग.ग.टट. टे.ह्र्ट.७ म. दश. हुर् . पश्चेट. येश ट्रे. प्रे. प्रे. प्रे. ट्रे. हुर.७ म. दश. हुर. प्रे. प्रे.

ज्ञातकः विश्वस्य प्रत्राप्तः मर्ज्यस्यः व

क्रिस्नेवस्ट्रं वेस्त्रं वस्त्रं वेस्त्रं वेस्त

देश्यः स्थान्याद्भी साद दे हु हु सक्ष्यः हु सा हु सा

ल्ट्र नेद्वविदाल्द् द्वा वेदाल्य क्रिया केदा केदा केदा केटा ने होटा वहर्ष्टिन वर्षे वरा रूपि के स्वी के रायहरी क्षमान्द्राक्षमान्द्रा नहूर्रे द्वाष्ट्रात्रे हर्षे हर्ष्ट्रा सम्बद्धाः चीट च क्षेत्र क्षेत्र देश मिट के बे नश्य सुन् सा से र स्व से स्व से सि क्षेत्र हुँद्र य द्वेश प्रतिर अनाया न्रियनी होट पहुँद् वे स्वर वस पहुँद्र य सेव यक्षं मित्र-इट. सर्वा थायक्षं वहंता श्रीहर हु दु प्रशंश क्षेत्र. द्मसादेवीवा प्रतिविद्या विद्या यद्रवामितार्टातियोशारात्रा मी.पश्चेरार्टातियोशारा वेशाहरास् द्वेद से ने दे से दे से में से तथा है तो में सार हिंद दर् से में से हैं है हैं यदे द यर क्षायहँना सा नुसा दादे दाना यदे दाय होता सु हा सहेंद होता में नार नाविद्यानिक नाहर् ना बेना वहा है और अब नरे नक अन्वर नुसार्भेर् यारेत मुं स्रेसार्द्र रामायने वार्ये हेर् हेना हुन से वे व्यन पद्रेव सानुद्रित्य पद्रेव दे वड्दे होट हेर् वट दे दर दे पर दे व्याप्त पद्रेद स्रेर्न्त्र स्रेश्यापदेश्यह्र म्य्येन्न्य द्रिन् प्रदेश देश देश दशन्त्रासर सम्बद्धर होट नहर्न नाकेशन नहित्ति विन नशने होट यहूर् हुन्। श.रे.रेने एरे. ४ ट. बुश यहूर् यर ने शकायसँ ने श वेशता... ध्येया

मबिट, ज. पर्मे ज. पर्पे में दे हो दे ता प्रकार पर दे अ. श्रेपका पर मुक्त के क्ष्मे के क्ष्मे के स्था के स्था

मुन्द्रम् स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

द्र-क्र्मुक्न-४ अन्वर्न-हिटा दे, दशक्ती स्ट्र-व्यक्त-विराधिका ने क्रिक्न-विराधिका ने

स्कै:इ:रम्भाकर खुन:र्स्ट्र पुरावश्वरावा बहेन देट साट वर्ट गर र्स्ट्र

ट.ष्ट्र्.भ.ब.इ.र.विवेर.हे.भ्र.इट.तर.मे.चर.होर.ब्रुव.ब्री.वेरश.हे. ॐॱदेद'र्युनास'त्युद'**र्**-यंवयाने**विँद-द्राः अदावश्चरः ब्रो**दः **बॅद्याः प्र**दः देदाः विज्ञेत्र म् स्रवस्त दे म्य द्वाप्त च्या च्या क्या वर वस्र सा स्ट्र से हिंह. क्रेन् यद् प्रश्च वस्त्र मिन्नियाय द्व प्रश्नेश मुँ स्व्या हैया है स मुद्दा । चैरःश्चरःकुः**स**ःश्चे श्चे त्वः चुनाःयदे वरःनासरः द्यारः साम्बरः यः मार्ग्यसर् म.चेंस.चर.टूरं.वंश.में.भु.चेंदावं,ल.मेंट.चहूरं ट्रेल.चहूरे माट.लट.. मुस्यास्त्रम् गुर् वर्षायद्वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः स्त्रम् स्तर्भः स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् चूर् भी नायश क्षा इ. लेश ह. हैंगा रे मीर क्षित मी. हुंस में स तह नाय द्रात्स्य मुद्दे प्रमा मु से से दें प्रायस्य मिद्दे मु मु र से सम वनानार दायर के दाय अदि दाना श्राय है के र के दारे दिस दस हो दारा महिन्द्र द्र के के के देन अबु के न बुटा विकेट मिल्ट देका मिट के के खे **क्रवायम** हे नेदादानु राज्वे मार्देन्। मार्चु राज्ये र क्रुं मारादरा। मार्चे हे । सका वर् नाय है मिल है के वर्ष मान लेना दश में के निर्म कर नार्ष क्षेत्रात्माद्रेम् विन् ने ने ने क्षेत्राक्ष्म स्त्रां स्त्राध्य स्त्र स्त्राध्य स्त्र स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्र स्त्राध्य स्त्र स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्र स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स्त्राध्य स पर्देश्याली रेनेटालटाटाक् वार्यराख्या ख्रिमार्के वार्य वार्ये सप्तुदः देना पहेंचा पदेंद्र पुराना नव पुराना जाता की सेरा मासा स्था है कर इट वेद नाइदादशास गुरु या नेदा

मासर प्रमुद साम्बर मी केंग्रस पर् दे र दे द द वस मों स समुबर देंवे

त्रत्रेच, प्रेंच, प्रेंच, प्रींग ज़चारा वैट क्ष्माचीट ची पर्टेच। ता बेच, पर्टेट वेट तप्र चू सेचल ह्या भटेट वेट खेट। सूट क्ष्माचेट शिव केट्टेट प्रति चू सेचल ह्या भटेट वेट खेट। सूट क्ष्माचित क्ष्य पर्टेट प्रति चू सेचल ह्या भटेट वेट खेट विषय क्षित ह्या भित्र क्षा क्षेट स्थाप

केत्रक्ष्यं शावश्वर वेश्वर के विश्वर के विश्व

मार्डर् निस्तान्त्रम् विस्तार्द्रम् मुन्द्रम् मार्थर् निस्तान्त्रम् मार्डर् निस्तान्त्रम् मार्डर् निस्तान्त्रम् मार्थर् निस्तान्यम् मार्थर् निस्तान्त्रम् मार्थर् निस्तान्त्रम् मार्थर् निस्तान्यम् मार्थर् निस्तान्त्रम् मार्थर् निस्तान्त्रम् मार्थर् निस्तान्यम् मार्थर्यम् मार्थर् निस्तान्यम् मार्थर् निस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्थर् निस्तान्त्रम् मार्थर्यम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम् मार्यस्तान्त्रम्यस्तान्यस्तान्यस्त्रम्यस्तान्यस्तान्यस्तान्यस्तान्त्रम्यस्तान्यस्तान्यस्तान्य

दे दश मिंद रहेश मुँश अधुद रेंद क्वा वक वर्ड द व विव मुँश होद

मु स्मान्य सम्मान्य सम्मान

मार्थित स्थान्त द्र्याम् स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान स्थान्त स्थान स्

मिन्न किन्द्र कुन्न क्ष्म निक्त कुन्न क्षिम किन्द्र कुन्य किन्द्र किन्य किन्द्र किन्य किन

क्ष्मिश्च निश्च न

खनाथः) क्र-न्न-द्वा (क्र-दिः में क्षेत्र-विका क्षेत्रः क्षेत्र-विका क्षेत्रः कष्टिः कष्

दार्हे दे से स्मर केंट कें पक स्मा सदा देशमा विमादन केंद्र न श्चर्नास्त्र, चेश. द.रेट. । प्रेट. कुंश.रेशर. चूं छु. कुट. खेंचेश.ल.ट. चूंज. विशः देन् सः सन्धः दिशः दुरः चासना वहून। देशः चवशा चौरादः नवशः बेटकारुक्ता लटाची कियाक्त वटकाने ने मनाटालट सुरी वट उसरे.. हिटा मुख्यक्र महिं वे है। मिट ह्या हिंस हिंस मान दर मि मुन्मीस ध्या मिंह के देखें निषेत्र मुक्ति नस्त पार सामेद नर नहु हार हैन। यिट कुट जार शुक्राचा मुक्क पश्चेमा के प्रदेश इस प्रवेषका है. वर्गन । क्षेरवहेश । क्षेरवर्ने निका हुरवाम्या वहर वा निक्रव स्वता वर ह्मान्द्राता क्षे.मंड्रा सूनाशाम्बर्तितिया सार्वता है कून शाक्षित वयदायाळ्ट् हरा देरवा बराच विनाई साहिष्य दर दर नी अर क्ष्मिन्न भी सर्वे : शर वसद पारेदा स्ता मार्चे दे हे र ने दे से स् नावेद चर्दे हा मुनाब परा। शुक्र कर्ते र के पहार पहना में कर्प द्वीद्भावाचार्रान्त्रमार्ख्याचेनामर्वेदाचुदान्त्रेस्यान्हेर् तर्ना व भूति है। वेश असूर अवसर्व स्टाह्म है है सके हैं ते हैं। चुर्वार्डेशर्राचीयक्षा से प्रवेशकीशम्बर्वाचया चुरावनुष विनासम्बिक्षं क्रिंस्यवन मिड्ने देना च निर्मित्र निर्मे विक्रिया होरावी मि साक्ष्म होते पश्चिर अश्वर तर श्री भर मी परिलार्चेर होना वर्ष्ट्र हरहा वर्षेत् द्ववाबेर हिटा सामार्के दरा समायर मुक्यापार नेर वेरेत पर्दे पर्मे हा मोहा हूर सरेट मेर्टर प्रेम्'यहनायद्रा विटार्ट्सर्नम्बेम्'विन्यद्रा यह्रायहेनाडेद य। दे श्रेष्ट्रम् द्वेन् नी त्रम् वस नहें से शुन परे हें दे हिंद पर क क्ष्या मुक्त द्वाव विवय द्वा महर मार्डे हुना हुट मी राट द्वा अर मार्श्याका क्रिकाला त्या श्री का में का प्रेय क्षा श्री क्षा प्रेय के का प्रेय का क्षा प्रेय का मार्थित क्षा का प्रेय का प्रे

स्थाद्वत्रस्य में नेव स्वरं व्यवस्य हे तहे तस महिंद् स्वरं तर क्षा हे तस महिंद् स्वरं तह स्

त्रेच.ग्रेटा, चीच्चश्चर्थ.ग्रेट.कंटश.टु.टेचा श्रे श्चर्यूचा वचका भूरे. कंचथ.क्ष्चश्चरा तट्ठा टु.कंट.चैट.चट.तचा चाक्ट्र.टु.श.चर्थ.चेका भ्याच्येथ. चार्ट्र.क्ष्म.ट्रा ची.चाट थट.ची.चीच्चश.चळ्छ.चुट.कंटका शाच्यवेथ. चीच्चश.चळ्छ.वं.वचा.च्य.चेश.लचाका चार्ट्र.लूट्.चटेचा विच्ट.क्र्च्यूचा चीच्ट.क्र्च्यूचा चीच्ट.क्र्च्यूचा चीच्ट.क्र्च्यूचा चीच्ट.क्र्च्यूचा चीच्ट.क्र्च्यूचा चीच्ट.क्र्च्यूचा चीच्ट.क्र्च्यूचा चीच्यका चिच्या चीच्यका चीच्या चीच्यका चीच्या चीच्या चीच्यका चीच्या चीच्या चीच्यका चीच्या चीच्यका चीच्यका चीच्या चीच्यका चीच्यका

च.श्रुं ग्रेश्वर चार्थर त.च्यी. संगा. भट. च्या हुं र तह ना स. च्या श्रुं र तह ना स. च्या श्रुं र त्या स. च्या स. च्या स. च्या हुं र त्या स. च्या स. च

द्याल्या। स्थाल्या स्थालेया स्था स्थालेया स्था

नन्द्रभाषसंभेदा कु.भु.सं.ल.्ट्रेशं व क्र.लूट्रं सं.सं.लं.चर्टेशं

में द्रात्मा देशका पहेंद्र प्रकृति द्राप्त प्रवे प्रक्रिक साम मान्य के स् स्यादेवसानुमारा वयरामा यानी सेन्द्रमा ह्री प्रकार प्रकेश क्रम.लचाल.इ. चर्तेरा क्रम.संट.क्.सं.संट्रिंट्य.झेल.चंडस.चेट्ररीचा के श्चरात्र्व्दरम्बसम्बु विवस्तर्यात्र्वे नहीत्रस्य द्रमात्सानी प्रिंद्र व्यम् द्रान्य में प्राप्त क्रिया के प्राप्त व्यम द्रमा व्यव देव हैस से द पा माराया पे ने सा है। येद स्वयं विदार्क वे द समा मी देव मही इसस मि पश्चेर मेर पर्वेद पर्वेद पर्वेद पर्वेद पर्वेद हैं है है है है है है है रे.पश्चात्रं वा ह्या अर पुर क्षेत्रसामिश्यक्षा कर्ता हर हिट हूं वे वस्रमास्त्रयान् स्पर्नाचर स्पर्ना हेस स्पर्ना हैर विंद हैस हिससासपुरानुत्रहरू देश वेरा वेरानुत्र देश मुन्त सामुक्त सामा नमश्किता श्रेनान्ता नमाय वहें है वर्षों हे उत्ता हैं वर्षेन इ.श्रेर.लूर.ची.लूर.मीटा सूर.चु मैं.सक्त.च श्रेष्ट रता हैना.तर. माश्चमाया देर परेत्र वयायस देर परे देना सना सेव महमा हिंद हेरा.... **न**न्स्य **यु**टाच हेन्॥

पद्राक्षां स्टार्टा की स्वानी से प्रस्ति की मार्चेंद्र से में कि स्वान पद्राक्षा स्वान स्वान पद्राक्षा स्वान पद्राक्षा स्वान पद्राक्षा स्वान पद्राक्षा स्वान स्वान स्वान स्वा

में सुन् रेवट लूचे में लिस कर हु के सेचा क्रिट हुं र सा है के सुगा में सुन् रेवट लूचे में लिस कर हु हु से सा है के सुगा में सुन् रेवट लूचे में लिस कर हु हु से सा है के सुना में सुन र सा हु से सा हु से

ब्रुन्न स्तुन्द्र स्तुन्द्र स्तुन्द्र स्तुन्द्र स्तुन्त स्तुन

द्भिन्म खुभावदेवे द्वापुरा के वे विद्वास सामा सामा कर कर दल.कु.चर.लश.म.त्र्रूज.चीर.मीर.मविट.येश.र्मेश.रश.मेरट.... भ्या की म्या म्या विषय के के कि कि प्रति के का विषय कि स्थाप त्रभारवह दे तथा हुवा नेदाय विदाय प्राप्ता ने खा खा कर के हिंदी. के सरादा**र्क्ट** में मिन भी के के में बाब मावका **कें ने भी में** राष्ट्रापान तथा **कें न** इत्यामु न्यारम् वृत्यकादे वाद् तिम् न्याद् हे ते हे ते पुतार्द है मूर सुर चर के वें सेर यर सम्बन्ध मन्। नु निविध कर प्रेर स्वर्ध नित्त्वकर्णना देशायायारे दे वद्वश्रास्त्रे प्रति प्रते देश मित्ता क्रायात्रवर् स्रेर वर्त् स्रेर्त् त्री त्रापन क्रिंग् त्या यत्र स्र्वास स्र्रिपति यमा नेस क्रिय हिंदिनी मार्जे मा मार्जिनाशा साम्प्रेस्टर दिया व्याप्त मार्जिन हिंदिनी चल् स्ट्रिट र म न स्थि . कना स न स में न । न न द र न स न स म ल म न्ना प्रकृत प्रति स्प्री केटम पर्दे में निवाम् मार्केट मेट मिक्न वास्ते. वर्षे स्वयमी प्रसागा दर। वर्षेना यस हेद स्व मेट सुसा निव्य द ल वर् वर्गित्वसा ल है पु ड स्पर इससाम दे हिंद ह केर मेर वरि पर्वेतात्रिक्त्वे.श्रुप् श्रिट्स्चेट वे स्त्रुप्ति ।

क्रिक्ष द्वाप्त में विद्याय विद्या में विद्या वश्यानी स्थार रियर है न देन की वी स्वार क्षार ट स्थार द **५५.भू.**लेक.रे.स्.वर.स्.वहर श्रवश्चर प्रदाय द्वारा स्टास्त्राच्याचात्राच के । अ के न व्यान व्यान के निम्म के कर नारम मानिस नहा अस ह्में अअवुदायां विद्युना सदाविद्यानी विद्यु दे ल्बूर्वचर्रेश्वतान्वेसर्गात्। असर्ब्यान्वेस्त्रुं वृत्तवस्यास्याः क्रियाहं नाया हो। व्याव वदा होया हेत् द्वीयाया सामन् विकार दे श्चर हुर्द ने मेर र नामर नाम हेर वी खेना वर बर कर पर पर सह है। क्रु. गु.ब्रुश.व.श्र.इ.श.र श.र ब्रूच.व.ड्रीट.चेर.चेर.ची. दुर्मश्र.स.माश्र. क्रिट मीय वर्ष से बहाय से श्वा सुन्त सुन्द व सुन्द व साम से सामी प्रियों वर्षे स् १ द्वार में भेरे व क्रिन्ट त्रोह सामुक्त प्राप्त केर मेर मेर ने पहर केर करा बिरास्य हर अना सार्थ र हरा नेवा सा बार्चर से ना करा है हू सीरा = 4.34.14. BE. 4.1.4. AER. HORL B. ME. LE. 8. AE. E4.2. 2. न्युरक्षमः वर्षाः रेत् जे ररेत्। हेरायहेत् अं रवसहेश अवे स्वयः देन दुषा कु जार इन प्यान समी से से सुन कु ना के ना कर ना पर के हैं से स्पर्ध में कु 5=1 मिंट के ने टाउँसामिक साम्ची : अ वेस सवे के साम्ची : साम्यान : के.वर.प्रवीर.वी.र्सा

त्तर्थ। क्षेत्र, द्वान्यक्षान्याः स्त्रान्तिक्षाः स्त्राः विष्यः स्त्राः स्त्राः विष्यः स्त्राः स्त

साम् तेर्जा वर्षा स्त्रा मार्क हेन्य प्राप्त स्वयं स्

भट्टों हेर् ग्रे वर्डे देनेश सेन संस्टर । सेर नाल्ट मी सेन हैट हर ह

नाश्चर,रेटा। रेटिज,श्चरत्नी,श्चेशश्चरवे,हुन्नश्च,प्रवे,तु,वैटा। ट्रे.श्चेश्चरा मुब्रम्ब्रीम, बेबर्ब लार। ए.रेटा एवं मिवेट, बंबर पश्चेत्र, पूर्व होत्र, पूर्व होत्र, पूर्व होत्र, पूर्व होत्र, न्दा अविदेशपते विन्कु देव पु प्रविश्वमानि स्वाप्त विश्वमा स्टिश हैं? हिरशायासे नावसायाय प्रमानामा माना विद्यापा स्थाप करा विद्यापा स्थाप ं दें नावाक्षेत्र वर्षः नवादायाष्ट्रमः देद्र दृष्टा । यह वर्ष्युवा वर्ष्य विकास विकास हिना दशादा है वे हें सामा दें नावा हो दार्यर विदेश में जिदा है हैं से मिस दा है इम्सः नेर्-पु-प्रदेश्यः क्षेत्रः नेद्वेद्वः कुः प्रदेशः न्यः। माः कुः खुः खुः खुः हिम्सः त.ब्र.चविट.श्रु.वेच। क्रिय.सब्.ट्र.चेब्रस्थ.वट.चो.चेब्रस.क्रुब्र.ट्रेचाब्र.चन्न. र.क.वट. बटे. प्रि.चर्ड. वेश.वे.लट. लुचास. त. खुटे टेश.क्षेत्र। टुटे. क्स. रदानी क्रिंग की खेंदा खेंदा खा बहुद की शा केंद्र पति वा पदि पदि । दिदा ें स.पेह्स.मुॅंट.ची.चेरस.ले५.देशस.ट्रेच्नस.कुरे.टेवेर.कुचा.लटट.लेट... वर्डेन नार वृत्र छेर के प्येर्। दे हिंद कु नर र प्रेर अवस सेर देंद केन २नदः नीसंभागसः क्रेंद्रः तर्ज्ञे खुक्षः मुद्रः च रेटेंद्रः दः व्यक्षः सहवा नक्केंद्रः विह्यः त.भ.भ्रा ल.सी हुर.री उहरास्त्राका.में क्रि.मट.उचे र तकाशासीर व.रटा कुस.ले.चंस.चंस.ची.शु.शं.पंचंत.खेच.रटांग्रेट.शूल.संचरा. नारे बे. देर. विस् कर, नांबरा अवका अवका नुरं कु. में , इ मांबर वके देर... वुना छ रोमा हैस न हो महिंग सु नहीं न सा दे वे दे दे दस नहीं व हिंग है । तम् त्र्या मान्या देटार्स प्रेत्र वटा स्टास सुरा मुद्रा मुद्रा मान्या स्ट्रस **ल.रेशरे.पेग्नश.मेर्रे.पेश्चीम.मेर्र.तप्र.भे**चल.पेर्टर.शरस.मेश.मे **८५५ मु** के संन्त्रस्य निवार सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र स्थानि होता सामित्र ૹૄે**મ ઉસ વ રે** જે એ જે રું **જ્ઞવ**ાવાવકા વે **ખેજ વ**રાવસસ **ઉ**દા[[

द.कर.भड़न.मी्नेश.शट.इ. धु.ऱ्नेश.रश.फ.टड़ेबेबंश.हर्दिट. भभ्य.रे.वर हुंश.वैच.च.पू छ.वंडू.वटल.चंग्रेचक्ट.वटा.वेट.वं.लटा वेद्की खवा है वादुश हैनि दु वर व्याय सुवादय द क व्यापदी ने अवसःचयःहो है स्याया लाई क्विय खेंनीय की वह है रहे बाहु रहे सार हिटा म्प्रेश स्रामीस अवर नते वर्षे र द वर चुर चुर दे वर्ष विदार वे मम्भातिचात्रानाहरे.रे.कु.पहेमारा व्यक्तानाव स्थानीव्याहरी स्टे. स्यवन्द्रम् अयामनानव्यन्त्रम् स्याम्याम् र्यावराया सेवा मुद्दा वह गरा में इंडेन ने में साय करें न वैसा में મું. ચંધસ જ્રિલા કું. <u>ખ</u>ું. મું લા ૧ સા. ટે. લા લા. ગું. જું ટે. તામ જ સાંતર . ભૂ દ. જીંટ . . . गुरा वेद् दे प्रदेश ब्री र पदि र मी बेदा पु स्पर् हेरा वेद् मार्के अर वर्त्ते वार्ति क्षान्ति निष्ट व्यानिक क्षानि विष्टे विष्ट विष्ट लुरं त्यमः वर् स्ट्रियाशास्टायायाः प्रेमः ह्या ग्रीयास्त्रीं ववटाला बट.द.जूरी प्रिट.पूर.सैंची दर्जजा.ह.वैट.लट.मुश्यसैदी देशची.पृथ म्कृ**षः मन्**र्षः श्वःश्वःश्वः द्र**ाश्वः वृत्तः यः यटः वर्तः दत्रः दत्तः व**्यानः श्वः खे खेर हुँ हैर । इनुरन्गर हुना देरे कुर अकर पर हैर रे निव खु अबुद् केट 'स्पेद् 'दा रेदा के के राज के विष्णुवा देश के रावना अ सुरा वर रम अर वा वेद्र मे देह के वासन सर्द वडम स मेर् पुमा सेद वर खुना वर्थ भारे रना कुंब कर खेर घर खेरा छै। देना देर वहेब रा कें व्रं के नार्र र्रं तर्र र्ना मण्य वहेवा मुख है न सासा तु वर्र के स वर्षमञ्जाद्यां स्वत्या द्वायस्या द्वार्मा दुः दुर्ग वर्षे वर्षे देश

लस दें रे पद हो चे स्थान मुसाद दें माय है दि के सी प

मिट्रम् विद्रान्ति । स्ट्रिं ने न्याम् । स्ट्रिं ने न्याम । स्ट्रिं ने न्याम

देश ५'खेद'त्दंश'वीट'नी'नादस'र्द्धथ'त्देर'दे'खेर'स'वुट'वतस'सेद् मिट्। देट्रातमुलानिस्दर्दे लेर खुर रज्ञानिश पांतु सद् पार्थश क्षायामित्राया वर्रान्यवर्षात्री वर्रान्यवर्षात्रीर्यापर्रात्रीत्या माश्चर्या मा अपन्तर में अपने सेर माविद मोट स कूर मारी दावर र दिल र्टा चर्य नहीं मा हैन विवस हिंसा निया । १००३० व्या मी से दे नि मीबिट.मीश.ट्र्.जीश.क.हीर.तह. वहरा.चेश.चेम.चेश ची.चेम. रमर वृष्ट जून वृर् हुं शायद्व वहं वाहे वाहे ना श अप्रिमाश वय दरी वॅर् केरे पर्रे हिंद का प्रकार पा है केर पुर पा देता भेश्रातम् ताम् वितास्य वितास्य वितास्य वितास्य । विवास्य । विवास्य । म् अर्रे नु हुर् भारवर्र् नवश मुद्द वर्ष भर्त हेश सेर्द अदा। मु मे न्मर वर कुन हुँर में छेर अबु मेर रू मुरा में श केर देर कुन श्चर पर्वर है क्विं म देश देर रहा र्मान श्चें है के में गुहान आहा। देश कुर्व, जैसायकुर वयस सुरी चुँस कुर् है. रेना मोरे वेपूरा श्रेयश. मिन श्रेर मिनर र्रे अपन्य पर क्रिया पर के श्रेर नि मारे में से दे मेर र्वेचश्र मित्राष्ट्रचाका जिवेताश्चर प्रमामित्र हिर्मे मार्थेट शाताल्या ह्यामानामान ह्यामा विट से दे द्या । माना वित हिन दिसस ह्य ह्या लेया द्वेन प्रसार्वेन प्रमे देवाश संसेन केन के हिमस प्रमाम पुटायर देस" पहराप्तिया श्वामा गुरामा स्थाप नेस स्पर् पास देत

स्था हुराशास्त्रर तथ् २ द्रा स्थान्यर स्थान्य स्थान्य

क्षेत्र, खेटाहुंश क्षेत्र स्वेत्र स्वेत्र, सेत्र स्वेत्र स्वे

स्वानी नसस्य पर मों सं है नास माडिना पहुंनास पहुंद स्वान स्

स्ना मिना नाश्यर तान्त्र के द्र निश्च त्र स्त्र के निश्च के निश्च

म्मा नेद्रायने वितावनाभेता नगात हिंत नेद्रायनेत नेद्राय सामा निस्के देन वस ने १९५१ महिन केंद्रा हैना ने एए हैं सर्व हा समासे समुद्र शाधिस्थित है। है किया मह सर्हे जेश है नश्र है नश्र है नश्र है श्च. श्रम् हिंद दर्माशा श्चाम्य वृत्ता निर्मा क्षेत्र क नक्षेत्रहेन्य विद्यास्त्र हिम्बर्टी हिस्स्पार ने विद्यासना निम्मान निम्मान के स्वास्त्र के **ब अबै अन्य तरह के अबैक छेऽ विस्**षेत्रि**र की** लिए हैं। तरह स्थापन .. ट्रिसार्ट्राव: के. केंट्र केंट्र के अध्या अभा नामे नाम खेला सम देव हैं. पर्यम् वा मुल्याना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स्थापना विकास स नित्रापालक्ष रेखिति वेश तिष्टि पितृतिका स्पानित विश्व PARTY OF BUILDING BUILDING नगर नेर नविव भरे गुरा अधन मने गर्व भनेत्र भरे मु भगारी स्थाप्ति क्राम्य क्रिया कर्ति कर्ति स्थापन स्थापन स्थापन अह-कुर्य सन्द्र सन्द्राक्षिती क्रिक्त के स्टब्स के कि स् न्निम् रमायानदेश निम्ना सहस्रोह हे अभिने हिन्दे है जिस है। सह 山之之之是是自然的中心自己是这些中望是多1822.当山产ME.

रे.जे.वे.चविट.के.चे.चे.च.क्ट्राक्ट्राक्ट्राक्ट्राक्ट्राचेट.चे.च.चे.च्ट्राच्याचीट.. वर्वे सेना वावसायवे तर् वासर यादर सर सर वर् वर् विवस सा स्र श्रुर्भिर्द्धिया के . हे हूं मा से दि है हम साहै सार्य द सार्य है मा भेडी वरमायने नाडमा श्वाम महिनामा नावक सेर हिनदे लगा होत सबर अस्टिस्य प्रशास देश से अपूर्ण कर मासेदा एक शास्त्र है। ब्रु-रिन्शियानानाय निवर्के में शास्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र पश्चरावत्राक्षराहिता क्षाक्षराद्राद्राक्षत्रभाद्राहिताक त्रै म्रायमा येव प्रसार्थेन वर्षेत् नावस द्वा व्यायस येवास दसः विष्टारीत टार्के द्वानावस देव देवनाय हेस से र पदे से देन से र श्रीटार्भना भूशार हूब पडिटारिसाता के में भू थे। भू हे वेसा पेनाश कुर त् ब्नार्टा गुना प्रदेश देश क्रिक हर् . धरा गुट . देश गुट . देश गुट . देश गु न्त्रात्रा दे नमामार्चान् केंद्रेने द्रायदेव के सिरम मेला द्रमान सम् विचाल्के न लूट के लादा चूर्वद दे हेर खेर अदेव दु के शर देश ग्रे.म्रेनमा म्रा.क् प्र.के हैंरे.नुक्र वितर कु वेत राष्ट्रक्ते वित्र हरे. वुर सह .पश्च द्वा ह्या द्याव .पर .चुर .पर द्या

सटाच्याल्यात्त्वा हुर्या देवा है अस्ति हिंद्या है अस्ति है अस्ति है अस्ति हिंद्या है अस्ति हिंद्या है अस्ति है अस्ति है अस्ति हिंद्या है अस्ति हिंद्या है अस्ति है

कैंस'दर'यान्त्रेशर्व्हेंससार्'म् पु.पहंस्त्रेश्चीट'वयट'खे' लूर्डे क्रस्तय'''' स्मर मुद्दा द्रम् दे दे दि त्या स्मार्थ मु द्रमा दे द दे द मा मा स्मार्थ द ब्रा टक्ट्रे दे द्वादे के के देशर वे विषय विषय मेना करें। वेद दंद में क्षेत्र **ड्या व**वसं हे **होते । त्या वै क्षिया में कि जी प्रमार** के प्रौत्री प्रमार हो हो हो । वसंस्थायदै निर्देशप्रव स्थानित्रम् दे दे दि दि । दसन श्च.वित्तत्त्वत्त्राचीना,चाकाचिकाचात्त्वा हूट्डू दु.वि.श्चर्ट्ड के.य.श्चे. रैनास यथा में केस मेरा द मेर पुरि के पर र परि द स्मार नेश वनशर्के, प्रामादेश मिट केश मिनसाप्तामा है दिस की त्या रेट ह क्रुंस गुट दे विदेश विदेश विदेश विदेश के उद्दर्श द क्रिस वस मु वह सं व ष्ट्री र केश मी मिंद के की का नालक पुर के प्रवाद प्रति र क प्रति र क प्रति र का मिंद का मिंद का मिंद का मिंद का बर-मा त्रायदेर प्रमेर् प्रयोगीयाय वर्ष स्थाप प्रमेर पर हेर् स्यामी स्था विष्यः भीता मु अदि द्रार पर्वे वे दे द खार द्राया वह मा रेश हम महिसादाद्वा दाई देश्यदशामुहामी प्रमुद्दाय है से व्याहितायां वकु द्वन र मार्थ के के ति प्रतान कर खुर वे दे वकु खा है जु . ब्र**चेत्र.च.लूर्.च.चर्डे.चर्ड.चोर्ड.क्रे.अट्ड.चे**ड्र.ट्र.केर्.**चेड**.च्यांच म्बुस-मोर्ट-व-र्थ-मुस-नेप।

नेत्रम्भिं श्रीटायां से क्षान्य प्रमानित्र क्षान्य प्रमानित्र क्षान्य प्रमानित्र क्षान्य क्ष्य क्षान्य क्ष्य क्षान्य क्ष्य क्



मि:र्रेड्रिट्टा वट.ततु.क्र्य.ग्रे.च|वश्चःश्चनश्च।

- १ क्रेंनिर हैंश मुद्द सर्वेश म
- उ रू.मे.शर.र्जुस.मिट.क्श.र्चास.ची
- ३ क्स.स्यां अस्ता वर प्रवृत्ते द्राप्त क्रिं
- वॅर्-नुक्त केश दर द्वा
- क्टूसं में द्वान्त्र प्रद्रा पदेवायायेवे के क्रूर सद्र प्रमुद्र प्रमुद
- इंग.चर्रेश.विष्ट्र.चवु.व्यंत.टर्। वर्गे.चवु.क्यंशक्तरे.चो
- η ४ मूर्. यथु. मैं. वीश. य वैदः य थरे. य
- ८ वर्षेत्राचात्रर वर्षेत्र वे वर्षराय
- अम्. पर्दे व. जम. मुन्ते. रेमवे. क्ये. क्ये. त्ये
- ०० हुन। कुद् हिर क्पेर नि
- १० विनास गु.सूर नु वना नु कन्द्र या
- ११ द्रिन्स्रर वर्षे व ना के स व नद्राव
- ३३ कुरानेशमा श्रे. जुर् वित्र श्रेर प्रतिराप
- ३८ कूस.अभम.श.जुर,व्येंक.चु.यं.वे.वं वर्

1 2Le)

कें विदेश हैं संगुट केंस दिसाया

रटारेश देश हैं र दर्शिया भेर यहे कु सक्त है। के पर्दे दे दूरि र्वे लर कुराहे ४ म स्रेर गुरा दे नहिमा स्रामान्य है। मर्मा मान्य हो। के देश न्दरस्य श्रमान्दा वहैन द्वरमीश हेदामहद श्रेय है हिन निस नापर्दे रदार्दी द्वाचाबर कुं ज़ंबाल्या लर में बाग्रेबर्ट रद्या में **अ.र.सम.रथ.भैरश.सर्श.री.रहर.रार्ट. भि.र.रार्ट. प्रापट. राजट. शू**र्या स.सी. मर्सुर्भार्यः। **त्रामदोर्र्भा**नुस्याम्बद्धसार्यम् नासेदेर्द्रायः र्दर विवस मनेना सानु वदे पर दुर गुम्बसूर या पर श्रीर गुमा दे रना मीशास्त्रत्भावहंशहीरानी द्या निष्यारा देना विरायर प्रें विरायर न्दिन्द्र प्रि. प्रदेश प्रमा वयम गुर्का मे म्हम प्रमा भाग है मी पर्दे मा प्रमा क्षेर्या वैग्परा मार्रकम्बाय विज्ञा स्टाइनब्रंक्स स्टासेरा दे न्ना दे कुंख्य ग्री केंद्र च नदे वा पहेंदा केंद्र हैंदा दश भीदा यह दे दे केंद्र मुश्यम् स्थान्त्रे स्थान्त्ये स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्त्रे स्थान्ये स्थान्त्रे स्थान म्बर्ध में बुद्धाः देश व सेमश मिर्ट मी हिट नु नदे प विन नस्य हु चुदाव खरार्वे के दवा नुवानु हानु विचित्र विदाय महिता महिता है हैं हिरा रेर्। रे.इ.व.च्यूराव है क्रिंग क्षेत्रवा देश बना बेह पना बाहे से सब वायम् रायम् मुन्दे रायम् वर्षे व विगाप्तव्यत्मद्भाव्यायहेश्यक्षाम्प्रम्थि। देःस्मा वदेःस्माकेः क्ट. ह. पर . बुचा स्पेर ग्रीट. पर्सन मी ब्रेचे भेर रे, ने कुचा से श्री र नर ... दर रु अर मु लेग भेर र्नेल्श स दे है से अर है व रू ने के दिन है तमे है तम

मानद्देशक्ष वर्षश्चित्रं स्वात्त्रं स्वात्त

हें क्षे सर हें श मुद के स न में स मा

द्भाः शुः न्यम् शः यः स्याः स

म्बार्टा में नाबर् स्वायातित्रमें में निर्देशक हेरे में हर स्टर्ड्याया स्वाहा गार्बा स्वाह्म स्वा इ.क्र्य. अप्तान त्या द्वा हर हर्णे नायश थेल वैर न र शिर के हर । यंदी पर्माया भीत्र वायोगामा हिंदा सुनामा या है अहुद यो हिन कुटिया यर **पुनःय भी**ता श्रीर देर दुश के अपने देश में भेर् दुवाबरेश रेश सेर्फी हैंसा या हैं सक्ता सत्तुवा मेर नाथ है। दे **लट.र्बट.शुमश.मुश्र.भा.मुश.रु.रे। भेश्य.भवेद.नुट.**न.**ट्र**थ.क्रूस.जीवेश. यक्र मन्द्र में निवासिंद पास बदा हर्षा सेदाय हैं र पर प्रस्था सुन्ति यद परे 'सूब के द प्येद है। विंद के दे सह देंद्र महस्य यह सम्बद श्चीयामा स्थापा दे माद्र ने पाद्र के प्रमान प्रमान प्रमान के प्रम दशः द्वेषा खान्त्र व्यवस्था द्वार । दशः द्वेषा विष्कुः विष्कुषा । यद्वेषा स्वर्षे । यद्वे । ये । य मिर्श्या वि.मी. भूरा हूरा जियामा मानवर विता मीमा कुरा तर वित मायका खेला नेस हेनाका ध्रमा देवे हैं देव है। मिर वस मेर् हैं व्टायवे क्रिंस में रामान्य द्वा सर्र राम्युया मेना महेर्म्म भेना दे लामायका अमाया महिन दे में माया लेगा दे ए दे राज्या करा मी र्ह्म केना कर साम्बेन भीना नुः वर देन वहुं र वर देना नि वर् नार्रेस गारी केश व्याद कर्त सर्वे नार्रेस प्रहास र क्या पर नार्वि हैं। विच मार् गरा **छेन रावे हों वस्तुर मुहस्स नग** रहे गण हो राज सम्बद्धा वना हैस माट वेन्स गुट वस देव दस वस में देव में हैट इस वसूर विभामाधुवायर मर्दे लेटा दें दागुटा खेदाकर न्यान द्या नदें द्या देश शेष मुक्तामि व स्नामी केंश की मि देव मार्टिय महिता मन देश र निवेश भेना विनामदे त्रमानु नहुर त्रेश पुन नदे रे न भेरी दे दे दे ते नादस र्द्धयादिना द्वेषाञ्चीर पर्दे रचा गुरा रही गणेना पुरन्ने यहुर यदे केदाची । न्तुणु वृत्ताके नम्नियाया १ देर स्वत्या मुक्ता सूर् ए स र्षे प्रवित्त वर्षा चुड्ना.क्ष्य। शदश.चेश.ट्र.ईयश.व्र्ना.श.दश.शटश.चेश.ध्री.तर. ८.कू.मे.चे.द्र.सुभक्ताक्य.लुया जिसास्त्रस्य चीर्ध्याचनाः सुभवानाः हो शिकारमा है सेमझ ग्रे.मिलकारमर उदार अवी पर्टेर क्यांसाम स्रूप तत्रें दे भूर भर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का मुद्दे दे ते ने ही क्षेत्र का मु रदः निष्यं दे दे सम्बादा दहाद याद्या या लिया की वा केंद्र हिंद्या देखा श्रेमरा के तिम्र क्षेत्र दे दे ते हे व संस्था स्मित है व मे है न देस स द्रभावत् इत्यत् भारे मि वर वद् रहे भार्षे भारति भारत भारती रा.**ट्रे.सटस.**चीस.त्रुरे.तथा ह्रे<u>ची.भ.</u>देश.शटस.चेश.तप्.शटश.चेश. नुना वट रामान्य भे लेवा दे तर्दे महमानुषा दे सर्वा है से दार ८म् नदे न्यह्र। देशस्य मश्चर व्याम्य मे स्थान के न्या बर वृश्यक् क्रि. श्रर क. इर . लट वर्षे . वर्ष . वर्ष श्रे श्र व . शर्र व . शर्र पश्चमान, पर्टूर, श्रद्धा में श. श्रद्ध्या मी श्रीमा श्रीपु, थू, प. २४. टे. में से सार्ट्र. क्र.पर्वता के हुर हित्स विटा अष्ट्रची वी असे में मूर पहें या माशर पार लूटा नश्रमाचानु हा जीवानु अटाचा कर्ताची नुसा श्रमासा भीना की सास्य में साम्ये ता में ता में ता में ना पर है। यह साम में या माल में में में पर है ने पर दि शु. परं तर तर्र अर् हिवाश विष्य प्रति वालि प्रवा के पर ह्रन्य अद्। व्य क्ट. ह्राट हर द्रमाद हर नावस क्य व्य नादर। झेंश्य.श्र.बेचेशता अॅं.पकेंशकाता च्राक्र,चविश्व.पाधिशता

चर्षरास्त्र पु.र्जास्र मुक्रान्त्रपाय। द्यायर प्रचित्या न्याय सञ्चित्या वेट.क्ष्य.क्ष्रेट.सूर.चोचुचशाता चरेट.क्रं.चब्रूश.च। शरश.चेश.चा कुरा गु. त्रिंद . या वर्श्वर . या श. त्य . यथ . य द्याय . खे. यह द . या वर्ष . नाकेशानस्त्र। सद्याक्तित्रहेनाहेन्द्राक्तित्रात्रहेन्द्रात्त्रहेन्द्रात् टे.लट.ष्ट्र.पर्सेण.चंश्वराजश.चंश्वट.चुं.ष्ट्र पर्सेजा.चंड्र् .च्.लुबं.हेंच्छ.... ष्ट्रश्रायम्बर्गान्त्रम् क्षेत्राच्या ब्रुवाचान्त्रमुवाच्याच्यान्त्रम् श्र.पविद्यारी से.क्र्.हेर्ट.जाक्रीया.स्ट्रीटावा रे.वका.हेर.वठ.हेर. **१९८ विश्वक्र करे सेची वर्जल मी.४ ८ वर्ष १८ वर्ष १८ मी इवेश है मील होरे** सेंटश . वश्रान्त्रात् व्रुपाता लुनाश अवर दूर नान्वान अद्वापर हेन श्रापर शरबासीबाक्षेत्राचर्त्रेश हे.ज.र्टेश.रट.त्र्र.लेज.स.र.५.श्रर मोर्टेल. वि.अब. मुंस. मी. इचाका वय स्थाना जा चाकू चूर र मीट्रा वका प्रत्नाका राष्ट्र चर्दराया चल्ने वासा वसस्य स्पर्धा चर्ते स्टूर्स मी विष्ट्र से प्रस्ते । दूस वर्ष तर विस्रित्रर र मर्मार्या विष्ठिमा छेव मी र मारा स्वर् न न हेव देशहा यान्त्रें वर प्रांद्रिश वसार दाविव सेद प्रेत द्वा प्रसाम है स है हिंद ज्यरायाम्बर्धा र्यास्त्रत्यर सरायात्रत्यत् नित्तिः श्रेषा कुर्-मी:रूपामा त्व र्वाट स्ट्रिट संवित देशमाता मार्के सूर रेसी एका वैश जीत्र ज्ञ.स.भ.चित्रा हे श्रेर चीचीश कर मी. क्रा पीत्र रूश पीत्र रूश ता चीशिष वश्चर्। क्रेर.च.श्रदश.मेश.ग्रुश.र्र. ह. तकद.न्. श्चर. वंद्रश.र्. कृत्राक्ष.में. प्रूम.स्मम् माना निर्मा निरम निर्मा पर्वीर (बेश श्रेष व्योप कर मी पूर्व समाशासा मीशा मीशासा पर्वा धृना भेग। वर्डेम स्वा १८६ में नियात में मुनास द्वारा हो हुँ न सुस रटा र्वित्राची रूत्रासूर दसरा केट रे पतिर परी लट व केट है.

वर्रानु वर क्रियान्य दुवा

वदायरे केंब्र वेर् पुर हे क्र मुदाय की वदानुदा की खुया वहा प्र वर्ष वृष्ट्रेशक्ष्यक्षाक्राचराव्यर् पुरामुवावुदाविदा। तुषाराञ्चरदावन्तर श्चुय वेत पार्ये। रेदे वेंना सर न उर की साम विना से र पर पर बुक तुर्. रे. में. वर रक्ष रेंड तक्षेत्र में. कुर रें र र पु. से वरा तुर् मी. हे... सूर्यास्त्रीर् तर् तर्बर स्त्रा तर । वर में ना से से से तर महती रहे मु दूरामुल झ हें रे नाइद नद द स्रानश दर नहेंद हेंने अर दर है दशर्ममानुबाहे प्रदेश र् वेदा द्वा मुन्नर मुन्यहरे र दिया पर्के प्रया स्थास्त्रन्थः स्वान्यास्य स्वान्य स्वा र्यट.गर्थ.जवैट.चोर्श.श्र्योश.ग्रेश.चेर.इंट्र.श्रूर.लट.शट.व्.वर्नेर. मुनामह्य। दुव्यामिटार्य स्थरका नेमना दुः ज्या चक्र संची ज्याप द्वा दर निर्धानिता श्रेर WC. तुर्मेर सुनिश्चरता हुर हुन्। अवश यर्वरे.त. इस.मीस.पीश्र. ने. यर्वरे.त. से. नेर.मी. पे. विपाल प्रविद् रेर्'केर्'वहर'वें सेंग्रायं वर्'ग्रेक्ट उर्'सर'वेंस'कु'म्र मी'स्मायः मुव न्ने नेश.कु.व.भट.त् पु. (वेनश.प. ने नेनश. हे. नश्च नशका ह्यू श. पश ... चील, पर्वेश, पहुर्श्चेस सहंद, कुटा। त्रिष्ट्र, रे. रे. राज, श्वर, श्रु. शहंद. स्चित्राभटात् चूर्रे अन्यादे मर्मे विरायक्षेत्र प्रकृताभटात् पश्चिर सिमा सहरी रेश.रचश.रेट्रे.ब्स.वंश.च्ट्रे.रट.क्रेट्.क्रे.सिस.च.सट.क्ट्रेंचैट

हे. चुर्-पर्नेम सः च्. सह्रं तपुं त्र्ने विष्ठुः य क्रेश रेश चेर पर्प्यश हेशक्श कुमार दर। वयार्व दे साम्याय मान्य हे व वेर दु सेवस यक्तर मुद्दा से पतुना । दे भूर विद् नु दर मुद के विद के विद नि न्र नी दर पहुं दे अ से पार दे र र प्राप्त के न्दा हिंदामाल्य न्दान्यसेस सुन निन्दान सेन हिंदा निन्दान निन विम्तान के के बर के अपने के किया मानि किया मानि के अपने के किया मानि के अपने के किया मानि किया मानि के किया मानि किया मानि के किया मानि किया मानि के किया मानि किया मानि के किया मानि किया मानि के किया मानि के किया मानि के किया मानि किय शरश.मेश.४८.३८.मी.मशिट,टश ट्रे.शुर्य.मी.मार.शिवश.मेशिट, इटराने नाइक्या खवाया नासूना भेषा केरा निष्नु र प्यूर् या नाहेना या द्रान्सरमी मुम्मर प्रास्तु दरमा केसमादि विरस मु सम्सप्र हर र्ट विच मोट मेवर केंस केंग मेर वर वर्षे राज्य राज्य मार्थ रहें पर्ने नार्ने विंगा अपर तो प्रमी स्वा अर वे वे हेंब बहा प्रह्में प्रमे वे प्रमे क्षेत्राबद नी देश मी नम्द यादि मिंद क्षेत्र में ना रूट मिंद देश महित कु. ८२म । ८४ स. मर्। कु. मर प्राप्तराय त्मारायहर रेमारा श्वा र्टाश्चर सट श्चे ५२ मेर ह्र्च वस च्रार्ग रगाय प्रते मानुट प्रमाय प्रसः चर् भर् रहेन्। दस प्रश्र हे मुद्धीर भर्म ज्यान हे सायुव र प्रति प्राप्त के सायुव र प्रति प्राप्त के सायुव र प्रति प पर्मा बेरा मार्थ द्वार पर्दे में व्याप्त स्था में निर्मी क्र्याम स्रीम रेशामेश श्रेम रेवट चुरा मी मोर च रेट सेर वे मिर तर लूरे.य.मैं.शक्र. रे.वेश.टे.वे. शपु.क्र्य.पीचेश.बुंश.वेट.व.पर्वेर.वर्श्य बुरिय विचारि हुस्य वहर बुरियार के स्वार्थ स्वार्थ हुर मारी ला नहर्ने में नाडमा नडमा नहर दूर तिमित्र कर हो र नहर देवी देश देनीय. मेद्रायाक्या दानुदीर्द्यार्यकात्रदेश वृत्तायवे चेनायाकात्वर त्रेश्यान्त्रीयाः स्थान्त्री।

स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः

स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रीयः स्थान्त्रात्रीयः स्यान्त्रात्रीयः स्थान्त्रात्रीयः स्थान्यः स्थान्त्रत्यः स्थान्त्रत्यः स्थान्त्रत्यात्रत्यः स्थान्त्रत्यः स्थान्त्रत्यः स्थान्यः स्थात

द्वेश कुँ द्वाचन्द्रा

नर् हे स्ना नस्य नस्मारा पर्ने पर्ने । वर् हे गुर द दु । तर यवै मन्दर्भयो । १६ दे दे वर्गेनाय प्रमाशय प्रमेश मदे द यदी । १६ दे जय. पंत्रचास. राष्ट्र, यद्व. राष्ट्रा विचा. यज्ञ च प्रस. राष्ट्र. वी वीद. प्रवेट. मिट.चर.ची जेमूनी.च.भट्य.टे.ची जम.श्रुत्र.चर.ची मैनी.चर्चिता.जुश तर.वे.कुं.पुंधातर.वेर.थ्रेर। विरावितःश्रट.वर.वे.कुं.श्रंट.वर. वर से दा पर्वोत्ता या अदेव पु वु हो अदेव पु वर से दा वस हो से यर वु हो स्र्यायमानुमान्ने कार्यके कार्यके विदेशक विदेशक विदेशक विदेश युन्दायरुरायात्ममञ्जूषायदे यदे वयायि स्थे। वदे वस्त्राया वद तपु मीच सवत वस्त्र वर्जी वट वंश सक्ता विषा वधीर चर्ज सी माल चुर् यूर यहूर तर वे.ही दे.ज र बेच वर्ष का वर्ष के वह के त्रश् वैदः (बेदा विद्रायश मध्याय श्रुकाय दे ह्र साथ हेरा गुकार वृद्धार पदे त.श ज्रा मिनानरेश रे. हेर हो नेर के कुला हेरा वर्गमा पर्मा पर्मे परेश रादी मिंद्राची पर्देश सादी मात्रिका अद्यान दे स्वाप्य दे काया केरा विकासी यदेशसाबी दे.ह्यू वेदावदाष्ट्रियामा मिनाया हेरा दे भारा गुन प्रमुद रक्षः स्ना नदेव ततुर नका गुवाय तुर स्वा नदेव स्वा नदेव स्वा उन्ना अम्सूम्यरम् वर्षेन्यायार्थेन पुरिष्यम् व अम्बून्यप् २ में मा निर्देश हैं अप की मा निर्देश हैं दे पर का मी का निर्देश में हैं क्रमान् रेमारे म्ब्रिंग वशामश्रीर शास्त्री दे दे द्वीस्याय मेव दे क्षे च्.ल्ट्रेडी ह्या अर मेचा वर्षेत्र पुरु य वेट वेट वेड हे पुरे मी वर्षे मह्र्यस्य गुरु त्र्यम् दे ह्यू र द्यार दे ह्यू व्यास व ह्यू देश वर्गेग्यार्थेरापुष्ठावर्गेराष्ट्रया। देवै केरापुरि दशक्ता क्रेंग्रावर्गेराया ववुदःदशः वस्यावदेवः वद्रा।

त्रिंदःवतेःद्वंसवय्दःवदः। वर्त्तेवतेःदेन्यःवय्दःध

मिहना-र्नम्बर्धान विना-भूता।

ने स्वान-त्रान्त्र स्वान-त्र स्वान-त्य स्वान-त्र स्वान-त्य स्वान-त्य स्वान-त्य स्वान-त्य स्वान-त्य स्वान-

म् रहासारहार्वहास्तरायरात्रसाक्रेस्मक्रिसाक्री हैं साक्षात्रम् हैं हो स्थान हैं साक्षात्र स्थान हैं साक्षात्र स्थान हैं साक्षात्र स्थान हैं साक्षात्र साम हैं साक्षात्र साम हैं साक्षात्र साम हैं साक्षात्र साम हैं साक्षा हैं साक्षात्र साम हैं साक्षा हैं साम है स

तस्य वस्य तर् क्री. वीट. त्यूपटी प्रीच्ट. यूप्री सीय. विच. त्यूपटी प्रीच. प्रीच. प्रीच. प्राचीय. प्रा

श्चर्नरत्रे.मृणुरुष्यु जुरावन्त्रे.स्।

तिम्रायात्रे हे भासायात्र भीवावमाझमावा यमाकुरागुदाद्या मीरेशरे. छेरं. सूट्रा. यु. सुम्रात्मा यु. तू तु. चीश्रा भूतं. चर. सुम्रश्चीट. ची... वरः द्वाभित्रा विवागुरासेस्रयानुराक्षेत्रस्याने प्रादे स्वीति नु भ्रम्याम् वर्षः वर्षे स्वरं दे दे दे माल्य द्रम् पुरः वर्षः कृषः स्वरं देशः देशः मार विदिर रे हिर हे तथा एवं मार्थमी या हरे। दे ता हेर से से द नुःसदः भदः। नार्दे वे विदेर् कम् श विद्यदः। दक्ता सना व सन् श लुश रुनु वट वस मिट पर्ट्र हिट निकेश नार्षे मू में में हो हुन सर. रट.ज.कर्चाश.राय.रेयट.बीश.रट.ज.बु.टर्ट्र.व.चाकुचा.वैट.रेश.रे.रेट देवः में दे दिर चे कथा तर हिर च 'व व व र । अर र द 'त क न श व पे देवर . मुक्ष-४६-भुर-अर्थ्य-यूर-चहर-वर्ष-१-कुल-चुर-व-५६। दे अर्थ्य-र टामीश स नेश पति हें दे से राय से पते लें माने हें चुट य पर साम दे वर् देर्। दे वर्ष र दाया कवा शया स्वाश मुनाश के दे से व मुद्दा व दे। रत्ने देश्यां शास्त्रेर्याद्यां व्याम्ब्रास्त्रे द्वताम्बर्धाः से त्या सुद्रास्त्रा स ट.ट. बुंश.रंभ ब्रैट. ब्रैट. ब्रेंश.चंबेट.चंश. टुंबु. चेंबेश. क्रेंश.वेंट.। ट्रे.बुं. रट.म्रीश.चेश.वेष.वेष.वीचोश.श.चेश.तश.पथ.व.लुबा चुंश.वे. अवतःर्नार्टायलेशक्तिशः वृद्धायलेशः देर स्ट्रिंशः हे प्रदायलेशः मीसः

त्रश्की.श्रूर.बी

※できるのののが

ट्रे.स्टर्-पर्वीर-वृ, तथा थुंश-ट्रेने प्रचारिश लूट्-पर्वीर-वृ, तथा थुंश-पर्वेश

धर.तपु.टू. चू.चन्परे.ची

यम प्रति क्रिंग निर्मित्र प्रति स्वित्र प्रति क्रिंग प्रति क्रिंग प्रति क्रिंग क्रिंग

चत्रेश्वर विना क्ष्यां क्ष्यां विश्वर दे भीता विश्व विश्व वि स्वर वि

*~०० वेना-दशक्:वन्द्र-या

ब्रेग'क्ट्रेय'न्य्र्य

द्भवः स्ट्रिप्तर है। वे दे से मा द्भवः त के द्वा पा के देश पर दे के प्राप्त के देश के प्राप्त के प

कैंगे.चर.र्घास.जा चेट.र्ज.चढे.ल्ट्.च.ख.श्रंशश.जश.ख्ट.अ. शक्त.रे.मेर.प.कार्या रे.ज.के. हे.च.ठर.व.वे.व.घर. त्. लूरे.घर. मिश्चरम् भीटा। वर्मे, बेटस.स्.तर्ने, यन तर्ह्न् वी ४८.५.१ श्रमा श्रेत. क्रियाश्वरद्भेनासास्य प्रति दे दे विद्याप्त स्थाप्त दे दे दे विद्या र्वट.कुस.वैट.ब.कूट.कपेट.केर केट.कू.संशंस.रेब.भ.सेव.वस. विट.च.लुबी श्रेमस्र रेज.चर्च. वतश्च दु.श्रमश्च देश.हून रेच. रच.च.श्चे.च.म. पक्ष्मात्रात्र प्रवार मुख्य पुर्पपर प्रवास में स मुख्य प्रवास स्वार प्रवास केमा असायाम् वर् पुरायक्ष विश्वतसानिसानु दाव कुराहर सेर् लट श्रम्भाश्वराथ वहेद पदे मद्या ग्रीस सी दि लट महि दे हिन रटा हि.च। 'विटामेट में चर्च स.स.इ.स.म.म.चर.रे.चर्च र.टा.मूर्य ्ट्रे.च्यार्थमसालेकाताचाल्.चार्चिटाचीस.द्वेरावसाचिटाकाराज्याचिच्चेर.. यर केरी देव अधिक स्मार केर केरे प्रमाश्री कर प्रमाश्री हैं प्रमाश्री कर प्रमाश्री मिल्स म म र विर प्रत्य प्रतम मैना न में क्रिं हर दे क्र मर ह हि में बिट, या बट, वंश ने हें ता भारतियां केंद्र ल्या क्र भारते वं बंदा स क्रेबस-द्वीत-वाक्ष-मान्द-कत-वादी-तुस-व-सूर्वस-केद-दर्गिका दे-वास्ति-

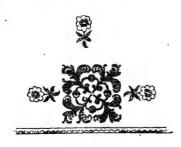
पद्रे च्री, ट्रंस. प. प्रेट्ट दंश, हेट. विप. प्रत् की. शक्रें श्राट क्रू. लूटी। ट. टेट. ज्या. ज. ट्रंट टंस. ट्रंस. च्रीस ख़्यूंच. प. ख्रीच. लूट र ख़्टी क्रि. क्रुट र ख़्टी क्रि. क्रुट र ख़्टी क्रि. क्रुट र ख़्टी क्रि. च्री क्रि. प्रक्रेंच प्राट र ख़्री क्रि. प्रक्रेंच प्राट र ख़्री क्रि. प्रक्रेंच व्या क्रि. च्री क्रि. प्रक्रेंच क्रि. व्या क्र व्या क्रि. व्या क्रि. व्या क्रि. व्या क्रि. व्या क्रि. व्या क्र व

वर्व-वर्ग्नाक्तर्या

वर्द्धराश्चिकात्रकाविचीरावातेराचाहरामी दरार्द्धानाद्धानाद्धाना शक्ट्र्टर महिट वर्षेत् यदे देट्स ह्र परे देखा में श स्टोल लेक्स क्रि. निकेश रे प्लर् है। मान्निर गुन हून पने हैं स्निकेन दिए। स्वर हुन त्रुक्रायरे मानमा सम्मानिका मानुना के मानुसार्ग्य रेतरामा स्मान नार्था वंश रक्ष्री थे। श्री मी.काड्र का.स.स.स.म.नार्च श्रमान्त्रं अस्त्र स्त्रे क. त्तु निर्मा क्षित्र रविकारा निर्माद्र । वाक्ष्य प्रते से में सामक्र श्चेतात्रवान्मार्क्ष्याच्यान्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्या नाकेशास्त्र यानिकारी विकार देवादमानिकार के प्राची देवादमा। गुनाहिका कर् बत्तव दूर मा शूर्वशह तर काव है । वी मुरामपर वार्ट वर वहिर्द। अवर मुनादर्दि यदै देना नेका कर अवे के र देन देन देन मदेव'यादमा शक्काद्विर यह रेना नेका इंदान के हे देव दे गाव ह्मामदेशायर वहूना दिश्वादा हुट हैर दरा वर्तन करेंद वी द्वान्त्वामद्वाम्यवात्वा दे व्यव हरामा वर्षाम्यदेवा वर्षे १८ म में र बार्ड्स रथा र वेट च र । वना माना **डिम्**र वर्ते च. चीर जा चहेर र संस्टा दश्य वत्ना या सन् वा प्रदे यार वहे द प्रदे प्रदे द स व हे वह लेन क्षरे. क्षट्रट. हेर्नेचिवरे म. कुंस हे बैचारा भा चीर् कार टा क्वां सामी.... बुवायान्त्रिम् गुटासेद्यसायसस्य रूप्टाव्वित्र खेसा स्ट्रिया देत्। द्र.क.रवटा शक्कर.टे.व.च्रेट.वीय.जबद्या.लुवा बर्ट्र.चर्ने. म दिन्दरायक्षेत्रक्ष्यः वृद्धायसम्बद्धाराम्यक्षात्रः नवि १ नुप्तम् भवे न र्दा। शक्षर्रेर्यस्य विषय्व देव विषय् विष्टाय विरे हिटा न भेव द्या

कुर्यातामा प्रवेश या प्रवास शक्य प्रश्नीय द्रार्थिय पर्वेष यात्रिक् या समानिका भावेता है के द्वार शाल्या में के देशाया शुरी बटाकेट. प्रसंखिताताचमान है व हार्चावका सहिट जुमारा रेस्ता वश्यक्त मेर्टर पेश्वा अलारमा में मेर्टर बर क्रा भवेष ने तिह्ना वेश स्थल हैं निर्देश नेश्वा हैं से बेटा ने वेद्राय पर्देश भु.श्. भक्ट किट मा पर्देश ग्रीट तर्देश मुद्रेश हे अर्थ तम्मे प्रदेश वसमायानावाकुत्वसा दर्गार् सङ्ग्रीनाश्वस्य भुतसावनीद्रदा वस वयसायासुदावडी नाल्यास्य संस्थान महीदाद्वसानाया के र्वसासु ल्हा इर व्र र ने प्रवेश देश देश है । अ अर में मान अ वर देश र अहा क्रेन मिड्न के मिट्ने है। कुं निराल क्षेत्र न मुनाय नहर है। दे नक क्रेंक नेन नेद लेना माश्राद्धा विसामसम्परा दे.व. बर्ताक प्राचा में ना कर केंबा हे हे हैं हो। ने प्रमार्क्स मेन ने प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के दे ज्यार भेती व कर व तरा द क्रिया हैना कुन व क्रिया हैन व देखा पर क्री र प्रशासका है। है 'देर मिश्राचर लट प्रमुख मी में मार्ड मार्थ है। मुर्च मिन्द्रात्ते दि नश हर्षा भेग के जिमास माश्रित्स पर मिन्द्र करा हेन्द्रावर्षाक्रियां वेदायां वादायां देव विकास व क्रमासाया हु क्रासायम् प्रमानम् राम्या ह्यूर,रचो.जिश.च.चुचे,तश.**ध्रुंट.चुझ.चंत्रल.ग्र**.चे**शरस**.च.प्रेटी।

(\$03)



च.ड्रॅ.चेड्रेश.ची चडेश.चंडेल.चेल.कून स.ब्रे.डेर.चे.टेट HN.851

REFERE

न संहासक्त्री वा हे मिन हिन रेश नेपाय विमानीस पहर प्रह्म पाना न में ने प्रहे लेंद्र या नेदा वह वा पहुंचा दे वह सामित कि वह के प्राप्त के विकास के प्राप्त के विकास के प्राप्त के श्रेश.येट.ट्र.सॅट.वुर.क्रांचरशुरी वद्दर.पंद्रज.रेजुंची.वंचस.स.वेस. यर. र्वहूच् . थु. १८८. व. रेट. । अ. विज्ञाची द अर. ४८८. वेच ट. अ. वेच ट. देश्याचर क्षेत् केथ क्रिंग रसादेट प्रशास्त्र के साथक्षरा है सिंद र वैट.चर् नेश्म.जेन त.रथम.छेर.चर्डे.भ्रेभ.पंडेन.थेन.क्नेम.श्र... बि.मी.व.प्र. वनार ट.क्स.जुर वर्षर क्रा

मित्रामान्यत्वात्रा के.कर.त्रिन्तायात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा प्रेट.चर्तुर.पर्टेच ।रेचर.एय.ट्रे.रेच.च्र्रे.चर्ट्च.रीक्ष.राज्य. **बर्** पर के श्रेश के प्राप्त कर कर के समार पर पर के से प्राप्त के समार के समार के प्राप्त के समार का समार के समार के समार का समार का समार का समार का प्रमा द्वा वा वा ने में ने में ने प्रमान के ने प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र गु.रेय.चडी अस श. थट.चणीर. कश्चेचश. शत्रे रे . अंदू श. थर . मु. चेल. त्रेत. क्षेत्र. कष्टा क्षेत्र. क्षेत्र. कष्टा कष्ट वास दे मेद पुम खुद रेट चे हिन के के स दे दे वे वे ना मार ह रे.पर्टेट.ट्रे.पर्श्वास्त्रीट.क्षेत्राचना नविश्वात स्त्रेत्राची नविश्वास प्रेशास्त्रेरा मार्द्र्

ब्रि.स. १०११ स् वृ.सूट.६ था.स.ट.लचु.बि.स.रेट.। वे.रेता.सूट.भर्ष.

प्रिश्च ति त्राची त्रा

८८. चर्डे १. चूर्-तकार ट. कुर्मित्मव् ए. माक्सा सिर किर्ना सिर श रिम्मह्त अर्डे १ मी वर्डे जान्य सिर किर प्राप्त सिर्मा स्था सिर्मा सि क्रिन् क्रिय्याम् व्याप्ते विक्ति विक्ता विक्रियाम् वि

२०१७ म् मु दन दिया है स्मा में हेश स नूर्र द में नमा मी वर्षेत्राताक्रसास्याचान् न्नानु द्नान्नु त्रमानु द्वरमी क्रिका स्वान् साकाक्रतानु ना वश्चर दश्चर द्राप्तर प्रमार हैं अपने प्रमान स्थान विकास मेरा त्रे वृत्र सहत् समृद्र त्वृत्यम् ग्व मिर्म सामिर्म सामिरमा सामिरमा विदार्त्रे नामा में शा १००० हाया वर्ष दा दा दा है। सर सर सर वर्ष वर है के हैं सी क्या कू. तूर् मिबिर मुंबा क्रेंट सूचा ने बादा बंबा चंडर तूर् वंश मि वंचा. निविद्यात्रीयात्रायात्रीयात्रात्रसार्वेद्रात्यात्रात्री विद्यत्रीत्रात्रीयात्री मार्डे श्चापने अ व्यक्ति पुराय प्रायम स्थित अ व्यक्ति प्रमृत ग्राप्ता कु दना मीश वर्ष में पर्दे र पहिंचा पर्दे र स्प्रेंद पास रेहा मु वमा से सट है र निविद्यान्त्रं निक्षाया व्याप्त विद्यान में स्वाप्त में स्वाप्त में द्वार में स्वाप्त में दिए हैं स्वाप्त में समायान्य मार्गेट्य विद्या विद्यान विद् वर्ष्या वर्षा वर वर्षा व पहेंब निकारे के बना नि दे महिन की का पर्मेन का स्वाम नि वेना है वर्त्ते समिन वर्ते की देव मिठद का इस स्त्री मार वस स्त्री वर्त्ते का हुव या वे स्व समामी नावी तेना के वा गुमा ने वे किया ग्रीमा न वि न किया हिशायना विष्टेर अहूर या अमानमास मिट है वे छेश हुँ द शेद। मुन्नर नालुद्रानी मूर्निम् स्मायायहेब ब्रायद्र गुः द्वा नहिंद्र या के द्वा । मुं बन नै न बुद्ध क्ष्म मार पु व्यक्ति पा ब्रिट क्ष्म प्रकृति ने स्मान स स्रुर्गाता विर्मेश्व त्रिन्तु या बतास निर्मेश से किर स के हिर पारे दी कू कर वर्त्र भूक में देव के पर में भिष्य ।

चीतान् नामिक्य स्त्री स्त्री

पद्यक्ताः त्र्यम् कृतः वे क्रियः वे प्रमानि । व्याप्तः विद्यक्ताः विद्यक्ताः

मुत्रायत् के स्वत् के स्वत् के स्वत् के स्वत् स

ट.कूश.ची. हेन्।श.वेट.।।

स्तर्यते राम कुर्य क्षेत्र क्ष्या मार्थिया कुर्य स्तर्भ स

त्र् तिक्ष्मिट, शि. ७ . कुल. ४० टटा। कु. जू. ७०४.० शि. ७५४ म. १ व.

SHI

-92-

क्ष बश्च त्र्रेय क्य दें र के प्रति क्य के हि तेन प्रति महें न या

ह्यू. ७७४० ^{च्रु.} ७७ **द्र्य. ४८ इस.च वर्ष. १४.४८म. १४.४४ ४४ ४४ प्रे**श प्रवेश वित्र क्र्याक्ष.क्री.क्रुप.क्ष्रेय.क्ष्र्य.क्ष्याक्ष्यकर.च.स्यूर.वश्य.क्ष्र.क्ष्यूर.वे.क्ष.क्ष्यूर.वे.क्ष्यूर.वे.क्ष निवास स्वर् दावहंत्र वृद्य स्त्र हुद सहद म्ह्रीट स्वर नादर सवे नादर देव ब्रि.चय.स्मा वर्गीमास केर्नु रेश क्षेत्राल्य छ्टे क्रूमास प्रीटर म्या यस्र नवित्र विविद्यात्र वहून्य नवित्र प्रवे क्षेत्र विद्यु प्रवेश दश्य स्थार दि । मुर्म वर्द्धवाद्देश्वामिति हो हे हेर सुरित्र मार्क्स का वाम हर में क्या मार्थिया वियास प्रमा दिन राष्ट्र राष्ट्र रा इता इति । दि मार्थित क्स 4. - 14 . - 14. - वर्त्त्र मेरे रेग्य द्रा केंस के मेरे तु मेरे उ हुई वे दु मार पर विश्व.तर वहेब अभ्यातविक स्वेश क्ष्यं शास्त वर वर वर वर वर्ष मा विन्यान्त्रम् नावदानान्त्र व्यामान्त्रम् विकारमाव वर्ष्ट्र स्ट दः बेसारे प्रदुव नु पर्वेद किया है के 1000 वामु दूस देश कर मुसस वन्नाय वह ब वहूं थ मुद्दे स्मान स मेर्द्र है र र र द्वर क कर स्ट स्ट स्ट द्वा व्यव देश दरा दर्द देश मुद्द देश मुद्द के प्रति विदे दे व्यर्केटा द्वानावर वर् द्वानी ज्ञान र केर द्वाना वास्रामा स्व नवर देशका ले वि. खे खे वी

चंद्र की द्वार प्रस्ति का हु भी ज़ैर कर में भूते देवर की है के अपने का कर के कि में के प्रस्ति के कि में कि में के प्रस्ति के कि में कि में के प्रस्ति के कि में क

मबिट वस मेल वर्षेत्र भी मुस्स सबिव म्या मिर स मित्र में स्था मिर स में स में

तैश्र कुरास्त्री, हुश्र स्वाचा काई हू तु, येश्वर ते वेश्वर ता रही। वैद्या सामा स्वाचित प्रताम स्वाच्या प्रताम प्रताम प्रताम स्वाच्या स्वच्या स्वाच्या स्वच्या स्वच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वाच्या स्वच्या स

मदी मिन क्रिक् क्रिक क्रिक् क्रिक् क्रिक्क क्रिक क्रिक्क क्रिक क्रिक क्रिक्क क्रिक्क क्रिक क्रिक्क क्रिक क्रिक्क क्रिक क्र

ऑर्'व'रेड्।

त्वाकार्ट्चा त्वाकारा ची प्रकासकार्या। स्वाकार्ट्चा त्वाकारा ची प्रकासकार्या। स्वाकार्ट्चा त्वाकार्या क्वाकार्या त्वाकार्या ची क्वाकार्या त्वाकार्या त्वाकार्या क्वाकार्या क्वाकार्या क्वाकार्या क्वाकार्या व्याक्षा त्वाकार्या व्याक्षा त्वाकार्या व्याक्षा त्वाकार्या व्याक्षा त्वाकार्या व्याक्षा त्वाकार्या व्याकार्या व्याक्षा त्वाकार्या व्याक्षा त्वाकार्या व्याकार्या व्याक

मार्के दा मार्भेर द्यान द्रमी व्यक्ष मर र्रद्या मेर् प्रदेश मार्

मास्त्रम्य। यं से दे हैं हों वर्णेनाय के हो दे वर्ष मास्त्र माहिता के दे वर्षे के हों वर्णेनाय के हो दे वर्ष के स्वार के स्वर के स्वार के

वर्षेत्। द्रशासे द्रशासे द्रशासे द्रशास द्र

भ्या कुं महर्मेद वर देन से दे त्वा विद्वार के वर से से दे त्वा विद्वार के त्या के त्य

विन्या क्रिंग्रा नेस्राह्मा स्मिन्न मिन्न मिन्न मिन

स्थान्त्र महित्त्व स्थान्त्र स्थान्त् स्थान्त्र स्थान्य

- ० क्रिंशक्ष अञ्चलक्ष्म क्रिंट निक्त क्रिंश क्रिंड क्रिंड
- द्वाः स्वायाम् स्वायाक्ष्याम् वदः द्वीः स्वायाक्ष्याम् स्वायाम् स्वायाम्यम् स्वायाम् स्वयाम् स्वायाम् स्वयाम् स्वायाम् स्वायाम् स्वयायाम् स्वयायाम्यायाम्यस्य स्वयायायाम् स्वयायायाम्यस्ययायायायायायायायायायायायायाय

- त्री.र.प.लूर्॥ वीर.पप्र.क्षट.प.माबर.रमा.रट.श्रुश्च.श्रुर.प्र.क्ष्य.क्ष्य.क्ष्य.श्रुश. वीर.पप्र.क्ष.श्रुश.र्थ्य.क्षय.क्ष.रट.रपट.रप्र्य.क्षय.क्षर.प्र.क्षय.क्ष्य.क्

 - ८ मात्राक्रेन्द्रिमा हुर् समा हुर् गी. कुरे ने ही लू ं कि क जू शक्ष कर.

- बर्द्रन्त्रद्द्रित्त्र्रे प्रत्ते अस्य मुद्द्रम्पत् विक्राय वे अन् क्रिया द्द्रम्पद्दे विक्राय दे अन् विक्राय दे अन्य विक्रा
- २० द्वर्याना निमानास्य प्राप्ता कर सिरा देना सामाने प्राप्ता है। विस्था स्वाप्ता स्
- त्र संक्ष्यं निष्ठे में निष्ठ में में क्ष्यं में में क्ष्यं में क्ष्यं में में क्ष्यं म

इस्रश्राचीन अपनार्तितर नेने दर विनित्ति स्वि कु वन मुक्र ने केंन

१३ वर्षे हिन्। ट. ह्य अट द्वास वर्णे दे हटा द्यासूना स्वतः यहै ।

१३२ **समायराधा पुते व्हर्साव ।** १३३ समायराधा पुते वहसाव १००१० त्राच दुराव है संस्मासुमा विद्

ध्येदै ज्दारी मेना में ज्दार् हुई नातुदा क्षु हन।

द्वेश्नावुदःश्चर्यः प्रतिद्वाष्ट्वा द्विश्वाव्यः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर् स्वरः स्वरं प्रति स्वरं स्वर्तः स्वर्तः स्वरं स्वर

में.रच.चेंडे:.रंश कुटल लुचे.टंट्र.ज.३र.टंट्च, क.चेंड्य कंडक.

कट्सालेना देने वट लूर भर्त मूर्च बट क्ष्मश्न में वन ता मानुट

२४ ही त्र १८४० त्र द्रेन पारेट रिवेद मिवा प्रेस के स्ट्रिस पारे द्री

अवश्रात्वेद्शह्निश्च हुन पर देव महेंद्र महेंद्र पर हुन महेंद्र माने निक्षा

- महर्नायक्ष्मायते नादसम्बद्धाः के मुन्ता नामान्ता वामा खुला मुन्ते ।
- मध्र-मुक्ष पर्ने स्थानी स्थित स्थित स्थानी स्थानी
- १८ हैं। व्या १८८० व्या की देना मी दें द मार्डे द रा दे द मार्वे द द स है रा क्षेत्र पुरुष द रे द !!
- के प्रहार प्रमा के प्राप्त के कि स्वाप्त के स्वाप्त के
- स्त्रिक्षः मित्र मित्र

त्रभार्ट्।

क्षान्त्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रभाग्नेत्रभाग्य

- च्रं मु कु नक्कें त्यम निहर तिमर हे स्वार्टर ने कि मार्ट्रा मिला के स्वार्टर ने मिला के स्वार्टर ने मार्ट्रा में स्वार्ट्र में स्वार्टर ने मार्ट्रा में स्वार्ट्र मे स्वार्ट्र में स्वार्ट्र में

मीवट्रिट्रायट्र सर्वेद्रायद्वेय दसः वर्षः निवः प्रद्रम्।

- २० स्मेम स्मान स्
- वनान्त्रका स्थान्य । वेद्रान्त्रमा स्थान्य स्

श्रीत्र था संस्था निष्ठेश गार प्रदेश या सामार में भिर्त तर प्रदेश की गार मिल्ट प्रस्था निष्ठ प्रदेश की प्रस्था प्रस्था मिल्ट प्रस्था मिल्ट प्रदेश की प्रस्था मिल्ट प्रस्था मिल्ट प्रदेश मिल्ट प्रदेश मिल्ट प्रस्था मिल्ट प्रस्था

- मु स्वान्त्र प्रति हिंदा मु कि प्रति हिंदा मु का प्रदेश प्रति हिंदा में कि प्रति हिंदी म
- क्ष्यत्वकः तर्वः त्याक्षेटः हेन्यः क्षेः विन्तः क्षेत्रः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्य क्षेत्रः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः क्षेत्रः विद्यः विद
- द्रा तन्ने वित्रश्चित्रा मैं म्येर वट स्ट्रिंग स्ट्रिंग स्ट्रा स्ट्रिंग स्

- पहर्नान्द्री।

 पहर्नान्द्री।

 पहर्नान्द्री

 पहर्नान्द्री

 पहर्नान्द्री

 पहर्नान्द्री

 पहर्नान्द्री

 पहर्नान्द्री

 पहर्नान्द्री

 पहर्नान्द्री

 पहर्मान्द्री

 पहर्मान्द्री
- ০,৯ বর্ধনার্ধ,শুব,শুলাধ,পদ। ব্র্বেধ্ন ব্র্বিশ্রমণ দ্রীন শ্রীন শ্রীনার্ধীন শ্রিমণ শ্রীন শ্রীন শ্রীনার্ধীন শ্রীন শ্রীন শ্রীনার্ধীন শ্রীন শ্রীন শ্রীনার্ধীন শ্রীন শ্রীনার্ধীন শ্রীন শ্রীনার্ধীন শ্রীনার্ধীনার্ধীন শ্রীনার্ধীন শ্রীনার্ধীনার্ধীন শ্রীনার্ধীন শ্রীনার্ধীনার্ধীন শ্রীনার্ধীন শ্রীনার্ধীনার্ধীন শ্রীনার্ধীন শ্রীনার

मेर्-लीलाक्ष-परेगा। प्राप्त-क्रिय-क्रिक-प्राप्त-क्रिक-प्

३० द्धाः प्रकृताः वेद्याः स्वरं ति । प्रति स्वरं स्वरं १९८० ह्याः प्रति स्वरं १९८० ह्याः स

मिन्यामाश्रमानि मिन्न म

र्वेर् के अट थ न्विर्देग लेट्स र्ट प्र दे र के सेर हैं र मुल्या

निः स्टार्निः स्वीः याने स्टार्ने स्वीः स्वीः स्वार्थः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वारः स्वरः स्वारः स्वरः स्व

चर्ने स्था स्था में स्था में क्रिय में क्रिय में स्था म

स्मित्रान्द्रियित्व स्मित्रात्त्र्य क्ष्ये मित्रात्त्र्य क्ष्ये स्मित्र स्मित

त्राक्षरम्भः स्त्रा। स्राक्षरम्भः स्त्रान्तः स्त्रान्

- हस्रत्यर मिर्मूर प्रेर्डिश मुन्ति स्ट्रिश मिर्मिश हे प्रेर्म । प्रियः नाम्य प्रमूच मिर्मिश मि
- अ.क्षुत्र.चतु.कुश्चरता इचा.चीबट.ची.चोवश.बेटश.ज.चड्ड.पड्चा. इ.च्रु.कुप्र.चीबु.कुप्र.चचा.च.कुपु.कुच.वट.चटा। च्रिट.कुपु.वेब्रिक्ट्यूट.

र्नोह्म क्रियान् वर्षेत्र वस्तुत्म नुः क्रुयान

मूंश्वाचर्त्ररम्भेशाचिर्दाक्ष्याचर्रमूंश्वाक्ष्याः स्ट्राम्पेशाचिराम्याः स्ट्राम्युः पुंशान्त्ररम्भेशाः स्ट्राम्युः स्टर्यस्टिम् स्ट्राम्युः स्टर्यस्टिम् स्ट्राम्युः स्ट्राम्युः स्टर्यस्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्टर्यस्ट

নুমান্ত্র্নামান্ত্রনামান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্তর্মান্ত্রম

नुष्यः क्षेत्रः कष्टः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टः क

- ट्रश्यर र्व्यूश्य प्राप्ते अलेश पश्चर अव के व्यूश पहें की। विय नाश्या पश्चे पश्चे प्रमुं प्रश्ने प्रविष्य प्राप्त के प्
- केंद्र कें कर में र र प्रमास्त महिद्र में केंद्र प्रमास हो साम केंद्र प्रमास हो सम केंद्र के

ेब्यन्त्र्र्या चिट्ट.टे.त्य-पश्चेत. इंट्र म्रीट-स्ट्ट्रियट-त्य-भे.स्र-जूना-क्ट.ची-याजि-तर्जुज-वहुदा

Edited, Printed & Published by at the Freedom Press, Darjeeling.